वसुधैव कुटुम्बकम्

सनातन - वैश्य वर्ण

अग्रवाल समाज वंशावली



A wealth of knowledge on genealogy

।। वार्षिक पुस्तक 2025।।

harshgoel2k@gmail.com

harshgoel2k@gmail.com

वसुधैव कुटुम्बकम्

सनातन - वैश्य वर्ण

अग्रवाल समाज वंशावली

।। वार्षिक पुस्तक 2025 ।।



हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

(लेखक एवं संकलनकर्ता)

agrvanshawali@gmail.com

रविवार 30 पौष 2082
मौनी देवपितृकार्य अमावस्या
18 जनवरी 2026

पूजनीय

माताजी

एवं

पिताजी

को

समर्पित

harshgoel2k@gmail.com

।। मंगलाचार ।।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमदच्यते।

पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

ॐ शांतिः शांतिः शांतिः

Om Purnamadah Purnamidam Purnat Purnamudachyate।
Purnasya Purnamadaya Purnamevavashisyate॥
Om Shanti Shamti Shanti॥

Om! Creator God is an embodiment of infinity (Limitless and complete). complete emerges from the complete, and embracing the boundlessness of the infinite the creator persists as the infinite and complete.
Om! Peace, Peace, Peace.

ॐ सृष्टिकर्ता भगवान अनंतता, असीम और पूर्ण है पूर्ण, पूर्ण से उत्पन्न होता है और सृष्टिकर्ता अनंत और पूर्ण के रूप में विद्यमान रहते हैं।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

harshgoel2k@gmail.com



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

harshgoel2k@gmail.com



आदि लक्ष्मि नमस्तेऽस्तु परब्रह्म स्वरूपिणि।
यशो देहि धनं देहि सर्व कामांश्च देहि मे।।

harshgoel2k@gmail.com

।। कुलदेवी महालक्ष्मी का आशीर्वाद ।।

उवाच मधुरा वाणी, साधूनामभयकरी। वरं ब्रूहि महाराज, यस्ते मनसि वर्त्तते।।

ददामद्यैव सकलं, तव पूजा प्रतोषिता ।। महालक्ष्मी वृत कथा 90।।

महालक्ष्मी अपनी मधुर वाणी में बोली, मैं तुम्हारी भक्ति से प्रसन्न हूँ, हे यथेष्ठ, जो तुम्हारे ह्रदय में कामना हो वह वर मांगो, मै तुम्हे मनोइच्छित वर देती हूँ ।

तब कुलं न विमोक्ष्यामि, यावच्चन्द्र दिवा करौ।

वशं भवतु ते शक्रो, सदेवों बलवाहनः।। महालक्ष्मी वृत कथा 92।।

जब तक सूर्य चन्द्रमा विद्यमान हैं तेरे कुल पर कृपा दृष्टि रखूंगी, इन्द्र आदि देवता तुम्हारे सहायक होंगे अग्रकुल के जन बलवान और वाहनयुक्त होंगे।

आधार अभवत्येषा, कथा ममुतवान्विता।

भुवि येषां गृहे पूजा, लिखिता चापि पुस्तकी।। महालक्ष्मी वृत कथा 93।।

तदहं न विमोक्ष्यामि, यावती पृथिवीमिमा।

प्रसादं च स्वयं भुक्त् वा नान्यस्यै प्रति पादयेत।। महालक्ष्मी वृत कथा 94।।

इस जगत में जिस-जिस घर में मेरी पूजा होती है जब तक पृथ्वी रहेगी मैं उनका साथ नहीं छोड़ूंगी। जो मेरा प्रसाद ग्रहण कर औरो को दें , विद्वान को भोजन करावे, जिस घर में विधि विधान से पूजा होवें उस घर से दरिद्रता नष्ट हो जाएगी।

शत्रु रोग भयं नारित कुल कीत्ति प्रवर्धनं।

पुत्र पौत्र कुलैः सार्ध भुक्ष्व राज्यमकंटकम्।। महालक्ष्मी वृत कथा 96।।

शत्रु या रोग का भय नहीं रहेगा कुल और कीर्ति सदा बढ़ती रहेगी। अपने पुत्र-पौत्र और कुल के साथ बिना किसी बाधा के राज्य का भोग करोगे।

स देहेन च गोलोकमन्ते यास्यसि निश्चितम्।

ध्रुवस्थ पूर्वे द्वौ तारौ भविष्ये च प्रियासह।। महालक्ष्मी वृत कथा 97।।

निसंदेह तुम्हें स्वर्गलोक प्राप्त होगा, राजन तुझे मेरा यह सब आशीर्वाद है, तुम्हारा वंश ध्रुव की भांति सदा अटल रहेगा।

।। अस्वीकरण (DISCLAIMER) ।।

पुस्तक संग्रह वसुधैव कुटुम्बकम् - अग्रवाल समाज वंशावली - वार्षिक पुस्तक 2024 और उसके साथ संलग्न पुस्तिकाओं के निरूपण, टंकण और प्रकाशन में और उसके अन्य स्वरूपों का प्रस्तुतीकरण अत्यधिक सजगता के साथ किया गया है यह पुस्तक संग्रह किसी भी मान्यता, वर्तमान नियम और नीति के उल्लंघन का मंतव्य नहीं रखती और न ही करती है न ही कोई अपना नवीन मत प्रस्तुत करती है या उसका अनुमोदन करती है इसका दृष्टिकोण तटस्थ है और लेखक द्वारा प्रस्तुत सामग्री यथावत प्रस्तुत की गयी है कथचित लेखों में त्रुटियां, पूर्वाग्रह, प्रतिरूप में वर्तिनी और संग्रह में भिन्न मत रह सकते हैं। हम पाठकों को इन समस्याओं के समाधान पाने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अधिकांशतः लेख और वंशावली पूर्ण अथवा आंशिक रूप से सहयोगी व्यक्तियों द्वारा प्रदत हैं इन लेखों में वैज्ञानिक, शैक्षणिक अथवा व्यावसायिक योग्यताओं का अभाव हो सकता है।

यह संकलन स्वयंसेवकों और योगदानकर्ताओं के सहयोग और रुचि पर आधारित है। यह किसी भी प्रकार की किसी भी न्याय व्यवस्था में दंडनीय नहीं है मात्र सन्दर्भ के लिए अन्य सन्दर्भों की पुष्टि के लिए प्रयोग की जा सकती है। यदि इस कृति से किसी भी प्रकार की क्षति अथवा व्यवधान पहुँचता है तो इस पुस्तक से सम्बंधित कोई भी व्यक्ति और संस्थान उत्तरदायी नहीं है।

किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए लेखक को सूचित करें कमी सुधार ली जाएगी।

harshgoel2k@gmail.com

।। अनुक्रमणिका।।

harshgoel2k@gmail.com

।। मंगलकामनाएँ ।।



हर्ष वर्धन गोयल
(लेखक/संपादक)

वसुधैव कुटुम्बकम् का वार्षिक अंक 2025 प्रस्तुत करते हुए मुझे बड़ी हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। जीवन की यात्रा में सांसारिक उपलब्धियों और पुरुषार्थ बहुत आवश्यक है किन्तु जब इतिहास के पृष्ठ पलटते हैं, तो स्पष्ट होता है कि समाज ने अपनी सबसे उज्ज्वल ऊँचाइयाँ तभी छुईं जब उसने अपने इतिहास से प्रेरणा ली है आर्थिक पुरुषार्थ आध्यात्मिक उत्थान वस्तुतः एक दूसरे के पूरक है इसी कड़ी में अदाणी ग्रुप के चेयरमैन आदरणीय श्री गौतम अदाणी जी ने अदाणी ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 में इंडोलॉजी रिसर्च का विस्तार करने, दुर्लभ पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करने, विद्वानों को सशक्त बनाने और दीर्घकालिक संस्थागत क्षमता को सबल करने के लिए सौ करोड़ भारतीय मुद्रा देने की एक महत्वपूर्ण घोषणा की है कार्यक्रम के दौरान गौतम अदाणी ने एक बहुत महत्वपूर्ण कही कि हमें अपने ज्ञान को संरक्षित करने पर जोर देना चाहिए और उसे प्रतिबद्धता के साथ इसे संरक्षित करना चाहिए, माननीय गौतम अदाणी ने कहा कि हमारी सभ्यता अपनी विशालता प्राचीनता गूढता और अविरल चिंतन न केवल दर्शन अपितु आर्थिक क्षेत्र में भी विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है भारत अपने सांस्कृतिक सामर्थ्य को समझे और उसे उचित दिशा में प्रयास करे, तो यह देश न सिर्फ आर्थिक बल्कि वैश्विक सभ्यता की दिशा और दशा निर्धारित कर सकता है।

आज जब आधुनिकता की चकाचौंध हमें बाहरी आकर्षणों में उलझा रही है, तब आवश्यकता है कि हम हमें इतिहास को देखे अपनी त्रुटियों को पहचान कर सुधार करे उस शाश्वत शक्ति को पहचानें जो हमें संतुलन, शांति और करुणा प्रदान करती है। वास्तिविक प्रगति में आत्मा और समाज दोनों का उत्थान हो। तब आवश्यकता है कि हम हमें इतिहास को देखे अपनी त्रुटियों को पहचान कर सुधार करे उस शाश्वत शक्ति को पहचानें जो हमें संतुलन, शांति और करुणा प्रदान करती है। वास्तिविक प्रगति में आत्मा और समाज दोनों का उत्थान हो।

harshgoel2k@gmail.com

।। मंगलकामनाएँ ।।

इस अंक में हमने कुछ चयनित आलेखों को सम्मिलित किया है जिसमे प्रमुख है "तीन दिवस का आश्रय - छत्रपति शिवाजी और गनेड़ीवाला परिवार" है जिसमे छत्रपती शिवाजी महाराज का एक वृतांत दिया है। समय समय पर देश में भाषा विवाद गरमा जाता है 'विभाजन द्वारा शासन' के कुचक्र से भारत देश अभी पूर्ण रूप से मुक्त नहीं हुआ है जिस भी ठाकुर को यह लगता है की उनकी चौधराहट कम हो रही वह है वह 'डिवाइड एंड रूल' का प्रयोग अपने हितो के लिए करता है 'डिवाइड एंड रूल' नीति उपनिवेशी सत्ता को मजबूत करने और लंबे समय तक बनाए रखने का एक मुख्य तरीका थी इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय समाज को धार्मिक, जातीय, सामाजिक और क्षेत्रीय आधार पर विभाजित करना था ताकि देश के लोग एकजुट न हो और हमारी विशाल समृद्ध और विविध सांस्कृतिक देश को तोडा जा सके इस नीति ने समाज में गहरा विभाजन किया और जिनका प्रभाव आज भी कुछ प्रदेशों में देखने को मिलता है। अंग्रेजों से आने से पूर्व ऐसा नहीं था पूरा देश एक रंग में रंगा था बोली, भेष भूषा और संस्करों में स्थान-स्थान में थोड़ी भिन्नता थी किन्तु भाषा के नाम पर अलगाववाद[1] नहीं था इसका एक सुन्दर उदाहरण हिन्दवी साम्राज्य के महान शासक छत्रपति शिवाजी राजे थे, भारत के एक महान राजा एवं रणनीतिकार, जिन्होंने 16 सदी में आक्रांतों से ग्रसित भारत में पुनः सनातन साम्राज्य की नींव रखी, उन्होंने प्राचीन भारतीय राजनीतिक संस्करों, शिष्टाचारों को पुनर्जीवित किया, भारतीय स्वाधीनता संग्राम में नायक के रूप में स्मरण किए जाने वाले छत्रपती शिवाजी ने मुगल साम्राज्य के शासक औरंगज़ेब से डटकर संघर्ष किया। छत्रपती शिवाजी महाराज ने अपनी अनुशासित सेना एवं सुसंगठित प्रशासनिक इकाइयों कि सहायता से एक योग्य एवं प्रगतिशील प्रशासन प्रदान किया। उन्होंने समर-विद्या में अनेक नवाचार किए तथा छापामार युध गोरिल्ला युद्धनीति की नई शैली शिवसूत्र विकसित की। उनकी न्यायव्यवस्था प्राचीन पद्धति पर आधारित थी। शुक्राचार्य, कौटिल्य और हिन्दू धर्मशास्त्रों को आधार मानकर निर्णय दिया जाता था।

।। मंगलकामनाएँ ।।

वंशावली संरक्षण - उद्देश्य और सुरक्षा जानकारी आलेख में अग्र वंश शोध परिषद् के उद्देश्य पर एक विचारणीय लेख प्रस्तुत किया है हमें वर्तमान मापदंडों के अंतर्गत कैसे अपने इतिहास को संजोना है राजा टोडरमल का महल आलेख में प्रयागराज सहित राज टोडरमॉल के महल का वर्णन है पद और सत्ता स्थायी नहीं यदि पीढ़ी का उचित मार्ग दर्शन नहीं किया जाता और आधारभूत संसकर नहीं दिए जाए तो पद और सत्ता समय के साथ नष्ट हो जाते है

पुराणों में वर्णित, प्राचीन कामेश्वर धाम शिव मन्दिर, अग्रोदक गणराज्य की राजधानी क्षेत्र के अन्तर्गत अग्रोहा से उत्तरपूर्व में मात्र आठ किलोमीटर की परिधि में स्थित है अग्रवंश के राजा हरवंशिया के राजमहल के अग्निभस्म अवशेष इस स्थान के बिल्कुल ठीक सामने बिखरे है प्राचीनकाल से ही यह शिवालय देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। अग्रोदक गणराज्य के राजधानी में स्थित इस प्राचीन शिवालय का 800 साल पुराना इतिहास पुरातत्व विभाग में मिलता है। कामेश्वर मन्दिर (किरमारा) - अग्रोहा का इतिहास आलेख इस दिशा में एक प्रयास है इस मदिर का पुनः अध्ययन महाराजा अग्रसेन और अग्रोहा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण प्राचीन कड़ी में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।

किसी भी समाज की एकजुटता का आधार उसकी एकबद्धता है और अग्रवालों के वंशों को सहेजती यह पुस्तक इस दिशा में एक अनूठा प्रयास है। भविष्य में यह पुस्तक हमें अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति से जोड़े रखेगी इस शुभ भावना के साथ सभी के साथ आइए प्रयास करें और अपनी समृद्ध संस्कृति से जुड़ें और अपनी प्राचीन संस्कारों को, जड़ों को पुन: बल प्रदान करें!

सभी के लिए मंगलकामनाएँ!!

हर्ष वर्धन गोयल

अध्यक्ष

अग्र वंशावली शोध परिषद्

हमें अपने वंश वृक्ष को संरक्षित करने की आवश्यकता क्यों है

आइए हम यह समझने की कोशिश करें कि हमारे वंश वृक्ष की खोज करना, जानकारी प्राप्त करना, इकट्ठा करना और संरक्षण करना हमें कैसे प्रभावित करता है।

हमारी जड़ें - हमारी पहचान

यह जानने के बाद कि हम कहाँ से हैं, हमारी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि क्या है और हम कहाँ से आए हैं, हमें इस बात की समझ विकसित करने में सहयक होती है कि हम वास्तव में कौन हैं। जिस तरह से हम अपनी पारिवारिक कहानियों से संबंधित होते हैं और अपने बारे में अपने स्वयं से जुड़ते हैं, वह हमारी अनूठी, प्रामाणिक मूल पहचान स्थापित करने में सहायता करता है। और इससे हमें असीम मानसिक शांति प्राप्त होती है।

संबंध

पारिवारिक अतीत, वर्तमान और भविष्य के साथ संबंध बनाना, एक मानवीय आवश्यकता है। इससे हमारा खालीपन दूर होता है। प्रत्येक मनुष्य लगाव, अपनेपन और संबंध की इच्छा रखता है और वंशावली, उसे अपने समुदाय से जोड़ने में सहायक होती है ।

करुणा का भाव

पूर्वजों के इतिहास को सीखने से हमें एक मानसिक बल प्राप्त होता है जो आने वाली चुनौतियों की अधिक समझ करने में सहायक होता है और हमें, अधिक प्रेम और करुणा को और प्रेरित करता है। यह करुणा हमारे परिवारों के भीतर और उनके बाहर लोगों के साथ हमारे संबंधों को सुधरने में सहायक होती है , जितना अधिक हम अपने अतीत के बारे में जानते हैं, उतना ही अधिक हम अपने लोगो के के साथ जुड़ाव महसूस करते हैं।

।। राजा टोडरमल का महल ।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

प्रयागराज में दारागंज स्थित, मुगल शासक मोहम्मद अकबर के नवरत्नों में सम्मिलित, आर्थिक मामलों के गहरे जानकार माने जाने वाले राजा टोडरमल का मोती महल अब जीर्ण अवस्था में है महल का एक भाग अंग्रेजों के हमलों में ढह गया था और कुछ पर अब किराएदारों का कब्जा है. इस ऐतिहासिक धरोहर का अस्तित्व बचाए रखने के लिए टोडरमल के वंशज आर्थिक तंगी के चलते की मरम्मत कराने में असमर्थ हैं भूमि बंदोबस्त और मालगुजारी व्यवस्था लागू करने वाले टोडरमल की 16वीं पीढ़ी के वंशज अरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि हमारी दादी ने महल के कुछ कमरे किराए पर उठाए थे. किले के कमरों में अभी कुल 12 किराएदार हैं. इनमें कुछ किराएदार 70 साल पुराने हैं, जो 50-100 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से नाममात्र का किराया देते हैं. हम देश में अंग्रेजों के जमाने के किराएदारी कानून से बंधे हैं

किले के ही एक भाग में रहने वाले अग्रवाल परिवार ने बताया कि गंगा नदी के तट पर दारागंज में सन 1585 में टोडरमल ने महल की नींव डाली और पांच बरस में यह बनकर तैयार हुआ। 40 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बने किले में आज भी नक्काशीदार पायों वाला आलीशान दरबार हाल, दीवान-ए-खास, दीवान-ए-आम और अस्तबल शेष है लेकिन समय की मार ने इसकी रंगत बिगाड़ दी है. दूसरे तल पर बना दीवानखाना और राजा टोडरमल का कक्ष इस महल की शानो शौकत की भूली बिसरी स्मृतियों का साक्षी है

यह ऐतिहासिक तथ्य है कि किसी समय इस महल में टोडरमल का सचिवालय चलता था पहले खंड पर शस्त्रागार और मंत्री, सिपहसालार रहते थे. 12 जून 1857 को ब्रिटिश हुकूमत के अंतिम गवर्नर जनरल कर्नल नील ने इस किले पर हमला किया था. तब तोप के गोले दागकर पूरी गारद करने की कोशिश की गई छह में से पांच फाटक तोड़ डाले गए थे तब से इस किले में दोबारा फाटक नहीं लगे ब्रिटिश सेना ने महल में काफी लूटपाट भी की थी

अग्रवाल ने कहा कि हमारे पूर्वज टोडरमल की यह अंतिम निशानी है, जिससे हमारी स्मृतियां जुड़ी हैं. इसलिए हम इसे सरकार या किसी अन्य को नहीं देना चाहते. अग्रवाल एक समय सिविल लाइंस के एक होटल में महाप्रबंधक के तौर पर काम करते थे, लेकिन बीमारी के चलते उनकी नौकरी जाती रही और अब वह वैद्यकी से अपना जीवनयापन करते हैं. उनके दो पुत्रों में से एक पुत्र किले के बाहरी हिस्से में परचून की दुकान चलाता है, जबकि दूसरा बेटा बेरोजगार है अग्रवाल ने बताया कि आर्थिक तंगी की वजह से वह किले की टूटी दीवारों की मरम्मत कराने की स्थिति में नहीं हैं पूर्व में कई होटल व्यवसायियों ने किले का पुनरुद्धार कराने की पेशकश की, लेकिन वो अंततः इसकी मिल्कियत हासिल करना चाहते थे, इसलिए हमने मना कर दिया.

टोडरमल के राजा टोडरमल बनने की कहानी बताते हुए उन्होंने बताया कि अपने समय के प्रशिद्ध बैंकर रहे टोडरमल, मुगल शासन में पहले हिंदू मंत्री बने जिन्हें शेरशाह सूरी ने अपना राजस्व मंत्री बनाया था. पेशावर से कलकत्ता तक 2500 किलोमीटर सड़क तैयार कराने में टोडरमल की मुख्य भूमिका रही. इससे खुश होकर शेरशाह सूरी ने टोडरमल को झूंसी स्थित प्रतिष्ठानपुरी का राजा बना दिया. प्रतिष्ठानपुरी का वह किला किसी समय भूकंप से उलट गया और अब यह उल्टा किला के नाम से मशहूर है. उन्होंने बताया किइस सड़क का नाम जीटी रोड रख दिया. बाद में इसका नाम शेरशाह सूरी मार्ग रख दिया गया इस मार्ग का वास्तविक नाम टोडरमल मार्ग होना चाहिए

टोडरमल का जन्म उत्तर प्रदेश में सीतापुर के करीब लहार में हुआ था। इनके पिता इन्हें बचपन में ही छोड़कर स्वर्ग सिधारे थे और इनकी विधवा माता ने किसी प्रकार से इनका पालन-पोषण किया था। कुछ बड़े होने पर माता की आज्ञा से यह दिल्ली आए और सौभाग्य से वहाँ पर उनकी नौकरी लग गई। वह समझदार लेखक और वीर सम्मतिदाता थे। धीरे-धीरे तरक्की कर रैंकों आगे बढ़ा। तब शेरशाह सूरी ने, पंजाब, के रोहतास के एक नए किले के निर्माण के लिए टोडरमल को भेजा, जिससे उन्हें घक्कड़ छापेमारी को रोकने और उत्तर-पश्चिम में मुगलों के लिए बाधा का कार्य करना था।

मुगलों द्वारा सूर वंश को उखाड़ फेंके जाने के बाद, अकबर के अधीन, उन्हें आगरा का प्रभारी नियुक्त किया गया। बाद में, उन्हें गुजरात का राज्यपाल बनाया गया।

कई बार, उन्होंने बंगाल में अकबर की टकसाल का प्रबंधन भी किया और पंजाब में भी सेवा की। टोडर मल का सबसे महत्वपूर्ण योगदान, जिसे आज भी सराहा जाता है, वह यह है कि उन्होंने अकबर के मुगल साम्राज्य की राजस्व प्रणाली की नई व्यवस्थ कर दी।

राजा टोडरमल ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के लहरपुर में अपने लिये एक किले-महल का निर्माण किया था। टोडर मल ने भी भागवत पुराण का फारसी में अनुवाद किया था।

वर्ष सन् 1572 ई. में गुजरात की चढ़ाई पर यह अकबर के साथ में गए थे और बादशाह ने टोडरमल को सूरत का दुर्ग देखकर यह निश्चय करने भेजा था कि यह दुर्ग टूट सकता है या अभेद्य है। गुजरात प्रान्त में बादशाह के आने से विद्रोहियों के उपद्रव से साफ़ हो गया था। राजा कोष की विभाग की जाँच करने के लिए टोडरमल को छोड़ गए थे कि न्यायपरता के साथ जो कुछ निश्चित करें, उसी प्रकार की वेतन–सूची काम में लाई जाए। वर्ष (सन 1574 ई.) में टोडरमल पटना विजय के अनन्तर झण्डा और डंका मिलने से सम्मानित होकर मुनइम ख़ाँ ख़ानख़ानाँ की सहायता के लिए बंगाल में नियुक्त हुए। यद्यपि सेनापतित्व और आज्ञा ख़ानख़ानाँ के हाथ में थी, पर सैन्य संचालन, सैनिकों को उत्साह दिलाने, साहस पूर्ण धावे करने और विद्रोहियों तथा शत्रुओं को दण्ड देने में राजा टोडरमल ने बड़ी वीरता दिखलाई। गुजरात प्रान्त का प्रबन्ध ठीक नहीं था और वज़ीर ख़ाँ की ढिलाई से वहाँ पर गड़बड़ी और अशान्ति थी। इसलिए राजा टोडरमल को उस प्रान्त का प्रबन्ध करने के लिए नियुक्त किया गया। यह बुद्धिमानी, कार्यदक्षता, वीरता और साहस के साथ सुल्तानपुर और नदरबार से बड़ौदा और चम्पानेर तक का प्रबन्ध ठीक करके अहमदाबाद आए और वज़ीर ख़ाँ के साथ न्याय करने में तत्पर हुए। एकाएक मेहर अली के बहकावे से मिर्ज़ा मुजफ़्फ़र हुसैन का बलवा मच गया। वज़ीर ख़ाँ ने चाहा कि दुर्ग में जा बैठे; पर राजा टोडरमल ने साहस करके उसे युद्ध करने पर उत्साहित किया और 22वें वर्ष में ध्वादर के पास युद्ध की तैयारी की। वज़ीर ख़ाँ ने सैनिकों को भागने से लड़ मरना चाहा और पास ही था कि वह काम आ जाता, पर राजा टोडरमल अपने विपक्षी को भगा कर सहायता को पहुँचा और एक बार ही घमण्डियों के युद्ध का ताना–बाना टूट गया। मिर्ज़ा जूनागढ़ की ओर भागा।

राजा टोडरमल ने कोष और राज्य के कार्यों को नए ढंग से चलाया और कुछ नए नियम भी बनवाए जो बादशाही आज्ञा से काम में लाए जाने लगे। उनका विवरण अकबरनामे में दिया है अल्लामी फहामी अबुल फ़ज़ल इनके बारे में लिखते हैं - "यह सच्चाई, सत्यता, कार्यदक्षता, कार्यों में निर्लोभता, वीरता, कादरों को उत्साह दिलाने, कार्य कुशलता, काम लेने और हिन्दुस्थान के सरदारों में अद्वितीय था। पर द्वेषी और बदला लेने वाला था। उसके हृदय के खेत में थोड़ी कठोरता उत्पन्न हो गई थी। दूरदर्शी बुद्धिमान ऐसे स्वभाव को बुरे स्वभावों में गिनते हैं। मुख्यतः राजकीय कार्यों में जहाँ संसारी लोगों का काम उसे सौंपा गया हो।

सम्राट के वक़ील नियत हुए थे। यदि उसकी बुद्धितानी के मुख पर धार्मिक कट्टरपन का रंग न होता तो ऐसा अयोग्य स्वभाव न रखता। राजा टोडरमल अकबर के राजस्व और वित्तमंत्री थे। इन्होंने भूमि-पैमाइश के लिए विश्व की प्रथम मापन-प्रणाली तैयार की थी। जनपद हरदोई में उत्तर प्रदेश राज्य के राजस्व अधिकारियों के लिये बबनाये गये एकमात्र राजस्व प्रशिक्षण संस्थान का नाम इनके नाम पर राजा टोडरमल भूलेख प्रशिक्षण संस्थान रखा गया है जहां आईएएस, आईपीएस, पीसीएस, पीपीएस के अलावा राजस्व कर्मियों को भूलेख संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है।

'तारीख़े–ख़ानेजहाँ लोदी' में लिखा है कि शेरशाह ने टोडरमल को दुर्ग रोहतास बनवाने पर नियुक्त किया था; पर गक्खर जाति एका करके किसी के भी काम में बाधा डालती रही। टोडरमल ने जब यह वृत्तान्त शेरशाह से कहा, इस पर उन्होंने एक–एक पत्थर होने की एक–एक अशरफ़ी मज़दूरी लगा दी जिस पर इतनी भीड़ हुई कि आप से आप मज़दूरी अपने भाव पर आ लगी। जब दुर्ग तैयार हो गया तब शेरशाह ने उनकी बहुत प्रशंसा की थी।

अकबर के राज्य के 9वें वर्ष सन् 1564 ई. में टोडरमल ने मुजफ़्फ़र ख़ाँ की अधीनता में कार्य आरम्भ किया था तथा इसके दूसरे वर्ष अलीकुली ख़ाँ ख़ानेजमाँ के विद्रोह करने पर यह मीर मुईजुलमुल्क के सहायतार्थ लश्कर ख़ाँ मीरबख्श के साथ लेकर गए थे। युद्ध में बादशाही सेना परास्त हुई और ख़ानेजमाँ का भाई बहादुर ख़ाँ विजयी हुआ। बदायूनी भाग 2, पृ0 144 में लिखता है कि इनकी राय में वह अजेय नहीं था और उसके जीतने के लिए बादशाह के वहाँ जाने की भी आवश्यकता नहीं थी।

अठारहवें वर्ष के आरम्भ में टोडरमल पंजाब भेजे गए कि वहाँ के प्रबन्ध में अपने अनुभव से सूबेदार हुसैन कुली ख़ाँ ख़ानेजहाँ की सहायता पहुँचावें।

राजा टोडरमल के कई लड़के थे और सबसे बड़े का नाम धारू था। अकबर के समय में सात सौ सवार का मनसब मिला था। ठट्टा के युद्ध में ख़ानख़ानाँ के साथ बड़ी वीरता दिखलाकर मारा गया। कहते हैं कि घोड़ों की नाल सोने और चाँदी की बँधवाता था। एक अन्य पुत्र, कल्याण दास को टोडर मल ने हिमालय के कुमाऊँ के राजा को वश में करने के लिए भेजा था। 8 नवंबर 1589 को लाहौर में टोडर मल की मृत्यु समारोह में लाहौर के प्रभारी उनके सहयोगी राजा भगवान दास उपस्थित थे। अपने दो बेटों में से धारी सिंध में एक युद्ध में मारा गया था।

किले के ही एक हिस्से में रहने वाले सुधांशु अग्रवाल, टोडरमल के 17 वी के वंशज चाहते हैं, कि इसका जीर्णोद्धार और संरक्षण हो। संगम तट पर अकबर के किले के निर्माण के दौरान राजा टोडरमल ने वर्ष 1585 में मोती महल की नींव डाली थी। 1590 में निर्माण पूरा हुआ। किले के छह में से पांच फाटक टूट चुके हैं।



किले के नीचे के तीन खंड बंद हैं। हमारे पास संसाधन नहीं हैं, जो नीचे के तलों को खुलवा सकें। नीचे के हिस्से में कई अनूठी निशानियां दबी पड़ी हैं। सहायता के लिए कई बार पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन से प्रार्थना की गई।

संगम नगरी में राजा टोडरमल के ऐतिहासिक मोती महल के प्राचीरों की ईंटें अब दरक रही हैं। राजमहल के अस्तबल में जहां कभी हाथी-घोड़े शान हुआ करते थे, अब वहां गायें बांधी जा रही हैं। राज दरबार से भाग जीर्ण शीर्ण अवस्था में है। गंगा किनारे करीब 40 हजार वर्ग फीट क्षेत्रफल में बने किले में नक्काशीदार पायों वाला आलीशान राज दरबार, दीवान-ए-खास, दीवान-ए-आम और घोड़े बांधने के लिए अस्तबल है तो, लेकिन खंडहर में हो रहा है । चारों तरफ कूड़े के ढेर और बिखरा कचरा किले की सूरत बिगाड़ रहा है। उत्तर-पश्चिम कोने पर द्वितीय तल में दीवानखाना और पश्चिमी कोने पर राजा टोडरमल का कक्ष बस्ट खस्ता हालत में अभी भी देखा जा सकता है। विडंबना देखिए हज़ारो लाखो रुपए भंडारों और रंगीन समारोह, कथा वचन पर खर्च करने वाले अग्रवाल परिवार क्या अपने अस्तित्व के स्मृति चिन्ह के संरक्षण में समर्थ है ?



harshgoel2k@gmail.com

।। श्री - शब्द की व्याख्या ।।

"श्री" एक अत्यंत प्राचीन समृद्ध और बहुआयामी शब्द है, जिसका प्रयोग भारतीय संस्कृति में आदर, सौंदर्य, वैभव, अध्यात्म, कीर्ति, यश, शोभा, सौंदर्य, वैभव, प्रभा, कांति और दिव्यता के प्रतीक के रूप में होता है। श्र संस्कृत धातु से बना श्री शब्द का मूल भाव है — प्रकाश, सौंदर्य, ऐश्वर्य, कीर्ति और मंगल। इसका प्रयोग के उदाहरण श्री लक्ष्मी नारायण (देव), श्रीमद्भागवत (ग्रंथ), श्रीमान / श्रीमती (संबोधन), श्रीनगर (स्थान), राग श्री (संगीत), श्री गणेशाय नमः (मंत्र) श्री यंत्र (यंत्र) श्री कांत (पुर्लिंग) श्री देवी (स्त्रीलिंग) श्रीखंडी (नपुंसक) आदि अनेकों है "श्री" मात्र शब्द नहीं, बल्कि इसमें हमारे संस्कार, श्रद्धा और सौंदर्य समाहित है यह विष्णु प्रिया लक्ष्मी जी का भी एक नाम है जो धन, ऐश्वर्य और समृद्धि की देवी है वेदों में श्री का उल्लेख धर्म, अर्थ और काम अर्थात त्रिवर्ग के प्रतिनिधित्व के रूप में होता है। "श्री" को शुभता और मंगल का प्रतीक माना गया है और स्त्रियों की बिंदी, माथे की लाल रेखा, ऊर्ध्व पुंड्र आदि को भी "श्री" कहा जाता है। श्री शब्द तंत्र मंत्र यंत्र सभी में प्रयोग में आता है। मेरे अनुसार अंगरेजी का "सर" "sir" सम्बोधन भी श्री सम्बोधन से बना है उसका पुराना उच्चारण एक सम्मानजनक उपाधि 'sire' जो श्री शब्द का ही अपभ्रंश है पूर्वी एशिया के देशो में जैसे भाषा मलेशिया में 'दातुक सेरी (श्री)' एक संघीय उपाधि है जो मलेशिया के राजा द्वारा दी जाती है। जापान में आज भी एक शिष्टाचार के रूप में उपनाम के बाद हमेशा सम्मानसूचक प्रत्यय "सान" लगते है जिसका अर्थ है "प्रिय" "सम्माननीय" होता है।

देवं गुरुं गुरुस्थानं क्षेत्रं क्षेत्राधिदेवताम्। सिद्धं सिद्धाधिकारांश्च श्रीपूर्वं समुदीरयेत्॥

स्वर्गगामित्वादिना सिद्धोऽधिकारो येषां नराणामित्यनेन जीवतां श्रीशब्दादित्वं नाम्ः।

न तु मृतानां तथेति शिष्टाचारः।।

देवता, गुरु, गुरु का स्थान, क्षेत्र, क्षेत्र के अधिदेवता और सिद्धों और सिद्धता को प्राप्त /अधिकारी के नाम से पूर्व श्री शब्द का उच्चारण किया जाना चाहिए। वह मनुष्य (जीवित), जो (पुण्य कर्मो द्वारा) स्वर्ग प्राप्ति के अधिकार है ऐसे मनुष्य के नाम के आगे श्री लगाया जाता है लेकिन मृतकों के नाम के आगे श्री लगाने का आचरण नही है।

।। कामेश्वर मन्दिर (किरमारा) - अग्रोहा का इतिहास ।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

पुराणों में वर्णित, प्राचीन कामेश्वर धाम शिव मन्दिर, अग्रोदक गणराज्य की राजधानी क्षेत्र के अन्तर्गत अग्रोहा से उत्तरपूर्व में मात्र आठ किलोमीटर की परिधि में स्थित है अग्रवंश के राजा हरवंशिया के राजमहल के अग्निभस्म अवशेष इस स्थान के बिल्कुल ठीक सामने बिखरे है प्राचीनकाल से ही यह शिवालय देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। अग्रोदक गणराज्य के राजधानी में स्थित इस प्राचीन शिवालय का 800 साल पुराना इतिहास पुरातत्व विभाग में मिलता है। जिसका पुनः अध्ययन महाराजा अग्रसेन और अग्रोहा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण प्राचीन कड़ी में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। इस शिव मन्दिर की स्थापना महाऋषि लोमश और उनके आठ पुत्रों द्वारा वाराससी से काशी विश्वनाथ जी से प्रेरित हो कर बनाया था। महाभारत काल में पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान यहां स्थापित शिव के पिंडी रूप की पूजा अर्चना कर भोलेनाथ शिव को प्रसन्न किया था।

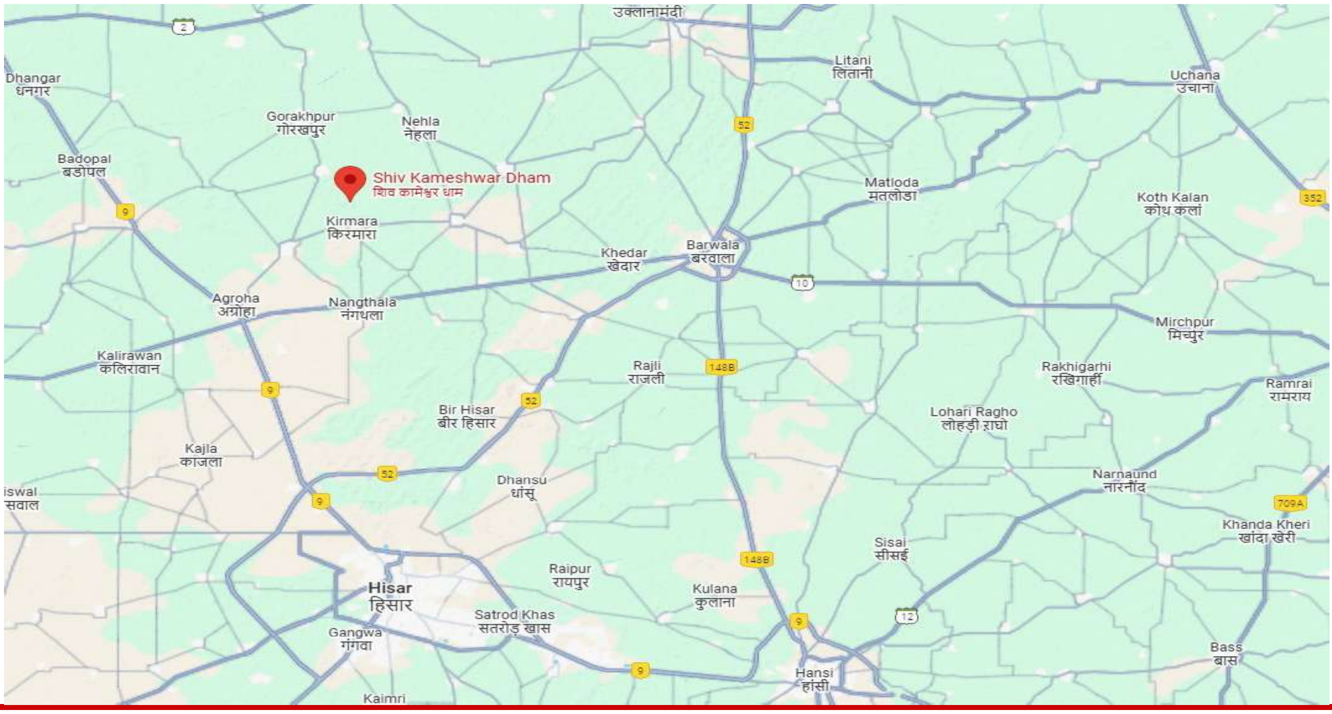
जनश्रुतिओं के अनुसार भगवान शिव के महान उपासक अग्रोदक गणराज्य नरेश महाराजा अग्रसेन ने अग्रोदक गणराज्य बसाया और इसी मंदिर में भगवान शिवजी जी की पूजा-अर्चना की थी, इतिहास के अनुसार संवत् विक्रम 903 में अग्रोहा पर अग्रवंश राजा हरवंशिया का राज्य था और राजा इसी मंदिर के निकट स्थित महल में निवास करते थे। अग्रवंशी राजा हरवंशिया जैन धर्म अवलम्बी थे। इनकी पुत्री का नाम शीला था उस समय कामेश्वर धाम की गद्दी पर महात्मा सूरजनाथ जी विराजते थे जिन्होंने बारह वर्ष की समाधि लगा ली थी। उस दौरान जैन राजकुमारी शीला ने आदेश निकाला कि इस शिव मन्दिर को कोई भी नागरिक शिवालय को भिक्षा नहीं देगा जो भिक्षा देगा उस पर एक सहस्त्र मुद्रा का दण्ड देना होगा।

अन्न एवं दान न मिलने के कारण सूरजनाथ जी के शिष्यों को बहुत दुःख उठाना पड़ा, परन्तु वे गुरु सूरजनाथ को समाधि अवस्था में छोड़ कर किसी दूसरे स्थान पर नहीं जा सकते थे उस समय एक कुम्हारी ने किसी प्रकार इस शिष्यों को अन्न पूर्ति करती थी, जब महात्मा जी ने समाधि खोली तो शिष्यों ने भिक्षा न मिलने तथा दण्ड घोषणा की बाते बताई

harshgoel2k@gmail.com

, यह सुनकर सूरजनाथ जी को बड़ा दुःख हुआ और उन्होंने तुरंत कुम्हारी को नगर छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर चले जाने का निर्देश दिया

जैसे ही कुम्हारी ने उनके निर्देश अनुसार नगर छोड़ा, सूरजनाथ के श्राप से महल पर अग्नि वर्षा हुई और महल नष्ट हो गया। गुरु भी शिष्यों और अन्य जन सहित अन्य स्थान पर दूर चले गए। अन्य इतिहासिक जानकारी अनुसार यह स्थान मोहम्मद गौरी के आक्रमण के समय आक्रांतों द्वारा जला दिया गया था जो अधिक इतिहासिक प्रतीत होता है चाहे यह स्थान श्राप द्वारा अग्नि वर्षा से या आक्रमणकारियों ने ही जलाया हो। महल का स्थान अभी भी जली अवस्था में में मन्दिर के सामने पड़ा है। यहां पर जली हूंई मुद्राएं प्राप्त होती हैं। अभी भी निकट के गांववासी इस टीले से मिट्टो खोद कर खाद के रूप में अपने खेतों में डालते हैं। कहते है कि जलाने और लुटने के बाद मोहम्मद गोरी ने यह क्षेत्र वापस जाते हुए, राजा भीमबल को दे दिया था जिसने आक्रमण में मोहम्मद गोरी को सहयता की थी। सन 1554 के लगभग फ़िरोजशाह तुगलक ने जब हिसार नगर बसाया तब अग्रोहा और उसके आस पास के सभी प्राचीन किलो, मंदिरों को तोड़ कर मलबा हिसार मंगवा लिया था। लगभग 200 वर्ष पश्चात विक्रम संवत 1837 में महाराजा पटियाला अमर सिंह, दिवान अग्रवाल नानुमल व ठंडी राम जी ने यहां आकर शिव की पूजा की और पुनः अग्रोहा का किला और कामेश्वर मन्दिर का निर्माण करवाया और शिव मंदिर, गुंबद की स्थापना करवाई ।



और सूरज नाथ की गद्दी के अधिकारी महात्मा को खोज करके इस मन्दिर की पूजा अर्चना का कार्यभार उनको सोंपा और गंगा जी से कावड़ लाकर गंगा जल चढ़ाया और तब से आज तक सावन वदी चौदस को इस मंदिर में बहुत बड़ा मेला लगता है जिसमे दूर-दूर से सनातनी जन आते हैं और हरिद्वार से पैदल कावड़े लाकर भगवन शिव का जल अभिषेक करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जो भी इस स्थान पर अपनी मनोकामना लेकर आता है, भगवान शिव के आशीर्वाद से वह सहज ही पूरी हो जाती है।

गांव किरमारा स्थित कामेश्वर धाम शिवालय में फाल्गुन मास की महाशिव रात्रि का पर्व भी बड़े धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया जाता है जहां देश-प्रदेश से आए सहत्रों श्रद्धालुओं मंदिर में स्थित प्राचीन शिवलिग पर भगवान शिव के जयकारों के साथ पूजा अराधना कर जलाभिषेक करते है मेले में मंदिर परिसर में स्टॉल व दुकानें सजती हैं। मंदिर परिसर में गौशाला भी है जहां श्रद्धालु गायों की सेवा कर पुण्य के भागी बनते हैं।

अग्रोदक गणराज्य के राजधानी में स्थित इस प्राचीन शिवालय का 800 साल पुराना इतिहास पुरातत्व विभाग में मिलता है। जिसका पुनः अध्ययन महाराजा अग्रसेन और अग्रोहा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण प्राचीन कड़ी में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।



।। जैन साहित्य में महाराजा अग्रसेन का वर्णन ।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

[पिछले लेख में हमने बौद्ध साहित्य में चंपेय्य नामक जातकग्रन्थ में वर्णित महाराजा अग्रसेन को उल्लेख किया था इसी क्रम में, प्रस्तुत आलेख में हमने जैन साहित्य में वर्णित महाराजा अग्रसेन जी का विवरण संकलित किया है इस आलेख का मुख्य स्रोत्र श्रीमान बाबू कामता प्रसाद जैन द्वारा लिखित 'संक्षिप्त जैन इतिहास (द्वितीय खंड) है जो वर्ष 1938 में दो खण्डों में प्रकाशित हुई थी, इस पुस्तक में जैन इतिहास का सारांश (संक्षिप्त) वर्णित है श्रीमान बाबू कामता प्रसाद जैन एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्,लेखक और जैन धर्म के इतिहास के गहन अध्येता थे। उन्होंने जैन समाज की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित और प्रचारित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया, विशेष रूप से उन्होने जैन इतिहास नामक ग्रंथों की श्रृंखला लिखी, जिसमें जैन धर्म के विभिन्न युगों, सिद्धांतों और महान संतों का वर्णन मिलता है।]

जैन साहित्य के अनुसार अयोध्या के राजा मानधाता की 52वी पीढ़ी में, श्री नेमिनाथजी के तीर्थकाल में, वीर निर्वाण 4981 वर्ष पूर्व अग्रसेन नामक राजा थे। जैन साहित्य के अनुसार यह समय अग्रवाल जाति की उत्पत्ति का समय बताया गया है अपने पिता द्वारा राजकुमार अग्रसेन को वीर नि0 पूर्व 4946 में राजगद्दी मिली थी उन्होंने 4921 वी0 नि0 पूर्व में मिश्र देश के जैन धर्मी राजा 'कुरुपविन्दु' (साईरस) पर आक्रमण किया था और राजा अग्रसेन इस युद्ध में वीर गति को प्राप्त हुए। राजा अग्रसेन ने वेदानुयायी 'पातञ्जलि नामक ऋषि से शिक्षा ग्रहण की (यह पातञ्जलि ऋषि 'पातञ्जलि योग सूत्र के रचेता पातञ्जलि ऋषि से भिन्न ऋषि है) इन्ही राजा अग्रसेन के 18 पुत्र हुये जिस समय इन 18 पुत्रों की संतान राजच्युत हो गई, तो वे राजा अग्रसेन के नाम पर 'अग्रवाल' नाम से प्रसिद्ध हुए। राजा अग्रसेन की संतानों में अनेकों पीढ़ियों तक वैदिक धर्म की मान्यता रही थी। किंतु कुछ प्रजाजनों ने, कुछ पीढ़ी उपरांत अग्रोहा के राजा दिवाकर देव ने अपने समर्थको के साथ जैनाचार्य श्रीलोहाचर्या जी के उपदेश से धर्म परिवर्तन कर लिया था।

वीर निर्वाण संवत का प्रारम्भ तीर्थंकर महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस 7 अक्टूबर 527 ई°पू° से हुआ, अक्टूबर 1974 में तीर्थंकर महावीर स्वामी का 2500 वां निर्वाण महोत्सव मनाया गया।

इस वर्णन के अनुसार राजा अग्रसेन का जन्म 5508 ई°पू° अर्थात आज से लगभग 7532 वर्ष पूर्व हुआ, 35 वर्ष कीआयु में उन्हें राजपद मिला और 60 वर्ष की आयु में मिश्र (वर्तमान इजीप्ट) के जैन मतानुयाई कुरुषबिंदु से युद्ध में गति को प्राप्त हुए,

इतिहासिक दृष्टि से देखे तो यह वर्णन, काल आदि बहुत ही भ्रामक लगता है महाभारत युद्ध से 2500 वर्ष पूर्व का यह वर्णन जैन इतिहास पर अनेको प्रश्नचिन्ह लगता है राजा कुरुषबिंदु को इतिहास में राजा सायरस (Cyrus) से जाना जाता जिनका काल 560 से 530 ईसा पूर्व माना गया है ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिलता की वह जैन धर्म का अनुयायी था, महाराजा अग्रसेन जी का राजा कुरुषबिंदु से युद्ध का कोई विवरण नहीं मिलता, हो सकता हो की किसी अन्य राजा अग्रसेन से (नाम भ्रान्ति के कारण) उसके 18 पुत्रों बताकर और राजा दिवाकर से जोड़कर, इस राजा को अग्रवाल समाज के पूर्वज आदरणीय महाराज अग्रसेन से जोड़ दिया गया हो

हम इस विषय में जैन साहित्य में जितनी और गहराई में जाते है उतना ही यह सन्दर्भ अन्य जैन संदर्भो की तरह कल्पित प्रतीत होता है। जैन धर्म के पाँच सिद्धांत में सत्य अर्थात झूठ न बोलना एक प्रमुख सिद्धांत है किन्तु महाभारत से भी 2500 वर्ष पूर्व आदरणीय सम्मानीय महाराजा अग्रसेन के सन्दर्भ में जैन साहित्य में विश्वसनीय इतिहासिक जानकारी गंभीर शोध का विषय है।

का जिनाज्ञा पालक सुप्रसिद्ध राजा "कुरुषविन्दु" जो उन दिनों "भारतवेश" की सैर के लिये यहां आया हुआ था, महाराजा अग्रसैन का नाम सुन कर और यह जानकर कि इस राजा के पूर्वज जिनाज्ञा पालक थे पर यह राजा किसी कारण विशेष से उस आज्ञा से बाह्य हो गया है इन से मिलने और इनके धार्मिक विचारों को यथा शक्ति परिवर्तित करके जिनाज्ञा में लाने के विचार से इनके पास 'अग्रावती' की ओर को आ रहा था कि मार्ग ही में प्रयाग के एक 'आयुर्वंश' नामक राजा ने जो महाराजा अगूसेन की आज्ञान्तर्गत था पर अन्तरंग में इनसे कुछ द्वेष रखता था उसे रोक लिया और सेवा शुश्रूषा पूर्वक उस से दृढ़ मेल करके जिस प्रकार बना उसे 'अगूावती' नरेश से युद्ध करने के लिये तैयार कर दिया। युद्ध हुआ और अन्त में महाराजा 'अगूसेन' इसी युद्ध में ४६० वर्ष की वय में ४२० वर्ष 'अगूावती' का राज्य कर वीर निर्वाण से ४५२१ वर्ष पूर्व परलोक सिधारे। इनका प्रधान मन्त्री ब्राह्मण कुलोत्पन्न 'विजय राज भट्ट' भी जो परम विद्वान और बड़ा राजभक्त था इसी युद्ध में काम आया॥



harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रकुल संस्थापक महाराजा श्री अग्रसेन जी - एक अवलोकन ।।

अग्रवाल समाज के आदि पुरुष महाराजा श्री अग्रसेन जी चक्रवर्ती राजाओं में से एक महान राजा हैं, जिन्होंने अपने क्षत्रियोचित पराक्रम से ना केवल एक विशाल गणराज्य की स्थापना की वरन अपने विजित विशाल साम्राज्य को "एक मुद्रा- एक ईट" जैसे अभूतपूर्व समाजवादी सिद्धांत द्वारा एक सूत्र में पिरोकर समाजवाद का एक आदर्श प्रस्तुत की।

एक ऐसा समाजवादी सिद्धांत जो न पहले कहीं सुना गया था न बाद में किसी राज्य में दिखाई पड़ा। सच्चे अर्थों में महाराजा श्री अग्रसेन जी समाजवाद के जनक थे।

महाराजा श्री अग्रसेन जी के जन्म, वंश एवं विवाह को लेकर इतिहासकारों में बहुत मतभेद हैं पर विभिन्न ऐतिहासिक अभिलेखों, उत्खनन से प्राप्त मुद्राओं , शिलालेखों, पौराणिक आख्यानों , जन समुदाय में प्रचलित किवदंतियों , भाट चरणों की विरुदावलियों आदि के आधार पर कुछ तथ्य स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आये है जिनके अनुसार महाराजा श्री अग्रसेन जी सरस्वती नदी के किनारे आबाद वैदिक कालीन "आग्रेय-गण" के राजा थे, जो सूर्यवंशी क्षत्रियों की एक शाखा थी।

यह काल सिंधु-सरस्वती सभ्यता का उद्गम काल था। नगरीय सभ्यता का प्रसार हो रहा था।धीरे धीरे राजतंत्रात्मक शासन पद्धति प्रचलन में आ रही थी किन्तु यह अभी शैशव अवस्था में थी । बड़े नगरों का विकास शुरू हो चुका था। गणों के बीच साम्राज्यवादी विस्तार की होड़ मची हुई थी। बड़े गण छोटे गणों को जीत कर राजतन्त्र में परिवर्तित हो रहे थे। पहले राजा का चुनाव होता था किंतु राजतन्त्र में राजपद वंशानुगत होने लगा।

महाराजा श्री अग्रसेन जी ने भी अपने के आसपास सत्रह अन्य गणों को संगठित कर एक सशक्त गणराज्य की नींव रखी जो आगे चलकर आग्रेय गणराज्य कहलाया। महाराजा श्री अग्रसेन जी ने भी राजतंत्रात्मक शासन पद्धति को अपनाया किन्तु राजतन्त्र में गणतंत्र का एक नया प्रयोग किया। इन्होंने अपने राज्य को 18 गणों में विभाजित कर सम्मिलित हुए गणों की आतंरिक संरचना में कोई परिवर्तन ना करते हुए उस गण के मुखिया को उस गण का अधिपति राजा बना दिया। इस प्रकार

harshgoel2k@gmail.com

आग्रेय गणराज्य 18 गणों का एक विशाल राज्य बन गया जिसके प्रत्येक गण का अधिपति उसी गण का मुखिया था और केंद्रीय शक्ति महाराजा श्री अग्रसेन जी के हाथों में थी। महाराजा श्री अग्रसेन जी ने अपने राज्य के बीचोंबीच एक अत्यंत रमणीय एवं वैभवशाली "अग्रोदक" नगर की स्थापना कर उसे अपने राज्य की राजधानी बनाया। इस अग्रोदक राज्य की कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी थीं। महाराजा श्री अग्रसेन जी ने राज्य के मध्य में एक भव्य श्रीपीठ की स्थापना करवाई थी। जिसमें वेद पारंगत ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रों से हरिप्रिया श्री लक्ष्मी जी की स्तुति होती थी। राज्य की खुशहाली के लिए इन्होंने 18 राजसूय यज्ञ किये जिनमे 17 तो पूर्ण हो गए किन्तु 18वें यज्ञ के समय इन्हें पूर्णाहुति के समय दिए जाने वाली पशु बलि से घृणा हो गयी। परिणाम स्वरूप वह यज्ञ अधूरा रह गया। इन्होंने अपने राज्य में तत्काल पशुवध पर रोक लगा दी और पशु पक्षियों पर होने वाली हिंसा को राज अपराध घोषित कर दिया इसके साथ ही यह घोषणा भी की कि सम्पूर्ण आग्रेय गण वासी एक कुटुंब की तरह रहेंगे और प्रत्येक व्यक्ति अपने पितृ पक्ष- मातृ पक्ष के गण को छोड़कर शेष अन्य गणों के मध्य ही वैवाहिक संबंध स्थापित करेगा ताकि रक्त वर्ण की शुद्धि बनी रहे। इन्होंने अपने राज्य में "एक मुद्रा- एक ईंट " की रीति चलायी जिसमे राजधानी अग्रोदक नगरी में आकर बसने वाले प्रत्येक गरीब परिवार को संपूर्ण अग्रोदक वाशी एक एक मुद्रा और एक एक ईंट देंगे ताकि वह अपना निवास बना कर अपना व्यवसाय करने लगे। सहकारिता की यह भावना पुरे विश्व में कहीं देखने सुनने को नही मिलती। यही कारण है कि अग्रोदक की गिनती उस उस वक्त के प्रमुख बड़े व्यापारिक नगरों में होती थी। इस प्रकार महाराजा श्री अग्रसेन जी समाजवाद के पुरोधा थे जिन्होंने जनमानस में सहकारिता की भावना विकसित की और देश को समाजवाद की राह दिखायी। पौराणिक उपाख्यानों के अनुसार इनका जन्म अश्वनी शुक्ल प्रतिपदा को हुआ था और इनका विवाह नागवंशी राजा महिधर जी की कन्या राजकुमारी माधवी जी के साथ हुआ था। कई शताब्दी तक आग्रेय गण एक शक्तिशाली गणराज्य रहा जिस पर अग्रवालों का एकछत्र साम्राज्य रहा।

ईसापूर्व की छठी शताब्दी आते आते सभी जनपद व गणराज्य साम्राज्यवादी विस्तार में लग गये। बड़े जनपद अपनी सीमाओं का विस्तार कर महाजनपद बन गये।

harshgoel2k@gmail.com

अनेको बाहरी युद्ध के बाद हुई राजनैतिक उथल पुथल से महा जनपदों ने मांडलिक राज्यों का रूप ले लिया एवं अनेक अन्य छोटे छोटे नये राज्यों का भी उदय हुआ। ये राज्य आपस में लड़ते रहते थे। आग्रेय गण को भी लगातार आक्रमणों का सामना करना पड़ रहा था जिससे उसकी आतंरिक शक्ति दिन प्रति दिन कमजोर होती जा रही थी इस प्रकार आग्रेय गणराज्य का अस्तित्व हमेशा के लिए समाप्त हो गया। वहां से निष्क्रमण कर ये अग्रेयवंशी भारत के विभिन्न भागों में फैल गये और आजीविका के लिए तलवार त्याग कर तराजू पकड़ लिये। ये जहाँ भी जाते अपना परिचय अग्रेय वाले के रूप में देते। यही अग्रेयवाले शब्द भाषाभेद एवं स्थानभेद से "अग्रवाले" होता हुआ "अग्रवाल" पड़ गया। वहीं इनकी एक शाखा सामंत राजाओं के रूप में बड़े साम्राज्यों के अधीन छोटे छोटे भूभाग पर शासन करती रही और आगे चलकर " गुप्त साम्राज्य" जैसा बड़ा राज्य स्थापित किया। अठारह कुलों का यह समूह आज संपूर्ण विश्व में "अग्रवाल" नाम से जाना जाता है। ये अठारह कुल आज इनके गोत्र कहलाते है। राज्य छिन जाने पर उस काल में अग्रवाल पूरी तरह से व्यापार व व्यवसाय पर आश्रित हो गए और इनकी गणना क्षत्रिय वर्ण होते हुवे भी वणिक जातियों(वैश्य वर्ण या बनियों) के साथ होने लगी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी अग्रवाल समुदाय की प्रमुख भूमिका थी। गरमदल के प्रमुख लाल बाल पाल तिगड़ी के लाला लाजपत राय, गांधी युग के भामाशाह श्री जमनालाल बजाज, रामजीदास जी गुड़वाला, हिसार के लाला हुकुमचंद जी का नाम इनमें अग्रणी है। अग्रवाल आज भले ही किसी साम्राज्य के शासक न हो पर इन्हें व्यवसायिक जगत का सम्राट माना जाता है। देश के अधिकांश औद्योगिक समूह इसी समाज के हाथों में है। इसके अतिरिक्त धर्म- संप्रदाय- जाति भावना से ऊपर उठकर समाजसेवा के मामले में भी इस समुदाय का कोई सानी नही है। इनके द्वारा बनवाये हुवे मंदिर एवं धर्मशालाएं देश के कोने कोने में देखने को मिल जाते हैं। हिन्दू धर्म की संजीवनी गीता प्रेस गोरखपुर मारवाड़ी अग्रवालों की देन है। महाराजा श्री अग्रसेन जी के सिद्धांत आज भी इस समाज के हर व्यक्ति की रगों में दौड़ते हैं।

वैसे महापुरुषों को किसी एक जाति या समाज से बांध कर नही रखा जा सकता वो तो संपूर्ण राष्ट्र की धरोहर होते हैं। ऐसे ही महाराजा श्री अग्रसेन जी भी संपूर्ण भारतवर्ष की धरोहर हैं। उनके समाजवाद और अहिंसा के सिद्धांत संपूर्ण देशवासियों के लिए अनुकरणीय है।

।। योगदान आभार ।।



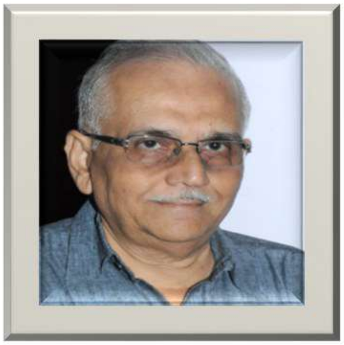
गर्ग (Garg) गोत्र वीर
श्री श्याम सुन्दर बगड़िया



गोयल (Goyal) गोत्र वीर
श्री रितेश भारूका



सिंघल (Singhal) गोत्र वीर
श्री अरुण लाठ



कुटुंब वीर जिंदल (Jindal) गोत्र
श्री रमा शंकर खेमका



गोयन/गंगल (Goyal/Gangal)
गोत्र वीर
श्री भारत भूषण अग्रवाल



कुटुंब वीर मित्तल (Mittal) गोत्र
श्री टीकम चंद अग्रवाल

harshgoel2k@gmail.com

।। योगदान आभार।।



बंसल (Bansal) गोत्र वीर
डॉ लोकमणि बंसल



कुटुंब वीर बंसल (Bansal) गोत्र
श्री गोपीराम गुप्ता जी



गोयल (Goyal) गोत्र वीर
श्री अशोक गुप्ता



मित्तल (Mittal) गोत्र वीर
डॉ विजय कुमार अग्रवाल



कुटुंब वीर बंसल (Bansal) गोत्र
डॉ संजय बंसल



कुटुंब वीर मित्तल (Mittal) गोत्र
श्री अंशु मित्तल

harshgoel2k@gmail.com

।। योगदान आभार।।



कुटुंब वीर (ऐरन (Airan) गोत्र
श्री राम नाथ अग्रवाल



कुटुंब वीर बंसल (Bansal) गोत्र
श्री राजेंद्र बंसल



कुटुंब वीर गोयल (Goyal) गोत्र
श्री राजेश मनक्सिया



बिंदल (Bindal) गोत्र वीर
श्री लीलाधर लडिया



कुटुंब वीर गोयल (Goyal)
श्री विनोद नम्बरदार



मित्तल (Mittal) गोत्र वीर
श्री ओमकार मित्तल

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
AI00001	गुजरवास परिवार	गांव गुजरवास	गांव गुजरवास	श्री नविन अग्रवाल जी की वंशावली (एरेन गोत्र)
AI00002		गांव जाटुशाना रेवाड़ी	गांव जाटुशाना रेवाड़ी	यह वंशावली हमें श्री ललित अग्रवाल पुत्र श्री लाला लक्ष्मी नारायण अग्रवाल गांव जाटुशाना रेवाड़ी से 4 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
AI00003	कुंडा वाले परिवार	डीग, भरतपुर (राजस्थान)	डीग, भरतपुर(राजस्थान)	यह स्वर्गीय श्री मोतीलाल जी (ऐरन गोत्र) पैतृक निवास: डीग, भरतपुर(राजस्थान), इस परिवार को डीग में कुंडा वालों के नाम से जाना जाता है डीग में दिल्ली रोड पर इस परिवार के पूर्वजों द्वारा एक कुंडा भी बनवाया हुआ है जिसमें आज भी गांव के लोग नहाने और पीने के लिए पानी लेने आते है यह वंशावली हमें श्री रामनाथ अग्रवाल जी पुत्र श्री स्वर्गीय श्री दाऊ दयाल जी द्वारा 6 फ़रवरी को प्राप्त हुई ।
AI00004		नसीबपुर नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा	अकोला, महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय सेठ श्री नागरमल जी अग्रवाल जी (गोत्र: ऐरेन पैतृक निवास: नसीबपुर नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा , वर्तमान निवास: अकोला) की वंशावली, श्री बजरंगलाल अग्रवाल जी पुत्र श्री राम गोपाल अग्रवाल जी द्वारा हमें 1 अप्रैल 2023 को प्राप्त हुई।
AI00005	बजाज परिवार	सीकर (राजस्थान)	हिंदमोटर(पश्चिम बंगाल)	यह स्वर्गीय श्री बासुदेव जी बजाज (अग्रवाल गोत्र: ऐरेन पैतृक बजाज परिवार, निवास:सीकर (राजस्थान), वर्तमान निवास:हिंदमोटर(पश्चिम बंगाल) कुलदेवी:श्री शाकम्बरी माता कुलदेवता:श्री सालासर बालाजी) की वंशावली, श्री रमेश बजाज जी पुत्र स्वर्गीय श्री नवरतन जी बजाज द्वारा हमें 29 मई 2023 को प्राप्त हुई।
AI0006	मोरीजावाला	कोटपूतली	कलकत्ता	यह श्री ओमकार मल मोरीजावाला जी चौधरी जी (गोत्र: ऐरेन परिवार मोरीजावाला पैतृक निवास :कोटपूतली वर्तमान निवास:कलकत्ता) की वंशावली हमें श्री चंद्रप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री पूरनचंद अग्रवाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
AI00007	आलवाल परिवार			आलवाल परिवार (गोत्र: एरेन) की वंशावली 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00001		ग्राम जोनती (दिल्ली निवासी)	ग्राम जोनती (दिल्ली निवासी)	स्वर्गीय मास्टर लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (बंसल गोत्र) ग्राम जोनती (दिल्ली निवासी) की वंशावली अग्रोहा तीर्थ विशेषांक से साभार ली गयी है
BA00002		मंढा सुरेरा सीकर राजस्थान	मंढा सुरेरा सीकर राजस्थान	यह वंशावली हमें महेश पूरनमल अग्रवाल जी (बंसल गोत्र) द्वारा 10 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है स्थान: मंढा सुरेरा सीकर राजस्थान (बंसल गोत्र)
BA00003		भगे ना तहसील सादाबाद जिला हाथरस नजदीक ग्राम बी सावर	यमुनापार लक्ष्मी नगर मथुरा उत्तर प्रदेश	यह वंशावली हमें श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री वी री लाल अग्रवाल (पैतृक स्थान भगे ना तहसील सादाबाद जिला हाथरस नजदीक ग्राम बी सावर, वर्तमान निवास स्थान यमुनापार लक्ष्मी नगर मथुरा उत्तर प्रदेश) से 27 जुलाई 2022 को प्राप्त हुई
BA00004		नारनौल राजस्थान से अशोक नगर	ग्वालियर	यह वंशावली हमें श्री धवल बंसल पुत्र श्री सुरेश बंसल जी (पैतृक स्थान: नारनौल राजस्थान से अशोक नगर अब निवास स्थान: ग्वालियर से श्री ओंकार मित्तल जी (हिसार हरियाणा) द्वारा 07 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
BA00005		पुण्डरी . कैथल हरयाणा	खोरखेड़ी कर्नल हरयाणा	यह श्री हुकम सिंह जी की वंशावली हमें श्री विशाल बंसल जी पुत्र श्री रतनलाल बंसल जी (पैतृक स्थान: पुण्डरी . कैथल हरयाणा वर्तमान निवास स्थान: खोरखेड़ी कर्नल हरयाणा द्वारा श्री रवि जिंदल जी से 1 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00006		लाहौर	बटाला	यह श्री रुलदू राम अग्रवाल (बंसल गोत्र) वंशावली हमें श्री जयदीप अग्रवाल पुत्र श्री जगदीश सरूप अग्रवाल जी (पैतृक स्थान: लाहौर निवास स्थान:बटाला से श्री सुरेश कुमार गोयल जी द्वारा 4 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00007		होशंगाबाद	भोपाल	श्री नाथूराम जी (बंसल गोत्र) की वंशावली सुश्री नमिता जी सुपुत्री श्री कैलाश बाबू (बंसल गोत्र) पैतृक स्थान: होशंगाबाद निवास स्थान : भोपाल से सुश्री नमिता जी द्वारा 16 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00008		आगरा	पीएसओ पुर	यह श्री गणेश लाल गर्ग की वंशावली हमें श्रीमती ज्योति बंसल सुपुत्री श्री दीनदयाल जी (पैतृक स्थान: आगरा निवास स्थान: पीएसओ पुर) से श्री रवि जिंदल द्वारा 23 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00009		महम	फरीदाबाद हरयाणा	यह श्री मोहन लाल (बंसल गोत्र) पैतृक निवास: महम वर्तमान स्थान फरीदाबाद हरयाणा वालो की वंशावली श्री दिनेश बंसल पुत्र श्री राजगोपाल बंसल से से 5 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00010		राजौर वाले	राजौर वाले	यह श्री पीतम चंद बंसल (निवास स्थान: राजौर वाले) वालो की वंशावली श्री रवि जिंदल द्वारा 20 अगस्त - 2022 को प्राप्त हुई
BA00011		खाटूश्याम जी, अजमेर, नसीराबाद, नीमच छावनी भगोना, मण्डाना	कोटा राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री घासी लाल जी मोदी साहब (पैतृक स्थान -खाटूश्यामजी, अजमेर, नसीराबाद, नीमच छावनी भगोना होते हुए राजदरबार के काम से मण्डाना गोपाल पुरा रोड निर्माण हेतु मण्डाना में बस गए निवास स्थान - बजरंग भवन,अग्रसेन बाजार, पुरानी धानमण्डि, कोटा, राजस्थान) की वंशावली हमें डॉ लोकमणि गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री डॉ चिरंजीव लाल जी गुप्ता से 16 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00012		वेशवा गांव, मथुरा	कुन्हाड़ी कोटा	यह स्व. श्री गोपी नाथ अग्रवाल (बंसल गोत्र - मथुरा वाले) जी की वंशावली हमें श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रामजी दास अग्रवाल (निवास स्थान: लक्ष्मण विहार प्रथम पुराने रोडवेज वर्क शॉप के सामने कुन्हाड़ी कोटा) से श्री (डॉ) लोकमणि गुप्ता जी के सहयोग से 12 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई। स्व. श्री सूरज भान अग्रवाल मथुरा में डोलची वालों के नाम से मशहूर थे। राया (मथुरा) में उनकी लकडी की टाल थी। ये रास मण्डली में रसिया के गुरु थें। मथुरा के पास वेशवा गांव से संबंध रहा है वहाँ कोठी थी जिनको हमारे पूर्वजों ने दान किया था

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00013/1	पोद्दार परिवार(जुमानपुरका)	गांव गोंदिया	गांव गोंदिया	स्व श्री हरश्याम जी (गोत्र: बंसल जुमानपुरका पोतदार परिवार गांव गोंदिया) जी की वंशावली हमें श्री गोपाल अग्रवाल द्वारा 5 नंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00013/2	पोद्दार परिवार			स्व श्री मुसद्दी लाल जी (बंसल गोत्र पोद्दार परिवार) की वंशावली 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
BA00013/3	पोद्दार परिवार			स्व श्री जोरावरमल जी (बंसल गोत्र पोद्दार परिवार) की वंशावली श्रीमती दीपिका जी द्वारा 10 नवम्बर 2025 को प्राप्त हुई।
BA00014	करीवाल परिवार	बैढ़न, जिला सिंगरौली (मध्य प्रदेश)	नवलगढ़, जिला झुंझुनू, राजस्थान	स्व श्री केदार मल जी कारिवाल (गोत्र: बंसल पैतृक निवास: नवलगढ़, जिला झुंझुनू, राजस्थान वर्तमान स्थान : बैढ़न, जिला सिंगरौली (मध्य प्रदेश) भारत की वंशावली हमें श्री नारायण कारीवाल(नीरज) पुत्र श्री ताराचंद कारिवाल द्वारा हमें। 2 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
BA00015		बुरहानपुर मध्यप्रदेश	बुरहानपुर मध्यप्रदेश	स्व श्री हेमराज जी अग्रवाल (गोत्र: बंसल पैतृक निवास: बुरहानपुर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री दिनेश अग्रवाल पुत्र श्री दगडूलाल अग्रवाल द्वारा 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00017	जालान परिवार	फतेहपुर	जमालपुर बिहार, कलकत्ता बंगाल	स्व श्री गोविन्द राम जी (बंसल गोत्र जालान परिवार पैतृक निवास: फतेहपुर वर्तमान स्थान: जमालपुर बिहार, कलकत्ता बंगाल) की वंशावली श्री विकास जालान द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
BA00018	मारवाड़ी (जालानी जलजीरा परिवार)	जोधपुर के जालानी जलजीरा परिवार	जोधपुर के जालानी जलजीरा परिवार	स्व श्री चिमन दास जी अग्रवाल (बंसल गोत्र मारवाड़ी परिवार, जोधपुर के जालानी जलजीरा परिवार की शाखा) की वंशावली श्री शीतल अग्रवाल जी पुत्र श्री पुरुषोत्तम जी द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00019	नौरंग पुर वाले	फतेहपुर झुंझुन	बंगलोर	स्व श्री रामकरण जी (बंसल गोत्र नौरंग पुर वाले बंसल परिवार पैतृक निवास: फतेहपुर झुंझुन वर्तमान स्थान: बंगलोर) की वंशावली श्री पूरन कुमार अग्रवाल से श्री अशोक गुप्ता जी द्वारा प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00020		गाँव निलोठी बहादुरगढ़ ज़ज्जर	पूना - महाराष्ट्र	स्व श्री मक्खनलाल जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: गाँव: निलोठी बहादुरगढ़ ज़ज्जर पुराना गांव बड़ा थाना, खरखौदा के पास,सोनीपत वर्तमान स्थान: पूना - महाराष्ट्र) की वंशावली श्री सतीश बंसल जी पुत्र श्री बदलूरामजी अग्रवाल पौत्र श्री चान्दगी रामजी जी बंसल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00021				स्व श्री तुला राम जी (बंसल गोत्र) की वंशावली 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
BA00022	केजरीवाल परिवार	बागढ़ झुंझुनू राजस्थान	रामगंज मंडी कोटा राजस्थान	स्व श्री बिरजमोहन जी (बंसल गोत्र केजरीवाल परिवार पैतृक स्थान: बागढ़ झुंझुनू राजस्थान से बांग्लादेश (पूर्वी पाकिस्तान) से डेहरी ओन सोन (बिहार) से रामगंज मंडी कोटा राजस्थान) की वंशावली श्री कमल कुमार केजरीवाल जी पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद केजरीवाल जी द्वारा 21 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00023	पंसारी परिवार	सादुलपुर चूरू राजस्थान	सादुलपुर चूरू राजस्थान	स्व श्री जयकरण दास जी पंसारी (बंसल गोत्र पंसारी परिवार पैतृक स्थान: बजाज सादुलपुर चूरू राजस्थान) की वंशावली श्री जी द्वारा 22 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00024	बजाज परिवार	लक्ष्मणगड, राजस्थान	खामगांव , जिल्हा बुलढाणा, महाराष्ट्र	स्व श्री पन्नालालजी (बंसल गोत्र बजाज परिवार पैतृक स्थान: लक्ष्मणगड,राजस्थान, वर्तमान स्थान: बजाज "गोपुष्प" सिव्हिल लाईन , देशमुख प्लॉट,खामगांव , जिल्हा बुलढाणा, महाराष्ट्र) की वंशावली श्री पंकज गोपाल बजाज जी द्वारा 10 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
BA00025	बुधिया परिवार			स्व श्री आशाराम बुधिया जी (बंसल गोत्र बुधिया परिवार पैतृक स्थान: , वर्तमान स्थान:) की वंशावली श्री रघुनन्दन बुधिया जी पुत्र श्री रामजी लाल बुधिया द्वारा 26 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00026	चौधरी परिवार	श्री माधोपुर (रिंग्स) राजस्थान	चित्तूर (आंध्र प्रदेश)	स्व श्री नैणसुख दास (गोत्र: बंसल चौधरी परिवार पैतृक निवास : श्री माधोपुर (रिंग्स) राजस्थान, निवास स्थान: चित्तूर (आंध्र प्रदेश) जी की वंशावली हमें श्री भूषण बंसल पुत्र श्री श्याम सुंदर जी बंसल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00027	गोंदिया परिवार	गोरी दुधवा तहसील खेतड़ी	गोंदिया महाराष्ट्र	स्व श्री रामरतन जी (गोत्र: बंसल गोंदिया परिवार पैतृक निवास: गोरी दुधवा तहसील खेतड़ी वर्तमान निवास स्थान: गोंदिया महाराष्ट्) जी की वंशावली हमें श्री मोहन बंसल जी पुत्र श्री देवकी नंदन बंसल पुत्र द्वारा 9 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00028		तहसील रानिया सिरसा हरियाणा		स्व श्री सवईमल जी (गोत्र: बंसल पैतृक निवास: तहसील रानिया सिरसा हरियाणा) जी की वंशावली हमें श्री रमन बंसल जी द्वारा 19 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00029	करीवाल परिवार	करी गांव (पोद्दार) शेखावाटी नवलगढ़ राजस्थान	मुंबई	स्व श्री रुपरामजी करीवाल जी (गोत्र: बंसल करीवाल परिवार पैतृक निवास: करी गांव (पोद्दार) शेखावाटी नवलगढ़ राजस्थान, वर्तमान:मुंबई) की वंशावली हमें श्री ललितकुमार पुरुषोत्तमलाल करीवाला जी द्वारा 02 नवंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00030				श्री मुशदी लाल जी (गोत्र: पोद्दार परिवार पैतृक निवास: वर्तमान:) की वंशावली हमें श्री संजय बंसल पुत्र श्री मुंशी लाल बंसल जी द्वारा 12 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00031	तुलसियान परिवार			तुलसियान परिवार (गोत्र: बंसल) की 33 पीढ़ियों की वंशावली हमें श्री गोपीराम गुप्ता द्वारा 12 नवंबर 2022 को प्राप्त हुई।
BA00032	झुनझुनवाला परिवार	झुनझुन	झुनझुन	स्व श्री लाल चंद जी श्री (बंसल गोत्र झुनझुनवाला परिवार) की वंशावली श्री पृथ्वीराज रामनिवास झुनझुनवाला रचित पुस्तक से नवम्बर 2023 प्राप्त हुई
BA00033	देवड़ा परिवार			देवड़ा परिवार की वंशावली

harshgoel2k@gmail.com

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00034/1	बिहरोरिया परिवार	बिहरोड़ हरियाणा	जयपुर राजस्थान	स्व श्री हनोता राय जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: बिहरोड़ हरियाणा वर्तमान स्थान: जयपुर राजस्थान) की वंशावली डॉ संजय बंसल जी पुत्र श्री ओमप्रकाश जी बंसल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00034/2	बिहरोरिया परिवार			स्व श्री प्रह्लाद राय बंसल जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: बिहरोड़ हरियाणा) की वंशावली श्री राज कुमार बंसल जी पुत्र श्री भगवान बंसल जी द्वारा 10 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई
BA00034/3	बिहरोरिया परिवार	भडोसी	भडोसी से नाहड़ से बिरोहड़	स्व श्री तुलसीराम बंसल जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: बिहरोड़ हरियाणा निकास: भडोसी से नाहड़ से बिरोहड़) की वंशावली श्री समी बंसल जी द्वारा 6 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई
BA00036	टांटिया परिवार	अबोहर पंजाब	श्रीगंगा नगर राजस्थान	स्वर्गीय श्री टोडरमल जी (गोत्र: बंसल कुटुंबनाम: टांटिया परिवार पैतृक निवास: अबोहर पंजाब वर्तमान निवास: श्रीगंगा नगर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री राजदीप तातिया जी द्वारा 7 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
BA00037		नारनौल		स्व श्री रघुबर दयाल जी (गोत्र: बंसल पूर्वज: नारनौल) की वंशावली हमें श्री गोविन्द बंसल जी अमलाई द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 11 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
BA00038		अलवर राजस्थान,	इंदौर मध्य प्रदेश	श्री माखनलाल जी (गोत्र: बंसल पूर्वज: अलवर राजस्थान, वर्तमान स्थान: इंदौर मध्य प्रदेश) की वंशावली हमें श्री योगेश अग्रवाल के सहयोग से श्री रितेश भरुका कन्नड़ महाराष्ट्र द्वारा 21 फरवरी 2024 को प्राप्त हुई।
BA00039/1	बजाज परिवार	रामगढ़ शेखावाटी, जिला सीकर राजस्थान	तिनसुकिया, असम	श्री सनेहीराम जी (गोत्र: बंसल बजाज परिवार पूर्वज: रामगढ़ शेखावाटी, जिला सीकर राजस्थान, वर्तमान स्थान तिनसुकिया, असम) की वंशावली हमें श्री सुयोग बजाज के सहयोग से 21 फरवरी 2024 को प्राप्त हुई।
BA00039/2	बजाज परिवार			स्व श्री शम्भूनाथ जी (गोत्र: बंसल बजाज परिवार) की वंशावली हमें श्री संतोष बंसल जी के सहयोग से 27 फरवरी 2025 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00040		किशनगढ़, राजस्थान	नासिक, महाराष्ट्र	स्व श्री दौलतराम जी अग्रवाल जी (गोत्र: बंसल पूर्वज: किशनगढ़, राजस्थान, वर्तमान स्थान नासिक, महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री तुषार गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री राजेंद्र गुप्ता जी के सहयोग से 24 फरवरी 2024 को प्राप्त हुई।
BA00041	लडिया परिवार	शरदार शहर (चूरू राजस्थान)	शरदार शहर (चूरू राजस्थान)	स्व श्री भूधरमल जी अग्रवाल जी (गोत्र: बंसल लाडिया परिवार पूर्वज: शरदार शहर (चूरू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री तुषार गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री अशोक लाडिया जी के सहयोग से 20 सितम्बर 2024 को प्राप्त हुई।
BA00042	कानेटी वाले परिवार	ग्राम पीनान तहसील रैणी जिला अलवर राजस्थान	ग्राम पीनान तहसील रैणी जिला अलवर राजस्थान	स्वर्गीय सुखराम जी अग्रवाल जी (गोत्र: बंसल कानेटी वाले परिवार पूर्वज: ग्राम पीनान तहसील रैणी जिला अलवर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल जी द्वारा डॉ विजय मित्तल जी के सहयोग से 10 अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।
BI00001		डीडवाना राजस्थान	डीडवाना राजस्थान	यह स्व श्री महरम दास जी (बिंदल गोत्र) की वंशावली हमें श्री अमर अग्रवाल जी पुत्र स्व श्री नटवरलाल जी पैतृक स्थान डीडवाना राजस्थान द्वारा 10 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई
BI00002	लडिया परिवार			लडिया परिवार की वंशावली श्री लीलाधर लडिया और श्री घनश्याम दास लडिया जी के सहयोग से हमें जून 2023 को प्राप्त हुई।
BI00003		हाथरस घंटाघर	मुंबई	स्व श्री फुलचंद् अग्रवाल (बिंदल गोत्र पैतृक स्थान: हाथरस घंटाघर वर्तमान स्थान:मुंबई) की वंशावली हमें श्री चंद्र प्रकाश जी अग्रवाल पुत्र श्री द्वारका प्रसाद जी अग्रवाल द्वारा 15 सितम्बर 2023 को प्राप्त हुई
BI00004	सराफ परिवार	फतेहपुर शेखावाटी जिला जयपुर राजस्थान	फतेहपुर शेखावाटी जिला जयपुर राजस्थान	स्व श्री जाजूराम जी (बिंदल गोत्र सराफ परिवार पैतृक स्थान: फतेहपुर शेखावाटी जिला जयपुर राजस्थान वर्तमान स्थान: कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) की वंशावली हमें श्री नवल किशोर सराफ पिता स्व. जमुना प्रसाद सराफ से श्री श्याम सुन्दर बगड़िया निवासी अमलई जिला अनूपपुर (म.प.) द्वारा 9 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00001		फारुखनगर, ग़ाज़ियाबाद	फारुखनगर, ग़ाज़ियाबाद	श्री हंस राम जी गर्ग (फारुखनगर, ग़ाज़ियाबाद) की वंशावली हमें श्रीमति रेखा गुप्ता जी से 10 जनवरी 2021 को प्राप्त हुई है
GA00002		दिल्ली	दिल्ली	श्री अवनीश अग्रवाल - (गोत्र गर्ग) दिल्ली वालो की वंशावली
GA00003		नारनौल , सिंहाने	ग्वालियर	स्व.श्री बिहारी लाल जी गर्ग जी ग्वालियर वालो की वंशावली पैतृक स्थान : नारनौल , सिंहाने यह वंशावली हमें श्री राजकुमार जी गर्ग (65 वर्ष) द्वारा श्री रवि जिंदल जी से 10 जुलाई 2022 प्राप्त हुई है
GA00004				श्री नटवर लाल अग्रवाल (गर्ग गोत्र) वंशावली यह वंशावली हमें श्री नटवर लाल अग्रवाल से श्री रवि जिंदल द्वारा जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GA0005				श्री घुट्टू लाल जी गर्ग की वंशावली श्री रवि जिंदल द्वारा 15 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GA00006		जयपुर गाँव जसूपुरा धौलपुर राजस्थान	जयपुर गाँव जसूपुरा धौलपुर राजस्थान	यह वंशावली हमें श्री दीन दयाल जी (गर्ग गोत्र) पुत्र श्री छोटे लाल जी (वर्तमान निवास: जयपुर गाँव जसूपुरा धौलपुर राजस्थान गौत्र गर्ग निकास बसईया (लालू) से रवि जिंदल जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00007		गाँव बेगा तहसील गन्नौर सोनीपत हरियाणा	गाँव बेगा तहसील गन्नौर सोनीपत हरियाणा	यह वंशावली हमें श्री अमित गर्ग उर्फ अंकित गर्ग (LG) पुत्र श्री वेदप्रकाश गर्ग जी पैतृक स्थान/निवास स्थान: गाँव बेगा तहसील गन्नौर सोनीपत हरियाणा से रवि जिंदल जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00008		जगसौरा - जिला इटावा	गल्ला आढतिया , इटावा उ0प्र0 पिन कोड206001	यह वंशावली हमें शिव प्रताप एण्ड संस, अनन्त प्रताप एण्ड संस (गर्ग गोत्र), गल्ला आढतिया , इटावा उ0प्र0 पिन कोड206001, मूल निवासी ग्राम - जगसौरा -जिला इटावा से श्रीमती नेहा मित्तल द्वारा 6 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई है

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA0009		ग्राम तालहटा मोदीनगर, गाज़ियाबाद , उत्तर प्रदेश	न्यू भगवतपूरा, ब्रह्मपुरी, मेरठ, उत्तर प्रदेश	यह वंशावली हमें श्री अमित गर्ग पुत्र श्री राम किशोर गर्ग जी (पैतृक स्थान: ग्राम तालहटा मोदीनगर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश , वर्तमान निवास न्यू भगवतपूरा, ब्रह्मपुरी, मेरठ, उत्तर प्रदेश से श्रीमती नेहा मित्तल द्वारा 07 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00010		फतेहगढ़ पंचूर तहसील जीरा	लुधियाना	यह वंशावली हमें श्री हर्ष कुमार (गर्ग गोत्र पुत्र श्री सतपाल गर्ग जी (पैतृक स्थान: फतेहगढ़ पंचूर तहसील जीरा वर्तमान निवास लुधियाना से श्री सुरेश कुमार गोयल द्वारा 08 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00011		मेहम	बटाला	यह श्री फेरामल अग्रवाल जी की वंशावली हमें श्री चरणजीत अग्रवाल पुत्र श्री फूल चंद अग्रवाल जी (पैतृक स्थान: मेहम वर्तमान निवास स्थान: बटाला द्वारा श्री सुरेश कुमार गोयल जी 27 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00012		पख्खोकलां	तपा मंडी (बरनाला)	यह श्री फतिया मल्ल जी की वंशावली हमें श्री सतपाल गर्ग जी पुत्र श्री सरूप चंद जी (पैतृक स्थान: पख्खोकलां वर्तमान निवास स्थान: तपा मंडी (बरनाला) द्वारा श्री सुरेश कुमार गोयल जी से 1 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00013		चरथावल मुज़फ़्फ़रनगर	अंकुरविहार लोनी गाज़ियाबाद	यह श्री तारा चंद गर्ग जी की वंशावली हमें श्री उमेश अनुराग गर्ग पुत्र श्री नरेश चंद गर्ग जी (पैतृक स्थान: चरथावल मुज़फ़्फ़रनगर निवास स्थान: अंकुरविहार लोनी गाज़ियाबाद से 02 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00014		लिंगा जिला बालाघाट	लिंगा जिला बालाघाट	यह स्व श्री मनहोरी लाल अग्रवाल (गर्ग गोत्र) वंशावली हमें श्री महेश अग्रवाल पुत्र स्व श्री बिसन दयाल अग्रवाल जी (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: लिंगा जिला बालाघाट से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 5 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00015		भोपाल	भोपाल	यह श्री रामस्वरूप जी अग्रवाल (गर्ग गोत्र) (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: भोपाल) वंशावली हमें श्रीमति नमिता अग्रवाल जी से से सुश्री नमिता मंगल जी द्वारा 20 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00016		ग्राम अजीतपुर बगवाला तहसील गुलावठी, जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश	कृष्णा पार्क एक्सटेंशन, पो और थाना तिलकनगर, नई दिल्ली	यह श्रीमान सिंह जी (गर्ग गोत्र) पैतृक निवास ग्राम अजीतपुर बगवाला तहसील गुलावठी, जिला बुलंदशहर वर्तमान निवास - तिलक नगर, नई दिल्ली -110018 की वंशावली हमें श्री राज कुमार अग्रवाल जी पुत्र श्री मिट्ठन लाल जी द्वारा 16 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00017		गौतम बुद्ध नगर (उत्तरप्रदेश)	गौतम बुद्ध नगर (उत्तरप्रदेश)	यह स्वर्गीय श्री लाला टेकन मल जी गर्ग पैतृक स्थान/वर्तमान निवास स्थान: - गौतम बुद्ध नगर (उत्तरप्रदेश) वंशावली हमें श्री विनय गर्ग पुत्र श्री देवेंन्द्र गर्ग द्वारा 24 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00018		गामड़ोछ	दिल्ली	यह श्री राम गर्ग जी अग्रवाल (पैतृक स्थान -गामड़ोछ निवास स्थान - दिल्ली) की वंशावली हमें श्री ओजस अग्रवाल पुत्र श्री मनीष अग्रवाल से श्रीमति नेहा मित्तल जी द्वारा 9 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00020	पटौदीया परिवार	अग्रोहा हिसार	झुंझुनूं जिला, राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री लाला तुहीराम जी की वंशावली (गर्ग गोत्र, पटौदीया परिवार पैतृक निवास: अग्रोहा हिसार, वर्तमान निवास: झुंझुनूं जिला, राजस्थान) श्री सुमित गर्ग पुत्र श्री हेतराम जी गर्ग 12 फरवरी 2022 को प्राप्त हुई।
GA00021		भूषण कला राजस्थान	अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश एवं भाटापारा रायपुर छतीसगढ़	स्वर्गीय श्री बेगराज जी और श्री सीताराम जी भाइयों की वंशावली (गर्ग गोत्र पैतृक निवास: भूषण कला राजस्थान वर्तमान निवास: अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश एवं भाटापारा रायपुर छतीसगढ़) श्री बनवारी लाल जी पुत्र श्री जयकरण जी एवं श्री अरुण कुमार अग्रवाल पुत्र श्री कलेश कुमार अग्रवाल जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00022		शेरपुर खिलचीपुर जिला सवाई माधोपुर	कोटा	स्व श्री नारायण दास जी (गोत्र: गर्ग परिवार: कसेरा पैतृक: शेरपुर खिलचीपुर जिला सवाई माधोपुर वर्तमान निवास: कोटा) की वंशावली श्री ओम शंकर गर्ग पुत्र श्री बाबूलाल गर्ग 15 फरवारी 2023 को प्राप्त हुई
GA00023	गाड़ोदिया परिवार	खामगाँव (Khamgaon) बुलढाणा जिला महाराष्ट्र	खामगाँव (Khamgaon) बुलढाणा जिला महाराष्ट्र	स्वर्गीय श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (गोत्र: गर्ग परिवार: गाड़ोदिया निवास: खामगाँव (Khamgaon) बुलढाणा जिला महाराष्ट्र) की वंशावली, श्री योगराज अग्रवाल पुत्र श्री ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा हमें 16 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00024	सरावगी परिवार	राजगढ़ चूरू राजस्थान	राजगढ़ चूरू राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री पीढ़ामल जी सरावगी (गोत्र: गर्ग परिवार: सरावगी पैतृक निवास: राजगढ़ चूरू राजस्थान) की वंशावली, श्री रतन अग्रवाल पुत्र श्री विश्वनाथ अग्रवाल द्वारा हमें 19 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GA00025		निदाना रोहतक हरियाणा	शक्तिनगर सोनभद्र उ प	यह स्वर्गीय श्री रामचंदर गर्ग जी (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास: निदाना रोहतक हरियाणा , वर्तमान निवास: शक्तिनगर सोनभद्र उ प) की वंशावली, श्री सुरेश कुमार गर्ग जी पुत्र स्व श्री रामकुमार गर्ग जी द्वारा हमें 9 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GA00026				स्वर्गीय श्री लाला छबीलदास जी गर्ग गोत्र की वंशावली पुस्तक जून 2023 में प्राप्त हुई
GA00027		गोविन्दपूरा पलसाना राजस्थान झेरिया परिवार	दोंडाईचा जिला धुलिया महाराष्ट्र	स्व श्री हुकमी चंद जी (गर्ग गोत्र गोविन्दपूरा पलसाना राजस्थान झेरिया परिवार) जी की वंशावली हमें श्रीमती कलावती अग्रवाल जी द्वारा 24 मई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00028		फरह, मथुरा	बल्केश्वर एवं शास्त्रीपुरम, आगरा	स्व श्री पन्नालाल गर्ग (प्रेमपुंज) (अग्रवाल गोत्र: गर्ग निवास:फरह, मथुरा वर्तमान निवास: बल्केश्वर एवं शास्त्रीपुरम, आगरा) की वंशावली हमें श्री अजय अग्रवाल पुत्र श्री हरेश चंद जी गर्ग द्वारा 25 मई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00029		सिंघाना, सीकर, राजस्थान		स्व श्री किरोड़ीमल जी (गोत्र: गर्ग पैतृक: सिंघाना, सीकर, राजस्थान) की वंशावली श्री शुभेष अग्रवाल पुत्र श्री बालगोविंद प्रसाद अग्रवाल दवार जून 2023 में प्राप्त हुई
GA00030	लाला नरूमल गर्ग परिवार	कराड़ा, जिला कैथल हरियाणा		स्व श्री लाला नरूमल गर्ग (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास: करोड़ा, जिला कैथल हरियाणा, महम जिला रोहतक, हरियाणा,) की वंशावली हमें श्री मोहित गर्ग द्वारा 14 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई। (1600-2020 ईस्वी तक 17 पीढ़िया, स्व श्री लाला नरूमल गर्ग मुगल काल में दिल्ली में दरबारी थे। मुख्य व्यवसाय - व्यापार-महाजनी, कपड़ा व अनाज उत्पादन)

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00031				स्व श्री (अधिवक्ता) परमेश्वरी सहाय जी अग्रवाल (वकील साहब) की वंशावली
GA00032				स्व श्री गोकुलचंद्र अग्रवाल जी (गोत्र: गर्ग परिवार) की वंशावली हमें श्री मोतीलाल जी (सिरोंज) जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई।
GA00033				स्व श्री प्रभु राज अग्रवाल जी (गोत्र: गर्ग परिवार) की वंशावली हमें श्री दीनदयाल अग्रवाल जी पुत्र श्री छोटे लाल जी अग्रवाल री जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई।
GA00034	चौधरी परिवार	सलामपुरिया जिला झुंझुनू राजस्थान	सलामपुरिया जिला झुंझुनू राजस्थान	यह श्रीकिशन जी चौधरी जी (गोत्र: गर्ग परिवार सलामपुरीया चौधरी पैतृक निवास :सलामपुरिया जिला झुंझुनू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री मनोहर सलामपुरिया पुत्र श्री बसेसर चौधरी जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00035	बुडाकिया परिवार			यह स्व श्री धनपत राय जी (गोत्र: गर्ग बुडाकिया परिवार) की वंशावली श्री आनंद कुमार गुप्ता पुत्र श्री त्रिलोकचंद गुप्ता जी द्वारा 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00036		बाबई से गुढ़ा (पोख) जिला झुंझुनू	कलकत्ता, सूरत, इंदौर, झारखंड	यह स्व श्री केसूराम जी (गोत्र: गर्ग पूर्वज: बाबई से गुढ़ा (पोख) जिला झुंझुनू के हैं वर्तमान: कलकत्ता, सूरत, इंदौर, झारखंड) की वंशावली हमें श्री महेश अग्रवाल जी द्वारा 2 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00037		न्यांगल गांव (राजगढ़, चुरु)	भादरा (हनुमानगढ़) राजस्थान	यह स्व श्री उदयभान जी (गोत्र: गर्ग पूर्वज: न्यांगल गांव (राजगढ़, चुरु) वर्तमान: भादरा (हनुमानगढ़) राजस्थान) की वंशावली हमें श्री प्रिंस कुमार अग्रवाल जी पुत्र श्री Sh. रतन लाल जी अग्रवाल द्वारा 2 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00038	चौधरी परिवार	सलामपुरिया बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान	शेगाव बुलढाणा महाराष्ट्र	यह स्व श्री किशन चंद जी (गोत्र: गर्ग चौधरी परिवार पूर्वज: सलामपुरिया बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान वर्तमान शेगाव बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री रजनीकांत राधेश्याम जी सलामपुरिया द्वारा 4 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00039	बेडियाँ परिवार	सुजानगढ	सुजानगढ , नेपाल , मुंबई	यह स्व श्री टेकुचंद जी (गोत्र: गर्ग सुजानगढ निवासी बेडियाँ परिवार) की वंशावली हमें श्रीमती अरुणा बेडियाँ द्वारा 10 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00040	भट्टेवाले परिवार	गंगाननगर राजस्थान	गंगाननगर राजस्थान	स्व श्री मनीराम जी भट्टेवाले (गोत्र: गर्ग भट्टेवाले परिवार स्थान: गंगाननगर राजस्थान) की वंशावली हमें 13 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00041		हरदौगंज, अलीगढ़	दिल्ली	यह स्व श्री रामप्रसाद जी (गोत्र: गर्ग पूर्वज: हरदौगंज, अलीगढ़) की वंशावली हमें श्री मनीष गर्ग जी द्वारा 28 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00042				चक बानियांवाला निवासी (गर्ग गौत्रीय अग्रवाल परिवार श्री गंगानगर) वंशावली
GA00043				यह स्व श्री विष्णु चंद्र गुप्त जी (गोत्र: गर्ग) की वंशावली हमें उनकी पुस्तक से प्राप्त हुई।
GA00044	पटवारी परिवार	डीडवाना राजस्थान	डीडवाना राजस्थान	स्व श्री कुशाली राम जी (गोत्र: गर्ग पटवारी परिवार पूर्वज: डीडवाना राजस्थान) की वंशावली हमें श्री मनीष पटवारी पुत्र श्री राजेंद्र पटवारी जी 21 अक्टूबर जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00045	गाड़ोदिया परिवार	रामगढ जिला सीकर राजस्थान	जिला अनूपपुर कोतमा मध्य प्रदेश बिलासपुर छत्तीसगढ़	स्व. श्री पेश राम जी (गोत्र: गर्ग गाड़ोदिया परिवार पूर्वज: रामगढ जिला सीकर राजस्थान वर्तमान:जिला अनूपपुर कोतमा मध्य प्रदेश बिलासपुर छत्तीसगढ़) की वंशावली हमें श्री गणेश अग्रवाल जी एडवोकेट पूर्व शासकीय अधिवक्ता (जिला अनूपपुर कोतमा मध्य प्रदेश) द्वारा 25 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00046	गोल्याण परिवार	नोहर	अहमदाबाद	स्व. श्री बजरंगदास गोल्याण (गोत्र: गर्ग गोल्याण परिवार पैतृक स्थान: नोहर वर्तमान निवास स्थान: अहमदाबाद) की वंशावली हमें श्री नरेश गोल्याण जी द्वारा 2 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00047				स्व श्री माधव राम जी (गोत्र: गर्ग परिवार) की वंशावली हमें श्री दिनेश गर्ग (पुल्लू) द्वारा 12 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00048		नदीगॉंव जिला जालौन उत्तर प्रदेश	ग्वालियर मध्यप्रदेश	स्व: श्री पुन्नूलाल जी अग्रवाल (गोत्र: गर्ग पैतृक स्थान: नदीगॉंव जिला जालौन उत्तर प्रदेश वर्तमान निवास स्थान: ग्वालियर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री संतोष राज अग्रवाल पुत्र स्व: श्री कैलाश चंद्र जी अग्रवाल जी द्वारा 7 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00049		थाना भवन, जिला शामली उत्तर प्रदेश	कोटा राजस्थान	स्व: श्री बैजनाथ सहाय (गोत्र: गर्ग पैतृक स्थान: थाना भवन, जिला शामली उत्तर प्रदेश वर्तमान निवास स्थान: कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्री राम निवास गर्ग पुत्र श्रीराम गर्ग अग्रवाल जी द्वारा 7 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00050	चमड़िया परिवार	रतन नगर, राजस्थान	डोबसन लेन, हावड़ा पश्चिम बंगाल	स्व: श्री रत्ती राम जी (गोत्र: गर्ग पैतृक चमड़िया परिवार स्थान: रतन नगर, राजस्थान वर्तमान निवास स्थान: डोबसन लेन, हावड़ा पश्चिम बंगाल) की वंशावली हमें श्री पवन कुमार चमड़िया द्वारा 11 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00051		दौसद / अलवर / राजस्थान	मुंबई, महाराष्ट्र	स्व: श्री राम दयाल गुप्ता जी (गोत्र: गर्ग परिवार पैतृक निवास : दौसद / अलवर / राजस्थान वर्तमान निवास:मुंबई, महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री नंदकिशोर अग्रवाल पुत्र श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल जी द्वारा 11 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00052		नारेहड़ा राजस्थान	कोटपूतली जयपुर राजस्थान बुढ़ार (मप्र).	स्वर्गीय श्री भीमाराम जी की वंशावली (गर्ग गोत्र राडा परिवार पैतृक निवास: नारेहड़ा राजस्थान वर्तमान निवास: कोटपूतली जयपुर राजस्थान) श्री राजेन्द्र गर्ग जी, कोटपूतली (राज) व बुढ़ार (मप्र). जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00053	भारतीया परिवार	डीडवाना राजस्थान	नांदेड़, महाराष्ट्र	स्व: श्री नाथमल जी भारतीया (गोत्र: गर्ग भारतीया परिवार पैतृक निवास : डीडवाना राजस्थान वर्तमान निवास:नांदेड़, महाराष्ट्र कुलदेवी: सफेदी माता : पुरोहित: गौड) की वंशावली हमें श्री अजय भारतीया पुत्र श्री शंकरलाल भारतीया जी से श्री रितेश भारूका द्वारा 17 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00054	धन्नावत परिवार	देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र	अग्रोहा से दिल्ली फतेहपुर से लाडनू दयालपुर से देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र	स्व श्री शंकरलालजी धन्नावत (अग्रवाल) (गर्ग गोत्र धन्नावत परिवार पैतृक स्थान: देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र (स्थान्तरण अग्रोहा से दिल्ली फतेहपुर से लाडनू दयालपुर से देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली श्री कैलाश शंकरलाल जी धन्नावत से श्री रितेश भारूका द्वारा 17 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00055	राजा कटारे परिवार		हनुमानताल जबलपुर मध्यप्रदेश	स्व श्री नंदलाल अग्रवाल (गर्ग गोत्र राजा कटारे परिवार पैतृक स्थान: वर्तमान स्थान: हनुमानताल जबलपुर मध्यप्रदेश) की वंशावली श्री निखिल अग्रवाल जीद्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
GA00056 /1	बगड़िया परिवार	अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश (अनूपपुर ज़िले के गठन से पूर्व यह शहडोल ज़िले के अंतर्गत आता था)	अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश (अनूपपुर ज़िले के गठन से पूर्व यह शहडोल ज़िले के अंतर्गत आता था)	यह स्वर्गीय श्री लालचंद जी बगड़िया की वंशावली (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार पैतृक निवास: अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश (अनूपपुर ज़िले के गठन से पूर्व यह शहडोल ज़िले के अंतर्गत आता था) श्री श्याम सुन्दर बगड़िया पुत्र स्वर्गीय श्री गजानन्द जी बगड़िया द्वारा 14 फरवरी को प्राप्त हुई।
GA00056 /2	बगड़िया परिवार			यह स्वर्गीय श्री शिव लाल जी (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार, चाऊ बीराजी सती माता, कुलदेवी पाडल माताजी, कुलदेवता नरसिंघ भगवान) की वंशावली हमें श्रीमती मीरा बगड़िया जी से 15 मई को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00056 /3	बगड़िया परिवार	चिड़ावा जिला झुंझुनू	चिड़ावा जिला झुंझुनू	यह स्वर्गीय श्री रामनिवास जी बगड़िया (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार, पैतृक स्थान: चिड़ावा जिला झुंझुनू) की वंशावली हमें श्री एस के बगड़िया जी से 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00056 /4	बगड़िया परिवार	सलामपुरिया बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान	श्रीगंगाननगर राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री लक्ष्मण दास जी बगड़िया (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार, पैतृक स्थान: बागड़, इस्लामपुर जिला झुंझुन राजस्थान, वर्तमान: श्रीगंगाननगर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री अरुण बगड़िया जी पुत्र श्री अमर नाथ बगड़िया जी से 13 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00057	कारीवाल परिवार			सती दादी माँ सोमती दादी की वंशावली स्व श्री सतियो चौधरी जी (गोत्र: गर्ग गोत्र कारीवाल परिवार बड़वा चौधरी परिवार करि गांव हरियाणा) की वंशावली हमें श्रीमती मधु अग्रवाल जी से श्री अशोक गुप्ता जी द्वारा 26 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई। सती विक्रमी सम्वत 1629 विस्थापन 1809 (विक्रमी सम्वत)
GA00058	केडिया परिवार			गोत्र: गर्ग - केडिया परिवार वंशावली
GA00058 /1	केडिया परिवार			GA00058/1 - गोत्र: गर्ग - केडिया परिवार वंशावली स्वर्गीय श्री धनीराम केडिया की वंशावली (गर्ग गोत्र केडिया परिवार पैतृक निवास: [] वर्तमान निवास:[]) श्री नाथूराम केडिया पुत्र श्री [] के सहयोग से 10 मार्च 2024 को प्राप्त हुई।
GA00059	मोदी परिवार	गावं हासमपुर सीकर राजस्थान,	शेगाव जिला बुलढाणा महाराष्ट्र	स्व श्री चाँदमल जी (गर्ग गोत्र, मोदी परिवार, पैतृक स्थान: गावं हासमपुर सीकर राजस्थान, वर्तमान: शेगाव गांव जिला बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री संजय मोदी जी पुत्र श्री रतन लाल जी द्वारा 14 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
GA00060	हवेली वाला परिवार	ग्राम अजबगढ तहसील थानागाजी जिला अलवर राजस्थान	ग्राम अजबगढ तहसील थानागाजी जिला अलवर राजस्थान	स्व श्री मोती राम जी (गर्ग गोत्र, हवेली वाला परिवार, पैतृक स्थान: ग्राम अजबगढ तहसील थानागाजी जिला अलवर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री कन्हैयालाल गुप्ता जी द्वारा 18 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00061	भाल परिवार	उंधारी ढूंढारी, देवली, टोंक गाव - रिखडिया	रामगंज मंडी	स्व: श्री रूप चंद जी (गोत्र: गर्ग परिवार भाल पैतृक निवास : उंधारी ढूंढारी, देवली, टोंक गाव - रिखडिया वर्तमान निवास: रामगंज मंडी) की वंशावली हमें डॉ लोकमणि बंसल (कोटा निवासी) जी के सहयोग से 15 मार्च 2024 को प्राप्त हुई।
GA00062	चौधरी परिवार	सलामपुर बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान	शेगांव बुलढाणा महाराष्ट्र	स्व: श्री किशन जी चौधरी (गोत्र: गर्ग परिवार चौधरी पैतृक निवास : सलामपुर बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान वर्तमान निवास: शेगांव बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री रजनीकांत पुत्र श्री राधेश्याम सलामपुरिया जी के सहयोग से 18 मई 2024 को प्राप्त हुई।
GA00063		गांव लाडूखेड़ा	गांव लाडूखेड़ा	श्री हरिमणि जी (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास : गांव लाडूखेड़ा) की वंशावली हमें श्री हरीश अग्रवाल पुत्र श्री रमेश चंद्र जी अग्रवाल द्वारा 21 जुलाई 2024 को प्राप्त हुई।
GA00064	चौधरी कंदोई परिवार	बीकानेर, राजस्थान	बीकानेर, राजस्थान/सरदार शहर/दिल्ली	श्री सेठ हरसुख जी (गोत्र: गर्ग चौधरी कंदोई परिवार पैतृक निवास : बीकानेर, राजस्थान) की वंशावली हमें श्री गौरीशंकर कंदोई (सरदार शहर) श्री केदार अग्रवाल (दिल्ली) जी द्वारा 03 अगस्त 2024 को प्राप्त हुई।
GA00065		गांव टाटवाना	गांव टाटवाना	श्री जसराम जी (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास : गांव टाटवाना) की वंशावली हमें श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री छगनमल जी अग्रवाल द्वारा 08 अगस्त 2024 को प्राप्त हुई।
GA00066	खेतान परिवार	झुनझुन		खेतान परिवार (गर्ग गोत्र) की वंशावली

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00067	आसुरामका परिवार			स्व श्री आसुराम जी (गोत्र: गर्ग आसुरामका परिवार) की वंशावली हमें श्री यश गुप्ता जी द्वारा 05 मार्च 2025 को प्राप्त हुई।
GA00068		खतौली	मेरठ	स्वर्गीय श्री अतर सेन जी (गोत्र: गर्ग जन्म स्थान खतौली कार्यस्थल मेरठ) की वंशावली हमें श्री के सी गुप्ता जी द्वारा 20 अप्रैल 2025 को प्राप्त हुई।
GA00069	गिंदोडिया परिवार			गर्ग गोत्री गिंदोडिया परिवार की वंशावली गोत्र वीर श्री रितेश भारूका द्वारा 17 मई 2025 को प्राप्त हुई।
GA00070	रूंगटा परिवार			रूंगटा परिवार (गर्ग गोत्री) की वंशावली श्री राजेंद्र कुमार रुंगटा जी से 07 जून 2025 को प्राप्त हुई।
GA00071	सलामपुरिया परिवार	गाँव-इस्लामपुर जिला-झुंझुनू राजस्थान	गुसराय राज्य बिहार एवं सूरत गुजरात	स्व श्री डुगरसी दास जी (गोत्र: गर्ग सलामपुरिया परिवार मूल स्थान - गाँव-इस्लामपुर जिला-झुंझुनू (राजस्थान वर्तमान स्थान बलिया बाजार पो-लखमीनिया जिला-बेगुसराय राज्य बिहार एवं सूरत गुजरात) की वंशावली हमें श्री अजय कुमार सलामपुरिया पुत्र स्व श्री मायारामजी सलामपुरिया द्वारा 30 जून 2025 को प्राप्त हुई।
GA00072	चौधरी परिवार	चौधरी का नोरा, फतेहपुर शेखावटी राजस्थान	चौधरी का नोरा, फतेहपुर शेखावटी राजस्थान	स्व श्री मक्खन लाल चौधरी जी (गोत्र: गर्ग चौधरी परिवार मूल स्थान - चौधरी का नोरा, फतेहपुर शेखावटी राजस्थान) की वंशावली हमें श्री कन्हिया अमरनाथ चौधरी द्वारा 3 जुलाई 2025 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00073	बेनावत परिवार			स्व श्री हट्टराम जी (गोत्र गर्ग बेनावत परिवार) की वंशावली हमें श्री नंदकिशोर अग्रवाल द्वारा 26 अगस्त 2025 को प्राप्त हुई
GA00074			रामगंजमंडी	स्व श्री रामचंद्र जी (गोत्र गर्ग बोंक भाल) की वंशावली हमें श्री विजय जी रामगंजमंडी दौरा डॉ लोकमणि बंसल जी के सहयोग से 24 नवम्बर 2025 को प्राप्त हुई
GA00075		अहमदाबाद	डिबाई (बुलंदशहर)	स्व श्री गंगासहाय जी (गोत्र गर्ग निकास:डिबाई जिला बुलंदशहर वर्तमान निवास: अहमदाबाद कुलदेवी गुड़गांव वाली) की वंशावली हमें श्री पी के गुप्ता जी द्वारा 25 नवम्बर 2025 को प्राप्त हुई
GA00076	नोहरिया परिवार	धर्मकोट पंजाब	कोटा राजस्थान	स्व श्री मानसिंह जी (गोत्र गर्ग नोहरिया परिवार फतेहपुर शेखावाटी राजस्थान निकास:धर्मकोट पंजाब वर्तमान निवास: कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्री वेद प्रकाश जी गर्ग जी द्वारा डॉ लोकमणि गुप्ता-बंसल, कोटा से 26 नवम्बर 2025 को प्राप्त हुई।

harshgoel2k@gmail.com

कुल - क्रमांक	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00001	चिड़ी गांव , रोहतक हरियाणा से सराय से	सिवाल खास मेरठ उत्तर प्रदेश/ दिल्ली	गोयल परिवार की वंशावली, उद्गम स्थल - चिड़ी गांव , रोहतक हरियाणा से सराय से सिवाल खास मेरठ उत्तर प्रदेश
GO00002	गॉव रमपूरा घतुराला, पोस्ट नियामतपुर वाया सिरसी तहसील बिलारी (राजा का सहसपुर) जिला मुरादाबाद (अब चंदौसी) उत्तर प्रदेश	जोधपुर राजस्थान	गोयल परिवार की वंशावली गॉव रमपूरा घतुराला, पोस्ट नियामतपुर वाया सिरसी तहसील बिलारी (राजा का सहसपुर) जिला मुरादाबाद (अब चंदौसी) उत्तर प्रदेश
GO00003	काशीपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड	काशीपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड	श्री विनय गोयल जी की वंशावली वर्तमान स्थल : काशीपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड यह वंशावली हमें श्री विनय गोयल जी द्वारा श्री रवि जिंदल से 01 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GO00004			श्री गंगाराम (गोयल गोत्र) जी की वंशावली हमें श्री अलोक गोयल द्वारा श्री रवि जिंदल से 10 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GO00005	गुहाना जिला सोनीपत	ग्राम पंचायत कुडेकेला, जिला रायगढ़, धमंजगढ ब्लाक छत्तीसगढ़ राज्य	गोत्र गोयल , पूर्वज हरियाणा राज्य के गुहाना जिला सोनीपत, यह वंशावली श्री राजेश गोयल (जिला रायगढ़ के धमंजगढ ब्लाक के ग्राम पंचायत कुडेकेला में निवास , छत्तीसगढ़ राज्य) द्वारा तिथि 10 जुलाई 2022 को बनवाई
GO00006	ग्राम दौताइ जिला हापुड़ (उ प्र)	मेरठ उ प्र	पैतृक ग्राम; दौताइ जिला हापुड़ (उ प्र)) निवास (मेरठ उ प्र)) स्व0 श्री हरसुख लाल गोयल जी की वंशावली, यह वंशावली हमें श्री महेश गोयल जी द्वारा 16 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00007		नगला तुला (भरतपुर)	किशनगढ़ (अजमेर)	यह वंशावली हमें श्री अनिल गोयल पुत्र श्री रामप्रसाद गोयल जी पैतृक स्थान: नगला तुला (भरतपुर) निवास स्थान: किशनगढ़ (अजमेर) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 04 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GO00008		बटाला, पंजाब	बटाला, पंजाब	यह वंशावली हमें श्री सुरेश कुमार गोयल पुत्र श्री राम मूर्ति अग्रवाल (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: बटाला, पंजाब) से रवि जिंदल जी द्वारा 06 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GO00009	नम्बरदार परिवार	महम हरियाणा	महम हरियाणा	स्वर्गीय श्री भूरामल जी (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: नम्बरदार परिवार) जी की वंशावली हमें श्री विनोद गोयल जी द्वारा जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GO0010		देवबंद	कांधला कस्बा जिला शामली उत्तर प्रदेश	श्री घमनलाल गोयल जी की वंशावली (वर्तमान स्थान: कांधला कस्बा जिला शामली उत्तर प्रदेश पैतृक स्थान: देवबंद (लगभग 550 वर्ष पूर्व) द्वारा रवि जिंदल जी से 25 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई है
GO00011		लाहौर	बटाला	यह श्री बन्ना मल जी (गोयल गोत्र) वंशावली हमें श्री अश्वनी अग्रवाल पुत्र श्री कश्मीरी लाल जी से श्री सुरेश कुमार गोयल जी द्वारा 16 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GO00012		मेहम	बटाला	यह श्री नानक चंद अग्रवाल जी (गोयल गोत्र) की वंशावली हमें श्री सुभाष चंद्र सुपुत्र श्री दरबारी लाल (मूल निवासी - मेहम वर्तमान निवास स्थान: बटाला से श्री सुरेश कुमार गोयल के सहयोग द्वारा 12 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00013				श्री कन्हैया लाल गोयल (गोत्र: गोयल) जी की वंशावली हमें श्री गोविंद गोयल जी द्वारा सितम्बर 2022 में प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00015		ग्राम बजना	बुलंदशहर	यह श्री खेम चंद अग्रवाल (गोयल गोत्र) (पैतृक स्थान: ग्राम बजना, वर्तमान - बुलंदशहर) वंशावली हमें श्री विष्णु गोयल पुत्र श्री केशव देव अग्रवाल से श्री रवि जिंदल द्वारा 22 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00016		अलोदा जमशेद पुर	अलोदा जमशेद पुर	यह श्री नाथु लाल मोदी जी (गोयल गोत्र) की वंशावली हमें श्री अशोक कुमार मोदी सुपुत्र श्री बजरंग लाल मोदी निवास अलोदा जमशेद पुर रवि जिंदल जी द्वारा 16 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई
G000017		आगरा	पीएसओ पुर	यह स्व0 श्री मूलचंद्र गोयल जी की वंशावली हमें श्री अजय गोयल सुपुत्र स्व श्री रमेश चंद्र गोयल (पैतृक स्थान: काशीपुर निवास स्थान: काशीपुर (उत्तराखण्ड) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 23 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00018		गाज़ियाबाद	गाज़ियाबाद	यह श्री चौधरी भाल सिंह अग्रवाल (गोयल गोत्र) (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: गाज़ियाबाद) वंशावली हमें श्री श्रवण कुमार (गोयल) अग्रवाल द्वारा 20 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00019		फतेहपुर (अलीगढ़)	फतेहपुर (अलीगढ़)	यह श्री गोविन्द राम अग्रवाल जी (गोयल गोत्र) पैतृक निवास: फतेहपुर (अलीगढ़) की वंशावली श्री पंकज अग्रवाल पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल से 5 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00020		छारा	बहादुरगढ़	यह श्री बनवारी लाल जी अग्रवाल (पैतृक स्थान - छारा निवास स्थान - बहादुरगढ़) की वंशावली हमें श्री केशव गोयल पुत्र श्री मनोज गोयल से श्रीमति नेहा मित्तल जी द्वारा 11 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00021		हरदा, मध्य प्रदेश राज्य)	हरदा, मध्य प्रदेश राज्य)	यह श्री मटाबकस जी (गोयल गोत्र) (पैतृक स्थान - हरदा, मध्य प्रदेश राज्य) की वंशावली हमें श्रीमती सरोज गोयल जी से श्रीमती संजना अग्रवाल जी द्वारा 26 दिसम्बर 2022 को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00022		चीडावा झुंझुनू जिला राजस्थान	चीडावा झुंझुनू जिला राजस्थान	यह स्व. श्री जानकी दास टिबड़ेवाल (गोयल गोत्र) जी की वंशावली हमें श्री अनिल कुमार टिबड़ेवाल पुत्र श्री रामचंद्र टिबड़ेवाल (निवास स्थान: चीडावा झुंझुनू जिला राजस्थान) द्वारा 24 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GO00023		पौंख गांव (गुढा) भोजगढ़ , झुंझुनूं जिला, राजस्थान	झरिया धनबाद झारखंड/बैंगलोर	यह स्वर्गीय श्री मंगल चंद भोजगढ़रिया जी की वंशावली (गोयल गोत्र, पैतृक निवास: पौंख गांव (गुढा) भोजगढ़ , झुंझुनूं जिला, राजस्थान) श्री निर्मल कुमार जी भोजगढ़रिया (बैंगलोर) पुत्र श्री राधेशयाम जी भोजगढ़रिया (झरिया धनबाद झारखंड) द्वारा 7 फ़रवरी को प्राप्त हुई।
GO00024	मोर परिवार	अकोड़ा जिला-नागौर, राजस्थान	पचोरा जिला- जलगांव महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री गुलाबचंद जी मोर की वंशावली (गोयल गोत्र, पैतृक निवास: अकोड़ा जिला-नागौर, राजस्थान , वर्तमान निवास: पचोरा जिला- जलगांव महाराष्ट्र) श्री सुरेशजी मोर पुत्र श्री शंकरलालजी मोर द्वारा 12 फरवरी को प्राप्त हुई।
GO00025	लीलरिया परिवार	ग्राम खेतड़ी जिल्हा शिखर राजस्थान	ग्राम खेतड़ी जिल्हा शिखर राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री पीथालालजी लीलडीया जी (गोत्र: गोयल परिवार:लीलरिया पैतृक निवास: ग्राम खेतड़ी जिल्हा शिखर राजस्थान, कुल सती चुंडावत माता जी) की वंशावली, श्रीमति सुलेखा द्वारा हमें 01 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GO00026		जोरावर नगर	कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश	यह स्वर्गीय श्री नारायण अग्रवाल जी (गोत्र: गोयल पैतृक निवास: जोरावर नगर, वर्तमान निवास: कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश) की वंशावली, श्री सुनील अग्रवाल पुत्र श्री शंकर लाल अग्रवाल द्वारा हमें 03 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GO00027	भारूका परिवार (कन्नड़)	डीडवाना चूरू राजस्थान		स्व श्री भारूमल जी (भारूका परिवार गोयल गोत्र पैतृक निवास: डीडवाना चूरू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री संजय भारूका द्वारा 3-मई-2023, श्री गजेंद्र गोयल से 10-जून-2023, श्री रितेश भारूका 28-सितम्बर-2023 श्री जगदीश भारूका द्वारा 28-सितम्बर-2023को प्राप्त हुई।
GO00028	गोयनका परिवार	जयपुर मांडवा राजस्थान	अकोला महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री गंगाराम जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल परिवार: गोयनका पैतृक निवास: जयपुर मांडवा राजस्थान, वर्तमान निवास: अकोला महाराष्ट्र) की वंशावली, श्री लालीकुमार अग्रवाल जी पुत्र श्री हरिकिसन अग्रवाल जी द्वारा हमें 25 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00029		सिंघाना राजस्थान	चांदवड जिला नासिक महाराष्ट्र	स्व श्री बोधराम जी (वैश्य अग्रवाल गोत्र: गोयल गोत्र सिंघानिया परिवार निवास:सिंघाना राजस्थान से प्रीतमपुर राजस्थान वहां से चांदवड जिला नासिक महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री दिवेश अग्रवाल पुत्र श्री रामुलाल जी अग्रवाल द्वारा 25 मई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00030			दाहोद (गुजरात)	स्वर्गीय श्री रामलाल जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल निवास: दाहोद (गुजरात) जी की वंशावली हमें श्री एन वी गोयल जी पुत्र श्री विजय भाई जगदीश चंद्र अग्रवाल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00031				स्वर्गीय श्री तोता राम जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल) जी की वंशावली हमें श्री महावीर गोयल जी पुत्र श्री ओमप्रकाश गोयल जी द्वारा जून 2023 में प्राप्त हुई।
GO00032		सिंघाना राजस्थान	शैलपुरी चाँदवड, जिला नासिक महाराष्ट्र	स्वर्गीय श्री बोध राम जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: सिंघाना राजस्थान से प्रीतमपुर राजस्थान, वहां से शैलपुरी ता चाँदवड, जिला नासिक महाराष्ट्र) जी की वंशावली हमें श्री दिवेश अग्रवाल जी द्वारा 24 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00033	तातिया परिवार	सूरजगढ़ राजस्थान	अकोला महाराष्ट्र	स्वर्गीय श्री सुखदेव जी (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: तातिया परिवार पैतृक निवास: सूरजगढ़ राजस्थान वर्तमान निवास: अकोला महाराष्ट्र जी की वंशावली हमें श्री महेंद्र तातिया पुत्र श्री राधेश्याम तातिया निवासी अकोला द्वारा 20 अक्तूबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00034		ग्राम महरोली	ग्राम महरोली	यह स्व श्री प्रताप सिंह जी (गोत्र गोयल ग्राम महरोली) की वंशावली श्री महेंद्र कुमार जी पुत्र श्री ईसरी प्रसाद जी द्वारा हमें 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00035			नीमच मध्य प्रदेश	यह स्व श्री फतेहराम जी की वंशावली (नीमच मध्य प्रदेश) श्री तरु जी द्वारा हमें 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00036			अहमदाबाद	यह स्व श्री फूलचंद जी (गोत्र: गोयल) की वंशावली श्री मनोज कुमार जी (निवास अहमदाबाद) द्वारा 17 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00037	गिनोडिया परिवार			श्री राधेश्याम गिनोडिया (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: गिनोडिया परिवार) जी की वंशावली हमें श्री सुमित गिनोडिया जी पुत्र श्री कमखया पसाद गिनोडिया द्वारा जून 2023 में प्राप्त हुई।
GO00038		डीडवाना	जोधपुर	स्वर्गीय श्री नेनू राम जी (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: छितरका खांप पैतृक निवास:डीडवाना वर्तमान निवास: जोधपुर, सती माता: सत्ती दादी मुक्ता मां डीडवाना (राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री महेश गोयल पुत्र श्री ओम प्रकाशजी निवासी जोधपुर द्वारा 20 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00039		चिड़ावा राजस्थान	कलकत्ता	श्री भजन राम जी (गोत्र: गोयल पैतृक निवास : चिड़ावा राजस्थान, वर्तमान कलकत्ता) जी की वंशावली हमें श्री सौरभ अग्रवाल जी पुत्र श्री अशोक अग्रवाल जी द्वारा 3 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00040	बरासरिया परिवार			स्वर्गीय श्री बुधा राम (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: बरासरिया गोयल) जी की वंशावली हमें श्री एस के गोयल जी द्वारा 7 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00041		गवंडी एक्सटेंशन मौजपुर दिल्ली	गवंडी एक्सटेंशन मौजपुर दिल्ली	यह श्री काशीराम जी (गोयल गोत्र) निवास गवंडी एक्सटेंशन मौजपुर दिल्ली की वंशावली श्री अशोक कुमार गुप्ता जी द्वारा से 18 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई
GO00042			मुथल हरियाणा	स्वर्गीय श्री ज्वाला प्रसाद जी (गोत्र: गोयल स्थान: मुथल हरियाणा) जी की वंशावली हमें श्रीमती निधि गोयल जी धर्मपत्नी श्री मनोज गोयल जी द्वारा 14 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00043	जमनादास परिवार सिरसा 1	सिरसा	हिसार	स्वर्गीय श्री धर्म राम जी (गोत्र: गोयल स्थान: हिसार) जी की वंशावली हमें श्री सुरेश कुमार गोयल जी पुत्र श्री अमरनाथ जी द्वारा 14 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00044		गुढ़ा, महेंद्रगढ़, हरियाणा	बीकानेर, राजस्थान	स्वर्गीय श्री गेंदाराम जी गोयल जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: गुढ़ा, महेंद्रगढ़, हरियाणा वर्तमान स्थान: बीकानेर, राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री नितेश गोयलजी पुत्र स्वर्गीय श्री प्रदीप गोयल द्वारा 14 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00045	जमनादास परिवार सिरसा 2	सिरसा	हिसार	स्व श्री बालक राम जी (गोत्र: गोयल स्थान सिरसा) की वंशावली श्री विनोद गोयल जी से जून 2023 में प्राप्त हुई
GO00046	शरण परिवार	महम	महम	स्व श्री चौधरी जी (गोत्र: गोयल शरण परिवार की वंशावली श्री विनोद गोयल जी से जून 2023 में प्राप्त हुई
GO00047		गांव लालसोट, हिंडौन सिटी	एबी रोड बीनागंज जिला गुना एमपी	स्वर्गीय श्री सोजी रामजी गोयल जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:गांव लालसोट, हिंडौन सिटी वर्तमान स्थान: एबी रोड बीनागंज जिला गुना एमपी) की वंशावली हमें श्री अंकित गोयल पुत्र श्री घनश्याम जी गोयल जी द्वारा 1 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00048	परतापूरिया परिवार	परतापूरिया नीमराना अलवर राजस्थान	धमतरी, रायपुर आदि विभिन्न स्थान	स्वर्गीय श्री हुकुम चंद जी गोयल जी (गोत्र: गोयल परतापूरिया परिवार पैतृक स्थान:परतापूरिया नीमराना अलवर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री अरुण लाठ जी द्वारा 1 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00049		सिंघाना	सिंघाना	स्वर्गीय श्री दयाराम जी (गोत्र: गोयल जैन परिवार पैतृक स्थान: सिंघाना) की वंशावली हमें श्री ललित जैन जी द्वारा 1 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00050		जोरावर नगर	कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश	स्वर्गीय श्री नारायण जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: जोरावर नगर वर्तमान स्थान: कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री सुनील जी पुत्र श्री शंकर लाल जी द्वारा 11 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00051	सुरेखा परिवार	लक्ष्मणगढ़ सीकर राजस्थान	लक्ष्मणगढ़ सीकर राजस्थान	स्वर्गीय श्री भोज राज जी (गोत्र: गोयल सुरेकापरिवार पैतृक स्थान:लक्ष्मणगढ़ सीकर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री सुभाष सुरेखा पुत्र श्री राम निरंजन सुरेका द्वारा 16 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00052		नागौद जिला सतना मध्य प्रदेश	लगभग 80 वर्षों से बुढ़ार जिला शहडोल	स्वर्गीय श्री राघव प्रसाद अग्रवाल (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:नागौद जिला सतना मध्य प्रदेश वर्तमान स्थान: बुढ़ार जिला शहडोल - लगभग 80 वर्षों से) की वंशावली हमें श्री सतीश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल द्वारा 2 दिसंबर 2023 को श्री श्याम सुन्दर जी बगड़िया द्वारा प्राप्त हुई।
GO00053	बाजारी परिवार			स्वर्गीय श्री कुशली राम जी (गोत्र: गोयल बाजारी परिवार) की वंशावली हमें श्री मनीष पटवारी जी द्वारा 18 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00054		पनियाली गाँव यू.पी.तहसील तलेडी जिला सहारनपुर	कोटा राजस्थान	श्री मंगत राय जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:पनियाली गाँव यू.पी.तहसील तलेडी जिला सहारनपुर वर्तमान स्थान: कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्रीमती रचना गोयल द्वारा 2 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00055	गोयनका परिवार	लक्ष्मण गढ़ शेखावाटी जिला राजस्थान	बिजुरी जिला अनूपपुर मप्र	श्री मगनी राम जी गोयनका (गोत्र: गोयल गोयनका परिवार पैतृक स्थान: लक्ष्मण गढ़ शेखावाटी जिला राजस्थान वर्तमान स्थान बिजुरी जिला अनूपपुर मप्र) की वंशावली हमें श्री बाल कृष्ण गोयनका द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया निवासी अमलई से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00056				स्व श्री अमीचंद हंसारिया जी (गोत्र: गोयल हंसारिया परिवार की वंशावली हमें श्री अशोक गुप्ता जी से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

harshgoel2k@gmail.com

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00057		लपावली तहसील बालघाट जिला गंगापुर सिटी राजस्थान	हिण्डोन सिटी जिला करौली राजस्थान	स्व श्री ईश्वर प्रसाद जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:लपावली तहसील बालघाट जिला गंगापुर सिटी राजस्थान वर्तमान स्थान: हिण्डोन सिटी जिला करौली राजस्थान) की वंशावली हमें श्री सुरेश चंद गुप्ता पुत्र स्व श्री दामोदर लाल गोयल द्वारा 12 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00058	तुहीराम परिवार		लगभग 80 वर्षो से बुढ़ार जिला शहडोल	स्व श्री तुहीराम (गोत्र: गोयल तुहीरामका परिवार) की वंशावली श्री पुरषोत्तम राम तुहीरामका की पुस्तक तुहीरामका वंश परिचय श्री पवन गोयल और श्री विनोद गोयल नम्बरदार जी के सहयोग से प्राप्त हुई
GO00059	मनसीखिरिया (Manshikiriya) परिवार			मनसीखिरिया (Manshikiriya) परिवार की वंशावली
GO00060	गोयनका परिवार	रामगढ़ सीकर राजस्थान	कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश	स्व श्री भादरमल जी गोयनका (गोत्र: गोयल गोयनका परिवार पूर्वज: रामगढ़ सीकर राजस्थान वर्तमान: कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्रीमती किरण गोयनका पति श्री केशव कुमार गोयनका जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 03 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00061	कयाल परिवार	सांभर झील जिला. जयपुर राज		स्व श्री गोगराजी जी कयाल (गोत्र: गोयल कयाल परिवार पूर्वज: सांभर झील जिला. जयपुर राज.) की वंशावली हमें श्री तुलसीराम जी कयाल द्वारा 10 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
GO00062	गोयनका परिवार	उमरिया		स्व श्री गौरीदत्त जी गोयनका (गोत्र: गोयल गोयनका परिवार पूर्वज: उमरिया) की वंशावली हमें श्री गोविन्द बंसल जी अमलाई द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 11 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GO00063		डाबला (नीम का थाना, राजस्थान)	फुनगा, जिला अनूपपुर, मप्र.	स्व श्री मंगल चंद (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: डाबला (नीम का थाना, राजस्थान) वर्तमान स्थान: फुनगा, जिला अनूपपुर, मप्र.) की वंशावली हमें श्री चन्द्र प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री रामरतन लाल जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 24 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00064	भारूका परिवार (बसावा)	बसावा जिला सीकर राजस्थान	भागलपुर	स्व श्री गुलाबराय जी (गोत्र: गोयल भारूका परिवार पैतृक निवास : बसावा जिला सीकर राजस्थान निवास स्थान: भागलपुर) जी की वंशावली हमें श्री अमरदीप भारूका पुत्र श्री स्व श्री केशर देव भारूका द्वारा 17 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GO00065	हवेली वाले	गुडियानी तहसील कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा	अहमदाबाद गुजरात	स्व श्री जीतराम जी (गोत्र: गोयल हवेली वाले वर्तमान स्थान: अहमदाबाद गुजरात मूल निवास: गुडियानी तहसील कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा (पहले यह स्थान रोहतक झझर तहसील के अंतर्गत था) की वंशावली हमें श्री हरी निवास गुप्ता जी पुत्र श्री मनोहर लाल राम जी द्वारा 30 अगस्त 2024 को प्राप्त हुई। इस परिवार के पुर्वज मेहतवास से गुडियानी आकर बसे थे। मेहतावास रेवाड़ी के पास स्थित है वहां एक भी कुंड है। कुंड नाम का एक गांव है।जहां स्लेट बनाने का पत्थर निकलता है हमारे गांव मे दोही गोत्र के कुटुम्ब रहते हैं।गोयल एवं बंसल। गांव छोड़ कर जो अन्य स्थानों पर बस गए उन मे से कुछ ने गुडियानिया लिखने लगे एवं कुछ गुडियानी वाला लिखने लगे
GO00066	गुडियानी परिवार			स्व श्री बिहारीलाल जी (गोत्र: गोयल) की वंशावली
GO00067	गोयनका परिवार			स्व श्री बिहारीलाल जी (गोत्र: गोयल गोयनका परिवार) की वंशावली

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00068	पिलोदिया परिवार	सुरोठ, ज़िला करौली, राजस्थान	हिण्डोन सिटी, ज़िला करौली, राजस्थान अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात))	स्वर्गीय भिक्रिमल गोयल जी (गोत्र: गोयल पिलोदिया परिवार पैतृक निवास : सुरोठ, ज़िला करौली, राजस्थान से हिण्डोन सिटी, ज़िला करौली, राजस्थान, वर्तमान निवास स्थान: अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात)) जी की वंशावली हमें श्री संजय कुमार गोयल पुत्र श्री स्व रमेश चंद गोयल द्वारा 12 अक्तूबर 2024 को प्राप्त हुई।
GO00069		चंदौसी उत्तरप्रदेश	जहांगीराबाद उत्तरप्रदेश	स्वर्गीय श्री सालिग्राम जी आत्मज श्री केसरी प्रसाद जी (गोत्र: गोयल चंदौसी से जहांगीराबाद उत्तरप्रदेश) की वंशावली हमें श्री राजेंद्र कुमार गोयल जी (शास्त्री नगर गाजियाबाद उत्तरप्रदेश) द्वारा 15 जनवरी 2025 को प्राप्त हुई
GO00070	बैरासरिया परिवार (टिबरेवाल)			स्वर्गीय श्री डालूराम जी (गोत्र: गोयल बैरासरिया परिवार टिबरेवाल पैतृक स्थान: बैर वर्तमान स्थान:) की वंशावली हमें श्री राम अवतार बैरसरिया जी द्वारा 10 फरवरी 2025 को प्राप्त हुई
GO00071	टकसरी परिवार	झांसी (मप्र.)	झांसी (मप्र.)	स्व श्री चुखर टकसरी (गोत्र: गोयल टकसरी परिवार स्थान: झांसी (मप्र.) की वंशावली हमें श्री नरेश अग्रवाल पुत्र श्री राम भरोसे टकसरी जी द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00072	टिबरेवाल परिवार			टिबरेवाल (गोयल गोत्री) परिवार की वंशावली
GO00073		विराट नगर	पचोर जिला राजगढ़ मध्यप्रदेश	स्व श्री देवीदत्त (गोत्र: गोयल पैतृक मूल गांव विराट नगर वर्तमान स्थान : पचोर जिला राजगढ़ मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री महेश नाथूलालजी गोयल से 28 जून 2025 को प्राप्त हुई।

harshgoel2k@gmail.com

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00074	मुडालीये परिवार	लाहौर	लाहौर	स्व श्री सुचानन्द जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल मुडालीये परिवार, लाहौर) की वंशावली हमें श्री विनोद गोयल जी नम्बरदार महम वाले (वर्तमान अमेरिका) द्वारा 05 सितम्बर 2025 को प्राप्त हुई।
GO00075		झुंझुनू	पुराणी सब्जी मंडी कोटा राजस्थान	स्व मनीरामजी (गोत्र: गोयल पैतृक गांव: झुंझुनू वर्तमान स्थान : पुराणी सब्जी मंडी कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्रीमती सोना जैन जी द्वारा 30 अक्टूबर 2025 को प्राप्त हुई।
GO00076	खलघाट वाले	खेलना कस्बा निकट पावटा, जयपुर राजस्थान		स्व श्री हीरालाल जी (गोत्र: गोयल परिवार: खलघाट वाले पैतृक गांव: खेलना कस्बा निकट पावटा, जयपुर राजस्थान वर्तमान स्थान:) की वंशावली हमें श्रीमती दीपिका जी द्वारा 10 नवम्बर 2025 को प्राप्त हुई।
GO00077		इक्कलदोना गांव धार जिला	साक्री गांव धुलिया जिला महाराष्ट्र)	स्व श्री सुगनचंदजी अग्रवाल (गोत्र: गोयल पैतृकगांव: इक्कलदोना गांव धार जिला वर्तमान स्थान : साक्री गांव धुलिया जिला महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री अरुण गोयल जी द्वारा 21 जुलाई 2025 को प्राप्त हुई।
GN00001	गंगल	गावं उटवारा	बीकानेर, हिसार और अन्य स्थान	स्व श्री जयसी बाबा जी (गंगल परिवार गोत्र पैतृक निवास: गावं उटवारा वाला वर्तमान: बीकानेर, हिसार और अन्य स्थान) की वंशावली श्री भारत भूषण गुप्ता पुत्र श्री शंकर लाल जी गुप्ता द्वारा हमें 17 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GN00002				स्व श्री अमर सिंह जी (गोयनर परिवार गोयन गोत्र पैतृक निवास: शेरपुर सवाई माधोपुर वर्तमान: श्योपुर मध्य प्रदेश) की वंशावली श्रीमती अर्चना गुप्ता धर्मपत्नी डॉ लोकमणि गुप्ता (बंसल) के भाई श्री महेन्द्र जी द्वारा हमें 25 फरवरी 2024 को डॉ लोकमणि गुप्ता जे के सहयोग से प्राप्त हुई।
JI00001				श्री उमराव अग्रवाल (जिंदल गोत्र) जी की वंशावली यह वंशावली हमें श्री रवि जिंदल द्वारा 01 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
JI00002		मलेर कोटला	फगवाड़ा	यह श्री इधु मल अग्रवाल (जिंदल गोत्र) वंशावली हमें श्री राज कुमार जिंदल पुत्र श्री दर्शन लाल जिंदल जी (पैतृक स्थान: मलेर कोटला निवास स्थान: फगवाड़ा (1968 से) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 6 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
JI00003		भिखी जिला बठिंडा पंजाब	रानी बाजार बीकानेर	श्री भगवान दास गुप्ता (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : भिखी जिला बठिंडा पंजाब, वर्तमान: रानी बाजार बीकानेर) की वंशावली हमें श्री अनिल कुमार गुप्ता पुत्र श्री कोरसेन गुप्ता द्वारा हमें 5 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
JI00004		महरौली (राजस्थान)	नसीराबाद (राजस्थान)	श्री स्व श्री जैसराजजी जिंदल जी (गोत्र: जिंदल, लगभग 1830 से 1850 के मध्य महरौली (राजस्थान) से नसीराबाद (राजस्थान) आये) की वंशावली हमें श्री गोविन्द जिंदल जी पुत्र श्री छीतरमल जिंदल जी द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
JI00005	नलवावाले परिवार	हिसार हरियाणा	हिसार हरियाणा	श्री स्व श्री मगनी राम जी जिंदल (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : नलवावाले हिसार हरियाणा) की वंशावली हमें श्री पंकज जिंदल पुत्र श्री ब्रिज मोहन जिंदल जी द्वारा 13 जून 2023 को प्राप्त हुई।
JI00006		सिधांवा भिवानी हरियाणा	सिधांवा भिवानी हरियाणा	स्व श्री जय लाल जी जिंदल (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : सिधांवा भिवानी हरियाणा) की वंशावली हमें श्रीमती कविता अग्रवाल द्वारा 19 जून 2023 को प्राप्त हुई।
JI00007		राजगढ़ चूरू राजस्थान		स्व श्री भेखमल मल जी (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : राजगढ़ चूरू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री रतन जी पुत्र स्व श्री विश्वनाथ जी जिंदल द्वारा 8 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई। (राजगढ़ चूरू राजस्थान से निकास लगभग 100 पूर्व, कुछ परिवार के सदस्य अभी भी पुराने समय से ही राजगढ़ चूरू राजस्थान में निवास करते है परन्तु सम्पर्क में नहीं है)
JI00008		चांदपुर (बिजनौर) उत्तर प्रदेश	चांदपुर (बिजनौर) उत्तर प्रदेश	स्व श्री उमराव सिंह जी (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : चांदपुर (बिजनौर) उत्तर प्रदेश) की वंशावली हमें श्री विनीत कुमार जिंदल पुत्र श्री रघुनन्दन शरण जी जिंदल द्वारा 8 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
JI00009	खरकियाँ परिवार			श्री केवल राम खरकियाँ (गोत्र: जिंदल परिवार: खरकियाँ) जी की गोपाल जिंदल द्वारा पुस्तक में संकलित वंशावली श्री गोविन्द जिंदल जी द्वारा 21 अगस्त 2023 को प्राप्त हुई
JI00010		हठूर पंजाब	अहमदाबाद	स्व श्री अमर नाथ (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : हठूर पंजाब, वर्तमान: अहमदाबाद) की वंशावली हमें श्री मोहित जिंदल पुत्र श्री कमल जिंदल द्वारा 12 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
JI00011	खेमका परिवार	चूरू राजस्थान		स्व श्री खेमचंद जी (गोत्र: जिंदल खेमका परिवार पैतृक निवास : चूरू राजस्थान वर्तमान: समस्त भारत) की वंशावली हमें श्री रमा शंकर खेमका जी द्वारा उनकी लिखी पुस्तक "खेमका कुल गाथा" से 04 अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।
JI00012		नारनौल हरियाणा से मेरठ	कनौज	स्व श्री यदारथ मल जी (गोत्र: जिंदल परिवार पैतृक निवास : नारनौल हरियाणा से मेरठ वर्तमान: कनौज) की वंशावली हमें श्री योगेश अग्रवाल द्वारा श्री रमा शंकर खेमका जी से 08 अगस्त 2025 को प्राप्त हुई।
KA00001		जहांगीराबाद जिला बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश	जहांगीराबाद जिला बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश	स्वर्गीय श्री गुरदयाल मल जी (गोत्र: कंसल गोत्र पैतृक स्थान: जहांगीराबाद जिला बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश) की वंशावली हमें श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री ज्ञान चंद जी (लोनेवाला, पुणे) द्वारा 28 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई।
KA00002	रायपुरिया	रायपुर राजस्थान	ग्वालियर मध्यप्रदेश	यह श्री सोहूराम जी (कंसल गोत्र) (पैतृक रायपुर राजस्थान वर्तमान निवास - ग्वालियर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल जी द्वारा 8 दिसम्बर 2022 को प्राप्त हुई। श्री सोहूराम जी जी का परिवार राजस्थान ब्यावर के पास रायपुर नामक स्थान से 200 वर्ष पूर्व ग्वालियर में आया. अजमेर ब्यावर एवं दिल्ली में निवास करने वाले रायपुर से निकले हुए परिवार के लोग अपना कुटुंब नाम "रायपुरिया" लिखते हैं यह एक प्रतिष्ठित समाजसेवी परिवार है।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
KU00001		प्रयाग	प्रयाग	श्री प्रियदास अग्रवाल कुछल गोत्र (प्रयाग) जी की वंशावली हमें श्री संजय अग्रवाल से श्री रवि जिंदल द्वारा 10 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
KU00002		सिरोली बहाली नारनौल	सिवनी मध्यप्रदेश	स्वर्गीय श्री मान सिंह (गोत्र: कुछल निवास: सिरोली बहाली नारनौल, वर्तमान निवास: सिवनी मध्यप्रदेश) की वंशावली, श्री तरुण जी पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल हमें 2 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
KU00003		ग्राम छोटी खुर्द दिल्ली	ग्राम छोटी खुर्द दिल्ली	स्वर्गीय श्री पूर्ण चंद जी (गोत्र: कुछाल गोत्र पैतृक स्थान: ग्राम छोटी खुर्द दिल्ली - 39) की वंशावली हमें श्री विजय कुमार कुछल द्वारा 26 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MK00001		काशी	काशी	काशी मधुकुल गोत्र साह परिवार की वंशावली वर्ष 2007 में निर्मित
MA00001		सरहून खेड़ा, कोटपुतली, राजस्थान	सरहून खेड़ा, कोटपुतली, राजस्थान	श्री खेमचंद जी अग्रवाल (मंगल गोत्र) जी की वंशावली पैतृक स्थान : सरहून खेड़ा, कोटपुतली, राजस्थान कुल देवी - देहमी माता - मनसा देवी गोत्र : मंगल यह वंशावली श्री अखिलेश अग्रवाल (मंगल गोत्र) द्वारा श्री रवि जिंदल जी से प्राप्त हुई (10 जुलाई 2022)
MA00002		सिरोंज, विदिशा, मध्य प्रदेश	सिरोंज, विदिशा, मध्य प्रदेश	यह वंशावली हमें श्रीमती कर्तिका अग्रवाल जी पैतृक और निवास स्थान: सिरोंज, विदिशा, मध्य प्रदेश से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 04 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
MA00003		ठाकुरगंज (बिहार)	किशनगढ़ (अजमेर)	यह वंशावली हमें श्री सुमित अग्रवाल (मंगल गोत्र) पुत्र श्री बिमल कुमार अग्रवाल पैतृक स्थान: ठाकुरगंज (बिहार) निवास स्थान: किशनगढ़ (अजमेर) से रवि जिंदल जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
MA00004		अलोदा जमशेद पुर	अलोदा जमशेद पुर	यह श्री नाथु लाल मोदी जी (मंगल गोत्र) की वंशावली हमें श्री अशोक कुमार मोदी सुपुत्र श्री बजरंग लाल मोदी निवास अलोदा जमशेद पुर रवि जिंदल जी द्वारा 16 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MA00005		बमोरी जिला विदिशा	बमोरी जिला विदिशा	यह श्री मुकुंद राय जी (मंगल गोत्र) पैतृक निवास बमोरी जिला विदिशा वंशावली श्रीमति नमिता जी से 28 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई
MA00006		मुरादाबाद उत्तरप्रदेश राज्य)	हिसार हरयाणा	यह श्री सेठ राम सहाय मल जी (मंगल गोत्र) (स्थान - मुरादाबाद उत्तरप्रदेश राज्य) की वंशावली हमें श्री कैलाश चंद्र गुप्ता जी पुत्र श्री रामेश्वर दयाल गुप्ता जी (निवास स्थान हिसार हरयाणा राज्य) से 01 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई
MA00007		ततारपुर	सानिया (छोटी खाटू) राजस्थान	यह श्री सेठ माहाराम जी (मंगल गोत्र) (पैतृक स्थान: ततारपुर) की वंशावली हमें श्री गोविन्द अग्रवाल जी पुत्र श्री मांगीलाल अग्रवाल जी (निवास स्थान: सानिया (छोटी खाटू) राजस्थान) से 06 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई
MA00008		मोहना जिला फरी दाबाद	मोहना जिला फरीदा बाद	यह स्व. श्री नानक चंद (मंगलगोत्र) जी की वंशावली हमें श्री ललित कुमार जी पुत्र श्री राम किशोर (मोहना जिला फरीदाबाद) द्वारा 5 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।
MA00009	गुड़वाले परिवार	कोटा	कोटा	यह स्वर्गीय श्री मीठालाल गुड़वाले जी (मंगल गोत्र वर्तमान स्थान: कोटा) की वंशावली हमें श्रीमती सरिता अग्रवाल जी द्वारा डॉ लोकमणि गुप्ता से 6 फ़रवरी 2022 को प्राप्त हुई।
MA00010		किरतपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश	किरतापुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश	स्व श्री करोड़ीमल जी (गोत्र: मंगल, पैतृक स्थान: किरतपुर जिला बिजनौर उप) की वंशावली श्री सचिन अग्रवाल पुत्र श्री रजनीश अग्रवाल द्वारा हमें 17 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MA00011		श्री माधोपुर	चित्तोरगढ	यह स्व श्री देवी सहाय जी (गोत्र: मंगल पैतृक स्थान: श्री माधोपुर वर्तमान स्थान: चित्तोरगढ) की वंशावली श्री अशोक कुमार गुप्ता जी पुत्र श्री माखनलाल गुप्ता द्वारा हमें 24 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MA00012	मोदी परिवार	गांव: पलासरा	मुंबई, सूरत	यह स्व श्री सेवाराम जी (गोत्र: मंगल मोदी परिवार पैतृक गांव: पलासरा कुलदेवता: बालाजी टपकेश्वर महादेव) की वंशावली श्री परमेश्वर लाल मोदी पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद जी मोदी द्वारा 28 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MA00013	दासीवाला परिवार	पैतृक स्थान (Parental place)	वर्तमान स्थल (Cuurent Place)	स्व श्री भेरू रामजी दासीवाला (गोत्र: मंगल पैतृक गांव:) की वंशावली श्री जवाहर लाल पुत्र श्री पुष्प चंद्र जी द्वारा 09 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
MA00014		उदयपुर धान मंडी राजस्थान	चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन के पास अग्रवाल किराना स्टोर निकट रंगीला हनुमान मंदिर उदयपुर , राजस्थान	स्व श्री कालू राम जी अग्रवाल (गोत्र: मंगल पैतृक गांव:उदयपुर धान मंडी राजस्थान वर्तमान स्थान: चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन के पास अग्रवाल किराना स्टोर) की वंशावली श्री हिमांशु जी पुत्र श्री उमा शंकर जी aur श्री कन्हैया लाल पुत्र स्व श्री जगन्नाथ अग्रवाल द्वारा 20 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई। द्वारा 09 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
MA00015	परसावत परिवार	जायल डीडवाना	चालीसगांव महाराष्ट्र	स्व श्री नानक राम जी (गोत्र: मंगल परसावत परिवार पैतृक गांव:जायल डीडवाना वर्तमान स्थान: चालीसगांव महाराष्ट्र) की वंशावली श्री रितेश भारूका द्वारा 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
MA00016		रामगढ चूरू राजस्थान	मुंबई	स्व श्री तुलसीदास जी गुप्ता (गोत्र: मंगल पैतृक गांव: रामगढ चूरू राजस्थान वर्तमान स्थान: मुंबई) की वंशावली श्री संजीव कुमार गुप्ता पुत्र श्री मुरारी लाल गुप्ता द्वारा 2 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
MA00017		मुरैना मध्य प्रदेश	इंदौर	श्री गंगाविशन जी (गोत्र: मंगल पैतृक गांव: मूल निवासी गांव सुजर्मा तहसील कैलारस जिला मुरैना मध्य प्रदेश वर्तमान स्थान: इंदौर) की वंशावली श्री शरद कुमार जी मंगल पुत्र श्री रामवतार जी मंगल द्वारा 25 अप्रैल 2024 को प्राप्त हुई।
MA00018	क़ानूगोयान मंगला परिवार	पलवल हरियाणा	बारोनक, टपूकरा (नूँह) जिला गुड़गांव	स्व श्री सुन्दर दास जी (गोत्र: मंगल क़ानूगोयान मंगला परिवार पैतृक गांव: मूल निवासी गांव बारोनक, टपूकरा (नूँह) जिला गुड़गांव वर्तमान स्थान: पलवल हरियाणा) की वंशावली श्री मूलचन्द जी मंगला द्वारा लिखित पुस्तक से प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंब नाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00004		कासगंज	कासगंज	यह वंशावली हमें श्री अवनीश मित्तल पुत्र स्व. श्री महेश चंद्र मित्तल जी कासगंज से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 27 जुलाई 2022 को प्राप्त हुई
MI00005		भोपाल	भोपाल	यह श्री लक्ष्मी नारायण मित्तल जी (पैतृक स्थान: भोपाल वर्तमान निवास स्थान: - भोपाल) की वंशावली हमें श्रीमती नेहा मित्तल से सुश्री नमिता मंगल जी द्वारा 24 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
MI00006		वैर(भरतपुर) राजस्थान पैतृक स्थान: ब्रह्मबाद, बयाना (भरतपुर) राजस्थान	बड़ौदा , गुजरात	यह स्व श्री राम प्रसाद मित्तल जी की वंशावली (मूल निवास स्थान: वैर(भरतपुर) राजस्थान पैतृक स्थान: ब्रह्मबाद, बयाना (भरतपुर) राजस्थान वर्तमान निवास स्थान : बड़ौदा , गुजरात) हमें श्री देवेन्द्र मित्तल पुत्र श्री सत्येन्द्र मित्तल द्वारा श्री रवि जिंदल से 20 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
MI00007		शेख रिसायत पटियाला (पंजाब)	शेख रिसायत पटियाला (पंजाब)	यह वंशावली हमें अग्रवंश पुस्तक से प्राप्त हुई है जो डॉ रामचंद्र गुप्ता (पुत्र श्री शोभाराम अग्रवाल) शेख रिसायत पटियाला (पंजाब) द्वारा 1921 ईस्वी में लिखी गयी थी
MI00008	चानौतिया परिवार	हांसी चानौतिया	हांसी चानौतिया	यह लाला लिच्छीराम अग्रवाल जी (मित्तल गोत्र) निवास हांसी चानौतिया परिवार की वंशावली श्री ब्रह्मराजपुत्र श्री हरिचन्द्र जी से 21-सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
MI00009	आलवाला परिवार	बांशी नैनवा जिला बूंदी राजस्थान	कोटा राजस्थान	श्री राम लाल जी आलवाला (मित्तल गोत्र,आलवाला परिवार पैतृक निवास बांशी नैनवा जिला बूंदी राजस्थान वर्तमान कोटा राजस्थान) की वंशावली प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI000010	बगड़िया परिवार	सादुलपुर - राजगढ़	गिरिडीह ज़िला झारखण्ड/ रिशरा (पश्चिमी बंगाल)	यह स्वर्गीय श्री जोध राज जी (मित्तल गोत्र) की वंशावली, श्री गोपाल बगड़िया जी पुत्र श्री गिरधारीलाल जी बगड़िया (पैतृक निवास सादुलपुर - राजगढ़ लगभग 150 वर्ष पूर्व (~1850 ईस्वी में गिरिडीह ज़िला भारत के झारखण्ड राज्य में विस्थापन हुआ यह वंशावली हमें श्री सुरेश कुमार बगड़िया (पुत्र स्वर्गीय श्री रामेश्वर लाल बगड़िया) अपनी पत्नी श्रीमती पुष्पा और पुत्र सहित रिशरा (पश्चिमी बंगाल) में निवास कर रहे है के सहयोग से हमें 6 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई। (सिवनी से सादुलपुर आए सादुलपुर से गिरडीह गए)
MI00011		किशन पूरा (निकट रींगस सीकर (राजस्थान)	बीकानेर	श्री बंसी लाल (गोत्र: मित्तल पैतृक निवास :किशन पूरा (निकट रींगस सीकर (राजस्थान)) की वंशावली हमें श्री राकेश मित्तल (जन्मस्थान: सबाथू हिमाचल प्रदेश , वर्तमान निवास:बीकानेर) पुत्र श्री हरीचंद मित्तल द्वारा हमें 5 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
MI00012		सिग्रोरे ,गुढ़ा गौड़जी जिला झुंझुन, राजस्थान	अकोला	श्री केदारमलजी अग्रवाल (गोत्र: मित्तल पैतृक निवास: सिग्रोरे ,गुढ़ा गौड़जी जिला झुंझुन, राजस्थान, वर्तमान निवास: अकोला) की वंशावली, श्री दीपक अग्रवाल पुत्र श्री ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा हमें 10 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
MI00013	सरावगी परिवार	अजीतपुरा जिला हनुमानगढ़ राजस्थान	जलगांव, महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री रूपचंद जी सरावगी (गोत्र: मित्तल परिवार: सरावगी पैतृक निवास: अजीतपुरा जिला हनुमानगढ़ राजस्थान वर्तमान निवास: जलगांव, महाराष्ट्र) की वंशावली, श्री पवन कुमार जी पुत्र श्री संतलाल अग्रवाल जी द्वारा हमें 13 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
MI00014	अंगारके परिवार	सरमथुरा (राजस्थान)	राजस्थान	स्व श्री सेडूराम जी अग्रवाल (परिवार: अंगारके गोत्र: मित्तल पैतृक निवास : सरमथुरा (राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री दाऊ दयाल गुप्ता जी पुत्र श्री श्रवण कुमार मित्तल जी से 26 अप्रैल 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00015		धुलिया	धुलिया	स्व श्री बिसनराम जी ग्रवाल (गोत्र: मित्तल निवास : धुलिया, फर्म का नाम: पूरणमलजी बालूरामजी) जी की वंशावली हमें श्रीमती मीरा जी 14 मई 2023 को प्राप्त हुई।
MI00016	कंदोई परिवार	शादुलपुर	शादुलपुर	श्रीधर जी (गोत्र: मित्तल कंदोई परिवार शादुलपुर) की वंशावली श्री टीकम चंद नागरमल अग्रवाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00017		गांव - बुआना लाखु जिला सोनीपत हरियाणा	गांव - बुआना लाखु जिला सोनीपत हरियाणा	स्व श्री भूरामल जी जैन (गोत्र: मित्तल गांव - बुआना लाखु जिला सोनीपत हरियाणा) की वंशावली श्री आकाश जैन पुत्र श्री अशोक जैन जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00018	डुलानिया परिवार	पुराना गांव राजगढ़, सादुलपुर जिला चूरु राजस्थान	नई दिल्ली	श्री गजानंद जी (गोत्र: मित्तल पैतृक स्थान: पुराना गांव राजगढ़, सादुलपुर जिला चूरु राजस्थान वर्तमान स्थान: नई दिल्ली) की वंशावली श्री ज्ञानेश्वर अग्रवाल पुत्र श्री सागर मल अग्रवाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00019	सफर परिवार	चूरु राजस्थान	पिलानी	श्री गोपीरामजी सफर (गोत्र: मित्तल सफर परिवार पैतृक स्थान: चूरु राजस्थान वर्तमान स्थान: पिलानी) की वंशावली श्री महेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री रतन लाल सफर द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00020	महमिये परिवार	स्यालकोट	स्यालकोट	श्री महाराजमल जी महमिये (गोत्र: मित्तल महमिये परिवार पैतृक स्थान: स्यालकोट) की वंशावली श्री अशोक गुप्ता द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00021		बहु जलेरी गांव जिला रोहतक हरियाणा	अबोहर पंजाब	श्री परसराम मित्तल जी (गोत्र: मित्तल पैतृक स्थान: बहु जलेरी गांव जिला रोहतक हरियाणा, वर्तमान: अबोहर पंजाब) की वंशावली श्री सुशील जी पुत्र श्री मदन लाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00022	थरडं (पाटोदिया) परिवार	झुंझूनू	पाटोदा	स्व श्री पूरणमल जी (गोत्र: मित्तल थरडं/पाटोदिया परिवार पैतृक स्थान: झुंझूनू में पाटोदा) की वंशावली श्री पवन पाटोदिया पुत्र श्री डूंगर मल द्वारा 4 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
MI00023	उमरा परिवार	उमरा गांव (ब्लॉक/तहसील हांसी जिला हिसार हरियाणा)	टिटलागढ़ (Titlagarh) (जिला बलांगिर ओड़िशा)	स्व श्री (श्रेष्ठी) भोपामलजी चौधरी जी (गोत्र: मित्तल पैतृक निवास: उमरा गांव (ब्लॉक/तहसील हांसी जिला हिसार हरियाणा) वर्तमानस्थान: टिटलागढ़ (Titlagarh) (जिला बलांगिर ओड़िशा) की वंशावली हमें श्री धनराज जैन द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MI00024			फिरोजाबाद उत्तरप्रदेश)	स्व श्री नन्नू मल जी मित्तल (गोत्र: मित्तल स्थान: फिरोजाबाद उत्तरप्रदेश) की वंशावली श्री दीपक कुमार जैन मित्तल पुत्र श्री सुरेश चंद जैन अधिवक्ता द्वारा 4 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
MI00025	सफड़िया परिवार	सफड़ राजस्थान	सतना मध्यप्रदेश	स्व श्री लल्लूमल जी मित्तल जी (गोत्र: मित्तल सफड़िया परिवार पैतृक स्थान: सफड़ राजस्थान, वर्तमान: सतना मध्यप्रदेश) की वंशावली श्रीमती कविता अग्रवाल जी द्वारा 12 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00026	घीवाला परिवार	खोरी, राजस्थान, तहसील शाहपुरा जिला जयपुर राजस्थान	कोटा, राजस्थान	स्व श्री गोरधन दास जी (गोत्र: मित्तल घीवाला परिवार पैतृक स्थान: गांव-खोरी, तहसील शाहपुरा जिला जयपुर राजस्थान, वर्तमान: कोटा, राजस्थान कुलदेवी: बिदारा धाम वैष्णो देवी (बिदरा-शाहपुरा),) की वंशावली श्री बी एल मित्तल जी द्वारा 21 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई, मन्ना लाल जी 1905 में (लगभग) कोटा राजस्थान 1910 में प्रवासित हुए।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00027	परसरामपुरीया			परसरामपुरीया मित्तल परिवार की वंशावली
MI00028				श्री भगवती प्रसाद गुप्ता (गोत्र: मित्तल) की वंशावली हमें जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
MI00029	पटवारी परिवार	नैनवा जिला. बूंदी राजस्थान	नैनवा जिला. बूंदी राजस्थान	स्व श्री ग्यारसी लाल जी (गोत्र: मित्तल (कागला) पटवारी परिवार (नैनवा जिला. बूंदी राजस्थान) की वंशावली हमे 20 अगस्त 2023 को प्राप्त हुई
MI00030				स्व श्री तुलसीराम जी (गोत्र: मित्तल परिवार पैतृक निवास : वर्तमान निवास:) की वंशावली हमें श्रीमती मधु जी धर्मपत्नी श्री अशोक जी (पुत्र श्री स्व श्री सुवालाल जी) द्वारा 30 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00031				स्व श्री लाला मौजीराम जी (गोत्र: मित्तल परिवार पैतृक निवास : वर्तमान निवास:) की वंशावली हमें श्री उदय जी पुत्र श्री प्रकाश चंद जी द्वारा 11 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00032		खोरी तहसील साहपुरा जिला	कोटा राजस्थान	स्व श्री रामरतन जी जी (गोत्र: मित्तल घीवाला परिवार पैतृक निवास : खोरी तहसील साहपुरा जिला (लगभग 1910 के आसपास खोरी, जयपुर से कोटा आगमन, वर्तमान निवास: कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्री मुकेश गुप्ता पुत्र श्री मोहन लाल गुप्ता जी द्वारा 15 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00033		आगरा	कोटा	स्व श्री राधेलाल जी (गोत्र: मित्तल जैन परिवार पैतृक निवास: आगरा निवास: कोटा) की वंशावली हमें श्री गोविन्द प्रसाद जैन (मित्तल) द्वारा 15 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00034				ठाकुरद्वारा (मित्तल गोत्र की वंशावली) 8 अक्तूबर 2019 को पुस्तक के रूप में प्राप्त हुई
MI00035	मंडीवाला परिवार	भासारी (अलवर) से भगवतगढ़ फिर भदलाव-श्यामपुरा आ कर रहे फिर कुण्डेरा सवाई माधोपुर रहे	कोटा	मण्डीवाला मित्तल परिवार की वंशावली - मण्डीवाला मित्तल परिवार की दसवीं पीढ़ी के पूर्वज शाह शालिगराम जी, रखावचंद जी का मूल निवास भासारी (अलवर) से भगवतगढ़ फिर भदलाव-श्यामपुरा आ कर रहे फिर कुण्डेरा सवाई माधोपुर रहे साह रामरतन जी के 4 पुत्र हुए उन्होंने 3 हवेलीओं का निर्माण लगभग 150 वर्ष पूर्व करवाया और वही बस गए, यह विस्तृत वंशावली हमे श्री जगदीश प्रसाद मित्तल कोटा से 2023 में प्राप्त हुई (अग्रवाल वंशावली) वर्तमान में कोटा निवासी मित्तल परिवार की चार पूर्वजों की व चार वर्तमान पीढ़ियों की वंशावली। हमारे कुल का निकास भगवत गढ़(सवाई माधोपुर)मंडी वाला मित्तल परिवार, बाद में कुंडेरा (स0माधोपुर)वहां से 60 वर्ष पूर्व कोटा आकर बस गये। संकलन-जगदीश प्रसाद मित्तल
MI00036	तिरखा परिवार	माठ (उत्तरप्रदेश) महावन (उत्तरप्रदेश) सूरोठ टोढाभीम	भुसावर और मथुरा	स्व श्री निर्मल जी (गोत्र: मित्तल तिरखा परिवार पैतृक निवास : माठ (उत्तरप्रदेश) महावन (उत्तरप्रदेश) सूरोठ टोढाभीम भुसावर और मथुरा) की वंशावली हमें श्री विजय कुमार मित्तल जी से 22 अक्तूबर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00037		नारनौंद हरियाणा	नारनौंद हरियाणा	स्व श्री छज्जू राम जी (गोत्र: मित्तल नारनौंदवाले पैतृक निवास: नारनौंद हरियाणा) की वंशावली हमें श्री संजय मित्तल पुत्र श्री हंसराज मित्तल जी अहमदाबाद गुजरात द्वारा 30 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00038	टीलेवाले परिवार		आगरा उत्तरप्रदेश	स्व श्री लाला सेठ श्री शिवप्रसाद अग्रवाल टीलेवाले (गोत्र: मित्तल टीलेवाले परिवार वर्तमान निवास: आगरा उत्तरप्रदेश) की वंशावली हमें श्री गोपीचंद अग्रवाल पुत्र जी श्री रमेश चंद्र जी (समाजसेवी) द्वारा 12 अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00039	धर्मदासका परिवार	त्योंदा तहसील खेत्री जिला झुंझुनू राजस्थान	तंज़ानिया ईस्ट अफ्रीका	स्व श्री भीमराव धर्मदासका जी (गोत्र: मित्तल धर्मदासका परिवार पैतृक निवास: त्योंदा तहसील खेत्री जिला झुंझुनू राजस्थान वर्तमान निवास तंज़ानिया ईस्ट अफ्रीका) की वंशावली हमें श्री राजेश अग्रवाल (CA) पुत्र श्री आत्माराम अग्रवाल जी (अधिवक्ता) द्वारा 12 अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।
MI00040	ज्ञानाका परिवार	शाहपुरा तहसील धानोता गांव राजस्थान	शाहपुरा तहसील धानोता गांव राजस्थान	स्व श्री गोविंदराम अग्रवाल जी (गोत्र: मित्तल ज्ञानाका परिवार पैतृक निवास: शाहपुरा तहसील धानोता गांव राजस्थान की वंशावली हमें श्री नरसिंह गुप्ता (अधिवक्ता) द्वारा 24अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।
MI00041				स्व श्री मंशाराम अग्रवाल जी (गोत्र: मित्तल गोत्र परिवार पैतृक निवास: शाहपुरा तहसील धानोता गांव राजस्थान, वर्तमान स्थान: संभाजीनगर (औरंगाबाद) महाराष्ट्र की वंशावली हमें श्री विनय सतीश अग्रवाल द्वारा गोत्र वीर श्री रितेश भरुका जी कन्नड़ महाराष्ट्र के सहयोग से 07 सितम्बर 2025 को प्राप्त को प्राप्त हुई।
NA0001		फतेहपुर तहसील: हटा जिला दमोह	जबलपुर	स्व श्री गोरेलाल जी (गोत्र: नागल फतेहपुर तहसील: हटा जिला दमोह, वर्तमान जबलपुर) की वंशावली श्री निखिल अग्रवाल जी द्वारा हमें 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।
NA0002		दयानतपुर गावं, जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश	लोनेवाला, पुणे	स्व श्री तिरखाराम जी (गोत्र: नागल दयानतपुर गावं, जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश) की वंशावली हमें श्री प्रदीप कुमार नागल पुत्र श्री ज्ञान चंद जी (लोनेवाला, पुणे) द्वारा 27 जून 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00001		किल्होड़ा, हापुड़ उत्तर प्रदेश	किल्होड़ा, हापुड़ उत्तर प्रदेश	श्री लाला श्री बनारसी दास जी (सिंघल गोत्र , निवास: किल्होड़ा, हापुड़ उत्तर प्रदेश) की वंशावली
SI00002		लोहिया नगर गाज़ियाबाद	लोहिया नगर गाज़ियाबाद	श्री खचेड़ूमल सिंघल जी (सिंघल गोत्र वर्तमान लोहिया नगर गाज़ियाबाद) यह श्री संतोष कुमार सिंघल पुत्र श्री रघुबर दयाल जी से प्राप्त हुई
SI00003	लाठ परिवार	सलामपुर (राजस्थान)	देवइया / हैदराबाद	यह लाठ परिवार सिंघल गोत्र (पैतृक निवास: सलामपुर (राजस्थान) की वंशावली श्री बद्री नारायण (देवइया / हैदराबाद) द्वारा हमें 19 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।
SI00004		काशी	काशी	बाबू हरिश्चंद्र जी की वंशावली
SI00005		नोहटा (म.प्र.) निवास स्थान: रायपुर (छ.ग.)	नोहटा (म.प्र.) निवास स्थान: रायपुर (छ.ग.)	यह वंशावली हमें श्री दीपक अग्रवाल जी (सिंघल गोत्र) पुत्र श्री धनेश अग्रवाल जी पैतृक स्थान: नोहटा (म.प्र.) निवास स्थान: रायपुर (छ.ग.) से 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
SI00006		हिसार ,हरियाणा	हिसार ,हरियाणा	यह वंशावली सुलतान पुर, जिला हिसार ,हरियाणा से प्रोफ़ेसर सत्य सुरेन्द्र सिंगला द्वारा 21 अगस्त को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00007		रोहतक	ईस्ट पंजाबी बाग नई दिल्ली	यह लाला हरलाल सिंघल जी की वंशावली हमें श्री अजय सिंघल जी पुत्र श्री भगवान दास सिंघल जी पैतृक स्थान रोहतक निवास स्थान ईस्ट पंजाबी बाग नई दिल्ली-110026 द्वारा 23 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई , लाला हरलाल सिंघल 1700 वर्ष में गांव किनाना से प्रस्थान करते हुए 1800 में शोमलो से कलानौर पहुंचे।
SI00008		हरसोरा (राजस्थान)	रेवाड़ी	यह श्री माथुरा प्रशाद (सिंघल गोत्र) वंशावली हमें श्री नवीन सिंघल पुत्र श्री बालमुकंद हर्सोरिया जी (पैतृक स्थान: हरसोरा (राजस्थान) निवास स्थान: रेवाड़ी से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 6 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00009		बसेड़ा रानी का (मुज्जफनगर)	बासेड़ा रानी का (मुज्जफनगर)	यह श्री दिनामल अग्रवाल (सिंघल गोत्र) वंशावली हमें श्री अजय अग्रवाल पुत्र श्री बृजमोहन अग्रवालजी (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: बसेड़ा रानी का (मुज्जफनगर) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 6 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00010		मुजफ्फनगर उत्तर प्रदेश	मुजफ्फनगर उत्तर प्रदेश	यह श्री जनार्दन दास अग्रवाल (सिंघल गोत्र) वंशावली हमें श्री संजीव अग्रवाल पुत्र श्री अग्रवाल जी (वर्तमान निवास स्थान: मुजफ्फनगर उत्तर प्रदेश से श्री सुरेश कुमार गोयल जी द्वारा 7 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00011		बाबेल (पानीपत) हरियाणा	ऊंचा गाँव (कैराना) उत्तर प्रदेश	यह श्री माना मल अग्रवाल जी (सिंघल गोत्र) की वंशावली हमें श्री विकास अग्रवाल जी पुत्र श्री दीपक अग्रवाल जी (मूल निवासी - बाबेल (पानीपत) हरियाणा वर्तमान निवास स्थान: ऊंचा गाँव (कैराना) उत्तर प्रदेश द्वारा 14 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00012		हरसोला गांव कैथल हरियाणा	दिल्ली रोहिणी	यह श्री कपूर चंद जी (सिंघल गोत्र) पैतृक निवास हरसोला गांव कैथल हरियाणा वर्तमान निवास स्थान: दिल्ली रोहिणी की वंशावली श्री नवीन गोयल जी से 2 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI000013		सिराली (Sirali) हरदा ज़िला मध्य प्रदेश राज्य	सिराली (Sirali) हरदा ज़िला मध्य प्रदेश राज्य	यह श्री त्रिलोक चंद्र जी अग्रवाल (पैतृक स्थान - सिराली (Sirali) हरदा ज़िला मध्य प्रदेश राज्य) की वंशावली हमें शिखा अग्रवाल से श्रीमती संजना अग्रवाल द्वारा 26 दिसम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00014	कंदोई परिवार	मकराना बोरावद नागौर राजस्थान	मालेगांव वाशिम महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री कालूरामजी कंदोई जी की वंशावली (सिंघल गोत्र, पैतृक निवास: मकराना बोरावद नागौर राजस्थान, वर्तमान निवास: मालेगांव वाशिम महाराष्ट्र) श्री प्रेमकुमार अग्रवाल (वाशिम महाराष्ट्र) पुत्र श्री गोविंदराम जी अग्रवाल द्वारा 12 फरवरी को प्राप्त हुई।
SI00015	जगतरामका परिवार	बड़वा गांव	रायगढ़, छत्तीसगढ़	स्व श्री चाचाराम जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल कुटुंबनाम: जगतरामका निवास: बड़वा गांव सती माता: धानी सती माता बीबी सती माता) जी की वंशावली हमें श्री अनंत कुमार जगतरामका पुत्र श्री गणेश कुमार जगतरामका निवासी श्याम टॉकीज रोड रायगढ़, छत्तीसगढ़ द्वारा 26 मई 2023 को प्राप्त हुई।
SI00016	चौकड़ायत परिवार			यह स्व श्री दयाकिशन जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल परिवार: चौकड़ायत) की वंशावली, श्री दिलीप अग्रवाल जी पुत्र श्री जी द्वारा हमें 30 मई 2023 को प्राप्त हुई।
SI00017		पिंनाना, सोनीपत, हरियाणा	कमला नगर, दिल्ली	यह स्व श्री देवाराम जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल परिवार: चौकड़ायत पैतृक निवास:पिंनाना, सोनीपत, हरियाणा , स्थानांतर: कमला नगर, दिल्ली, परिवार का विस्तार: देहली, मुंबई, कोलकत्ता, तिनसुकिआ) की वंशावली, श्री दिनेश गुप्ता पुत्र श्री लालचंद जी द्वारा हमें 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00018	लुंडिया (ढांढणिया) परिवार	मोतिहारी	भागलपुर	स्व श्री माधव लुंडिया (गोत्र: सिंघल ढांढणिया परिवार पैतृक निवास : मोतिहारी निवास स्थान: भागलपुर) जी की वंशावली हमें श्रीमती राशिका ढांढणिया जी द्वारा 10 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00019	बेरीवाल परिवार			यह स्व श्री मोतीराम बेरीवाल जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल परिवार: बेरीवाल)की वंशावली, श्री सुरेंद्र अग्रवाल जी द्वारा हमें 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00020	चनाणी परिवार	श्री गंगानगर राजस्थान	श्री गंगानगर राजस्थान	श्री हनुमान प्रसाद चनाणी (गोत्र: सिंघल निवास : श्री गंगानगर राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री मनोज कुमार चनाणी पुत्र श्री हनुमान प्रसाद चनाणी 5 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00021	पंसारी परिवार			यह स्व श्री हेमराज पंसारी जी (गोत्र: सिंघल, पंसारी परिवार) की वंशावली श्री विष्णु कुमार पुत्र श्री मंगत राम जी पंसारी द्वारा 17 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00022	समराया परिवार		ग्राम समराया तहसील वैर जिला भरतपुर राजस्थान	यह स्व श्री टोडर मल जी (सिंघल गोत्र निवास स्थान: ग्राम समराया तहसील वैर जिला भरतपुर राजस्थान) की वंशावली श्री वैभव अग्रवाल जी द्वारा हमें 3 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
SI00023	खोवाला परिवार	रघुनाथगढ़, सीकर शेखावाटी, राजस्थान	नेर (यवतमाल) महाराष्ट्र)	स्व श्री चाचाराम जी (सिंघल गोत्र खोवाला परिवार पैतृक निवास: रघुनाथगढ़, सीकर शेखावाटी, राजस्थान वर्तमान निवास:नेर (यवतमाल) महाराष्ट्र) की वंशावली प्रकाशक श्री माणिकलाल संकलनकर्ता श्री किशोर अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल पुत्र श्री बनवारी लाल जी द्वारा हमें 19 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00024				स्व श्री रतनसी दास जी अग्रवाल जी (गोत्र: सिंघल कुटुंबनाम: भावथड़ी वाले पैतृक निवास: भावठड़ी गांव (निकट सादुलपुर) वर्तमान निवास: सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल(सं 1955 से) की वंशावली हमें श्री मुरारीलाल पुत्र श्री भीष्म चंद द्वारा 23 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00025		सुरजगढ / चिड़ावा	विशाखापत्तनम	स्व श्री प्रमेश्वर लालजी जी (गोत्र: सिंघल पैतृक: सुरजगढ / चिड़ावा वर्तमान निवास: विशाखापत्तनम) की वंशावली श्री जे पी अग्रवाल द्वारा 23 जून 2023 को प्राप्त हुई
SI00026	कानूनगो	रामपुर जिला जींद	जींद	स्व श्री भूरामल जी (गोत्र: सिंघल पैतृक: रामपुर जिला जींद वर्तमान निवास: जींद) की वंशावली चौधरी बृंदावन कानूनगो द्वारा लिखित पुस्तक "अग्रवालो का इतिहास" से प्राप्त हुई
SI00027		जींद	जींद	स्व श्री जीवनामल जी (गोत्र: सिंघल वर्तमान निवास: जींद) की वंशावली श्री महेश कुमार सिंघल जी पुत्र श्री राम प्रताप सिंघल द्वारा 20 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
SI00028		सिरोही (नीम का थाना) सीकर जिला, राजस्थान	पुणे महाराष्ट्र)	स्व श्री करणी राम जी (गोत्र: सिंघल वर्तमान निवास: सिरोही (नीम का थाना) सीकर जिला, राजस्थान वर्तमान: पुणे महाराष्ट्र) की वंशावली श्री अनिल अग्रवाल पुत्र श्री राम अवतार जी द्वारा 2 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई
SI00029		कावत,सीकर	हावड़ा, पश्चिम बंगाल	स्वर्गीय श्री धनराज जी (गोत्र: सिंघल पैतृक स्थान: कावत,सीकर वर्तमान निवास: हावड़ा, पश्चिम बंगाल) की वंशावली श्री शंभु अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल (कुशातरा) जी द्वारा 3 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई
SI00030		गांव सिवाह,पानीपत, हरियाणा		यह स्व श्री सदनमल जी (सिंघल गोत्र निवास स्थान: गांव सिवाह,पानीपत, हरियाणा) की वंशावली श्री नरेश कुमार सिंघल पुत्र श्री भगत राम जी द्वारा हमें 3 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00031	नवेटिया परिवार			यह स्व श्री मनसाराम जी (सिंघल गोत्र नवेटिया परिवार) की वंशावली श्री लक्ष्मण नवेटिया द्वारा हमें 28 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
SI00032		बासनी,राजस्थान	कलकत्ता	स्व श्रीजगन्नाथ जी डाँड़निया (सिंघल गोत्र वासनिवाल परिवार पैतृक स्थान: बासनी,राजस्थान वर्तमान निवास स्थान: कलकत्ता) की वंशावली श्री पवन के वासनिवाल पुत्र श्री पन्नालालजी बासनिवाल द्वारा हमें 8 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
SI00033			टीकरा पारा, बिलासपुर, छतीसगढ	स्व श्री रतिराम जी (सिंघल गोत्र वर्तमान निवास स्थान: टीकरा पारा, बिलासपुर, छतीसगढ) की वंशावली श्री संतोष अग्रवाल पुत्र श्री राम निवास जी द्वारा हमें 8 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
SI00034				स्व श्री तुलसी राम जी (सिंघल गोत्र) की वंशावली जनवरी 2024 में प्राप्त हुई
SI00035	जिन्दगर परिवार	श्री गंगानगर राजस्थान	श्री गंगानगर राजस्थान	स्व श्री शेरुमल जी (सिंघल गोत्र जिन्दगर परिवार वर्तमान निवास स्थान: श्री गंगानगर राजस्थान) की वंशावली श्री रवि गुप्ता एडवोकेट पुत्र श्री राम लाल जी जिन्दगर द्वारा हमें 25 सितम्बर 2024 को प्राप्त हुई।
SI00036				स्व श्री आशाराम जी (सिंघल गोत्र परिवार पैतृक स्थान: < > वर्तमान निवास स्थान: < delhi >) की वंशावली श्री नटवर लाल अग्रवाल जी पुत्र श्री सत्यनारायण जी द्वारा हमें 19 अप्रैल 2025 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00037	गनेड़ीवाला परिवार	बाजोर/गनेड़ी, राजस्थान	कलकत्ता	स्व श्री हरचंद राय जी (सिंघल गोत्र गनेड़ीवाला परिवार पैतृक स्थान: बाजोर/गनेड़ी, राजस्थान वर्तमान निवास स्थान: कलकत्ता आदि अनेक स्थान) की हमें 05 जुलाई 2025 को प्राप्त हुई।
SI00038	झरलीवाला परिवार			स्व श्री रेखन जी अग्रवाल (सिंघल गोत्री झरलीवाला परिवार) की वंशावली श्री विशाल अग्रवाल अहमदाबाद द्वारा 26 अगस्त 2025 को प्राप्त हुई
SI00039/1	धापड़ धीगा परिवार	धापड़ धीगा		यह स्व श्री रोरसा सिंघल जी (गोत्र: सिंघल, धापड़ धीगा परिवार सतीमाता: श्री सती माता बोरखण्डी दादी माँ, कुलदेवी - इंद्रगढ वाली माता जी) की वंशावली श्री दिनेश कुमार अग्रवाल द्वारा 8 सितम्बर 2024 को प्राप्त हुई।
SI00039/2	धापड़ धीगा परिवार	धापड़ धीगा		यह स्व शाह श्री छीतर लाल जी सिंघल जी (गोत्र: सिंघल, धापड़ धीगा परिवार सतीमाता: श्री सती माता बोरखण्डी दादी माँ, कुलदेवी - इंद्रगढ वाली माता जी) की वंशावली श्री दिनेश कुमार अग्रवाल द्वारा 18 नवम्बर 2025 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
TA00001		झज्जर हरयाणा	गांव चौराली	यह स्वर्गीय श्री बालूशाह जी की वंशावली (तायल गोत्र सेढ्ढ परिवार पैतृक निवास: झज्जर हरयाणा , रन्हेरा बुलंदशहर वर्तमान: गांव चौराली) श्री दिनेश बंसल द्वारा पुस्तक 'सेढ्ढ परिवार की वंशावली' (प्रकाशन तिथि 07 दिसंबर 2003) से ली गयी है
TA00002		ग्राम असमोली, जिला संभल, उत्तर प्रदेश	महरौली, न्यू दिल्ली	यह स्वर्गीय श्री बंसीधर अग्रवाल जी की वंशावली (तायल गोत्र, पैतृक निवास: ग्राम असमोली, जिला संभल, उत्तर प्रदेश वर्तमान निवास: महरौली, न्यू दिल्ली) श्री जे के अग्रवाल पुत्र श्री भगवानदास अग्रवाल द्वारा 5 फ़रवरी को प्राप्त हुई।
TA00003		ग्वालियर (म.प्र.)	भोपाल	यह श्री फूलचंद जी अग्रवाल जी (गोत्र तायल पैतृक निवास: ग्वालियर (म.प्र.), वर्तमान निवास:भोपाल) जी की वंशावली हमे श्री नरेश चंद्र तायल जी पुत्र श्री शिव प्रसाद अग्रवाल से फरवरी 2023 में प्राप्त हुई।
TA00004	मेहाड़िया परिवार	महाडा	नागपुर	यह श्री जगसीराम अग्रवाल जी (गोत्र तायल मेहाड़िया परिवार पैतृक निवास: महाडा वर्तमान निवास: नागपुर कुल देवता: गुगा बाबा कुल देवी: महासर माता) जी की वंशावली (TA00004) हमे श्रीमती ख़ुशी अग्रवाल (Astro.eye & AstroVats) द्वारा 30 जून 2025 में प्राप्त हुई।

।। शोध पत्र - महाराजा अग्रसेन जन्मकुंडली ।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

महाराजा अग्रसेन त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति और समृद्धि के लिए सच्चे समाजवाद के प्रणेता और एक वंश कर्ता के रूप में जाने जाते है जिनके वंशज आज भी उन के आदर्शों पर चलकर अपनी उद्द्मता, कर्मशीलता और कठिन परिश्रम के लिए विश्व विख्यात है। अग्रवाल समाज के वंशकर्ता महाराजा अग्रसेन पर समय समय पर अनेकों इतिहासकारों द्वारा उनके काल खंड, जीवन शैली और राज्य प्रणाली पर शोध किया है किन्तु विभिन्न काल निर्धारण विधियों, खंडित अभिलेखों और अतीत में प्रयुक्त विभिन्न प्रणालियों और आक्रांताओं द्वारा इतिहासिक साक्ष्यों के विध्वंश के कारण महाराजा अग्रसेन सहित अनकों प्राचीन राजाओं का काल-निर्धारण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

शोधकर्ता समय-सारिणी को एक साथ जोड़ने के लिए वंशावली, ज्ञात इतिहास और समकालीन इतिहास पर निर्भर करते हैं लेकिन इन विधियों की अपनी सीमाएँ और विसंगतियाँ होती हैं। इसी कड़ी में इतिहास की सत्यता स्थापित करने के लिए ज्योतिष शास्त्र का उपयोग किया जा सकता है। हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा में ज्योतिष शास्त्र का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। इसकी जड़ें प्राचीन वेदों तक जाती हैं जो ज्ञान के अथाह स्रोत माने जाते हैं। वेदों में ज्योतिष को "चक्षु" यानी दिव्य नेत्र कहा गया है जिससे मनुष्य समय, ग्रह-नक्षत्र और जीवन के रहस्यों को जान सकता है। ज्योतिष का उल्लेख ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद में मिलता है। इन वेदों में खगोलीय प्रेक्षणों, कालचक्र, तिथि और ग्रहों की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया गया है। जिससे चंद्रमा और नक्षत्रों के आधार पर समय की गणना की जा सकती है। और किसी भी व्यक्ति की जन्मकुंडली उनके जन्म के ग्रह नक्षत्रो का स्पष्ट विवरण होती है जो सही प्रकार से ज्ञात होने पर उनके काल खंड का बोथ कराती है।

इस आलेख में हम विभिन्न स्रोतों से प्राप्त प्रातः स्मरणीय आदरणीय महाराजा अग्रसेन जी की जन्मकुंडली का अध्ययन करेंगे।

harshgoel2k@gmail.com

प्रथम जन्मकुण्डली, पुस्तक अग्रसेन उपाख्यान के अनुसार, माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि के दिन बारह बजे महेन्द्रकाल, अश्वनी नक्षत्र मेष राशि लग्न, बृहस्पति पुष्य नक्षत्र , बुध अनुराधा नक्षत्र, शनि रोहिणी मंगल रेवती नक्षत्र में राजा वल्लभ के घर महाराजा अग्रसेन का जन्म हुआ

मासेसरश्वयुजेमाघे शुक्ले मध्य दिवसों शुभम् ।

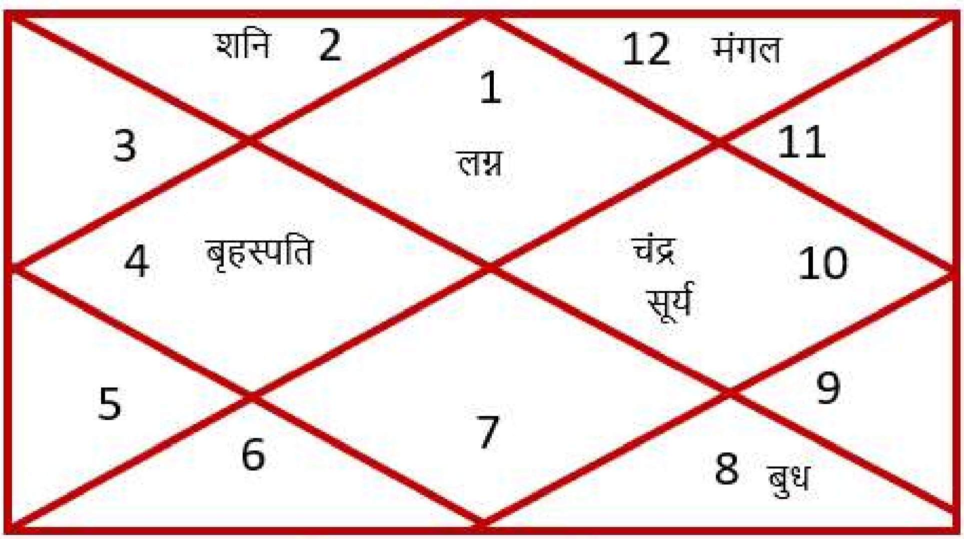
आदित्यसवासरे महेन्द्रसमये उत्पन्नो बहु भाग्यवान ।।

नक्षत्रेऽश्वनी मेषति लग्ने गुरू पुष्ययागे परम् ।।

वुधानुराधा शनिरोहणीश्च कुजरेवतिश्च ॥

श्रुतस्य शस्त्र शास् च परेषण जीवं चेतिस ।

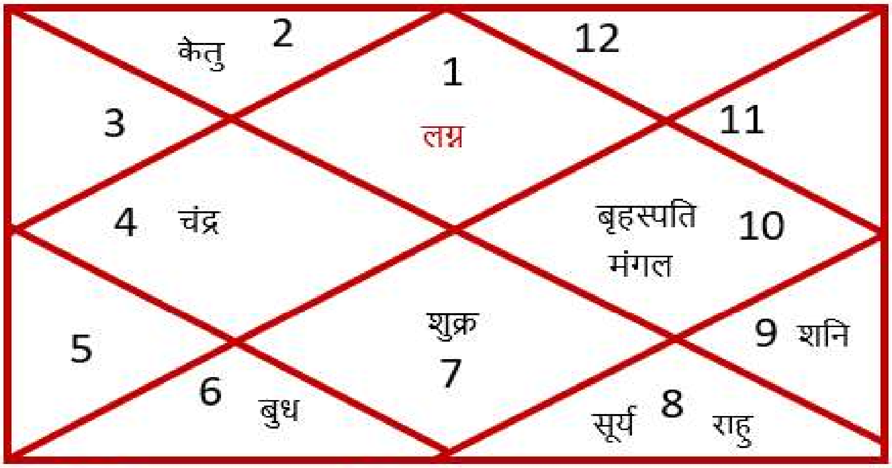
धाता गमनार्थ विच्चकार नाम्ना अग्र सम्भवम् ॥ अग्रसेन उपाख्यान ॥



प्रथम जन्मकुण्डली - पुस्तक अग्रसेन उपाख्यान अनुसार

द्वितीय जन्मकुण्डली वैद्य कृपाराम जी अग्रवाल द्वारा सम्वत् 2014 (ई0 सन् 1657) में लिखित पुस्तक 'अग्रसैन और अग्रवाल' पुस्तक से साभार उद्धृत की गयी है यह अग्र जन्म कुण्डली वैद्य कृपाराम जी को पैतृक सम्पत्ति के रूप में अपने वंशजों से प्राप्त हुआ था। उनके अनुसार श्री अग्रसेन जी की जन्म कुण्डली को उन्होंने ज्योतिष शास्त्र के प्रमाणों द्वारा सिद्ध भी किया है।

अथात्र कलौ प्रथम चरणे (वर्षे) वृश्चिकाकें वदि पंचम्यां मार्गशीर्ष मासे शनिवारेष्ट 23/38 तिष्य भे अत्र क्षणे मेष लग्नोदये .o.15.4.38 सायं काल 5.30 बजे प्रताप नगर दक्षिण के वैश्य राजा बल्लभ जी तस्य सौभाग्यवती महिषी पुत्र रत्नमजिजनत् ।



द्वितीय जन्मकुण्डली - वैद्य कृपाराम अनुसार

अंग धीशः स्वगेहे उद्‌धु धं गुरू कविभिः संयुक्तः केन्द्र भोगाः ।

स्वीये तुडंगे सुमित्रे यदि शुभ भवन विक्षितः सत् स्वरूपाः ॥1॥

स्यान्नूनं पुण्य शील सकल जन्मतः सर्व सम्पन्निधानम् ।

ज्ञाने मंत्री च भृपः सुरचिरनयनो मानगो मान पानः ॥।2।।

(जातकालकार अध्याय 2 श्लोक 1.2)

धर्म्मकर्माधिनेतारी अन्यान्याश्रय संस्थिती।

राजयोगाविति प्रोक्तो विख्यातो विजयी भवेत ।।1।।

(पाराशरी0 वृहन्जयोतिष पृ0 353)

त्रिभि स्वस्थैभवेन्मन्त्री त्रिभिरुच्चै नराधिपः ।

त्रिभि नीचैर्भवेद्दा सस्ति रस्तगतैर्जड़ः ।।1।।

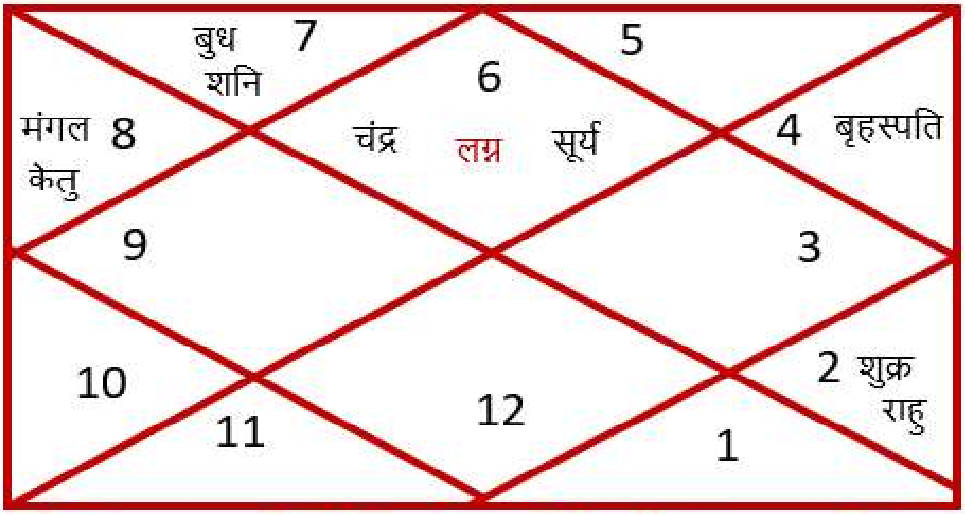
तृतीय जन्मकुण्डली श्री अग्रभागवत पुस्तक से साभार उद्‌धृत की गयी है श्री अग्रभागवत पुस्तक अनुसार श्री जैमिनी ऋषि कहते है “हे जनमेजय! सूर्यकुल में उत्पन्न प्रतापपुर के राजा श्री बल्लभसेन की पत्नी विधर्भ कन्या महारानी भगवती ने आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि, रविवार को मध्यान् काल में अत्यन्त भाग्यशाली एवं तेजस्वी वंशकर पुत्र को जन्म दिया। जन्म के ग्यारह दिन के बाद राज पुरोहितों ने जब नवजात राजकुमार की कुण्डली बनाई तो ग्रहों की गणना के आधार पर बताया कि यह बालक अपने जीवन में शस्त्रों एवं शास्त्रों से भी आगे जाने वाले भाग्यशाली के रुप में नजर आ रहा है, इसीलिये इस बालक का नाम अग्र से शुरु कर अग्रसेन रखा गया। राजा वल्लभसेन से महारानी भगवती को, चंद्रमा के समान कांतिवान, मनुष्यों मे अग्रगण्य, एक वंशकर (अपनी विशिष्टताओं से युक्त, शास्त्रानुकूल वंश व्यवस्था की संरचना करने वाला- जिसके नाम से वंशजों को जाना जाए, ऐसा) पुत्र उत्पन्न हुआ।

हस्तेऽर्केन्दू गुरुः पुष्ये तदाऽऽसन् भोगकारकाः । स्वात्यां बुधोऽनुराधायां कुजः शुक्रश्च रौहिणः॥34 ॥

स्वात्यां भानुसुतश्रासीत् शोभते स्म फणी मृगे। रविरात्मा च शीतांशुरिष्टे बन्धं व्यपोहयन्॥35।।

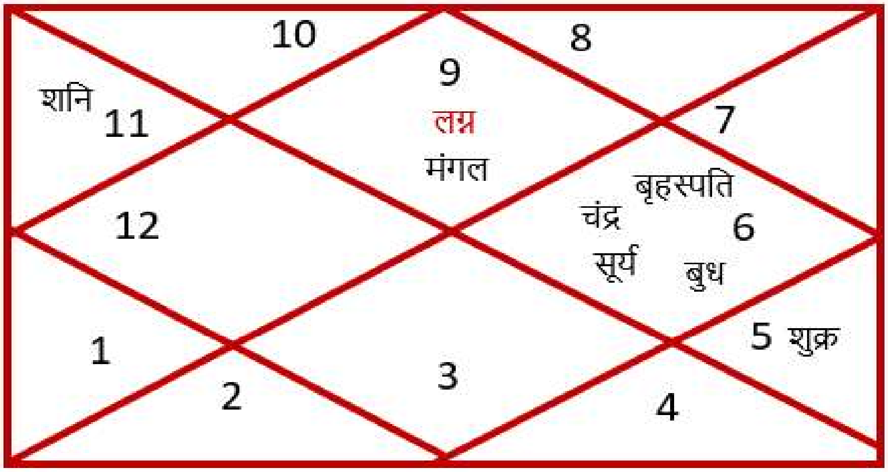
आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि को, रविवार के शुभ दिन, महेन्द्र काल समय के शुभ मुहुर्त में, इस अत्यंत भाग्यशाली बालक ने जन्म लिया । जन्म काल के समय हस्त नक्षत्र था, तदानुरुप- कन्या लग्न। जिस पर सूर्य व चंद्र विराजमान हैं। गुरु पुष्यनक्षत्र का भोग कर रहे हैं, बुध स्वाती नक्षत्र में, मंगल अनुराधा तथा शुक्र रोहिणी नक्षत्र में, विराजमान हैं। जब श्री अग्रसेन ने, गर्भ के बंधन से मोक्ष पाकर, धरा पर जन्म लिया, तब सूर्यपुत्र शनी स्वाति नक्षत्र पर, और राहू की सर्पाकार छवि ने मानो मृग (मृगशिरा नक्षत्र) को जकड़ लिया हो। उस बालक को देखकर ऋषिगणों ने कहा - यह बालक निश्चित ही महान यश को प्राप्त करेगा।

श्री महालक्ष्मी जी की कृपा से संपन्न होकर यह बालक, दानशील तथा क्षमाशील, मानव श्रेष्ठ तथा कीर्तिवान राजा होगा साथ ही साथ ये धर्मज्ञ, कृतज्ञ, दयावान तथा सत्य का अनुचरण करने वाला, श्रेष्ठ पुरुषों का मान करने वाला एवं माननीय पुरुष होगा। ऋषि गणों ने इस प्रकार आशीर्वचन कहे।



तृतीय जन्मकुण्डली - श्री रामगोपाल बेदिल (अग्रभागवत) अनुसार

चूँकि ज्योतिष में अपनी अनेको सायन निरयण, अयनांश आदि की सूक्ष्म गणितीय जटिलताएँ और गणना है लेखक हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर) ने चित्रा पक्षीय (लाहिरी) अयनांश को मानक मानकर चतुर्थ जन्मकुण्डली विचारार्थ हेतु प्रस्तुत की है। उनके अनुसार राजा श्री बल्लभसेन की पत्नी विधर्भ कन्या महारानी भगवती के घर आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि के दिन बारह बजे महेन्द्रकाल, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र धनु राशि लग्न, आत्माकारक सूर्य मनकारक चंद्र और धर्म कारक बृहस्पति हस्त नक्षत्र कन्या राशि में, बुध चित्रा नक्षत्र, शनि पूर्व भाद्रपदा नक्षत्र और मंगल उत्तर-आषाढ़ नक्षत्र में स्थित था ग्रहों के शुभ महूर्त एंड उत्तम नक्षत्र लगन में दृढ़ था



चतुर्थ जन्मकुण्डली - हर्ष वर्धन गोयल (लेखक) अनुसार

harshgoel2k@gmail.com

उस पुण्य वेला में राजा वल्लभ और देवी भगवती (विदर्भ राजकुमारी) के घर महाराजा अग्रसेन का जन्म हुआ। यह जन्मकुंडलियां यथावत सभी गुनी अग्रजनों हेतु प्रस्तुत है तथापि किसी भी शोध पत्र पर स्वतंत्र मत आवश्यक है यह कार्य मेरे अग्रज भ्राता तुल्य, अवैतनिक ज्योतिषी श्री राकेश गोयल जी ने ज्योतिष में अपने अर्ध शतक से अधिक के अनुभव के आधार पर चारो जन्मकुंडलियों का विश्लेषण करके पूर्ण किया,

शास्त्रों के अनुसार एक सम्राट के प्रबल राज योग के लिए प्रथमेश और दशमेश के आपस का केंद्र अथवा मूल त्रिकोण में सम्बन्ध होना योगकारक है चतुर्थ जन्मकुंडली में प्रथमेश बृहस्पति और दशमेश बुध का दशम घर (केंद्र में) सम्बन्ध होना, दशमेश का स्वग्रही होना प्रबल राज योग कारक है यह योग अथिक प्रबल नवेश सूर्य और दशमेश बुध का दशम भाव में बुधादित्य योग के साथ होता है जो एक बहुत प्रशिद्ध, उच्च बुद्धिमत्ता, सत्यता, धर्मात्मकता, साहस, शौर्य और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता देता है अष्टमेश चन्द्रमा का दशम स्थान में होना प्रारंभिक जीवन में कठनाई का द्योतक है किन्तु दशम में अष्टमेश चन्द्रमा का चार ग्रहों के साथ सम्बन्ध , जीवन की सभी कठनाईओं को विजय प्राप्त कर एक सम्राट का स्थान देता है स्थानाभाव से सभी सूक्ष्म तथ्य यहाँ वर्णित नहीं किये जा सकते किन्तु संझेप में चतुर्थ जन्मकुंडली निसंदेह एक महान सम्राट की जन्मकुंडली प्रतीत होती है।

ज्ञात इतिहास और कथाओं अनुसार महाराजा अग्रसेन नामक अनेकों राजा हुए है संभवतः प्रत्येक जन्मकुंडली किसी न किसी महाराजा अग्रसेन से अवश्य सम्बंधित होगी। इतिहास शोध का विषय है मेरा परियोजन सभी शोध कर्ताओं हेतु अभी तक ज्ञात सभी जन्मकुंडली को यथावत प्रस्तुत करना है कदाचित इसका उपयोग करके जिज्ञासु जन निर्विवाद रूप से सत्य के और अधिक निकट पहुंच सकें और अग्र वंश के प्रणेता, त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि, समाजवाद के सच्चे संस्थापक, एक महान वंश कर्ता के काल खंड का सही सही प्रामाणिक इतिहास ज्ञात कर सकें।

- हर्ष वर्धन गोयल (अध्यक्ष - अग्र वंश शोध परिषद्)

।। अग्रवालों की सती माता ।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

सादर प्रणाम और सभी के लिए मंगल कामनाएं, सनातन में शक्ति अर्थात नारी के बिना ईश्वर के स्वरुप की कल्पना अधूरी हैं तवं माता च पिता तमेव अर्थात भगवान् को माता और पिता दोनों कहा गया है. उनका मातृरूप भी है और पितृरूप भी. भगवान् विष्णु अपनी पत्नी लक्ष्मी को अपनी पराशक्ति कहते हैं (वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस). राधा को श्रीकृष्ण की और सीता को श्रीराम की पराशक्ति कहा गया है. नटेश्वर शक्ति के बिना अर्धाङ्ग हैं. और वाग्व्यवहार में भी पहले स्त्री का नाम आता है- राधाकृष्ण, सीताराम, गौरीशंकर, शची-पुरन्दर, माता-पिता आदि.

जहां नारी की पूजा की जाती है, वहां देवताओं का वास होता है। जहाँ नारी का सम्मान होता है वहां देवता अर्थात वहां सुख, यश और उन्नति वास करती है हमारी सनातन संस्कृति में कन्याओं को योग्य पति का स्वयं चुनाव करने का अधिकार, स्वयंवर का अधिकार और स्वतंत्रता, विधवा को पुनर्विवाह का अधिकार, विवाह को स्त्रियों के प्रति आदर और स्नेह का प्रतीक मानना, विवाह में किसी भी प्रकार का लेन-देन का अनुचित होना आदि प्राचीन संस्कार हमारी सनातन व्यवस्था के प्रतीक है तैत्तरीय ब्राह्मण में को यहाँ तक कहा गया है कि गृहस्थ पुरुष पत्नी के बिना धर्म और यज्ञ करने का अधिकारी नहीं है वैदिक शिक्षा के अंतर्गत कन्या को युद्धविद्या, परा एवं अपरा विद्या, गणित, शिल्प, नृत्य-संगीत इत्यादि विद्याओं में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार था. वैदिक सूक्त में विश्पला, वध्रिमती, मुद्गलानी आदि स्त्री योद्धाओं का वर्णन प्राप्त होता है

ऋग्वेद में नृत्य-संगीत में कुशल नारियों का वर्णन भी मिलता है वेदों से ज्ञात होता है कि स्त्रियां सुन्दर वस्त्र, आभूषण, माला, हार, वलय और आयुध धारण करती थीं। ऋग्वेद में अनेकों वैदिक विदुषियों का उल्लेख किया गया है जिन्होंने श्लोकों की भी रचनायें की हैं

सूर्यासावित्री, घोषा काक्षीवती, सिकता निवावरी, इंद्राणी, यमी वैवस्वती, दक्षिणा प्रजापात्या, अदिति, वाक आम्मृणी, अपाला आत्रेयी, लोपामुद्रा, जुहू ब्र्म्हजायो, अगस्त्यस्वसा, विश्ववारा आत्रेयी, उवर्वी, सरमा

देवशुनी, देवजामयः इंद्रमातरः, श्रद्धा कामायनी, नदी, सर्पराज्ञी, गोधा, शस्वती आंगिरसी, वसुक्रपत्नी, रोमशा ब्रम्हवादिनी, मातृनामा, इंद्राणी, देवजामय सर्पराज्ञी. इसी प्रकार उपनिषदों में भी मैत्रेयी एवं गार्गी जैसी अनेकों विदुषियों का उल्लेख प्राप्त होता है. हारीत संहिता बताती है कि वैदिक समय में स्त्रीशिक्षा एक सहज प्रक्रिया थी। शिक्षा ही नहीं, अनेक विदूषियाँ शिक्षिकाओं के दायित्व का भी निर्वहन करती थीं। आश्वालायन गृहसूत्र में गार्गी, मैत्रेयी, वाचक्नवी, सुलभा, वडवा, प्रातिथेयी आदि शिक्षिकाओं के उल्लेख प्राप्त होते हैं इतना ही नहीं, पाणिनी ने विशेष रूप से शाला छात्राओं (छात्र्यादयः शालायाम) के भी होने का उल्लेख किया है नाग-शासकों के एक अभिलेख में विदूषी राजकुमारी मासकदेवी की जानकारी प्राप्त होती है जो किसानों के हित के लिये राज्यनियम परिवर्तित करवाती हैं

कि राजकुमारी संयोगिता न केवल विदूषी थीं बल्कि उन्होंने मदना नाम की शिक्षिका द्वारा संचालित कन्यागुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की थी। उनकी लगभग 500 सहपाठिनें विभिन्न राज्यों से आयी राजकुमारियाँ थीं। सनातन सोच में नारी को हर प्रकार से स्वतंत्र थी महाराजा दशरथ की ह्यदयघात से मृत्यु उपरांत तीनो महारानियों ने अपना पूरा जीवन अपने अनुसार व्यतीत किया।

मेरी इतिहास में अधिक रूचि होने से और प्राचीन वंशावली पर शोध के लिए परिवारों से बातचीत होती रहती है विभिन गोत्रों की वंशावली संकलन करते समय मुझे कुछ विशेष इतिहास जानकारी मिली, कुछ विशिष्ठ परिवारों ने अपनी वंशवली के साथ परिवार में हुई घटनाओं का संकलन किया हुआ है तो उनके इतिहास को क्रमवार कालखंड में जोड़ने में सहायक होती है। वही कुछ परिवार अपने परिवार में हुई इस प्रकार की घटना जानने के इच्छुक थे हमारा इतिहास हमारा इतिहास है

इतिहास का संकलन ही इस पुस्तक के प्रकाशन का मुख्य कारण बनी, इस पुस्तक के संकलन का कोई भी ऐसा उद्देश्य नहीं था की किसी भी प्रथा का किसी भी प्रकार से कोई मंडन किया जाए मात्र इतिहासक संकलन है शतपथ ब्राह्मण में उल्लेखित है कि स्त्रियाँ वेद, दर्शन, मीमांसा आदि के अतिरिक्त

नृत्य, संगीत, चित्रकला आदि की शिक्षा भी ग्रहण करती थीं. यही नहीं, स्त्रियों को व्यावहारिक एवं लिखित रूप से शिक्षा प्रदान की जाती थी। परमार शासक उदयादित्य के झरापाटन अभिलेख में भी हर्षुका नाम की विदूषी का उल्लेख मिलता हैमहाकाव्य पृथ्वीराज रासो बताता है

हमें जैसे जैसे प्राचीन वंशावली और इतिहासिक जानकारी मिलती गयी यह एकदम स्पष्ट हो गया की पूर्व की भांति अब इस प्रथा का समाज में कोई स्थान नहीं है किंतु मध्य काल के उस खंड में जब कुछ कारणो से यह प्रथा समाज में थी उन स्त्रियों के प्रति उन परिवार के ह्यदय में अभी भी वही सम्मान और स्थान बना हुआ है

यह पुस्तक इतिहास को जोड़ने में सहायक सिद्ध होती है अतः इसका संकलन प्रारम्भ किया गया और यह पुस्तक आपने हाथ में प्रयोजन मात्र जानकारी का समायोजन और संकलन है मेरा उन सभी सती माताओं दादियों से छमा याचना है जिनका वर्णन हमारे संज्ञान में नहीं आया और मेरा यह मानना है की यह आलेख इस दिशा में अंतिम आलेख नहीं।

- हर्ष वर्धन गोयल (अध्यक्ष - अग्र वंश शोध परिषद्)

।। अग्रवालों की सती माता ।।

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: ऐरन (Airen)	छपरिया	सती माता: श्री गढीमासर वाली सती दादी जी	
गोत्र: ऐरन (Airen)	सोंथालिया	सती माता: श्री मोहिनी सती दादी जी	(झाझर) sonthaliya/parasrampuria
गोत्र: गर्ग (Garg)	कन्दोई	सती माता: श्री पाना सती	बीकानेर
गोत्र: गर्ग (Garg)	कयाल, सुरेका	सती माता: श्री उदी सती दादी जी जी	ठेलासर
गोत्र: गर्ग (Garg)	केडिया	सती माता: श्री खेमी सती दादी जी	केड, झुंझुनू
गोत्र: गर्ग (Garg)	केडिया	सती माता: श्री ठुकरी सती दादी जी	केड, झुंझुनू
गोत्र: गर्ग (Garg)	केडिया	सती माता: श्री तोली सती दादी जी	केड, झुंझुनू
गोत्र: गर्ग (Garg)	केडिया	सती माता: श्री संतोखी सती दादी जी	केड, झुंझुनू
गोत्र: गर्ग (Garg)	गाड़ोदिया	सती माता: श्री कुम्पावत सतीजी	डीडवाना
गोत्र: गर्ग (Garg)	गिंदोड़िया	सती माता: श्री मंचूई सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: गर्ग (Garg)	चमड़िया	सती माता: श्री पथरथ सती दादी जी	फतेहपुर

।। अग्रवालों की सती माता ।।

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: गर्ग (Garg)	चमड़िया	सती माता: श्री पलाद सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गर्ग (Garg)	चमड़िया	सती माता: श्री केसर सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गर्ग (Garg)	चमड़िया	सती माता: श्री विरल सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गर्ग (Garg)	टाईं	सती माता: श्री नूरल सती दादी जी	
गोत्र: गर्ग (Garg)	टाईं	सती माता: श्री राजल सती दादी जी	
गोत्र: गर्ग (Garg)	डालमिया	सती माता: श्री नानू सती दादी जी	सुहासरा
गोत्र: गर्ग (Garg)	महिपाल	सती माता: श्री कुलदेवी सती दादी जी	
गोत्र: गर्ग (Garg)	मुरारका	सती माता: श्री जेतल सती दादी जी	लछमनगढ़
गोत्र: गर्ग (Garg)	लोहिया	सती माता: श्री जीवनी सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गर्ग (Garg)	सरावगी	सती माता: श्री राजुल सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गर्ग (Garg)		सती माता: श्री लम्बी माता जी	
गोत्र: गर्ग (Garg)		सती माता: श्री पाली दादी जी	नुआ धाम

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: गर्ग (Garg)		सती माता: श्री यशोदा सती दादी जी	
गोत्र: गर्ग (Garg)		सती माता: श्री लामी सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गर्ग (Garg)		सती माता: श्री समर लामी सती दादी जी	
गोत्र: गर्ग (Garg) , सिंहल	लुहारका	सती माता: श्री माली सती दादी जी	मलसीसर, चिड़ावा
गोत्र: गर्ग (Garg), गोयल (Goyal)	डिडवानिया	सती माता: श्री रुक्मा सती दादी जी	जयपुर
गोत्र: गर्ग गोत्र	मोदी	सती माता: श्री पाली सती दादी जी एवं श्री गुलाब सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गोयल (Goyal)	गोयनका	सती माता: श्री बीरा, बरजी, बरजल दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: गोयल (Goyal)	चूड़ीवाल	सती माता:: श्री मौली सती दादी जी	उदयपुरवाटी
गोत्र: गोयल (Goyal)	टीबड़ेवाल	सती माता: श्री खेमी सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: गोयल (Goyal)	टीबड़ेवाल	सती माता: श्री मोली सती दादी जी	
गोत्र: गोयल (Goyal)	तोदी	सती माता: श्री माना सती दादी जी	भडुन्दा

harshgoel2k@gmail.com

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: गोयल (Goyal)	तोलासरिया	सती माता: श्री मौली सती दादी जी	Dhanawat, उदयपुरवाटी
गोत्र: गोयल (Goyal)	भौतिका/छीतर का	सती माता: श्री मुक्ता सती दादी जी	डीडवाना
गोत्र: गोयल (Goyal)	मोर	सती माता: श्री सेजल-देशल सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री कल्याणी सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री जीलो सती दादी जी	धोला मण्ड, जीलो ग्राम
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री कल्लो सती दादी जी	धोला मण्ड, जीलो ग्राम
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री अव्वल सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री उधो (उदल) सती दादी जी	बुहाना
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री मता सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री मनसा सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री माधो सती दादी जी	बुहाना
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री राधा सती दादी जी	

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री ललता सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री संतोष सती दादी जी	बुहाना
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री सतमा सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री सन्तोखल सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री सावित्री सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	खेमका	सती माता: श्री सीता सती दादी जी	
गोत्र: जिंदल (Jindal)	हरलालका (खेमका परिवार)	सती माता: श्री बरजल सती दादी जी	सांखुगढ़
गोत्र: जिंदल (Jindal)		सती माता: श्री दादू सती	सिधनवा - हरियाणा
गोत्र: बंसल (Bansal)	चौधरी	सती माता: श्री अमरी सती दादी जी	फतेहपुर-रामगढ़
गोत्र: बंसल (Bansal)	चौधरी	सती माता: श्री छाजल सती दादी जी	फतेहपुर-रामगढ़
गोत्र: बंसल (Bansal)	चौधरी	सती माता: श्री लाडो सती जी	
गोत्र: बंसल (Bansal)	चौधरी	सती माता: श्री सरो सती जी	

।। अग्रवालों की सती माता ।।

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: बंसल (Bansal)	बजाज, भारतिया	सती माता: श्री टिड़ा गेला सती दादी जी	ढांढण
गोत्र: बंसल (Bansal)	केजड़ीवाल	सती माता: श्री चिरी सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: बंसल (Bansal)	केजड़ीवाल	सती माता: श्री मोली सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: बंसल (Bansal)	खेतान, खेडिया, रूंगटा	सती माता: श्री चावो सती दादी जी	बग्गड़
गोत्र: बंसल (Bansal)	खेतान, खेडिया, रूंगटा	सती माता: श्री वीरों सती दादी जी	बग्गड़
गोत्र: बंसल (Bansal)	जालान	सती माता: श्री राणी सती दादी जी	झुंझुनू)
गोत्र: बंसल (Bansal)	धानुका	सती माता: श्री सावा सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: बंसल (Bansal)	पोद्दार	सती माता: श्री मादल सती दादी जी	लछमनगढ़
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री गुजरी सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री जीवणी सती	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री ज्ञानी सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री टीला सती दादी जी	झुंझुनू

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री पुरा सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री बाली सती	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री मनभावनी सती	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री मनोहारी सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री महादेई सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री यमुना सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री राणी सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री वीरागी सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री सतवंती सती दादी जी	
गोत्र: बंसल (Bansal)		सती माता: श्री सीता सती दादी जी	झुंझुनू
गोत्र: बिंदल (Bindal)	जाजोदिया	सती माता: श्री कुल देवी राजल बिन्दल सती दादी	
गोत्र: बिंदल (Bindal)	लडिया , मुसद्दी, लक्कर	सती माता: श्री धोली सती दादी जी	फतेहपुर

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: मंगल (Mangal)	मोदी	सती माता: श्री आली -पाली-माली सती दादी जी	जिल्ला झुंझुनू
गोत्र: मंगल (Mangal)	लच्छूका	सती माता: श्री दहमी माता जी	बहरोड राजस्थान
गोत्र: मंगल (Mangal)	लुनका	सती माता: श्री सरिया सती	
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री दीना मीना सती दादी जी	फ़तेहपुर
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री दीना सती दादी जी	
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री बरजाल सती	
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री बसंती सती दादी जी	
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री मखरिया सती दादी जी	
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री मीना सती दादी जी	
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री वीणा दादी जी	जुगल पुरा)
गोत्र: मंगल (Mangal)		सती माता: श्री हेमा सती दादी जी	
गोत्र: मंगल (Mangal)	कानोडिया	सती माता: श्री कमला सती दादी जी	फतेहपुर

harshgoel2k@gmail.com

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: मित्तल (Mittal)	धेलिया	सती माता: श्री चावल सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: मित्तल (Mittal)	परसरामपुरिया	सती माता: श्री मोहिनी सती दादी जी	झाझर
गोत्र: मित्तल (Mittal)	रींगसीया	सती माता: श्री बुच्ची सती दादी जी	
गोत्र: मित्तल (Mittal)	मखरिया	सती माता: श्री वीणा सती दादी जी 9 सतियाँ माता	माखर, झुंझुनू
गोत्र: मित्तल (Mittal), गोयल (Goyal), बंसल (Bansal), मंगल (Mangal), गर्ग (Garg), ऐरन (Airen)	कसेरा	सती माता: श्री राजल सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: सिंघल (Singhal)	टाईंवाला	सती माता: श्री करमा पीरागी सती दादी जी	
गोत्र: सिंघल (Singhal)	भावसिंगका, केशान	सती माता: श्री पारा सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: सिंघल (Singhal)	भावसिंगका, केशान	सती माता: श्री सारा सती दादी जी	फतेहपुर
गोत्र: सिंघल (Singhal)	लाठ	सती माता: श्री गिलो सती दादी जी	मंन्ड्रेला
गोत्र: सिंघल (Singhal)	लाठ	सती माता: श्री लूणी सती दादी जी	कपरिया ,मुंडलिया गांव,रेवाड़ी हरियाणा

harshgoel2k@gmail.com

गोत्र	कुटुंब	सती माता	स्थान
गोत्र: सिंघल (Singhal)	सिंघानिया	सती माता:श्री डेडल सती दादी जी	सिंघाना और फतेहपुर
गोत्र: सिंघल (Singhal)		सती माता: श्री हरबी डाली दादी जी	दिनौ
	खेमाणी	सती माता: श्री उदो सती दादी जी	बुहाना
	गौरीसरिया	सती माता: श्री गौरी-सरो सती दादी जी	
	छापरिया	सती माता: श्री लाडो सती दादी जी	झुंझुनू
	छापरिया	सती माता: श्री सरो सती दादी जी	झुंझुनू
	बायला	सती माता: श्री बायली सती दादी जी	फतेहपुर
	मरदा	सती माता:: श्री महा सती दादी जी	चूरू
	सरियावाला	सती माता: श्री नौरंग - श्री सरिया सतीजी - श्री जाटनी सती दादी जी	लूणकरणसर
		सती माता: श्री चिम्म बाई सती दादी जी	Dhanawat, उदयपुरवाटी
		सती माता: श्री कुंवारी सती दादी जी	डीडवाना
		सती माता: श्री मनभावनी सती दादी जी	
		सती माता: श्री मनीषा सती दादी जी	कलकत्ता

।। अग्रवालों के कुटुंबनाम।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

अग्रवालों के कुटुंबनाम भी अन्य भारतीय पारिवारिक नाम के अनुसार ही अनेक प्रकार की जटिल प्रणालियों व नामकरण पद्धतियों पर आधारित हैं जो किसी कुटुंब के निवास स्थान, निकास स्थान अथवा विस्थापन स्थान के आधार पर, व्यक्ति के पद, व्यवसाय या धार्मिक आस्था पर आधारित होते हैं।

किसी भी व्यक्ति का पूरा नाम प्रायः तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है - औपचारिक नाम, मध्य भाग और पारिवारिक नाम। नाम का प्रथम भाग अर्थात औपचारिक नाम- नाम का वह भाग है जो व्यक्तिगत सम्बोधन के लिए प्रयुक्त होता है। यह प्रायः जन्म के पश्चात नामकरण के समय दिया जाता है, सनातन मान्यता में जन्म का नाम किसी ऐसे वर्ण से प्रारंभ होता है, जो उस व्यक्ति की जन्म-कुंडली के आधार पर उसके लिये शुभ हो। अथवा यह परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति, माता या पिता द्वारा अथवा कुलगुरु के द्वारा उचित लक्षण देख कर दिया जाता है यह भाग व्यक्तिगत होता है जो किसी व्यक्ति के नाम को जाति, कुल या पारिवारिक नाम से जुड़कर विशिष्टता प्रदान करता है। विद्वान इस बात से सहमत हैं कि व्यक्तिगत नामों का उपयोग मानव विकास के अत्यंत प्रारंभिक काल में हुआ।

नाम का मध्य भाग - यह एक ऐच्छिक भाग है। यह कई प्रकार का होता है जैसे कि

(1) औपचारिक नाम का पूरक - उदाहरण शत्रुघ्न यहाँ 'घ्न' शब्द शत्रु का पूरक है अन्य उदाहरण - आनंद प्रकश, हर्ष वर्धन।

(2) तटस्थ नाम - जाति-आधारित भेद-भाव के कारण या जाति के प्रति तटस्थ रहने के लिये, कई लोगों ने मध्य नाम कुमार, लाल आदि का प्रयोग करते हैं जैसे राम कुमार, मोहन लाल।

(3) पिता का नाम - कुछ प्रांतों में मध्य भाग में पिता का औपचारिक नाम का प्रयोग होता है।

तीसरा भाग कुटुंबनाम- नाम का यह भाग जिसे पारिवारिक नाम भी कहा जाता है। आमतौर पर कुटुंबनाम/पारिवारिक नाम, नाम के अंत में प्रयोग किया जाता है, जो किसी व्यक्ति को विरासत में मिला होता है, कुटुंब और परिवार के सभी सदस्यों द्वारा प्रयोग किया जाता है। नामों का क्रम किन्ही-किन्ही स्थानों पर भिन्न हो सकता है।

पारिवारिक नाम, किसी व्यक्ति के कुल का सूचक होता है इसका प्रयोग प्रायः जातियों की पहचान के लिये किया जाता है। कुछ संस्कृतियों में, कुटुंबनाम, परिवार का नाम, या अंतिम नाम, व्यक्ति के व्यक्तिगत नाम का वह भाग होता है जो किसी के परिवार, जाति या समुदाय को इंगित करता है। प्राचीन काल से ही कुटुंबनाम अलिखित-लिखित रूप में अस्तित्व में रहा है जैसे प्रभु श्री राम का वंश रघुकुल कहलाता था पारिवारिक नाम को प्रायः शिष्टता पूर्वक कभी-कभी प्रथम नाम की तरह भी उपयोग किया जाता है जैसे गुप्ता जी, अग्रवाल जी आदि।

अन्य वर्गों की भांति अग्रवाल समाज के विभिन्न परिवार भी अपने गोत्र के साथ-साथ अपने निवास स्थान, अपने कुल के प्रसिद्ध पुरुष के नाम, व्यवसाय, पद अथवा धार्मिक आस्था सूचक नामों से पहचाने जाने लगे और समय के साथ उन परिवारों ने इन्हीं सूचक नामों को अपने कुटुंबनाम की भांति प्रयोग करना प्रारम्भ कर दिया ये कुटुंबनाम (व्योम, अल्ल, बंक, फांक, सम्बोधन आदि) उन परिवारों की विशिष्टता पर आधारित थे जैसे कि उद्गम स्थान, निकास स्थान, विस्थापन स्थान, पद, व्यवसाय इत्यादि।

कुछ कुटुंबनामों में समय-समय पर कुछ बदलाव भी हुए हैं। कुछ नामों के अर्थ अभी भी अज्ञात और अस्पष्ट हैं। इस प्रकार वर्गीकरण की कई और श्रेणियाँ इसमें जोड़ी जा सकती हैं। समय के साथ, उत्प्रवास और विस्थापन के साथ वर्तनी और उच्चारण बदलने के साथ, कुटुंबनामों में भी कई परिवर्तन हुए हैं, कदाचित आपके संज्ञान में कोई भी वंशावली अथवा कुटुंब नाम से सम्बंधित कोई भी जानकारी आये तो हमसे अवश्य साझा करें।

हमारी महान सनातनी परम्परा में विज्ञान आधारित गोत्र परम्परा प्रारंभ से रही है सभी अपनी गोत्र परम्परा का पूर्ण ज्ञान रखते थे, व्यक्ति को कर्मों को चुनने की स्वतंत्रता थी सभी जातियों में सामान गोत्र हुआ करते थे क्योंकि सभी सनातन कुलों के आदि पुरुष हमारे ऋषि ही थे, विवाह के लिए अपने गोत्र से अलग गोत्र में विवाह का प्रावधान था किन्तु जातीय बंधन न था कोई व्यक्ति अपनी स्वेच्छा से कोई भी कार्य चुनने के लिए स्वतंत्र था। समय के साथ-साथ, समाज में पीढ़ी उपरांत पीढ़ी में पुत्र द्वारा पिता के व्यवसाय को चुनने से समाज में जातियों का उद्भव हुआ किन्तु एक जाति के व्यक्ति द्वारा अन्य जाति के कार्य को अपनाने के असंख्य उदाहरण हमारी पुस्तकों में वर्णित हैं।

।। अग्रवाल कुटुंबनामों का वर्गीकरण ।।

अग्रवालों में विभिन्न जाति सूचक नामों और गोत्रो के साथ अन्य सहस्रों व्योम, अल्ल, बँक, अटक, शाखा और उपनाम का भी प्रयोग किया किया जाता है। यह कुटुंबनाम अग्रवालों के व्यवसाय, स्थान, वंश, आदि के भेद से उत्पन्न हुए हैं और इनका अपना समग्र और विस्तृत इतिहास है। इस भाग में उन्हीं कारकों के आधार अग्रवालों के विभिन्न कुटुंबनामों का वर्गीकरण, गोत्र, मूलस्थान, अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी सती माता आदि विवरण दिया है।

कुटुंबनाम का वर्गीकरण

कुटुंबनाम का निम्नलिखित वर्गीकरण (अल्ल, बंक, फांक आदि) परिवारों की विशिष्टता पर आधारित है जैसे- परिवार के उद्गम स्थान, निकास स्थान, विस्थापन स्थान, पद, व्यवसाय अथवा उनके परिवार में हुए प्रसिद्ध पुरुष इत्यादि।

वर्ण/जाति आधारित कुटुंबनाम

वर्ण/जाति आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपनी वर्ण अथवा जाति का नाम अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: गुप्त (अपभ्रंश: गुप्ता), वैश्य, अग्रवाल, (अपभ्रंश : अग्रवाला, अगरवाला) अग्रवंशी, अग्रकुल, अग्रहरि, सेठ, साहू इत्यादि।

कुटुंबपुरुष आधारित कुटुंबनाम

अग्रवाल परिवारों में अनेको व्यक्तियों ने अपने वंश में विशेष नाम और ख्याति प्राप्त की, जिससे उन्हीं के नाम से उनका वंश प्रसिद्ध हो गया तथा परिवार के लोग उनका नाम कुटुंबनाम के रूप में प्रयोग करने लगे। कुटुंबपुरुष आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने कुलपुरुष का नाम अपने पारिवारिक नाम की तरह प्रयोग करता है। यहाँ विशेष बात यह है कि जहाँ पूर्वजों के नाम पर कुटुंबनाम चलता है वहाँ उस से सम्बंधित परिवार का गोत्र एक ही होता है।

उदाहरण: कहनानी, तनमुखरामका, राजारामका, संतरामजीका, हिम्मतसिंहका, मानसिंहका, हरलालका, टिकमाणी, भावसिंहका होल्लमल इत्यादि।

स्थान आधारित कुटुंबनाम

अनेक अग्रवाल अपने मूल स्थान को छोड़कर अन्यत्र बस गये, किंतु मूल स्थान से संबंध बनाये रखने के लिये, उस स्थान का प्रयोग अपने नाम के साथ करने लगे। स्थान आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब निवास/प्रवास/विस्थापन स्थान के नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है। प्राय: स्थान आधारित कुटुंबनाम, व्यक्ति से जुड़े स्थान से सम्बंधित होते हैं। इस तरह के स्थान किसी भी प्रकार की गांव/नगर आदि जहाँ व्यक्ति का घर, खेत कार्य या व्यवसाय हो। कुछ अग्रवालों ने अपने निकास स्थान गाँव अथवा नगर के नाम से अपने कुटुंबनाम रखे हैं।

उदाहरण: कानोडिया, कासलीवाल, केजड़ीवाल, केडिया, गनेरीवाल, गाड़ोदिया, झुनझुनवाला, टीबड़ेवाल, डालमिया, तोदी, हलवासिया, धानुका, जयपुरयिा, हिसारिया, केड, केड़िया इत्यादि।

व्यवसाय आधारित कुटुंबनाम

व्यवसाय आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने व्यवसाय का नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

पूर्व काल में जिस कार्य से जिस परिवार को जिस कार्य के लिए प्रसिद्ध था उस परिवार ने उसी व्यवसाय को अपने कुटुंबनाम की तरह प्रयोग करना प्रारम्भ कर दिया।

उदाहरण: पंसारी, पोद्दार, बजाज, लोहिया, सराफ, घीवाला, बाल्टीवाला, कसेरा, कंदोई, जौहरी, कोड़ीवाले इत्यादि।

पद आधारित कुटुंबनाम

पद आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने पद का नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: कानुनगो, ख़ज़ांची, पोद्दार, पटवारी, सेठ, चौधरी, रत्नाकर, भारतेंदु, नंबरदार इत्यादि।

पदवी आधारित कुटुंबनाम

पदवी आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब राजा या प्रश्न से प्राप्त पदवी/सम्मान आदि का नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: राय, रईस इत्यादि।

आस्था आधारित कुटुंबनाम

आस्था आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपनी धार्मिक श्रद्धा के आधार पर अपने इष्ट देव/देवी/धार्मिक गुरु/धार्मिक स्थान के नाम का या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है, इस प्रकार के कुटुंबनाम के गोत्र का अनुमान लगाना कठिन है। इस प्रकार के एक से कुटुंबनाम प्राय: कई समुदायों में पाए जाते हैं।

उदाहरण: दादू, जैन, आर्य इत्यादि।

प्रथा आधारित कुटुंबनाम

प्रथा आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब किसी विशेष प्रथा के कारण प्रसिद्ध होने पर उसी प्रथा को आधार मान या उसमें कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है, इस प्रकार के एक से कुटुंबनाम प्राय: कई समुदायों में पाए जाते हैं। उदाहरण: गिंदोड़िया इत्यादि।

घटना आधारित कुटुंबनाम

घटना आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब किसी विशेष घटना अथवा परिस्थितियों के आधार के कारण प्रसिद्ध होने से, उसी घटना को या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: टांटिया, सूगला, चिड़ीपाल, मोर इत्यादि।

स्वभाव विशेषता आधारित कुटुंबनाम

स्वभावगत विशेषता के आधार पर कई पारिवारिक नामों का प्रचलन उनके परिवार की स्वभावगत विशेषता के कारण भी हो गया। उदाहरण: मजाकिया स्वभाव के कारण मसखरा, असम में बनिये को अति चतुर स्वभाव के कारण काईया, भक्ति स्वभाव के कारण भगत इत्यादि।

आकृति आधारित कुटुंबनाम

समाज में कुछ पुरुष अपनी कुछ विशेष आकृति/बनावट होने के कारण भी विख्यात हुए, इन कुटुंबनाम का प्रचलन उन पुरुषों की विशेष आकृति के कारण माना गया।

उदहारण: भूत कुटुंबनाम उस कुटुंब में सदस्यों की भूतनुमा आकृति के कारण प्रचलित हुआ।

कुछ कुटुंबनाम का गुणों के आधार पर वर्गीकरण किया गया जैसे - बीसा, दस्सा, पंजा आदि किन्तु समय के साथ उसका कोई औचित्य नहीं रहा है और इस प्रकार के कुटुंबनामों का प्रयोग नगण्य है।

।। गोत्र आधारित कुटुंबनाम ।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

हमारी महान वैदिक संस्कृति में किसी व्यक्ति का परिचय उसके गोत्र, प्रवर, वेद, उपवेद, शाखा, सूत्र, छन्द, शिखा, पाद, देव, द्वार आदि एकादश बिंदुओं से होता हैं जिन्हें एकादश परिचय भी कहा जाता है। इस विधि से सभी जनों को उनके मूल का ज्ञान रहता था और इनका उपयोग सभी धार्मिक और सामाजिक कार्यों में संकल्प के समय किया जाता था।

1 गोत्र- गोत्र का आशय उस ऋषि परंपरा से है जिससे व्यक्ति अपने वंश की उत्पत्ति मानता है। वैदिक ज्ञान प्राचीन वैज्ञानिक ऋषियों को ध्यानावस्था में प्राप्त हुआ। उन ऋषियों की संतानें अथवा उनके शिष्य उस ऋषि परंपरा के माने गए। यह ऋषि परंपरा ही गोत्र है। गोत्र के कई अर्थ हैं- 'गो' का अर्थ है गुण सूत्र और 'त्र' का अर्थ है रक्षा करना।

प्राचीन काल में मात्र चार ही गोत्र थे कालांतर में वे सात हो गए। जो इस प्रकार हैं- वशिष्ठ, विश्वमित्र, भारद्वाज, कश्यप, गौतम, अत्रि, और जमदग्नि। विष्णु पुराण में इन्हें सप्त-ऋषि कहा गया है। इन्हीं के नाम पर सात नक्षत्रों के समूह को सप्त ऋषि मंडल भी कहा गया है।

विश्वामित्रो जमदग्निर्भरद्वाजोऽथ गौतमः।

अत्रिवर्सिष्ठिः कश्यपइत्येतेसप्तर्षयः॥

सप्तानामृषी-णामगस्त्याष्टमानां यदपत्यं तदोत्रामित्युच्यते॥

विश्वामित्र, जमदग्नि, भारद्वाज, गौतम, अत्रि, वशिष्ठ, कश्यप- इन सप्तऋषियों और आठवें ऋषि अगस्त्य की संतान गोत्र कहलाती है। कालांतर में अनेक और मन्त्रद्रष्टा ऋषि हुए जिनसे अन्य गोत्र अस्तित्व में आये।

2. प्रवर- प्रवर शब्द का अर्थ है श्रेष्ठ। अर्थात उस कुल में ऐसे कौन से श्रेष्ठजन हुए हैं जो कुल प्रवर्तक बने, हमारी महान वैदिक संस्कृति में किसी व्यक्ति का परिचय उसके गोत्र, प्रवर, वेद, उपवेद, शाखा,

harshgoel2k@gmail.com

सूत्र, छन्द, शिखा, पाद, देव, द्वार आदि एकादश बिंदुओं से होता हैं

जिन्होंने आचरण के लिए कुछ नियम दिए अथवा वे वेद मंत्र के दृष्टा ऋषि हुए, प्रवर के आधार पर जनेऊ के धागों का निर्धारण होता है।

पांच धागों से निर्मित जनेऊ धारण करने वाले पंचप्रवर और तीन धागों वाले जनेऊ धारण करने वाले त्रिप्रवर कहलाये। आपस्तंब आदि ऋषि के मत से सभी गोत्रों के तीन प्रवर होते हैं।

त्रीन्वृणीते मंत्राकृतोवृणीते॥ 7॥

अथैकेषामेकं वृणीते द्वौवृणीते त्रीन्वृणीते न चतुरोवृणीते न पंचातिवृणीते॥ 8॥

वैश्यों के भी तीन मंत्रद्रष्टा ऋषि हुए, भलंदर, प्रांशु और संकील (मंकील), अतः वैश्य त्रिप्रवर हुए।

3. वेद- विषय में दक्षता और उच्च कोटि की विशिष्टता के लिए गोत्रों के लिए वेदों की शाखाओं का निर्धारण किया गया, गोत्र प्रवर्तक ऋषि जिस वेद का चिन्तन, व्याख्यादि के अध्ययन एवं वंशानुगत निरन्तरता पढ़ने की प्रेरणा अपने वंशजों को देता है,

उस गोत्र का वही वेद माना जाता है। वेद का अभिप्राय यह है कि उस गोत्र के ऋषि ने उसी वेद के पठन-पाठन या प्रचार में विशेष ध्यान दिया और उस गोत्रवाले प्रधानतया उसी वेद का अध्ययन और उसमें कहे गए कर्मों का अनुष्ठान करते आए हैं। चार वेद इस प्रकार हैं-यजुर्वेद, सामवेद, ऋग्वेद, अथर्ववेद।

4. उपवेद- वेदों के विस्तार और कलाकौशल का प्रचार कर संसार की सामाजिक उन्नति का मार्ग बतलाने वाले शास्त्र का नाम उपवेद है। उपवेद सब विद्याओं का संग्रह कहा जाता है, यह वेदों से ही निकले होते हैं। जैसे - धनुर्वेद (वेदः यजुर्वेद ऋषिः विश्वामित्र), गन्धर्ववेद (वेदः ऋषिः भरतमुनि), आयुर्वेद (वेदःऋग्वेद ऋषिः धन्वंतरि), स्थापत्य (वेदः अथर्ववेद ऋषिः विश्वकर्मा), हर गोत्र का अपना अलग अलग उपवेद होता है।

5. शाखा - वेदों का ज्ञान बहुत विस्तृत है। चारों वेदों की लगभग 1131 शाखाएँ प्राप्य हैं इसलिए महर्षियों ने विषय में विशिष्टा के लिए प्रत्येक गोत्र के लिए वेद की शाखा का निर्धारण किया। प्रत्येक व्यक्ति को उसकी वेद शाखा का ज्ञान होना चाहिए।

6.सूत्र - ऋषियों की शिक्षाओं को सूत्र कहा जाता है। वेदों की शाखाओं को सूत्र रूप में विभाजित किया है, जिसके माध्यम से उस शाखा में प्रवाहमान ज्ञान व संस्कृति को कोई क्षति न हो और ज्ञान अक्षुण्ण रहे, उन वेदानुकुल संस्कारी कर्मों का वर्णन और विधि बतलाने वाले ग्रन्थ ऋषियों ने सूत्र रूप में लिखे हैं और वे ग्रन्थ भिन्न-भिन्न गोत्रों के लिए निर्धारित वेदों के भिन्न-भिन्न सूत्र ग्रन्थ हैं। प्रत्येक वेद का अपना सूत्र है।

सामाजिक, नैतिक तथा शास्त्रानुकुल नियमों वाले सूत्रों को धर्म सूत्र कहते हैं आनुष्ठानिक वालों को श्रौत सूत्र तथा विधिशास्त्रों की व्याख्या गृह् सूत्र कहा जाता है। ऋषियों ने विभिन्न गोत्रों के लिए वैदिक सूत्र निर्धारित किये ताकि वे सूत्रों का विस्तृत अध्ययन कर सकें। उदाहरण पारस्कर सूत्र, बौधायन सूत्र, ब्रह्म सूत्र, कात्यान सूत्र, गोभिल सूत्र आदि।

7. छन्द - वेदों के मंत्रों में प्रयुक्त श्लोकों में मात्राओं की संख्या और उनके उच्चारणों (लघु-गुरु) के क्रमों के समूहों को छंद कहते हैं - वेदों में अनेको प्रकार के छंद प्रयुक्त हुए हैं।

अत्यष्टि, अतिजगती, अतिशक्करी, अनुष्टुप, अष्टि, उष्णिक्, एकपदा विराट (दशाक्षरा), गायत्री, जगती, त्रिषटुप, द्विपदा विराट, धृति, पंक्ति, प्रगाथ, प्रस्तार, बृहती, महाबृहती, विराट और शक्करी इत्यादि प्रत्येक गोत्र का एक परम्परागत छंद है।

8.शिखा और जनेऊ- प्रत्येक पुरुष के मुंडन संस्कार के समय सिर पर शिखा/चोटी रखना एक सनातनी परम्परा है। अपनी कुल परम्परा के अनुरूप शिखा को दक्षिणावर्त अथवा वामावार्त्त रूप से बांधने की परम्परा शिखा कहलाती है।

शिखा में ग्रंथि बाईं ओर अथवा दाहिनी ओर तरफ घुमा कर देने नियम था जो किसी व्यक्ति का गोत्र निरूपित करने में सहायक होता है। सामवेदियों की बाईं शिखा और यजुर्वेदियों की दाहिनी शिखा कही गयी है।

इसी प्रकार जो लोग वैदिक नियम धर्म का पालन कर जनेऊ धारण करते थे, जनेऊ के धागों की गणना से उस कुल के प्रवर का ज्ञान हो जाता है। जनेऊ पर लगने वाली ब्रह्म गांठ में कितनी गांठें लगाई जा रही हैं उससे भी व्यक्ति के वंश के बारे में ज्ञात होता है। वैश्य कुल में 3 प्रवर हुए हैं अतः अग्र कुल के व्यक्ति 3 धागे वाला जनेऊ धारण कर सकते हैं। शिखा और ब्रह्म गांठ के बारे के शोध शेष है।

9.पाद- अपने-अपने गोत्रानुसार लोग अपना पाद प्रक्षालन करते हैं। यह एक पहचान बनाने के लिए बनाया गया नियम है। अपने-अपने गोत्र के अनुसार लोग पहले अपना बायाँ पैर या दायाँ पैर धोते हैं, सामवेदियों का बायाँ पाद और इसी प्रकार यजुर्वेदियों की दाहिना पाद माना जाता है।

10. देवता- प्रत्येक कुल का देवता भी निर्धारित होता था। कुल देवता, स्थान देवता, इष्ट देवता कुल की रीति के अनुसार पूजे जाते रहे हैं। उदाहरण विष्णु भगवान, कृष्ण भगवान, अग्नि देवता, समस्त अग्रवालों की कुल देवी महालक्ष्मी देवी हैं।

कुटुम्बों में सतियों, ऊतकों और पितरों का भी पूजन विधि विधान से किया जाता है। प्रत्येक वेद या शाखा का पठन, पाठन करने वाले किसी विशेष देव की आराधना करते हैं वही उनके कुल देवता (गणेश, विष्णु, शिव, दुर्गा, सूर्य इत्यादि पञ्च देवों में से कोई एक) उनके आराध्य देव है। इसी प्रकार कुल के भी संरक्षक देवता या कुलदेवी होती हैं। इनका ज्ञान कुल के वयोवृद्ध अग्रजों (माता-पिता आदि) के द्वारा अगली पीढ़ी को दिया जाता है।

11. द्वार- यज्ञ मण्डप में अध्वर्यु (यज्ञकर्त्ता) जिस दिशा अथवा द्वार से प्रवेश करता है अथवा जिस दिशा में बैठता है, वही उस गोत्र वालों की द्वार होता है। यज्ञ मंडप तैयार करने की कुल 39 विधाएं हैं और हर गोत्र के व्यक्ति के प्रवेश के लिए अलग द्वार होता है।

धार्मिक कार्यों में एकादश परिचय का बहुत अधिक महत्व होता है। विवाह संस्कार के अवसर पर वंश परंपरा परिचय का विशेष महत्व है। कन्या और वर पक्ष के पुरोहित मंगलाचरण के साथ और संकल्प के समय गोत्र आदि का विवरण उच्चारित किया जाता है। यह परंपरा अभी भी व्यवहार में है।

गोत्र आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने गोत्र का प्रयोग करता है। अग्रवालों की कुलदेवी माता महालक्ष्मी की कृपा से महाराज श्री अग्रसेन के अपने पुत्रों के साथ-साथ 18 यज्ञ किये और यज्ञों में बैठे 18 गुरुओं के नाम पर ही अग्रवाल समाज में 18 गोत्रों की स्थापना हुई और उसी आधार पर महाराज अग्रसेन ने अग्रोहा के गणतंत्र राज्य की स्थापना की। अग्रोहा में 18 राज्य इकाइयाँ सम्मिलित थीं।

गोत्र विचार- महाराज अग्रसेन द्वारा बनाए गए नियम और सनातन संस्कारों के अनुसार एक ही गोत्र में विवाह एक नूतन गठबंधन नहीं हो सकता है। अन्तः स्वगोत्रीय विवाह शास्त्र सम्मत नहीं माना गया है व्याकरण के जनक पाणिनि ने प्रयोजनों के लिये में गोत्र की परिभाषा कुछ इस प्रकार प्रस्तुत की है 'अपात्यम पौत्रप्रभ्रति गोत्रम्' (4.1.162), अर्थात गोत्र शब्द का अर्थ है कि पुत्र के पुत्र के साथ शुरू होने वाली संतान्। गोत्र, कुल या वंश की संज्ञा है जो उसकी 7 पीढ़ी तक चलती है, मनुस्मृति के अनुसार भी सात पीढ़ी बाद प्रभाव समाप्त हो जाता है अर्थात सात पीढ़ी बाद गोत्र का मान बदल जाता है और आठवी पीढ़ी का पुरुष का 8 पीढ़ी पूर्व अलग हुए वंश की कन्या से विवाह शास्त्रों में उचित है। किंतु गोत्र की गणना का सही पता न होने के कारण अज्ञानतावश सनातन लोग भ्रमित हैं और सहस्त्रों वर्ष प्राचीन पूर्वजों के नाम का प्रयोग कर विवाह आदि सम्बन्ध में कर रहे हैं इसमें समाज के गुणी वर्ग को आगे आना चाहिए और भ्रांति दूर करनी चाहिए ।

अग्रवाल समाज के 18 गोत्र निम्नलिखित हैं। गर्ग, गोयल, गोयन, मित्तल, बंसल, जिंदल, कुच्छल, तायल, मधुकुल, तिंगल, बिंदल, धारण, ऐरण, मंगल, भंदल, नागल, सिंघल, तायल (पूर्ण जानकारी के लिए अग्रवाल कुटुंबनामों का विवरण देखिये।

गोत्र: ऐरन (Airan)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: एरन, एरण, इन्दल, एयरन, एरोन, Airan, Aeron

ऋषि: अत्रि (Atri)/औंर्वा(Aaurva)

गोत्रपति: इन्द्रमल (Indramal)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: ऐरन एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र में सुप्रसिद्ध गाँधीवादी नेता मेठ जमनालाल बजाज, कमलनयन बजाज, राहुल बजाज, श्री प्रताप जी सेट अमलनेर, रायरामप्रताप आली. राजा इन्दमन, राजा ख्यालीराम बहादुर, राजा पटनीमल, प्रवीणचन्द्र एरण, रायकृष्णादास, सीताराम राय, गोविन्दचंद जैसे अनेक यशस्वी व्यक्तित्व हुए, जिन्होंने अपने कार्यों द्वारा अग्रवाल समाज को गौरवान्वित किया है।

डीग में दिल्ली रोड पर ऐरन गोत्री अग्रवाल परिवार (कुंडा वालों कुटुंबनाम से के नाम से जाना जाता है) ने एक विशाल कुंडा का निर्माण सम्वत 1833 में करवाया था जिसमें आज भी आस-पास के गांव के लोग नहाने और पीने के लिए पानी लेने आते है

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: ऐरन (Airan)

पृष्ठ: 2

आली (Aali)

आलमाल (Aalmal)

आलवाले (Aalwale)

अमलनेर (Amalner)

बड़ेगांववाला (Badegavwala)

बैराठी (Bairathi)

बजाज (Bajaj)

बाक़ेरायका (Bakarayaka)

बांववाले (Banvwale)

बराजलवाला (Barajalwala)

बैरती (Barati)

बेरीवाल (Beriwal)

भादहला (Bhadahala)

भागेरिया (Bhageriya)

भकड़ (bhakad)

भलेरीवारा (bhaleriwara)

भालोटिया (Bhalotiya)

भालोटिया (bhaloyia)

भाटरी वारा (bhatriwara)

भोपातका (एरन गोत्र) (bhopatka)

बुटियावारा (bhuiawara)

बिलोटिया (Bilotia)

बुधासिया (Budhasia)

चवसरिया (Chavsariya)

छपाडीया (Chhapadiaya)

छपरिया (Chhaparia)

चिरालिया (Chiralia)

चिरानिया (Chirania)

चिरमिया (Chirmiya)

चौधरी (एरन गोत्र) (Choudhary (Eran Gotra))

दादरीवारा (Dadriwara)

डीगवाले (Deegwale)

धचरमिया (Dhacharamiya)

ढाढरीयावाला (Dhadhariyawala)

धाधुये वारा (Dhadhuye Wara)

ढंढारिया (Dhandariya)

धनमालिया (Dhanmaliya)

ढवारिया (Dhavariya)

दूदानी (Dudani)

डूमरावारा (Dumrawara)

दुरागेका (Duraageka)

फतेपुरिया (मंगल गोत्र) (Fatepuria)

गादडीवारा (Gaddiwara)

गणेशगढ़िया (Ganeshagadhiya)

गुजरवासिया (Gujaravasia)

हमीरबसिया (Hamirbasia)

हरभजनका (Harbhajanka)

इन्दमन (Indman)

इटरावाल (Itarawal)

इटावावाले (Itawawale)

इटावावाला (Itwawala)

जटिया (Jatiya)

जाटवारा (एरन गोत्र) (Jatwara)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: ऐरन (Airan)

पृष्ठ: 3

झाजरिया (Jhaajariya)
झाझड़िया (Jhajharia)
झखोड़ियां (Jhakhodian)
झुनझुनवाला (Jhunjhunuwala)
कायना (Kaayna)
काहनोरिया (Kahnoria)
काईया (Kaiya)
काकरनिया((Kakarnia
कन्दोई (Kandoi)
कसेरा (Kasera)
कसेरुवारा (Kaseruwara)
कयाल (Kayal)
कयाण (Kayan)
केडिया (Kedia)
कुंडावाला (Kindawala)
कोलिडिया (Kolidia)
क्याल (एरन गोत्र) (Kyal)
क्याल (ऊदयपुरिया) (Kyal Udaypuria)

माडेलिया (madelia)
मांडवावारा (एरन गोत्र) (mandwawara)
मेरतिया (mertia)
मोदी (Modi)
मोहनसाहका (mohansahaka)
मोरीजवाला (Morijwala)
मोता (mota)
मुंशी (Munshi)
नाहड़िया (Nahadiya)
नहडिया (Nahdiya)
नंदराम का (Nandram Ka)
नासिकवाले (Nasikwale)
नेपानी (Nopani)
पड़ेउवाला (Padeuwala)
पंसारी (Pansari)
परसरामका (Parasramka)
पारसरामपुरिया (Parasrampuria)

पटवारी (एरन गोत्र) (Patwari)
राय (Rai)
रामराइका(एरन गोत्र) (ramraika)
रेवियेवारा (reviyewara)
साहा (Saha)
सहरिया (Sahariya)
सखूवाला (sakhuwala)
सलामपुरिया (salampuria)
सराफ(एरन गोत्र) (saraf)
सरसलेवारा (saraslewara)
साय (Say)
सेदपुरिया (Sedpuria)
सेठप्रतापजीका (Sethpratapjika)
सेठपुरिया (Sethpuriya)
शाह (Shah)
श्यामदासका (shyamdaska)
सिद्धमुखिया (sidhmukhia)
सोबका (Sobka)

harshgoel2k@gmail.com

गोत्र: ऐरन (Airan)

पृष्ठ: 4

सोमथलिया (Somthalia)

सोनका (Sonaka)

सोंथालिया (Sonthaliya)

थर्ड (Third)

तुलस्यान (Tulsyan)

ऊदयपुरिया (Udaypuria)

उदेरामका(तोला) (Udaypuria (Tola))

उणियारावाले (Uniyarawale)

विरमीवारा (virmiwara)

विरोलिया (viroloia)

विसनाका (visanka)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: . बंसल (Bansal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: बांसल, बांसिल

ऋषि: वत्स्य (Vatsya)/Vishist/ Vats

गोत्रपति: वीरभान (Virbhan)

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कौथमी (Kouthmi)/कौथमी(Kauttham)

सूत्र (Sutra): गोभिल (Gobhil)

विवरण: बंसल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। इस गोत्र के लोग प्रायः पूरे भारत में फैले हुए हैं इस गोत्र में भी अनेक बड़े-बड़े प्रतिष्ठित महानुभाव हुए हैं, जिन्होंने अपने यशस्वी कार्यों से समाज का नाम ऊँचा किया हैं। इसी गोत्र ने देश को रामनाथ पोद्दार, रामप्रसाद पोदार, रामनारायण रूइया, सरजमल जालान ताराचंद घनश्यामदास, हनुमान प्रसाद धानुका जैसे उद्योगपति और ईश्वरदास जालान, विमल जालान, डॉ. सत्यकेत विद्यालंकार, शिवचंद भरतिया, हनुमान प्रसाद पोदार, घनश्यामदास जालान, सूरजमल झंझनवाला, घनश्यामदास जयनारायण पोद्दार, रामेश्वर टाटिया, गिरीश साँधी, देवकीनंदन जटिया, पवन बंसल, मुरली देवड़ा, जैसे महान समाज सेवी, राजनीतिक, अर्थशास्त्री, साहित्यकार, धर्मपरायण व्यक्तित्व, सांसद, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के सूत्रधार कलाविद सुयोग्य नेता एवं प्रशासक देश को प्रदान किए हैं, जो पूरे समाज के ही नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्र के भी गौरव हैं ।

बंसल गोत्र आधरित कुटुंब नाम -

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: . बंसल (Bansal)

पृष्ठ: 2

अडूकिया (Adukiya)
बाँसवाला (Baanswala)
बाड़ेसिया (Badesiya)
बदूका (Badooka)
बदुका (Baduka)
बगियावाले (Bagiyawale)
बैराग्डा (Bairagda)
बजाज (Bajaj)
बांसवाल (Banswal)
बैरागदा (Baragada)
बेरगढ़ा (Bergada)
बेरोवाड़ा (Berowada)
भागेर (Bhager)
भज्जिका (Bhajjika)
भारतिया (Bharatiya)
भोजंगरवाल (Bhojangarwal)
भोपजीवाला (Bhopjiwala)
बिहरोरिया (Bihroria)
बूबना (Bubna)

बुधिया (Budhiya)
बुराना (Burana)
भूवाना (Buwana)
चाचाण (Chachan)
चौधरी (Chaudhary)
चौखानी (Chaukhani)
चेजन्दका (Chejandaka)
चेनावत (chenawat)
चेनकदीका (Chenkdika)
चेतार्त (Chetart)
चिड़ावावाले (Chidawawale)
चिडिपाल (Chidimaar)
चिड़ियावाले (Chidiyawale)
चिग्निवाले (Chigniwale)
चिंतावत (Chintawat)
चिंतवाला (Chintwala)
चोखानी (Chokhani)
चोमूवाला (Chomuwala)
चूड़ीवाला (Chudiwala)

कूटपीवाले (Cutpeewale)
दादरी वाले (Dadriwale)
डाकीडा (Dakida)
डाकिया (Dakiya)
दानी (Dani)
दारूका (Daruka)
डग्ला (Degla)
देर्ड़ा (Derda)
देवड़ा (Devada)
धचड़ारावाल (Dhachadarawal)
ढ़हरखानवाल (Dhaharakhanaval)
ढ़हम्मतरामका (Dhahmmatramaka
धम्मीवाले (Dhammiwale)
धमोड़ (Dhamod)
धानुका (Dhanuka)
धीरसरिया (Dhirasaria)
धोईवाले (Dhoiwale)
धूत (Dhoot)
डिग्गीवाल (Diggiwal)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: . बंसल (Bansal)

पृष्ठ: 2

दीखणी (Dikhani)
दिमादिया (Dimadia)
दिनोदिया (Dinodiya)
डॉक्टीवाल (Doctiwale)
फतेहचंदका (Fatehchandka)
फतेहपुरिया (Fatehpuriya)
गाड़ोदिया (Gaadodiya)
गढ़िया (Gadhiya)
गाडिया (Gadiya)
गाँधीवाले (Gandhiwale)
घालरीवाला (Ghalriwala)
घामीवाले (Ghamiwale)
गीदड़ा (Gidda)
हाड़ा (Haada)
हांडा (Handa)
हिम्मतरामका (Himmatramka)
हीराखानवाला (Hirakhanwala)
जालान (Jaalan)
जाजोदिया (Jajodiya)
जालानी (Jalani)
जटिया (Jatiya)

झालकारीवाला (Jhaalkariwala)
झझुका (Jhajhuka)
झालेरीवाला (Jhaleriwala)
झामवाल (Jhamwal)
झंझनूवाला (Jhanjhanuwala)
झारीबुरीवाला (Jhariburiwala)
झावरीवाल (Jhavariwal)
झुनझुनवाला (Jhunjhunuwala)
कामटिया (Kaamtiya)
कहा (Kaha)
कन्दोई (Kandoi)
करवीवाले (Karaviwale)
कारीवाला (Kariwal)
कसेरा (Kasera)
कटपीसवाले (Katpieswale)
कयाल (Kayal)
केजड़ीवाल (Kejdiwal)
केसरा (Kesara)
खैलिडा (Khailida)
खजांची (khajanchi)
खालडा (khalda)

खराड़ी (Kharaadi)
खवाला (Khawala)
ख़ज़ांची (Khazanchi)
खेमका (Khemka)
खेरीबांसवाले (Kheribanswale)
खोवाला (Khowala)
खूबना (Khubana)
कोसलीवाले (Kosaliwale)
कुचमनीय (Kuchamaniya)
कुचामणिया (Kuchmania)
कूटपीवाल (Kutpiwal)
लाट (Laat)
लोयलका (Loyalaka)
मधुरिया (Madhuria)
मामेरीवाल (Mameriwal)
मंढावाले (Mandhawale)
मण्डवाल (Mandwal)
मंगलूनेवाले (Mangalunewale)
मंजमार्ले (Manjamarle)
माँजमावाले (Manjmawale)
मरोदिया (Marodia)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: . बंसल (Bansal)

पृष्ठ: 2

मसखरा (Maskhara)
माथुरिया (Mathuriya)
माउडिया (Maudia)
मौंदिया (Maundiya)
मोदी (Modi)
मोजवाले (Mojwale)
मुहाहिब (Muhahub)
मुंडिया (Mundia)
मुसाहिब (Musaahib)
नागौरी (Nagauri)
नागौर (Nagor)
नागोरी (Nagori)
नाहारीवाल (Nahariwal)
नरेड़ी (Naredi)
नाउका (Nauka)
नोहरिया (Nohariya)
नेपानी (Nopani)
पाटोदिया (Paatodiya)
पावतावाले (Paavtawale)
पार्तावाल (Partawal)

पाथरवाले (Patharwale)
पटरारी (Patrari)
पत्थरका (Pattharaka)
पटवारी (Patwaari)
पअवारी (Pawari)
फतेहरिया (Phatehariya)
पोद्दार (Poddhar)
प्रहलादका (Prahaladka)
प्रवादका (Pravadaka)
रेद (Raid)
राजगढिया (Rajgadiya)
रामलालका (Ramlalka)
रामुका (Ramuka)
रुइया (Ruiya)
संधध (Sadhdh)
साहू (Sahu)
संधि (Sandhi)
संघी (Sanghi)
सारंड़ड़या (Sardiya)
सांवड़िया (Savdiya)
सावड़िया (Sawandiya)

शाह (Shah)
शाहू (Shahoo)
शैख्वाटिया (Sheikhvatiya)
सिगलिया (Siglia)
सिखरा (Sikhara)
सिंगलिया (Singaliya)
सिसोदिया (Sisodiya)
सोमनाथवाला (Somnathwala)
सुद्राणिया (Sudrania)
सुल्तानिया (Sultania)
टालीवाला (Taliwala)
टांटिया (Tantiya)
ततीवाला (Tatiwala)
तेजावत (Tejavat)
थोईवाले (Thoiwale)
तितवाल (Titwal)
तोपरवानावाले (Topewanawale)
तोपखानावाले (Topkhanawale)
तुलस्यान (Tulsian)
वैद (Vaid)
योहार (Yohar)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: बिंदल (Bindal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: विंदल, Vindal

ऋषि: यवस्या या वशिष्ठ Yavasya or Vashista

गोत्रपति: वृन्ददेव (Vrinddev)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: बिंदल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

आर्य (Aarya)
बागला (Bagla)
बालोजी (Baloji)
बारवाले (Barwale)
भीमसारवाला (Bhimsariya)
चैनानिया (Chainaniya)
चांदीवाल (Chandiwala)
चौकसी (Chaukasi)
दौडतीवाले (Daudatiwale)
दोहतिवाले (Dhohtiwale)
धोतीवाले (Dhotiwale)
फतेहपुरिया (Fatehpuriya)
फतेहपुरवाले (Fatehpurwale)

गन (Gan)
घोड़तीवाले (Ghodatiwale)
घोहतीवाले (Ghohatiwale)
जयपुरिया (Jaipuriya)
कांर्ततया (Kanrtataya)
काँवटिया (Kanwatiya)
खेमका (Khemka)
लडिया (Ladia)
लक्कर (Lakkar)
लटिया (Latia)
लोढ़ा (Lodha)
मुसद्दी (Musaddi)

पपरिवाल (Papapriwal)
फतेहरिया (Phatehariya)
पिपरावावाले (Pipravawale)
पिपरीवाल (Pipriwal)
सांवलका (Sanwalka)
सर्राफ (Saraf)
सरावगी (Sarawagi)
सवालका (Sawalka)
शोरवाले (Shorawale)
सीघई (Sighai)
मंडावेवाला (Mandavewala)
माण्डरेवाल (Mandrewal)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: भंदल (Bhandal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: डिंगल, भंदल, भंडाल

ऋषि: भारद्वाज (Bhardwaj)/धौम्य (Dhaumy)

गोत्रपति: वासुदेव (Vasudev)

यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): मध्यादिनी (Madhyadini)/माधुरी(Madhuri)

सूत्र (Sutra): कात्यायनी (Kaatyayni)

विवरण: भंडाल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

भंदल गोत्र का एक परिवार महेन्द्रगढ़ (पूर्व में कानोड़) में निवास (सन् 1884 के लगभग) करता था। परिवार में श्री जगन्नाथ के चार पुत्र - जोकीराम, गंगाराम, दयाराम, मयाराम हुए। गंगाराम के पुत्र रूड़मल व रूड़मल के पुत्र सुषदेव हुए। बाद में इनका परिवार राजस्थान के अलवर जिले की तहसील कोट कासिम में निवास करता रहा। (पुस्तक- अग्रवाल समाज की विरासत)

जाजोदिया

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: धारण (Dharan)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: धरान, डेरानी, ठालन, Deran

ऋषि: भेकर या घुम्या Bhekaar or Ghaumya/धन्यासी (Dhanyas)

गोत्रपति: धवनदेव (Dhavandev)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: धारण एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। जाजोदिया धारण गोत्र आधरित कुटुंब नाम है

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: गर्गस्य (Gargasy), गार्गेया, Gargeya

ऋषि: गर्गाचार्य (Gargacharya)

गोत्रपति: पुष्पदेव (Pushpadev)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: गर्ग एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। अग्रवालों में गर्ग गोत्र की संख्या भी सर्वाधिक पाई जाती है।

इस गोत्र को अनेक महान् विभूतियों को जन्म देने का श्रेय प्राप्त है। प्रभुदयाल मुरारका, वसंत लाल मुरारका जैसे महान् क्रांतिकारी, डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे विपक्षी दल के महान शासन के जनक, डॉ. धर्मवीर, आनंदीलाल रूंगटा जैसे कुशल प्रशासक, राज्यपाल जयदयाल डालमिया, रायबहादर सेठ हरदत्तराय रामप्रताप चमड़िया, आर.पी.मोदी राधेश्याम मुरारका (महान उद्योगपति), सर सीताराम, राजा ज्वालाप्रसाद, आनरेबल सुखवीर सिंह जैसे विद्वान, बाबू देवी प्रसाद खेतान मातादीन खेतान (विधिवेता) एवं सोलीसीटर जनरल, जगन्नाथप्रसाद रत्नाकर, काका हाथरसी, बालचंद मोती, राधाकृष्णदास बाबू वृंदावनदास, श्रीमती दिनेशनंदिनी डालमिया (साहित्य जगत् की विभूतियाँ), रायबहादर विश्वेश्वर लाल हालवासिया, बाबू पदमचंद (दानवीर समाजसेवी) उत्पन्न हुए, जिन्होंने राष्ट्र एवं समाज सेवा के क्षेत्र में महान् नाम कमाया और अग्रवाल समाज को गौरव के शिखर पर प्रतिष्ठित किया।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 2

आलवाले (Aalwale)
आमेरिया (Aameriya)
आर्य (Aarya)
आसामवाले (Aasamwale)
अडूकिया (Adukiya)
अगानिया (Aganiya)
अजीतसरिया (Ajithsariya)
असामवाले (Assamwale)
आसुरामका (asuramka)
बादीकुईवाले (Baandikuiwale)
बधवानिया (Badhvaniya)
बड़वावाला (Badwawala)
बगड़िया (Bagadiya)
बागरवाले (Bagarawale)
बगरोडिया (Bagarodia)
बागधर (Bagdhar)
बाजला (Bajala)
बाजारी (Bajari)
बालड़ा (Balada)
बामणीवाल (Bamaniwal)
बनडिया (Banadia)

बांगटवाले (Bangatawale)
बानूड़ा (Banuda)
बराढ़ी (Baradhi)
बरासिया (Barasia)
बरासिका (Barasika)
बरसिया (Barasiya)
बारातवाले (Baratwale)
बासदवाले (Basadwale)
बीड़ासरिया (Beedasariya)
बीपीधारिया (Beepeedharyia)
बेरीवाल (Beriwal)
बेरिया (Beriya)
भगत (Bhagat)
भाजारी (Bhajari)
भकरके (Bhakarke)
भौतिका (Bhautika)
भुकरका (Bhkarka)
भूकरेड़ी वाला (Bhkrediwala)
भोजारी (Bhojari)
भोजनगरवाला (Bhojnagarwala)

भूत (Bhoot)
भूकरदीवाला (Bhukarediwala)
भूखमारिया (Bhukhmariya)
भुसारवाल (Bhusarwal)
भूषानिया (Bhushania)
भूतेरा (Bhutera)
बीदासरिया (Bidasaria)
बीपीपरिया (Bipiparia)
बोपोसरिया (Boposaria)
बोरडीवाला (Bordiwala)
बुड़ाकिया (Budakiya)
बुकरेड़ीवाला (Bukarediwala)
बुवाले (Buwale)
चमड़िया (Chamadiya)
चाँदगोठिया (Chandgothiya)
चांदीवाल (Chandiwala)
चाँदीवाले (Chandiwale)
चराईवाला (Charaiwala)
चरैवाले (Charaiwale)
चौड़ले (Chaudale)
चौधरी (Chaudhary)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 2

चौखानी (Chaukhani)	डालमिया (Dalmia)	डिडरातनया (Didratanya)
चवसरिया (Chavsariya)	डांगवाल (Dangwal)	डिडवानिया (Didwaniya)
चेजन्दका (Chejandaka)	डांगवाले (Dangwala)	दिग्गीवाले (Diggiwale)
चेनकदीका (Chenkdika)	दशरापुरिया (Dasarapuriya)	दीरान (Diran)
चितवत (Chetawat)	दतुलीवाले (Datuliwale)	डॉक्टीवाल (Doctiwale)
छारसरिया (Chharsariya)	दौलतपुरवाले (Daulatpurwale)	दोलतपरिया (Dolatapariya)
छावछरिया (Chhavachhariya)	दीपचंद (Deepchand)	दोसिहला (Dosihala)
छिगानीवाले (Chhiganiwale)	दीवान (Deewan)	डोवटीवाले (Dovatiwale)
छापोलिका (Chhopolika)	डेरावाले (Derawale)	इलाचीवाले (Elachiwale)
चिडिपाल (Chidimaar)	धचडिपाल (Dhachadipal)	फागीवाले (Faagiwale)
चिडीपाल (Chidipal)	धचगनीवाल (Dhachganiwal)	फासीवाले (Fasiwale)
चिग्निवाले (Chigniwale)	ढ़हमातनया (Dhahamatnaya)	गाड़ोदिया (Gaadodiya)
चिलका (Chilka)	ढ़हम्मतसिंघका (Dhahammatasinghaka)	गंगारपुरवाले (Gangaarpurwale)
चिरानिया (Chirania)		गंगापुरवाल (Gangapurwal)
चोड़ेले (Chodele)	धन्नावत (Dhanawat)	गरेरेवाल (Garerewal)
चोखानी (Chokhani)	धौजवाले (Dhaujwale)	गावाला (Gawala)
चोमूवाला (Chomuwala)	ढेरीवाल (Dheriwal)	गवेराईवाला (Gaweraiwala)
चूड़ीवाला (Chudiwala)	ध्रुव (Dhruv)	गेवराईवाला (Gevraiwala)
चीमूवाला (Chumuwala)	ढूंढ़ाड़िया (Dhundadiya)	घोड़ेगांववाले (Ghodegaavwale)
दलाल (Dalal)	धुन्दडिया (Dhundadiya)	घोड़ेगाररले (Ghodegararale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 2

घोड़ीवाले (Ghodiwale)

गिंदोड़िया (Gindodiya)

गोहल्याण (Golyan)

गोटेगांववाले (Gotegaavwale)

गोटेगाराले (Gotegarale)

गोटेवाले (Gotewale)

गुढ़ावाले (Gudhawale)

गुड़वाले (Gudwale)

गुलालवाले (Gulalwale)

गुरारेवाले (Gurarewale)

हलरासिया (Halarasia)

हलवासिया (Halwaasiya)

हरेलिया (Harelia)

हरवासिया (Harvasia)

हाथीदांतवाले (Hathidantwale)

हवेलिया (Haveliya)

हिमाणिया (Himaniya)

हिम्मतसिंहका (Himmatsinghka)

इजारदार (Ijardar)

इलायचीवाले (Ilayachiwale)

इज़रदार (Izardar)

जालोंवाले (Jaalonwale)

जाजोदिया (Jajodiya)

जालोंवाल (Jalonwal)

जालोनवाले (Jalonwale)

जमालिया (Jamaliya)

जटिया (Jatiya)

जीतमलका (Jeetamalaka)

झाइका (Jhaika)

झझुका (Jhajhuka)

झमजीवाले (Jhamajiwale)

झामवाल (Jhamwal)

झारूका (Jharuka)

जिंतरवाल (Jithurwala)

जिवुरवाला (Jivurwala)

जोगनी (Jogani)

जोखानी (jokhani)

कादमावाले (Kadamawale)

कागज़ी (Kagzi)

कामद (Kamad)

कमलिया (Kamalia)

काननगो (Kananago)

कन्दोई (Kandoi)

कानूनगो (Kanungo)

कपाल (Kapal)

कसेरा (Kasera)

कयाल (Kayal)

केचरीवाले (Kechariwale)

केडिया (Kedia)

केथरीवाल (Ketheriwal)

कॅथीवाले (Kethriwale)

खेतान (Khaitan)

खाकोलिया (Khakoliya)

खारकिया (Kharakiya)

खराकिया (kharkia)

खाटूवाल (khatuwal)

खाटूवाले (Khatuwale)

खेडिया (Khediya)

खिरोडिया (Khirodiya)

खुजावाल (Khujawal)

खुर्जावाले (Khurjawale)

किला (kila)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 2

किल्ला (Killa)
किश्तवाले (Kishtwale)
कोडीवाल (Kodiwal)
कोड़ीवाले (kodiwale)
कोठीवाले (Kothiwale)
कोटीवाले (Kotiwale)
कौडीवाले (Kowdiwale)
कोयलेवाले (KoyleWale)
कशीवाले (Kshiwale)
कुम्पावत (Kumpavat)
लड्ढ़ा (Ladhudha)
लड़ीवाला (Ladiwala)
लालड़ा (Lalda)
लोढ़ा (Lodha)
लोडिया (lodia)
लोहिया (Lohia)
लुहारका (Luharaka)
लुहारीवाल (Luhariwal)
मार (Maar)
मंगीवाले (Magiwale)

मढ़हपाल (Mahadpal)
महिपाल (Mahipal)
महमिया (Mahmiya)
मंगोड़ीवाल (Mangodiwal)
मंगतेड़िया (Mangotedia)
मौंदिया (Maundiya)
मेहणसरिया (Mehansariya)
मित्या (Mitya)
मोड़ा (Moda)
मोदी (Modi)
मोहनसरिया (Mohansariya)
मोर (Mor)
मोठया (Mothia)
मुगीवाले (Mugiwale)
मुंहवाले (Muhwale)
मुंगीवाले (Mungiwale)
मुरारका (Murarka)
नागलिया (Nagaliya)
नागरका (Nagarka)
नाजवाले (Najwal)

नकारवाले (Nakaarwale)
नखरोदिया (Nakharodiya)
नांगलिया (Nangaliya)
नरसिंहपुरिया (Narasinhapuriya)
नर्लगढ़ढया (Narlagadhaya)
नारनौलिया (Narneliya)
नाथका (Nathka)
नवलगाडिया (Navalgadiya)
नीमावाले (Neemawale)
निड़ीपाल (Nideepaal)
निडानिया (Nidhaniya)
पंसारी (Pansari)
परगनवाले (Paragnawale)
परीतावाले (Paritawale)
परिवावाले (Parivawale)
पतसवाले (Patasawale)
पटवारीनाथका (Patavarinathka)
पाथरवाले (Patharwale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 2

पटोदिया (Patodiya)
पटरारी (Patrari)
पत्थरका (Pattharaka)
पटवारी (Patwaari)
फागीवाल (Phagiwal)
प्राणसुखका (Pransukhka)
रेलवाल (Railwal)
राजा कटारे (RajaKatare)
राजपुरिया (Rajpuriya)
रमनवमिवाला (Ramanvamiwala)
रामीकासिया (Ramicasia)
रामनवमीवाले (Ramnavamiwale)
रंगटा (Rangta)
रानीवाल (Raniwala)
रारधथ (Rardhath)
रासीवासिया (Rasiwasia)
रईस (Rayis)
रूंगटा (Rungta)
सालगनी (Saalgani)
साडू (Sadu)
सागानेरिया (Saganaria)
साह (Sah)
साहू (Sahu)
संकरद (Sakrad)
साल्हावसिया (Salhavasia)
सांगनेरिया (Sanganeriya)
संघी (Sanghi)
सनकार्ड (Sankard)
सराणी (Sarani)
सरावगी (Sarawagi)
सरना (Sarna)
सतनानी (Satnani)
शाह (Shah)
शरण (Sharan)
शश्न (Shashan)
शोरवाले (Shorawale)
शोरेवाला (shorewala)
श्रीया (Shriya)
सिदी (Sidi)
सिंदा (Sinda)
सिंघी (Singhi)
सोनावाले (Sonawale)
सूगला (Soogla)
सूटवाले (Sootwale)
सुरेका (Sureka)
सूतवाले (Sutwale)
टाईंवाला (Taiwala)
तालुका (Taluka)
तानका (Tanka)
ठकुरसीदास (Thakarsidas)
थेग्या (Thegya)
तोपणी (Topani)
तोपखानावाले (Topkhanawale)
तोशमी (Toshami)
तोशखानेवाल (Toshkhanewale)
उमरेहा (Umeraha)
वामणीवाला (Vamniwala)
वराठी (Varathi)
वर्गाडया (Vargadaya)
वसरिया (Vasaria)
वारवोलिया (Warvolia)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: गोयनका, गोलयन, गोयले, गोयेल, गोभिल, गोइल, Goenka

ऋषि: गौतम या गोभी (Gautam or Gobhil)/गोमिल (Gomil)/Gautam/Gobhil

गोत्रपति: गेंडुमल (Gendumal)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: गोयल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। इस गोत्र के लोग उद्योग-व्यवसाय, दान-धर्म, सेवा, शिक्षा, मीडिया आदि सभी क्षेत्रों में छाये हुए हैं एवं देश के सभी भू-भागों में फैले है। इसी गोत्र में सेठ रामजीलाल गुड़वाले, रायबहादुर नारायणदास, सेठ नादोमन, सेठ रघुवरदयाल, सेठ गोपल, पार्वती देवी डीडवानिया जैसे क्रांतिकारी हुए, जिन्होंने राष्ट्र के स्वाधीनता आदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवप्रसाद गुप्त का घर तो स्वतंत्रता सेनानियों का केन्द्र बिन्दु ही बन गया था। देश के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में गोयल परिवारों ने जी.टी.वी. के चेयरमैन सुभाषचंद्र, जेट एयरवेज के नरेश गोयल, मोदी घराने के सेठ मुलतानोमल, गुजरमल मोदी, चाय जगत् के हनुमानवक्स कनोई, ट्रांसपोर्ट जगत् के प्रभुदयाल भोड्का अग्रवाल, घनश्यामदास गोयल जैसे अनेक उद्योगपति इस देश को दिए हैं, जिन पर कोई भी समाज गौरव का अनुभव कर सकता है।

गोयल गोत्र आधरित कुटुंब नाम –

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 2

आर्य (Aarya)
आवास्य (Aavasy)
अडूकिया (Adukiya)
अजमलगढ़ (Ajamalagadh)
अकूड़िया (Akudia)
बादीकुईवाले (Baandikuiwale)
बचचाला (Bachachala)
बधवारी (Badhawari)
बहेडीजी (Bahediji)
बैराठी (Bairathi)
बजाज (Bajaj)
बालड़ा (Balada)
बाँचवाल (Banchawal)
बंचवाला (Banchwala)
बांदीकुईवाले (Bandikuiwale)
बाणवाले (Banwale)
बारासरिया (Barasariya)
बैरती (Barati)
बथवाल (Bathwal)
भगत (Bhagat)
भॊडूका (Bhanduka)
भारुका (Bharuka)
भौतिका (Bhautika)
भिण्डा (Bhinda)
भिवानीवाला (Bhiwaniwala)
भोड्का (Bhodka)
भोदूका (Bhodooka)
भोजगढ़िया (Bhojgaria)
बुधरारी (Budharari)
बुधवारी (Budhwari)
बुकरेड़ीवाला (Bukarediwala)
चकरे (Chakare)
चाकरे (Chakere)
चाँदगोलिया (Chandagoliya)
चाँदगोठिया (Chandgothiya)
चांदीवाल (Chandiwala)
चाँदीवाले (Chandiwale)
चार्लवाल (Charlwal)
चौधरी (Chaudhary)
चौकड़ीका (Chaukadika)
चौखानी (Chaukhani)
चावलवाला (Chawalwala)
चेकड़ीका (Chekdika)
चेनकदीका (Chenkdika)
छीतरका (Chhitrka)
चिड़ावावाले (Chidawawale)
चिरमाले (Chirmale)
चिरमोले (Chirmole)
चितर्का (Chitarka)
चोकडीवाल (Chokadiwal)
चोखानी (Chokhani)
चूड़ीवाला (Chudiwala)
चुरूवाले (Churuwale)
चुरवाल (Churwal)
दजम्बवाल (Dajambwal)
दलाल (Dalal)
डम्बीवाले (Dambiwale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 2

देजलीवाला (Dejaliwala)	गढ़वाल (Gadwala)	जसरपुरिया (Jasarapuriya)
देरालीवाल (Deraliwal)	घीराले (Ghirale)	झंडेवाला (Jhandewala)
देवलांवाला (Devalanwala)	घीवाल (Ghiwal)	झारीबुरीवाला (Jhariburiwala)
देवालीवाला (Devaliwala)	घीवाले (Ghiwale)	झोरवाड़ावाले (Jhoravadawale)
देवरलीवाले (Devaraliwale)	गोविल (Govil)	झूमियावाले (Jhumiyawale)
धचरमोले (Dhacharamole)	गोयलका (Goyalaka)	झूमजीवाले (Jhumjiwale)
धचतरका (Dhachataraka)	गोयनका (Goyanaka)	झरीबुरीवाला (jhuriburiwala)
धामवाल (Dhamwal)	गुड़वाले (Gudwale)	जिलोका (Jiloka)
धानोटी (Dhanoti)	गुड्यानिया (Gudyaniya)	कांचेवाले (Kaanchewale)
धनवाला (Dhanwala)	गुटगुटिया (Gutgutiya)	कारीवाल (Kaariwal)
धीवाले (Dhiwale)	हड़ोदिया (Hadodiya)	काबरिया (kabaria)
डिडरातनया (Didratanya)	हदोइया (Hadoia)	कागलीवाला (Kagliwala)
डिडवानिया (Didwaniya)	हलराई (Halrai)	कहनानी (Kahnani)
दिग्गीवाले (Diggiwale)	हलवाई (Halwai)	काहनोरिया (Kahnoria)
दीखणी (Dikhani)	हेतमसरिया (Hetmasaria)	काकड़ावाले (Kakadawal)
दिनोदिया (Dinodiya)	होल्लमल (Hollmal)	काण्डा (Kanda)
फर्शीवाला (Farshiwala)	इजारदार (Ijardar)	कन्दोई (Kandoi)
गाड़ोदिया (Gaadodiya)	इकाड़िया (Ikadiya)	कांकरिया (Kankariya)
गढवाला (Gadhwala)	जमनका (Jamanaka)	कानोडिया (Kanodiya)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 2

करपरराले (Karapararale)
करना (Karna)
करुडिया (Karudiya)
करविवाले (Karviwale)
कसदिया (kasdia)
कसेरा (Kasera)
काउड़ा (Kauda)
कयाल (Kayal)
खाकोलिया (Khakoliya)
कोचवाले (Kochwale)
कोंचवाले (Konchwale)
कोटावाले (Kotawale)
लददा (Ladda)
लडिया (Ladia)
लांड (Land)
लंडूका (Landuka)
लारा (Lara)
लावा (Lava)
लाया (Laya)
लिहिला (Lihila)

लीला (Lila)
लोड (Lod)
लोला (Lola)
लोंद (Lond)
लूणवाला (Lunawala)
मभर्नीवाल (Mabharniwal)
मकीम (Makim)
ममंडा (Mamnda)
मगांलीवाला (Mangaliwala)
मंगालीवाले (Mangaliwale)
मनक्सीया (Manxia)
मिण्डा (Minda)
मोदी (Modi)
मोहनका (Mohanka)
मोर (Mor)
मोठा (Motha)
मुकीम (Mukim)
नानूहाला (Nanuhala)
नानूशाला (Nanushala)
नानुवाला (Nanuwala)

निवाली (Nivali)
पालीवाल (Paliwal)
पंसारी (Pansari)
परगनावाले (Paraganawale)
पातलिया (Pataliya)
पतंगवाले (Patangwale)
पटरारी (Patrari)
पट्टीवाले (Pattiwale)
पटवारी (Patwaari)
फसीवाला (Phasiwala)
पिलखुआ (Pilakhua)
प्रहलादका (Prahaladka)
रादीजोड़ीवाल (Radijodiwal)
राईया (Raia)
रेद (Raid)
राईका (Raika)
रायजादा (Raizada)
राणा (Rana)
रंगवाले (Rangwale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 2

रानवाल (Ranwal)
रेजीमेंटवाला (Regimentwala)
रोहिला (Rohila)
रुराटिया (Ruratia)
रूवाटिया (Ruvaatiya)
सहारूका (Saharuka)
साहरामजीका (Sahramjika)
साहूवाला (Sahuwala)
सैदपरिया (Saidpariya)
सलमेवाला (Salmewala)
समयराइवाले (Samayraiwale)
सम्भारवाले (Sambharwale)
समरायवाले (samraiwale)
सांघी (Sanghi)
संतरामजीका (Santramjika)
सराईका (Saraika)
सवाईका (Sawaika)
सेठ (Seth)

सिरसलीवाला (Sirsaliwala)
शीशवालिया (Siswaliya)
सोनावाले (Sonawale)
सुरेका (Sureka)
तार्रेवाल (Taarrewal)
टकरवाले (Takarwale)
टकसाली (Taksali)
टकसारी (Taksari)
तनमुखरामका (Tanamukharaamaka)
तवरेवाला (Tavrewala)
टेकड़ीवाल (Tekadiwal)
टेकडीवाल (Tekdiwal)
थार्ररया (Tharrarya)
ठठेरी (Thateri)
थावरिया (Thavariya)
टीबड़ेवाल (Tibadewal)
टिबडेवाल (Tibdewaal)

तिजौरेवाले (Tijaurewale)
टिकरिया (Tikariya)
टिरिया (Tiriya)
तोदी (Todi)
तोलासरिया (Tolaasariya)
टोरिया (Toriya)
टुकड़ीवाल (Tukadiwal)
उमरेहा (Umeraha)
वाडीजोड़ीवाले (Vaadijodiwale)
वाड़ीजोड़ीवाले (Vadijodiwale)
वैद (Vaid)
वाणवाले (Vanwale)
वयवाल (Vaywal)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयन/ गंगल (Goyan/Gangal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: गंगा, गौण, गावल, Gangal,Goin, Goyanor, Gangal,

ऋषि: पुरोहित (Purohit) /गौतम (Gautam)

गोत्रपति: गोधर (Godhar)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: गोयन एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: जिंदल (Jindal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: जीतल

ऋषि: बृहस्पति या जैमिनी (Bruhaspati or Jaimini) जेमिनी (Gemini)

गोत्रपति: जैत्रसंघ (Jaitrasangh)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: जिंदल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र को महान स्वाधीनता सेनानी लाला लाजपतराय, सुप्रसिद्ध उद्योगपति ओम प्रकाश जिन्दल, सीताराम जिन्दल, राष्ट्रवासियों को तिरंगा ध्वज फहराने का अधिकार दिलाने वाले सांसद नवीन जिन्दल, विश्व की सबसे धनी माताओं में से एक सावित्री जिंदल, राजाबहादुर सर सेठ बंशीलाल, आनरेबल सेठ गोविंदलाल पित्ती (हैदराबाद), सुप्रसिद्ध समाजसेवी सीताराम सेक्सरिया कल्याण के सम्पादक राधेश्याम खेमका, महान गौभक्त सीताराम खेमका आदि अनेकानेक विभूतियों को जन्म देने का श्रेय प्राप्त है।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: जिंदल (Jindal)

पृष्ठ: 2

बारवाले (Barwale)

बावरी (Bavari)

भाकरीवाले (Bhakriwale)

भूरिया (Bhuriya)

बूवानीवाला (Buvaniwala)

कलकत्तेवाले (Calcuttewale)

गाँधीवाले (Gandhiwale)

हरलालका (Harlalka)

झुंथरा (Jhunthara)

झूरिया (Jhuria)

झुरिया (Jhuriya)

कावटिया (Kavatiya)

खेमका (Khemka)

नागलिया (Nagaliya)

नागौरी (Nagauri)

नागोरी (Nagori)

नलवावाले (Nalwawale)

पपरिवाल (Papapriwal)

पपत्ती (Papatti)

पिपरीवाल (Pipriwal)

पित्ती (Pitti)

सर्राफ (Saraf)

सेक्सरिया (Seksariya)

सेठमेघराजका (Sethmeghrajka)

शाह (Shah)

शम्भुका (Shambhuka)

तापड़िया (Tapadiya)

तुकासर्ले (Tukaasarle)

टुकड़ावाला (Tukadawala)

टुकडावाला (Tukdwala)

तुरकासवाले (Turkaswale)

तुर्कावाले (Turkawale)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: कंसल (Kansal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: कांसिल, कांसल

ऋषि: कौशिक (Kaushik)

गोत्रपति: मणिपाल (Manipal)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: कंसल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र में सेठ गयाप्रसाद आगरा लाला संगमलाल बनवारीलाल कानपुर, लाला उमरावमल देहली, लाला निहालसिंह आदि नाम प्रमुख हैं। लाला गायाप्रसाद का आगरा में पुस्तक व्यवसाय है। सेठ संगमलाल का कानपुर के प्रतिष्ठित पुरुषों में विशेष स्थान है। कानपुर में इनके द्वारा बनवाया गया मंदिर बहुत प्रसिद्ध है। लाला निहालसिंह के बारे में प्रसिद्ध है कि इन्होंने पानीपत में अपने मकान को नीव में केशर डलवाई, जिसके कारण आज भी वहाँ उनका केसरिया भवन प्रसिद्ध है। लाला उमरावमल, दिल्ली के प्रसिद्ध अग्रवाल में हुए हैं, जिन्होंने गढ़मुक्ततेश्वर में धर्मशाला, मंदिर आदि बनवाए।

कंसल गोत्र आधरित कुटुंब नाम -

अडूकिया (Adukiya)

डूडवेवाला (Doodvewala)

दोसिहला (Dosihala)

दोसीवाला (Dosiwala)

रायपुरिया (Raipuria)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: कुच्छल (Kuchhal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: कक्चल, कुच्छल, कुच्छली, Kachal, Kuchchal

ऋषि: कश्यप (Kashyap)

गोत्रपति: कर्णचंद (Karanchand)

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कोसामी (Kosami) / कौत्थम(Kauttham)

सूत्र (Sutra): कोमली (Komaal)

विवरण: कुच्छल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

हरियाणा के सोनीपत और महेन्द्रगढ़ में इस गोत्र के कुछ परिवार आज भी रहते हैं। सोनीपत नगर व इसके आस-पास के गांवों में बसने वाला कुच्छल गोत्र के सभी जन एक ही परिवार से हैं। महेन्द्रगढ़ में भी कुच्छल मारवाड़ी परिवार रहते थे जो बाद में स्थान बदलते-बदलते कोलाकाता पहुंच गये। सेठ अमर चंद कुच्छल (कोषाध्यक्ष, श्री अग्रवाल क्षेत्री महासभा, आबूरोड), श्री रोशन लाल गुप्ता कुच्छल (रोहतक रोड, नांगलोई, नई दिल्ली), श्री सुभाष गुप्ता कुच्छल(दक्षिणपुरी, नई दिल्ली), श्री नरेश चंद्र अग्रवाल कुच्छल (शाहदरा, दिल्ली), मनोहर लाल गुप्ता(कुच्छल नांगलोई, नई दिल्ली), विजय शंकर गुप्ता(कुच्छल - शाहदरा, दिल्ली) मीना कुच्छल (समाज सेवी)।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मधुकुल (Madhukul)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: मुदगल, मुद्गल, Mudgal

ऋषि: मुद्रगल/मांडव्य Mudragal/Mandavya/आश्वलायन/मुद्गल (Aashvalayan/Mudgal)

गोत्रपति: माधवसेन (Madhavsen)

वेद (Veda): ऋग्वेद: (Rigveda)/ यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): सालाया (Saalaya)/साकल्या (Sakalya)

सूत्र (Sutra): आश्वलायन श्रौतसूत्र (Ashvlayan)

प्रयागराज में भी कई मधुकुल परिवार रहते हैं। यह परिवार सौ वर्ष पहले इलाहबाद के निकट भाखरी गांव में रहता था, बाद में वह प्रयागराज आकर बसा। गांव में यह परिवार महाजनी का काम करते थे। लाला जगदीश प्रसाद (सुपुत्र छगन लाल) ने नगर में करीब 3 बीघा क्षेत्रफल में (सन् 1935) दाल मिल और तेल मिल स्थापित की थी। जगदीश प्रसाद के पुत्र सीताराम व पौत्र राजकुमार अग्रवाल हुए जो आजकल वहीं रहते हैं। (पुस्तक: अग्रवाल समाज की विरासत), वाराणसी का सुप्रसिद्ध शाह परिवार मुदगल गोत्री है।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मंगल (Mangal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: मंगला

ऋषि: मांडव (Maandav)

गोत्रपति: अमृतसेन(Amritsen)

वेद (Veda): ऋग्वेद: (Rigveda)/ यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): सकल्य(Sakalya)

सूत्र (Sutra): आपस्तम्ब (Aapstambh)

विवरण: मंगल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

विवरण: मुद्गल (मधुकुल/मुदगल) एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र में भारत रत्न डॉ श्री भगवानदास शाह, श्री गोपाल दास शाह, श्री मनोहर दास शाह, श्री मुकुंदलाल शाह, बाबू गोपालदास शाह, बाबू माधोदास शाह , गोविन्ददाम आदि गणमान्य विभूतियां हुईं जिन्होंने अपनी उदारता और परोपकार जैसे गुणों द्वारा और साहित्य, संस्कृति आदि सभी में अपनी विशिष्ट माप अंकित की और भारतमाता के मस्तक को ऊंचा किया। इन परिवारों का मूल निवास स्थान आगरा और करनाल हुआ। साह मनोहरदास के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने टीपू सुल्तान से एक मूल्यवान तलवार को हस्तगत किया था। कोलकाता में मोहनदास कटला ने विशाल उद्यान की स्थापना की थी। श्री दामोदरदास उत्तरप्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। बाबू गोपालदान शाह ने श्री श्याम जी का भव्य मंदिर बनवाया। बाब मनोहरदास शाह का एडवर्ड अस्पताल बनाने में योगदान रहा। श्री गोविन्द शाह ने अनेकानेक संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद किया। हिन्दू कॉलेज नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना में भी आपका योगदान रहा। डॉ. भगवानदास, श्रीप्रकाश, चन्दमान, श्रीनाथ गाह भी उच्च पदों पर रहे है। यह वंश बहुत प्रभावी और महान विभूतियों से संपन्न रहा है।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मंगल (Mangal)

पृष्ठ: 2

आबुवाले (Aabuwale)	घीवाल (Ghiwal)	कानोडिया (Kanodiya)
आर्य (Aarya)	घीवाले (Ghiwale)	कनोई (Kanoi)
बाबी (Babi)	गोपर्न्द (Goparnd)	कफरोजावाल (Kapharojawal)
बैराठी (Bairathi)	गोविंदगढ़वाले (Govindgadhwale)	करौलीवाले (Karauliwale)
बायेंरैठी (Bairethi)	इन्दौरिया (Indauriya)	कसेरा (Kasera)
बाझेजोडीवाले (Bajhejodiwale)	इंद्रानेवाले (Indranewale)	केकड़ीवाले (KekdiWale)
बैरती (Barati)	जगनानी (Jagnani)	खंडेलिया (Khandeliya)
बेरी (Beri)	जाजोदिया (Jajodiya)	खेमका (Khemka)
चौधरी (Chaudhary)	जयलय (Jayalya)	खोयावाल (Khoyawal)
चौकसी (Chaukasi)	जुलासारिया (Julasariya)	खुरडीकर (Khuradikur)
चौखानी (Chaukhani)	कामनी (Kaamani)	खुरड़ीकटु (khurdikatu)
छींटावाला (Chhentawala)	कागाणी (Kagani)	कितनिया (Kitaniya)
चिंतवाला (Chintwala)	कहा (Kaha)	किठानिया (kithnia)
दलहान (Dalhan)	काकड़ावाले (Kakadawal)	लच्छूका (Lacchuka)
धचंटवाल (Dhachantwal)	काकड़ेवाला (Kakadewala)	लुनका (Lunaka)
धोलीवाल (Dholiwal)	काला (Kala)	माखरिया (Makharia)
फिरोज़वाले (Firozawale)	कमानी (Kamani)	माङोदीया (Mandodia)
गजबी (Gajabi)	कानसरिया (Kanasariya)	मांगलिक (Mangalik)
गाँधीवाले (Gandhiwale)	कन्दोई (Kandoi)	मंगलूनेवाले (Mangalunewale)
घीराले (Ghirale)	कनोडिया (Kanodia)	

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मंगल (Mangal)

पृष्ठ: 2

मंगलुनिया (Mangalunia)

मंगला (Mangla)

मोदी (Modi)

नौबतका (Naubataka)

नाउका (Nauka)

नाउवाला (Nauwala)

निमुचरिया (Nimucharia)

पच (pach)

पंच (Panch)

पॅर् (Panr)

पंसारी (Pansari)

पापरूनिया (Paparooniya)

पापारतनया (Papartanaya)

पपनिया (Papnia)

परगनावाले (Paraganawale)

परगनवाले (Paragnawale)

परितावाला (Paritawala)

रामुका (Ramuka)

रसीरासिया (Rashirasiya)

रसिवासिया (Rasivaasiya)

सनगई (Sangai)

सौभासारिया (Saubhasaria)

शोबासरिया (Shobasariya)

शोभा (Shobha)

शोभासरिया (Shobhsaria)

सीपरिया (Sipiriya)

सीयोटीया (Siyotia)

टेमानी (Temani)

थाईवाले (Thaiwale)

टिकमाणी (Tikamani)

वाची (Vachi)

ववि (Vavi)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मित्तल (Mittal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: मीतल

ऋषि: मैत्रेय (Maitreya)

गोत्रपति: मंत्रपति (Mantrapati)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयी शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: मित्तल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। देश के आर्थिक औद्योगिक विकास में महत्त्वपूर्ण स्थान है। इसी मित्तल गोत्र को लक्ष्मी मित्तल जैसे महान् उद्योगपति को जन्म देने का श्रेय प्राप्त है, जो भारत ही नहीं विश्व क्षितिज के देदीप्यमान नक्षत्र हैं। इसी मित्तल गोत्र में मोबाईल मेन श्री सुनील भारती मित्तल, सोम मित्तल, शांतिप्रसाद जैन, साहू श्रेयांसप्रसाद जैन, साहू रमेशचंद्र जैन, बृजकृष्ण चाँदी वाले, प्रभुदयाल मित्तल, सतपा मित्तल, पद्मश्री ओ.पी. मित्तल, आदित्य मित्तल जैसे अनेक व्यक्तित्व पैदा हुए हैं, जिन्होंने अपने व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व द्वारा देश और समाज का नाम ऊँचा किया है।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मित्तल (Mittal)

पृष्ठ: 2

आडछेवाले (aadchewal)
आलवाले (Aalwale)
अरसीवाला (Aarsiwala)
आर्य (Aarya)
अलसीसर (Alsisar)
अंगारके (Angarke)
बगड़िया (Bagadiya)
बागड़का (Bagadka)
बागरवाले (Bagarawale)
बगरुवाले (Bagruwale)
बहूवाले (Bahuwale)
बंगलवाले (Bangalwale)
बंगरुवाल (Bangaruwal)
भगेरिया (Bhageria)
भागेरिया (Bhageriya)
भोड़की (Bhodki)
भूत (Bhoot)
भूतका (Bhootka)
बोहरा (Bohra)
बृजवासी (Brijwasi)
बुधासिया (Budhasia)

चालीसिया (Chalisiya)
चानौतिया (Chanautiya)
चाँदगोठिया (Chandgothiya)
चाँदीवाले (Chandiwale)
चौकसी (Chaukasi)
चावलवाला (Chawalwala)
चेजल्सया (Chejalsaya)
चेनानिया (Chenaniya)
छावछरिया (Chhavachhariya)
चिरानिया (Chirania)
दाबड़ीवाल (Dabadiwal)
डाबडीवाला (Dabadiwala)
दाद्रू (Dadu)
दंगलवाले (Dangalwale)
ढ़हसारिया (Dhahsariya)
धर्मराजका (Dharmrajka)
धरनीधरका (Dharnidharka)
धेलिया (Dheliya)
धोलिया (Dholiya)
ध्रुव (Dhruv)
डुलानिया (Dulania)

गढैय्या (Gadaiyya)
गढ़िया (Gadhiya)
गदैया (gaidia)
गांठवाले (ganthwale)
गरोठवाला (Garothwala)
घेलिया (Gheliya)
घीवाल (Ghiwal)
घीवाले (Ghiwale)
गोटेवाले (Gotewale)
ग्रोथवाल (Grothwal)
हिसारिया (Hisaria)
जडतायो (Jadatayo)
जयपुरिया (Jaipuriya)
जसरासरीया (Jasrasariya)
जटिया (Jatiya)
जौहरी (Jauhari)
कागलावाले (Kaglawale)
कन्दोई (Kandoi)
कनोडिया (Kanodia)
कनोई (Kanoi)
कसेरा (Kasera)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मित्तल (Mittal)

पृष्ठ: 2

खनानिया (Khananiya)
खाटुवाला (khatuwala)
कोकड़ा (Kokda)
कोटरावाले (Kotarawale)
कोत्रवाले (Kotrawale)
कोयलेवाले (KoyleWale)
लाड़ीवाला (Laadiwala)
लुदीवासिया (Ludivasiya)
मडीवाल (Madiwal)
माखरिया (Makharia)
मखरिया (Makhariya)
मल्लावत (Mallawat)
मंगनीराम (Manganiram)
मारारिया (Mararia)
मरोदिया (Marodia)
मारोठिया (Marodiya)
मोटवाल (Motwale)
मुंशिमालवाले (Munshimalwale)
मुरोदिया (Murodia)
मुसद्दी (Musaddi)
नर्लगढ़ढया (Narlagadhaya)
नवलगाडिया (Navalgadiya)
ओड़छेवाले (Odachewale)
पालदीवाला (Paaldiwala)
पहाड़िया (Pahaadiya)
पंगरूवाले (Pangruwale)
परसरामपुरिया (Parsarampuriya)
रेदिका (Radika)
रींगसीया (Ringsia)
सफाड़िया (Safadia)
साह (Sah)
साहू (Sahu)
सतनालीका (Satnalika)
शाहपुरावाले (Shahpurwale)
श्रारड़ (Shard)
शोरवाले (Shorawale)
श्रीवाले (Shriwale)
सिगनोरिया (Signoria)
सीकरिया (Sikaria)
सिंगडोदिया (Singdodia)
सिसोदिया (Sisodiya)
तम्बाकूवाले (Tambakuwale)
ठाकुरद्वारावाले (Thakurdwarewale)
ठरड़ (Tharad)
तोरका (Torka)
वैदिक (vaidik)
वेदिका (Vedika)

harshgoel2k@gmail.com

गोत्र: नांगल (Nangal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: नागल, नंगल, नागला, Nagal, Naagil, Nagal

ऋषि: नागेन्द(Naagend)

गोत्रपति: नरसेव Narsev

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कौथमी (Kouthmi)/कौथमी (Kauttham)

सूत्र (Sutra): असलयिन Aslayin

विवरण: नागल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

नागल गोत्र के कई परिवार दिल्ली, आसाम और मुंबई क्षेत्रो में रहते हैं। अग्रवाल समाज तेलंगना की दोमलगुड़ा शाखा की अग्रमहिला मंच की मंत्री तथा विजय पलवल-हरियाणा जिले के होडल के नजदीक बहीन गांव में नागल गोत्र के अग्रवाल कई पीढ़ियों तक निवास करते रहे। यह परिवार करीब 800 साल पुराना है। बाद में इस परिवार की एक शाखा पिनगवां गांव में जा बसी। इस परिवार के लोग सोहना, जिला गुड़गांव व जयपुर में भी फैल गये थे। हसनपुर जिला फरीदाबाद में नागल गोत्रीय निवास करते हैं।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: सिंहल (Singhal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: सिंघला, सिंघल, सिंगल, संघल, सिंघले, सिंगला, संदल, संगल Singla, Singhal, Singla

ऋषि: शांडाल्य (Shandalya)

गोत्रपति: सिंधुपति (Sindhupati)

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कोयुमी (Koyum)/कौथम (Kauttham)

सूत्र (Sutra): गोभिल(Gobhil)

विवरण: सिंघल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। इस गोत्र के लोग प्राय: राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश आदि विभिन्न प्रांतों में फैले हुए है। अग्रवाल समाज में सिंघल गोत्री अग्रवालों ने उद्योग व्यवसाय दान-धर्म-सेवा, साहित्य, राजनीति सभी क्षेत्रों में अपनी अद्‌भुत प्रतिभा एवं क्षमता के बल पर विशेष स्थान बनाया है। इस गोत्र में लाला झनकूमल सिंघल, सेत खूबराम सत्यनारायण सर्राफ जैसे क्रांतिकारी एवं देशभक्त हुए, जिन्होंने आजादी के आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उद्योग-व्यवसाय के क्षेत्र में तो सिंघल गोत्र में जुग्गीलाल कमलापत सिंघानिया, गौतमहरि सिंघानिया (जे.के. उद्योग समूह), लाला श्रीराम, चरतराम, लाला भरतराम (डी.सी.एम. समूह), सेठ गणपतराय चाँदमल राजगढ़िया जैसे अनेक उद्योगपति हुए हैं, जिनका राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान है। दान-धर्म परोपकार, समाज सेवा के क्षेत्र में तो सिंघल गोत्र ने विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकारी अध्यक्ष एवं राम जन्म भूमि आंदोलन के प्रवर्तक अशोक सिंघल, लाला हरप्रसाद आरा, महावीरप्रसाद सर्राफ, मुंबई, रामजीदास बाजोरिया, बलदेवदास रामेश्वरदास, नाथानी, सेठ पूर्णमल गनेड़ीवाला, भक्त ललितकिशोरी ललितमाधुरी (वृंदावन में शाहबिहारी जी मंदिर के निर्माता), हजारीमल दूदवेवाला जैसे असंख्य व्यक्तित्वों को जन्म देकर एक से एक बढ़कर प्रतिमान स्थापित किया है।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: सिंहल (Singhal)

पृष्ठ: 2

आजाद (Aajaad)
आमेरिया (Aameriya)
आरसीव (Aarsiv)
अरसीवाला (Aarsiwala)
बगड़िया (Bagadiya)
बागड़का (Bagadka)
बागड़ोदिया (Bagdodiya)
बाजोरिया (Bajoriya)
बकरा (Bakra)
बंका (Banka)
बासनीवाल (Basaniwal)
बतासे (Batase)
बेरलिया (Beraliya)
बेरोलिया (Beroliya)
भजनका (Bhajanka)
भांडेरवाले (Bhanderwale)
भारतेंदु (Bharatendu)
भार्मसंघका (Bharmsanghka)
भऊवाले (Bhauwale)
भावसिंगका (Bhavsinghka)
भावथड़ीवाले (Bhavthadiwale)

भीमसारवाला (Bhimsariya)
भूतिया (Bhootiya)
भूतला (Bhootla)
भूखमारिया (Bhukhmariya)
बिरमीवाल (Birmiwal)
चनानी (Chanani)
चारिया (Chariya)
चौकड़ाइट (Chaukdait)
छारिया (Chhariya)
छोलिया (Chholiya)
छोआवाला (Choawala)
ददरेवाला (Dadarewala)
दतियावाले (Datiyawale)
ढांडणिया (Dhadhaniya)
ढ़हसारिया (Dhahsariya)
धनदानिया (Dhandaniya)
ढांढतनया (Dhandhatanya)
धुन्दडिया (Dhundadiya)
डूडवेवाला (Doodvewala)
डूडरेवाल (Dudarewal)
दुदवावाला (Dudvawala)

फरमानिया (Farmania)
गडीवाला (Gadiwala)
गजबी (Gajabi)
गनेड़ीवाला (Ganediwala)
गोरखपुरी (Gorakhpuri)
गोविंदगढ़वाले (Govindgadhwale)
गुमन्त (Gumant)
हरसोरया (Harsoriya)
हाथीवाले (Hathiwale)
हिसारिया (Hisaria)
हुण्डीवाला (Hundiwala)
जगतरामका (Jagatramka)
जग्गूका (Jagguka)
जाजोदिया (Jajodiya)
जौहरी (Jauhari)
जयरिका (Jayarika)
झाजरिया (Jhaajariya)
जीदगर (Jindgar)
जोहरी (Johari)
काजड़िया (Kaajdiya)
काबरिया (kabaria)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: सिंहल (Singhal)

पृष्ठ: 2

कजारिया (Kajaria)
कन्दोई (Kandoi)
केशान (Keshan)
खंडेलिया (Khandeliya)
खेमका (Khemka)
खोयावाल (Khoyawal)
किसनाका (Kisanaka)
किनाका (Kisnaaka)
कोतवाल (Kotwal)
लड्ढा (Laddha)
लालपुरिया (Lalpuriya)
लाठ (Lath)
लुहारका (Luharaka)
मंडावेवाला (Mandavewala)
माण्डरेवाल (Mandrewal)
मंगोड़ीवाल (Mangodiwal)
मंगतेड़िया (Mangotedia)
मौवाल (Mauwal)
मऊवाले (Mauwale)
मोड़ा (Moda)
मोठवाले (Mothwale)
नगीमा (Nagima)
नझोई (Najhoi)
नाथानी (Nathani)
नेर्ततया (Nertataya)
नेवटिया (Nevatia)
निम्बोदिया (Nimbodiya)
पांचोतासवाले (Panchotasawale)
पंसारी (Pansari)
पाथरवाले (Patharwale)
पटरारी (Patrari)
पत्थरका (Pattharaka)
पटवारी (Patwaari)
राजगढिया (Rajgadiya)
रामुका (Ramuka)
रसीरासिया (Rashirasiya)
रसिवासिया (Rasivaasiya)
रासीवासिया (Rasiwasia)
रतेरिया (Rateria)
रेखान (Rekhan)
संगल (Sangal)
सर्राफ (Saraf)
सेठ (Seth)
शाह (Shah)
शाह(राय) (Shah)
सीघई (Sighai)
सिमपूरिया (Simpooriya)
सिनाका (sinaka)
सिंघानिया (Singhania)
सिंगला (Singla)
सुनारीवाल (Sunariwal)
सुंरीवाले (Sunariwale)
सुतरेशाही (Sutreshahi)
टाईंवाला (Taiwala)
तलवाड़िया (Talavadiya)
तनम्बोदिया (Tanambodiya)
टीबड़ेवाल (Tibadewal)
टिबडेवाला (Tibdewala)
तोलारामका (Tolaramaka)
टोरिया (Toriya)
तोतरामका (Totaramka)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(गोत्र: तायल (Tayal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: तित्तल

ऋषि: साकल/तैतरेय Saakal/Taitireya/तैतिरेया (Taitireya)

गोत्रपति: ताराचंद (Tarachand)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: तायल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

तायल गोत्र में रायसाहब लाला सरयूप्रसाद (फैजाबाद), रायबहादुर बनवलराम तायल (हिसार), डॉ. विमलेंदु तायल (श्रीगंगानगर), लाला जयदेव रईस आदि हुए, इस गौत्र के विमलेंदु तायल ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति पद को सुशोभित किया। इसी गोत्र में सेठ गोपीराम भगतराम टिकमाणो कोलकाता का परिवार हुआ। इस परिवार में सेठ टोकन प्रसिद्ध पुरुप हुए, जिनके नाम पर इस परिवार का कुटुंब नाम टिकमाणी पड़ा। इस परिवार के सेठ गोपीराम एवं कोलकाता तथा राजगढ़ में दान धर्म, परोपकार के कार्यों में पर्याप्त यशार्जन किया।

तायल गोत्र आधरित कुटुंब नाम -

आलवाले (Aalwale)

आर्य (Aarya)

भीमराजका (Bhimrajka)

ईशरवाल (Eesharwal)

फरमानिया (Farmania)

करड़वाल (Karadwal)

पातलिया (Pataliya)

तातलिया (Tatlia)

टिकमाणी (Tikamani)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(गोत्र: तिंगल (Tingal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: तुंगल, तिंगल, तुंघाल, तुन्दल, Tunghal

ऋषि: शांडिल्य / तांड्या (Shandilya/Tandya)/तांडव (Taandav)

गोत्रपति: तंबोलकर्ण (Tambolkarna)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयी शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: तिंगल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

।। आमंत्रण ।।

अग्रवालों में अनेको कुटुंबनाम एक से अधिक गोत्र में पाए जाते है विशेषकर स्थान आधारित कुटुंब नामो में, अथक प्रयासों के फलस्वरुप 1800 से अधिक कुटुंबनामो का संकलन हुआ है अभी भी अनेको स्रोतों से अग्रवालों के कुटुंबनाम प्राप्त हो रहे है यदि आपका कुटुंबनाम इस सूचि में सम्मिलित नहीं है अथवा आप इस विषय में रूचि रखते है और अपनी सनातनी परंपरा को जीवांत रखना चाहते है तो हमसे संपर्क करें।

हर्ष वर्धन गोयल

अध्यक्ष

अग्र वंशावली शोध परिषद्

agrvanshawali@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 1

आडा (Aada)

आडतिया (Aadatiya)

आदेवाले (Aadewale)

आदोरिया (Aadoriya)

आगीवाला (Aagiwala)

आँजनिया (Aanjaniya)

आरंगवाले (Aarangawale)

अचारवाले (Acharawale)

अगढ़वाले (Agadhawale)

अगोसवाले (Agosawale)

अजादिरिया (Ajadiriya)

अजमेरवाले (Ajamerwale)

अखैगढ़वाले (Akhaigadhawale)

अखरोटवाले (Akharotawale)

आलमपुरिया (Alampuria)

अलपसरिया (Alapasariya)

अलवरवाले (Alavarawale)

अमरसरिया (Amarasariya)

अमरावतीवाले (Amaravatiwale)

अंगोछावाले (Angochhawale)

अंगूठीवाले (Anguthiwale)

अटेचोवाले (Atechowale)

अत्तार (Attar)

औलख (Aulakh)

औरेटयावाले (Auretayawale)

बचुका (Bachuka)

बड़बोलिया (Badaboliya)

बादकोठरीवाले (Badakothariwale)

बाराकुलीवाला (Badakuliya)

बड़वेवाले (Badavewale)

बाढ़ावाले (Badhawale)

बडोपलिया (Badopalia)

बड़ोपलिया (Badopaliya)

बागड़ (Bagada)

बागड़ी (Bagadi)

बगलावाले (Bagalawale)

बागोला (Bagola)

बहादुरगढिया (Bahadurgaria)

बजीतपुरिया (Bajeetapuriya)

बखालिया (Bakhaliya)

बाल (Bal)

बलपुरवाले (Balapurwale)

बल्ल (Ball)

बालोतरिया (Balotariya)

बाल्टीवाला (Baltiwala)

बापोड़िया (Bapodiya)

बापूवाले (Bapuwale)

बारबड़ावाले (Barabadawale)

बारड (Barad)

बारदानावाले (Baradanawale)

बरहरवा (Baraharava)

बारजेवाला (Barajewala)

बराकड़वाले (Barakadawale)

बराकावाले (Barakawale)

बरखेड़ावाले (Barakhedawale)

बरसुआँवाला (Barasuanwala)

बरवालिया (Baravaliya)

बरियकवाले (Bariyakwale)

बसईवाल (Basaiwal)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 2

बसावावाले (Basavawale)
बासोतिया (Basotiya)
बटानिया (Batania)
बटोदावाले (Batodawale)
बावलीवाला (Bavaliwala)
बायला (Bayala)
बायती (Bayati)
बायेवाल (Bayewal)
बेड़िया (Bedia)
बीघावट (Beeghaghat)
बेगनिया (Begonia)
बेरासरिया (Berasaria)
बेसवाल (Beswal)
भडेलिया (Bhadelia)
भदेव (Bhadev)
भाड़ेवाला (Bhadewala)
भादरावाले (Bhadrawale)
भदसानावाले (Bhadsanawale)
भादूडीवाले (Bhadudiwale)
भागचन्दका (Bhagchandka)

भगोलावाले (Bhagolawale)
भगूका (Bhaguka)
भालूसरिया (Bhalusaria)
भानगढ़का (Bhangarhka)
भापनका (Bhapanka)
भापड़ोदिया (Bhapdodia)
भरतपुरिया (Bharatpuria)
भट्टेवाले (Bhattewale)
भटूवाले (Bhatuwale)
भटवारावाले (Bhatwarawale)
भावपुरका (Bhavpurka)
भावसिद्धका (Bhavshidhka)
भड़ेच (Bhedech)
भीवापुरका (Bhivapurka)
भीवानिया (Bhiwaniya)
भूतड़ा (Bhootda)
भूतस्ता (Bhootshya)
भोपालपुरिया (Bhopalpuria)
भोरूका (Bhoruka)
भूड़ोदिया (Bhudodia)

भुजियावाला (Bhujiawala)
भूषणवाला (Bhushanwala)
भुवानिया (Bhuvaniya)
भुवालका (Bhuwalka)
भुवानेवाला (Bhuwanewala)
बीबीपुरिया (Bibipuria)
बिचोलीवाले (Bicholiwale)
बिदातनका (Bidatanka)
बिदावतका (Bidavataka)
बीडीवारे (Bidiware)
बिडोलिया (Bidoliya)
बिझलिया (Bijhaliya)
बीकानेरिया (Bikaneria)
बींदसरिया (Bindasaria)
बिरकलीवाले (Birkaliwale)
बिरोलिया (Biroliya)
बिसाऊका (Bissauka)
बीसूका (Bisuka)
बिसूसरिया (Bisusaria)
बोडा (Boda)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 3

बोदिया (Bodiya)	चाचा (Chacha)	छाजड़िया (Chhajdiya)
बोजराजका (Bojrajka)	चचेरीवाल (Chacheriwal)	छाजूका (Chhajuka)
बोलोनारे (Bolonnare)	चाकसूवाले (Chakasuwale)	छाजुसरिया (Chhajusariya)
बोंदिया (Bondia)	चन्दनका (Chandanaka)	छामनिया (Chhamaniya)
बोनेटा (Boneta)	चांदकोठिया (chandkothia)	छमासी (Chhamasi)
वोरातिया (Boratoya)	चन्द्रवाजीवाले (Chandravajiwale)	छांदीवाले (Chhandiwale)
बोसाड्डू (Bossadu)	चाँदसेन (Chandsen)	छानीवाला (Chhaniwala)
ब्रजवाले (Brajwale)	चन्दुका (Chanduka)	छापरिया (Chhapariya)
बुकनसरिया (Bucansaria)	चापानवाले (Chapanwale)	छावनिका (Chhavanika)
बुकालिया (Buccalia)	चापरिया (chapariya)	चिलवारस (chilwaras)
बुकानिया (Buchania)	चरखारीवाले (Charakhariwale)	चिमनका (Chimanaka)
बुचासिया (Buchasia)	चसहाला (Chashala)	चिनानिया (Chinaniya)
बुडानिया (Budania)	चश्मेवाले (Chashmewale)	चीनीकी (Chinike)
बुधरामका (Budhramka)	चटाईवाले (Chataiwale)	चितलांगिया (Chitalangiya)
बुदोलिया (Budolia)	चौकड़िया (Chaukadiya)	चोखानिया (Chokhania)
बुरागाड़ावाले (Buragadawale)	चीपवाले (Cheepwale)	चोकीवाले (Chokiwale)
बूरेवाले (Burewale)	चेला (Chela)	चोरूका (Choruka)
बुरिया (Buria)	चेलानी (Chelani)	चोरवानी (Chorwani)
बुरजवाले (Burjwale)	चेम्बरवाले (Chembarwale)	चाहूका (Chulka)
वुटीवारा (Butuwara)	चेनवाले (Chenwale)	चूनेवाले (Chunewale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 4

चूरयांवाले (Churayawale)

चुरूका (Churuka)

दाचानिया (Dachaniya)

दादरीवाले (Dadariwale)

दूदमा वारे (Dadmaware)

दादुर (Dadur)

दड़वावाले (Dadvawale)

डगेड़िया (Dagediya)

डहरवाले (Daharwale)

दहीवाले (Dahiwale)

दाहियावाले (Dahiyawale)

दहोडावाला (Dahodawala)

दजोदवाला (Dajodwala)

दखीनी (Dakhini)

दाकके (Dakke)

डाकवाला (Dakwala)

दलानिया (Dalaniya)

दलेल (Dalel)

दलिया (Daliya)

दलपलिया (Dalpaliya)

डंगायच (Dangayach)

दाँतलीवाला (Dantaliwala)

दांतुरी (Danturi)

दरीबावाले (Daribawale)

दरिया (Dariya)

डरोलिया (Daroliya)

दस्था (Dastha)

दतिरवाला (Datirwala)

दयालपुरिया (Dayalapuriya)

दयालजीका (Dayaljika)

देबूका (Debuka)

डेगराजका (Degarajaka)

देलोनिया (Deloniya)

डेनिया (Deniya)

देशवाने (Deshwane)

देवादानका (Devadanaka)

देवगाँवका (Devagavaka)

देवनलिया (Devanaliya)

देवनिया (Devaniya)

देवराग्निया (Devaragniya)

देवरालिया (Devaraliya)

देवर्गायका (Devargayka)

देवीदानका (Devidanaka)

धाड़ीवाल (Dhadiwal)

ढैया (Dhaiya)

ढाकलिया (Dhakaliya)

धालीवाल (Dhaliwal)

धामनोदवाले (Dhamanodwale)

धामोरिया (Dhamoriya)

धनजीपंजीवाले (Dhanajipanjiwale)

धनानीवाले (Dhananiwale)

धनानिया (Dhananiya)

धनपतसिंहका (Dhanapatasinhaka)

धांवलिया (Dhanvaliya)

धौलपुरवाले (Dhaulapurwale)

धौलावाला (Dhaulawala)

धानोठीवाला (Dhauthiwala)

धौत्तीवाला (Dhautiwala)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 5

ढेढ़िया (Dhedhiya)
धीणा (Dheena)
ढेलासरिया (Dhelasariya)
धींगरपुरवाले (Dhigarpurwale)
धीमपुरिया (Dhimpuriya)
धींगपुरिया (Dhingpuria)
धींगपुरिया (Dhingpuria)
धीरवासिया (Dhirvasiya)
ढोकानिया (Dhokaniya)
ढोलकिया (Dholakiya)
धोलेटा (Dholeta)
धोलपुरवाले (Dholpurwale)
धोनीवाल (Dhoniwal)
ढोरवाला (Dhorwala)
धूवालावाले (Dhuvalawale)
धुवालिया (Dhuvaliya)
डिबाईवाले (Dibaiwale)
डीडमानिया (Didmaniya)
डीडवानिया (didwania)
दीवा (Diva)
दीवलवाले (Divalwale)
दीवानजीवाले (Divanjiwale)
दीवानवाले (Divanwale)
दोचनिया (Dochaniya)
दोदराजका (Dodaraajaka)
डोकानिया (Dokaniya)
डोलिया (Doliya)
डोणेरसीवाला (Donerasiwala)
डोरेवाले (Dorewale)
डोरिया (Doriya)
ड्रोलिया (droliya)
दुदावत (Dudavat)
दुजोदवाले (Dujodwale)
डुमंडिया (Dumandiya)
दुरलिया (Duraliya)
ईकरीवाले (Eekriwale)
एतवान (Etavan)
फागलवा (Faglava)
फटेवाल (Fatewal)
फिरोजवाले (Firojawale)
फोगला (Fogala)
गाडरमालावाला (Gadaramalawala)
गड़ेरीवारे (Gaderiware)
गढ्यान (Gadhyan)
गागेसरिया (Gagesariya)
गगीवाले (Gagiwale)
गगवी (Gagvi)
गाजीपुरिया (Gajipuriya)
गंधकवाला (Gandhakwala)
गणेशगढिया (Ganeshgadhia)
गायवाला (Gayewala)
गायरल (Gayral)
घड़ीवाले (Ghadiwale)
घमालिया (Ghamalia)
घमोसरिया (Ghamesariya)
घीणा (Gheena)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 6

ढेढ़िया (Dhedhiya)

धीणा (Dheena)

ढेलासरिया (Dhelasariya)

धींगरपुरवाले (Dhigarpurwale)

धीमपुरिया (Dhimpuriya)

धींगपुरिया (Dhingpuria)

धींगपुरिया (Dhingpuria)

धीरवासिया (Dhirvasiya)

ढोकानिया (Dhokaniya)

ढोलकिया (Dholakiya)

धोलेटा (Dholeta)

धोलपुरवाले (Dholpurwale)

धोनीवाल (Dhoniwal)

ढोरवाला (Dhorwala)

धूवालावाले (Dhuvalawale)

धुवालिया (Dhuvaliya)

डिबाईवाले (Dibaiwale)

डीडमानिया (Didmaniya)

डीडवानिया (didwania)

दीवा (Diva)

दीवलवाले (Divalwale)

दीवानजीवाले (Divanjiwale)

दीवानवाले (Divanwale)

दोचनिया (Dochaniya)

दोदराजका (Dodaraajaka)

डोकानिया (Dokaniya)

डोलिया (Doliya)

डोणेरसीवाला (Donerasiwala)

डोरेवाले (Dorewale)

डोरिया (Doriya)

ड्रोलिया (droliya)

दुदावत (Dudavat)

दुजोदवाले (Dujodwale)

डुमंडिया (Dumandiya)

दुरलिया (Duraliya)

ईकरीवाले (Eekriwale)

एतवान (Etavan)

फागलवा (Faglava)

फटेवाल (Fatewal)

फिरोजवाले (Firojawale)

फोगला (Fogala)

गाडरमालावाला (Gadaramalawala)

गड़ेरीवारे (Gaderiware)

गढ्यान (Gadhyan)

गागेसरिया (Gagesariya)

गगीवाले (Gagiwale)

गगवी (Gagvi)

गाजीपुरिया (Gajipuriya)

गंधकवाला (Gandhakwala)

गणेशगढिया (Ganeshgadhia)

गायवाला (Gayewala)

गायरल (Gayral)

घड़ीवाले (Ghadiwale)

घमालिया (Ghamalia)

घमोसरिया (Ghamesariya)

घीणा (Gheena)

घेऊवाले (Gheuwale)

घिडिया (Ghidiya)

घिरया (Ghirya)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 7

घोडा (Ghoda)	गोदके (Goodke)	हरनामवाले (Harnamwale)
घोडावत (Ghodawat)	गोपालका (Gopalaka)	हठीरामका (Hathiramka)
घुबलेवाला (Ghubalewala	गोपालवासिया (Gopalavasiya)	हटका (Hatka)
घेऊवाले (Gheuwale)	गोरामवाले (Goramawale)	होजरीवाले (Haujariwala)
घिडिया (Ghidiya)	गौरीसरिया (Gorisariya)	हेलीवाले (Helliwale)
घिरया (Ghirya)	गोठका (Gothka)	हेतमसरिया (Hetamsaria)
घोडा (Ghoda)	गोवाडिया (Govadiya)	हिंडोरिया (Hindoria)
घोडावत (Ghodawat)	गोविन्दका (Govindaka)	हिंगोलीवाले (Hingoliwale)
घुबलेवाला (Ghubalewala	गोयसर (Goysar)	हीरानंदका (Hiranandaka)
घूड़का (Ghudaka)	गुडबानीवाला (Gudabaniwala)	हुडेकर (Hudekar)
घूमणसरिया (Ghumanasariya)	गुडेवाले (Gudewale)	हुडेत (Hudet)
गिलटवाले (Gilatwale)	गुढ़का (Gudhaka)	हेदराबादी (Hyderabadi)
गिलेण्डरवाले (Gilendarwale)	गुडीवाला (Gudiwala)	इमरेवाल (Imrewal)
गिंदोड़ी (Gindodi)	गुलाबवाले (Gulabwale)	इंगरीवाला (Ingariwala)
गिन्होरिया (Ginhoriya)	गुललहा (Gulalaha)	इंगेयुगेवाला (Ingeyugewala)
गिनोड़िया (Ginodia)	गुलावाटी (Gulawati)	इसरका (Isarka)
घोड़ीवारा (Godiwara)	गुलगुलिया (Gulguliya)	जड़ (jad)
गोदवाले (Godwale)	हालना (Halna)	जगरायका (Jagarayka)
गोगालिया (Gogaliya)	हमीरवासिया (Hamirvasia)	जगवरावाले (Jagavarawale)
गोकुल (Gokul)	हण्डिवाले (Handiwale)	जहाजगढ़िया (Jahajagadhiya)
गोलुका (Goluka)	हांसलसरिया (Hansalsaria)	जै (Jai)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 8

जैपुरिया (Jaipuria)
जैसुका (Jaisuka)
जाखलिया (Jakhaliya)
जाखोटिया (Jakhotiya)
जकोडिया (Jakodiya)
जलालपुरिया (Jalalapuriya)
जलाली (Jalali)
जलेबीचोर (Jalebichor)
जालका (Jalka)
जमुका (Jamuka)
जनकपुरिया (Janakpuriya)
जांगलिये (Jangaliye)
जांटीवाला (Jantiwala)
जारोटीवाला (Jarotiwala)
जसरामपुरिया (Jasarampuriya)
जसरापुरिया (Jasarpuria)
जासोईया (Jasoiya)
जस्तरसरिया (Jastarsariya)
जातल्या (Jatlya)
जाटूका (Jatuka)

जावरावाले ((Javanapuriya)
जवानपुरिया (Javarawale)
जावतमाल (Javatmal)
जयनगरिया (Jayanagariya)
जीतपुरिया (Jeetpuriya)
जेजानी (Jejani)
झाड़ीवाला (Jhadiwala)
झाझरी (Jhajhari)
झझरीवाला (Jhajhariwala)
झंडा (Jhanda)
झंकोड़िया (Jhankodiya)
झंरीवाला (Jhanriwala)
झरोखेवाला (Jharokhewala)
झिरका (Jhiraka)
जिखवड़िया (Jikhvadiya)
जीवराजका (Jivarajka)
जिवाराजका (Jivawajka)
जोदराजका (Jodarajka)
जोधपुरिया (Jodhpuriya)
(Kalbaliya)

कलगी (K
जोड़ीवाल (Jodiwal)
जोपानी (Jopani)
जोतगोटिया (Jotagotiya)
जुगरका (Jugaraka)
जूनियावाले (Juniyawale)
जुवार (Juvar)
कबाड़ी (Kabadi)
कचहरीवाले (Kachahariwale)
काछवा (Kachhava)
कदमावाला (Kadamawala)
कागदानावाले (Kagadanawale)
कागदी (Kagadi)
कागरनावाल (Kagaranawal)
कहोरा (Kahora)
काईलावाला (Kailawala)
काजरी (Kajari)
ककराणिया (Kakaraniya)
ककरेजा (Kakareja)
ककरीवाले (Kakariwale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 9

काकोलिया (Kakoliya)
ककरिया (Kakriya)
कलानेवाले (Kalanewale)
कलानोरिया (Kalanoriya)
कलबलिया algi)
कालिये (Kaliye)
कालूण्डिया (Kalundiya)
कमरीवाले (Kamariwale)
कमरया (Kamrya)
कम्वलवाले (Kamvalwale)
कानबेलिया (Kanbeliya)
कन्हईवाले (Kanhiwale)
कंकरानिया (Kankaraniya)
कंकरेचा (Kankarecha)
कंटेवाले (Kantewale)
कण्ठीमालावाले (Kanthimalawale)
कण्ठीवाल (Kanthiwal)
कण्ठीवास (Kanthiwas)
कांटीवाले (Kantiwale)
कंटोकटेव (Kantokatev)
कँवाल (Kanwal)
कपड़ेवाले (Kapadewale)
कारवाड़ीवाले (Karavadiwale)
करवरवाला (Karavarwala)
करोरीवाले (Karoriwale)
करूटिया (Karutiya)
कसाली (Kasali)
कासलीवाल (Kasaliwal)
कासनावाला (Kasanawala)
कसरूका (Kasaruka)
कसेडिया (Kasediya)
कासूबा (Kasuba)
कासूका (Kasuka)
कासूलिया (Kasuliya)
कसूमावाले (Kasumawale)
कटनीवाला (Kataniwala)
कटारीवाला (Katariwala)
कटारिया (Katariya)
कटारूका (Kataruka)
कटतरूका (Katataruka)
कौशलका (Kaushalaka)
केलका (Kelaka)
केमोरीवाले (Kemoriwale)
खदरिया (Khadariya)
खादरिया (khadriya)
खगरिया (Khagariya)
खामगांववाले (Khamaganvwale)
खंडका (Khandaka)
खंडारवाले (Khandarwale)
खनुआवाले (Khanuawale)
खापरा (Khapra)
खराईवाले (Kharaiwale)
खारखोलिये (Kharakholiye)
खारीवाल (Khariwal)
खासगीवाले (Khasagiwale)
खटाईवाले (Khataiwale)
खटकड़या (Khatakadaya)
खाटवाले (Khatawale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 10

खावसरिया (Khavasariya)
खायरा (Khayara)
खेदड़िया (Khedadiya)
खेडावाले (Khedawale)
खेखान (khekhan)
खेमाणी (Khemani)
खेरातीका (Kheratika)
खेतावत (Khetavat)
खिरनीवाले (Khiraniwale)
खीरवेवाले (Khiravewale)
खिरवाल (Khirawal)
खीरेवाले (Khirewale)
खीवंसरिया (Khivansariya)
खोदिया (Khodiya)
खोरावाले (Khorawale)
खोरिया (Khoriya)
खोसीका (Khosika)
खुनखुनजीका (Khunkhunjika)
कीमा (kima)
किनोई (Kinoee)

किरानावाले (Kiranawale)
किरवाडावाले (Kiravadawale)
किरवासीवाले (Kiravasiwale)
किरतुका (Kirtuka)
किशनपुरिया (Kishanpuriya)
किताबवाले (Kitabwale)
किया (Kiya)
कोदिया (Kodiya)
कोहलीवाले (Kohaliwale)
कोलावाले (Kolawale)
कोटवातवाले (Kotavatwale)
कोटड़ीवाले (Kotdiwale)
कोठावाले (Kothawale)
कोठरीवाले (Kothriwale)
कुचमतनया (Kuchmatanaya)
कुड़कलीवाले (Kudkaliwale)
कुलताजपुरिया (Kultajapuriya)
कुण्डवाले (Kundwale)
कुरड़ीकूट (Kuradikut)
कुसुम्बीवाले (Kusumbiwale)

लाल (Laal)
लदानिया (Ladaniya)
लाडसरिया (Ladsaria)
लहानवाले (Lahanwale)
लकड़ा (Lakda)
लखी (Lakhi)
लखूड़ी (Lakhuri)
लक्काडी (Lakkadi)
लालगढ़िया (Lalgarhia)
लारिया (Lariya)
लश्करी (Lashkari)
लक्ष्मणगढ़का (Laxmangarhka)
लिखमानिया (Likhmaniya)
लोचा (Locha)
लोहारिया (Lohariya)
लोहारूवाला (Loharuwala)
लोहरे (Lohre)
लोंगवाल (Longwal)
लोसलका (Losalka)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 11

लोटिया (Lotia)
लवलिया (Lovelia)
लोया (Loya)
लुहाड़ीवाड़ा (Luhadiwada)
माछर (Maachar)
मारकरिया (Maarkiya)
मादरिया (Maderia)
माधोगड़िया (Madhogadiya)
माधोपुरिया (Madhopuria
माडिया (Madia)
माडीवाला (Madiwala)
मडोलिया (Madolia)
माडोठिया (Madothia)
मदपुरिया (Madpuria)
मादवाड़ीवाला (Madwadiwala)
मागेड़ीवाला (Magediwala)
महाडेरिया (Mahaderia)
महलावाले (Mahalawale)
माहनसरिया (Mahansariya)
महासरवाले (Mahasarwale)
महाटिया (Mahatiya)
महेशदासका (Maheshdasaka)
महेशका (Maheshka)
महेताका (mahetaka)
महलका (Mahlka)
महरामगड़ावाले (Mahramgadwale)
मजीठावाले (Majithawale)
माजीवाला (Majiwala)
मकारीवाला (Makariwala)
मकड़ेरीवारा (Makderiwara)
मखण्डिया (Makhandia)
मालगुजार (Malagujar)
मालधनी (Maldhani)
मलियानावाले (Malianawale)
मलीराहवाले (Malirahwale)
मालपुरावाले (Malpurawale)
मालसरिया (Malsaria)
मलसीसरवाले (Malsisarwale)
ममोनिया (Mamoniya)
मंडलावाले (Mandalawale)
मंडेलिया (Mandalay)
मंडोरीवाले (Mandoriwale)
मंडरायवाले (Mandraywale)
मनोजपुरिया (Manojpuria)
मानपुरिया (Manpuria)
मानसिंहका (Mansinghka)
मानसिंगका (Mansingka)
मरदा (Marda)
मस्करा (Maskra)
मतामड़िया (Matamadiya)
मातनहेलिया (Matanheliya)
मथुरावाले (Mathurawale)
मौजीरामका (Maujiramka)
मावावाला (Mavawala)
मईवाले (Maywale)
मेरठिया (Meerutia)
मेगोलिया (Megolia)
मेहाडिया (Mehadia)
मेहता (Mehta)
सोदागर (Merchant)
मेरठीशाह (Merthishah)
मेवाड़ा (Mewada)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 12

मिल (Mill)
मिंचनाबादवाले (Minchanabadwale)
मिठड़ीवाले (Mithadiwale)
मित्रापुरावाले (Mitrapurawale)
मित्रुका (Mitruka)
मोदाणी (Modani)
मडोचिया (Modochiya)
मोजासिया (Mojasiya)
मोटियादाणीवाले (Motiadaniwale)
मुबारकपुरवाले (Mubarakpurwale)
मुहालका (Muhalka)
मुकुदगढ़िया (Mukudgarhia)
मुकुटवाले (Mukutwale)
मुण्डेवाला (Mundewala)
मुंडोसीवाले (Mundosiwale)
मूंगेवाले (Mungewale)
मुनीम (Munim)
मूनका (Munka)
मुंसरीवाले (Munsariwale)
मुरारी (Murari)
मुरसानवाले (Mursanwale)
मुरताजपुरवाले (Murtajpurwale)
मुरथलिया (Murthalia)
मुशरका (Musharka)
मुस्कानी (Muskani)
मुसद्दी (बिंदल) (Mussadi)
मुतदेशी (Mutdeshi)
नागरदासका (Nagardasaka)
नागेवाले (Nagewale)
नागिसा (Nagisa)
नागोड़ी (Nagodi)
नैनसुखा (Nainasukha)
नाजिम (Najim)
नकीपुरीया (Nakipuriya)
नालपुरवाले (Nalapurawale)
नलवेवाले (Nalvewale)
नम्बाक्याने (Nambakyane)
नानूरामका (Nanuramaka)
नारसरिया (Narasariya)
नरेगावाले (Naregawale)
नरहड़िय (Narhadiya)
नारनौली (Narnauli)
नारोजवाले (Narojwale)
नथेके (Natheka)
नाथूरामका (Nathuramaka)
नौकरी (Naukri)
नौसरिया (Nausariya)
नवल (Naval)
नवरवाला (Navarwala)
नेमाणी (Nemani)
नेवईवाल (Nevaiwal)
निबाईवाला (Nibaiwala)
निमोरिया (Nimoriya)
निनाणवाले (Ninanwale)
निंगानिया (Ninganiya)
नीरतू (Nirtu)
निवारवाले (Nivarwale)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 13

नोनवाल (Nonwal)

नोपरावाले (Noparawale)

नोसरिया (Nosariya)

नोताका (Notaka)

नूहावाल (Nuhawal)

नूरमलके (Nurmalka)

ओडणवाले (Odanawale)

ओलवाड़ावाले (Olvadawale)

ऊँटवालिया (Oontawaliya)

पालरीवाल (Paalriwal)

पचेरीवाल (Pacheriwal)

पचेरिया (Pacheriya)

पचोड़ीवाले (Pachodiwale)

पदाम्या (Padamya)

पड़ावावाले (Padavawale)

पाढ़ावाले (Padhawale)

पाढ़निया (Padhniya)

पाड़िया (Padiya)

पकाया (Pakaya)

पकरिया (Pakriya)

पलसाणी (Palasani)

पलसावाले (Palasawale)

पालविया (Palaviya)

पल्लीवाले (Palliwale)

पाण्डेरी (Panderi)

पनेसीवाले (Panesiwale)

पानीपतिया (Panipatiya)

पंजेवाले (Panjewale)

पनजीवाले (Panjiwale)

पापड़ावाले (Papadawale)

परमणीवाला (Paramaniwala)

परामुका (Paramuka)

परसादिया (Parasadiya)

परतापुरवाले (Paratapurwale)

परवणवाले (Paravanwale)

पारूवाल (Paruwal)

पासरोटिया (Pasarotiya)

पाटनवाले (Patanwale)

पतासिया (Patasiya)

पटवा (Patava)

पतीसावाले (Patisawale)

पवामिका (Pavamika)

फिटकिरीवाला (Phitakiriwala)

पिलानिया (Pilaniya)

पिपल्या (Pipalya)

पीपलवा (Piplava)

पीरामल (Piramal)

पिसाडेवाले (Pisaadevaale)

पितलिया (Pitaliya)

प्रणव (Pranav)

प्रेमराजका (Premarajka)

पुड़ियावाल (Pudiyawal)

पुनमिया (Punamiya)

पूनिया (Puniya)

पुरिया (Puriya)

पूर्णमलका (Purnamalka)

पुवालेवाला (Puvalewala)

रड़कवाले (Radakwale)

रेडियोवाले (Radiowala)

रईसखानदान (Rahishkhandan)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 14

राईवाला (Raiwala)
रायावाले (Raiwale)
राजलीवाल (Rajaliwal)
राजारामका (Rajaramka)
राजुका (Rajuka)
राजूसरिया (Rajusaria)
रालवाल (Ralwal)
रामरायका (Ramarayaka)
रामगढ़िया (Ramgarhia)
रामपिपल्या (Rampiplya)
रामपुरिया (Rampuria)
रामसिसरिया (Ramsisaria)
रसतलिया (Rastalia)
रातड़िया (Ratadiya)
रतनगढिया (Ratangarhia)
रतलामके सराफ (Ratlaanke)
रातूसरिया (Ratusaria)
राऊवाले (Rauwale)
रावल (Rawal)
रावलवासिया (Rawalwasia)

रिटोलिया (Retolia)
रिणीवाले (Riniwale)
रीयांवाला (Riyanwala)
रूपचंदका (Roopchandka)
रूपदासका (Roopdaska)
रोटीवाले (Rotiwale)
रूदावाले (Rudawale)
सबलका (Sabalka)
सदवती (Sadwati)
सगाई (Sagai)
सेज (Sage)
सगी (Sagi)
सगरेवाला (Sagrewala)
साहेवाला (Sahewala)
सलारपुरिया (Salarpuria)
सलइयावाला (Saliyawala)
समालिया (Samalia)
समोदवाले (Samodwale)
समोता (Samota)
समथरवाला (Samtharwala)

सनावड़वाला (Sanavadwala)
संदरीवाले (Sandariwale)
सनेहीरामके (Sanehiramke)
सनेरवाला (Sanerwala)
सांगानेरिया (sanganeria)
संघोलिया (Sangholia)
संगीवाला (Sangiwala)
सांखूवाला (Sankhuwala)
सानोदिया (Sanodia)
सन्तुका (Santuka)
सारत (Sarat)
सरायवाला (Saraywala)
साड़ीवाल (Sariwal)
सरियावाला (Sariyawala)
सरसिलेवाला (Sarsilwala)
साठेवा (Satheva)
सतूका (Satuka)
साव (Saw)
सेडूका (Seduka)
सेकड़ा (Sekda)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

सेलवाले (Selwale)

सेनावाले (Senawale)

सेठानीका (Sethanika)

सेवतका (Sevatka)

सेवदवाला (Sevdwala)

सेवतावाले (Sewatwale)

सक्तिया (Shaktiya)

शेरपुरवाले (Sherpurwale)

शिवाडवाले (Shivadwale)

शस्त्रधारा (Shstrdhara)

श्यामपुरिया (Shyampuria)

सीदासिका (Sidasika)

सिद्धपुरवाने (Siddhpurwane)

सिघनोदिया (Sighnodia)

सीसाहाला (Sisahala)

सिताबरायवाला (Sitabraiwala)

सितानी (Sitani)

सीतिया (Sitia)

सिवोटिया (Sivotia)

सीवपुरीया (Sivpuria)

सीवणवाले (Siwanwale)

सोढाणी (Sodhani)

सोमूदिया (Somudia)

सॉवलका (Souvlaka)

सुगन्धी (Sugandhi)

सुहासरिया (Suhasaria)

सुजानगढ़िया (Sujangarhia)

सूजगढ़िया (Sujgarhia)

सुखजीका (Sukhjika)

सुंदरका (Sundarka)

सुनोदिया (Sunodia)

सुनसुनजीका (Sunsunjika)

सुपारीबाला (supariwala)

सुरंगलीवाला (Surangiwal)

सूर्दवाले (Surdwale)

सूरशाही (Surshahi)

सूतिया (Sutia)

सुतोदिया (Sutodiya)

सूतपूतनीवाला (Sutputniwala)

ताड़पट्टीवाले (Tadapattiwale)

ताड़ी (Tadi)

टडक्या (Tadkya)

ताजपुरिया (Tajpuriya)

तलवंडीवाले (Talavandiwale)

तलगेया (Talgeya)

टमकोरिया (Tamakoriya)

टमोटिया (Tamotiya)

टपकड़ा (Tapkada)

तारानगरवाले (Taranagarawale)

टारिया (Tariya)

तेकरीवाड़ा (Tekriwada)

टेकवाले (Tekwale)

तेलकुलियावाले (Telakuliyawale)

टेलटिया (Telatiya)

ठाकुरदासजीका (Thakurdasjika)

थालवाला (Thalwala)

ठंडीरामका (Thandiramka)

थरपाल (Tharpal)

थावलेवाला (Thavalewala)

धूथरीवाल (Thuthariwal)

टीबड़ा (Tibada)

तिगुरानिया (Tiguraniya)

टिक्कीवाल (Tikkiwal)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

टिल्ला (Tilla)

तीमड़वाले (Timadwale)

तीर्थपुरीवाले (Tirthapuriwale)

तीवरीवाले (Tivriwale)

तोला (Tola)

तोलातरिया (Tolatariya)

टोपीवाला (Topiwala)

तूदेवाले (Tudewale)

तुहीरामका (Tuhiramka)

तुरकापवाला (Turakapwala)

उदयपुरिया (Udayapuriya)

उदेयपुरिया (Udeypuriya)

उडियारावाले (Udiyarawale)

उकलवाड़ावाले (Ukalavadawale)

उलाजपुरिया (Ulaajapuriya)

ऊठवादिया (uthwadiya)

उतरावाल (Utrawal)

वधानिया (Vadhaniya)

वडवा (Vadwa)

वगडिया (Vagdiya)

वधानिया (Vadhaniya)

वडवा (Vadwa)

वगडिया (Vagdiya)

वणीवाले (Vaniwale)

वापरना (vaprna)

वरवाल (Varwal)

वटावर (Vatavar)

वेद (Ved)

वेगवाल (Vegwal)

वेरनीवाले (Verniwale)

विछावतका (Vichhawatka)

विदसरिया (Vidsaria)

विजयका (Vijayaka)

वीपौपरिया (Vipoparia)

वोड़कीवाड़ा (Vodkiwada)

वोरा (Vora)

वृत्तासिया (Vrutsiya)

वारचोलिया (Warcholia)

योगी (Yogi)

।। निवेदन ।।

🙏आदरणीय समस्त सम्मानित अग्र बंधुओं, सप्रेम निवेदन 🙏

सभी अग्र भाइयों से विशेष अनुरोध है कि, अपने पूरे परिवार की एक वंशावली अवश्य बनाये। जिससे आने वाली पीढ़ी को अपने परिवार के बारे में जानकारी मिल सके।।इसका उपयोग विशेषकर गृह प्रवेश, नहवान्न के समय) (जन्म कुंडली), शादी विवाह के समय, कोई भी मंगल कार्यक्रम के समय, श्राद्ध के समय, पिंड दान के समय, पित्तरों के राती-जुगा के समय, आदि अनेक कार्यक्रम के समय, सबको इसकी जानकारी मिल सके। आने वाले समय पर ताऊ-ताई, बुवा-फूफा, मौसा-मौसी, साली-साढ़हु के रिश्ते का लुफ्त होना प्रायः तय सा है।जहाँ तक हो सके जन्म, शादी, मरण की तिथि अवश्य लिखे। भाई,बहनों, दादा-दादी, ताऊ-ताई चाचा-चाची , भाई-भतीजा,बेटा-बहु, बेटी विवाहित/अविवाहित, सभी की, जहाँ तक बन सके अवश्य लिखें। अगर हो सके तो या बन सके तो जन्म का स्थान और जन्म का समय जिसका भी मिल सके तो कृपया लिखियेगा। आप स्वयं इस बात को अनुभव करेंगें की समय के साथ यह जानकारी संचय कितना आवश्यक है समय से साथ लुप्त होती परम्परा को देखते हुऐ, यह अत्यन्त आवश्यक है कि परिवार के बारें में, जानकारी सभी को ज्ञात रहे। यह एक अथक प्रयास होगा, समय निकाल कर इसकी रचना करें। और समय समय पर और जानकारी जोड़ते रहें।

हर्ष वर्धन गोयल (अध्यक्ष)
अग्र वंशावली शोध परिषद्
agrvanshawali@gmail.com

यदि आप भी अपनी वंशावली इतिहास में संरक्षित करना हो या सहयोग करना चाहते हो तो संपके क

किसी विशेष फॉर्मेट की आवश्यकता नहीं

गोत्र:

आपका नाम:

पैतृक स्थान: / निवास स्थान:

पूर्वजो के नाम परदादा/परदादा के भाइयों का नाम का नाम:

परदादी/परदादीओं का नाम:

दादा/दादा के भाइयों का नाम का नाम:

दादी/ दादीओं का नाम:

सभी ताऊ/ सभी ताई का नाम:

पिता जी/ माता जी का नाम:

सभी चाचा जी/ चाची जी का नाम:

सभी ताऊ/चाचा के बच्चो का नाम:

भाईओं/बहनो का नाम और उनके बच्चे:

प्रत्येक नाम के साथ पिता का नाम अवश्य लिखे| सभी भाई, बहनो , चाचा चाची, दादी, परदादी सभी का नाम सम्मिलित करें, गांव और बुजुर्गो से बात करें

Form link: **https://tinyurl.com/2p93h7ma**

Facebook: **https://www.facebook.com/100079717937729**

Email: **agrvanshawali@gmail.com**

WhatsApp: **https://tinyurl.com/3nryvjyp**

अग्र वंश तीर्थ पुरोहित परिचायका

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

प्राचीन और महान सनातनी संस्कृति में वंशावली संरक्षण का विशेष महत्त्व है वंशावली पारिवारिक, इतिहास और वंश का अध्ययन, हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अग्र वंश शोध परिषद् इस श्रंखला में प्रस्तुत करती है अग्र वंश तीर्थ पुरोहित् परिचायका भाग तीन जिसमें पुष्कर तीर्थ में हरियाणा प्रदेश के गांव के गोत्रों का विवरण, तीर्थ पुरोहित जी के परिचय-संपर्क के साथ प्रस्तुत है अथक परिश्रम से संकलित यह भाग सनातनी जन-मानस में इस वंशावली संरक्षण का बीजारोपण करेगा

वृन्दावन तीर्थ पुरोहित - भाग 1

'ब्रज का हृदय' अर्थात वृन्दावन, न केवल भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के मथुरा ज़िले में स्थित एक महत्वपूर्ण धार्मिक व ऐतिहासिक नगर है। अपितु भगवान श्रीकृष्ण की लीला से जुडा हुआ एक प्राचीन स्थल है। यह स्थान श्री कृष्ण की कुछ अलौकिक बाल लीलाओं का केन्द्र माना जाता है। तीनो और से यमुना नदी से सुरक्षित वृन्दावन प्रदेश की प्राकृतिक छटा देखने योग्य है। वृन्दावन में स्थित श्री दाऊ जी का मंदिर अपने धार्मिक महत्त्व के साथ अग्रवालों के विशेष महत्व का स्थान है यहाँ पर पंडित देवेंद्र जी के परिवार द्वारा अग्रवालों के परिवारों के वंशावली की पोथियाँ, बहियाँ संरक्षित है इन पोथियों के अभिलेखों में अग्रवालों के अनेको गोत्रों और परिवारों के वंशावली संकलित है जो तीर्थयात्रियों के आगमन और पंडितों द्वारा उनके परिवारों के घर जा कर समय समय लिखी जाती रही है इनमें से कई वंशावली में बीस से अधिक पिछली पीढ़ियों के पारिवारिक इतिहास का पता लगाया गया है, जो कई शताब्दियों तक फैला हुआ है। मंदिर के पंडितों के लिए परिवार की प्रत्येक व्यक्ति का उनके गोत्र, वंश वृक्ष और उपस्थित सदस्यों के साथ लिखना एक प्रमुख रीती है, इन पोथियों को परिवार और गृहनगर/गांव के अनुसार समूहीकृत किया गया। ये पोथियाँ अग्रवाल परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण वंशावली स्रोत हैं

वृन्दावन तीर्थ पुरोहित - भाग 1



श्री बंशीधर पंडित जी

हमारी पंडित बंशीधर जी इस बारे में बहुत विस्तार से बात हुई उन्होंने ने बताया जी लगभग 30 पोथियाँ जो अग्रवालों के कुटुंबनामों और गाँवों के नाम पर आधारित है। पंडित जी के पास शेखवाटी क्षेत्र के सभी एरेन गोत्री अग्रवाल परिवार और जयपुर नगर के अग्रवाल समाज की प्राचीन वंशावलियाँ हैं।

पंडित का संपर्क सूत्र और वंशावली में सम्मलित परिवार का विवरण इस प्रकार है

श्री बंशीधर बरीवाले संपर्क: +91 96270 36887

दाऊजी का मंदिर, वृंदावन, उत्तर प्रदेश

तुलस्यान	कीमा	मेरतिया
झुनझुनूवाला	क्याल (एरन गोत्र)	भकड़
बचुका	सिद्धमुखिया	सलामपुरिया
बाक़ेरायका	दूदानी	अमरसरिया
कनोडिया(मंगल गोत्र)	सखूवाला मोता	ऊदयपुरिया (क्याल)
फतेपुरिया (मंगल गोत्र)	ऊदयपुरिया	टोरका (मित्तल गोत्र)
पारसरामपुरिया	चौधरी (एरन गोत्र)	चौधरी (एरन गोत्र)
कंदोई (एरन गोत्र)	मोहनसाहका	मोहनसाहका

वृन्दावन तीर्थ पुरोहित - भाग 1

मेरतिया	भलेरीवारा	दादरीवारा
भकड़	धनमालिया	कोलिडिया
सलामपुरिया	पड़ेउवाला	थर्ड
अमरसरिया	हिम्मतसिंगका	जटिया
विसनाका	ढाढरीयावाला	बिलोटिया
श्यामदासका	बुटियावारा	नंदराम का
धेलिया	हमीरबसिया	मोता
उदेरामका तोला	सरसलेवारा	जड़
माडेलिया	धाधुये वारा	
दुरागेका	भाटरी वारा	
डूमरावारा	गादडीवारा	

वृन्दावन तीर्थ पुरोहित - भाग 2

हमारी श्री देवेंद्र पंडित जी इस बारे में बहुत विस्तार से बात हुई श्री देवेंद्र पंडित जी ने बताया जी लगभग 30 पोथियाँ जो अग्रवालों के कुटुंबनामों और गाँवों के नाम पर आधारित है। श्री देवेंद्र पंडित का संपर्क सूत्र और वंशावली में सम्मलित परिवार का विवरण इस प्रकार है



श्री देवेंद्र पंडित जी

संपर्क: +91 89230 28814
दाऊजी का मंदिर, वृंदावन, उत्तर प्रदेश

नरहड़िय	मडोचिया	रतलामके सराफ
दारुका	खादरिया	भीमसरिया
ऊठवादिया	डीडमानिया	गोगालिया
दखीनी	वापरना	जस्तरसरिया
वोड़कीवाड़ा	लीला	ककरिया
तेकरीवाड़ा	चोखानिया	वोरा
लुहाड़ीवाड़ा	मानसिंगका	लोचा
गोदके	जसरापुरिया	कयाल
पकरिया	वुटीवारा	नूरमलके
नागोरी	बीडीवारे	मुतदेशी
चांदकोठिया	सराफ	नथेके
मोजासिया	लकड़ा	महेताकावंश
दयालजीका	मुसद्दी (बिंदल)	बाजोरिया
बटानिया	जैपुरिया	गड़ेरीवारे

वृन्दावन तीर्थ पुरोहित - भाग 2

तालुके
दाकके
घोड़ीवारा
वडवा
दूदमा वारे
बीघावट
वैध

खजांची
सनेहीरामके
घमालिया
मकड़ेरीवारा
भरतपुरिया
वोरातिया
तोलातरिया

खेखान
मतामड़िया
हवेलिया
उदेयपुरिया
चाहूका

harshgoel2k@gmail.com

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

पुष्कर तीर्थ भारत के राजस्थान राज्य के अजमेर जिला में अरावली पर्वतमाला की गोद में स्थित एक महत्वपूर्ण धार्मिक व ऐतिहासिक तीर्थ है। यहाँ सृष्टि रचयिता जगतपिता ब्रह्माजी का पवित्र मंदिर स्थित है जो विश्व में ब्रह्मा जी का सबसे प्रमुख मंदिर है। पद्म पुराण के अनुसार, जब धरती पर वज्रनाश नामक राक्षस ने उत्पात मचा रखा था जब उसका आतंक और अत्याचार चरम सीमा पर पहुंच गया तब ब्रह्मा जी को उसका वध करना पड़ा उस युद्ध के समय ब्रह्माजी के हाथ से तीन कमल पुष्पः धरती पर गिरे, जिनसे ब्रह्म सरोवरों का निर्माण हुआ, पुष्कर तीर्थ उन्ही स्थानों में से एक पवित्र स्थान है इस तीर्थ की महत्वता को देख, संसार के उद्धार के लिए ब्रह्मा जी ने पुष्कर सरोवर के निकट निकट विशाल यज्ञ किया जिसमे सभी देवी-देवता ने भाग लिया महान ऋषि विश्वामित्र ने वह एक भव्य मंदिर का निर्माण किया, बाद में आदि शंकराचार्य ने इस मंदिर का नवीनीकरण किया था किसी समय पुष्कर तीर्थ में पांच सौ से अधिक मंदिरों थे जिनमे से अधिकतर मुग़ल औरंगजेब ने नष्ट कर दिया थे, कुछ मंदिरों का पुनःनिर्माण किया गया था यह पुण्य स्थल अपने धार्मिक महत्ता और पुष्कर ऊंट मेले के लिए प्रसिद्ध है कार्तिक पूर्णिमा त्योहार के दौरान यहां मन्दिर में सहस्त्रों की संख्या में भक्तजन आते हैं। यह मंदिर को भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग द्वारा 4 मार्च 2005 को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया।

यहाँ के पंडित समाज द्वारा आज भी तीर्थ यात्रियों की के परिवारों के वंशावली की पोथियाँ, बहियाँ संरक्षित कर रखी है इन पोथियों के अभिलेखों में अग्रवालों के अनेको गोत्रों और परिवारों के वंशावली संकलित है जो तीर्थयात्रियों के आगमन और पंडितों द्वारा उनके परिवारों के घर जा कर समय समय लिखी जाती रही है इनमें से कई वंशावली से परिवारों की पिछली पीढ़ियों के पारिवारिक इतिहास का पता लगाया गया है, जो कई शताब्दियों तक फैला हुआ है।

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3



संपर्क: पंडित श्याम सुन्दर धीरजमल आदाली (मामा जी) / दिनेशचंद्र चंद्रशेखर पाराशर

पता: कालों का मोहल्ला बड़ी बस्ती, पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान

कार्यालय: बद्री घाट के सामने पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान

मोबाइल नंबर-9414300155/800593310

पंडित श्याम सुन्दर धीरजमल आदाली (मामा जी) से तीर्थ यात्रा के समय सम्पर्क हुआ, पंडित जी ने समस्त हरियाणा राज्य के तीर्थ यात्रियों की वंशवली का संग्रह कर रखा है पोथियों में वंशावली को गृह-नगर/गांव और गोत्र के अनुसार समूहीकृत किया गया। ये पोथियाँ अग्रवाल परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण वंशावली स्रोत हैं।

अचीणा- गर्ग
अजायब - जिन्दल
अटाल- गोयल, तायल
अटेली- गोयल
अठेरना - मित्तल
अभोर -सिंघल, गोयल, मित्तल, गर्ग
अकबरपुर - मित्तल
अम्बाला - गर्ग
अलणाबाद -गर्ग
असन्द - बिन्दल
असरावा- बंसल
अहरी - गर्ग

आदमगढ़ - गर्ग
आलमपुर - सिंघल, गर्ग,
आवल- सिंघल, गर्ग
आसन- गर्ग
आसोदा -मित्तल
ईगर्गाजिजिन्द- सिंघल
ईन्दीवाली-गर्ग (केरूवाला)
ईमलोवा- गर्ग
उकलाणा मंडी -. सिंघल, मित्तल, गर्ग, गोयल,
उगालण - सिंघल,बंसल
उडांग-गोयल

उमरवास- सिंघल
उमरा- सिंघल
उरलाणा कला- गर्ग
ऊचाणा मंडी- बंसल
ऊचीणा - गर्ग
कंवारी - जिन्दल, सिंघल
कई - बिंदल
कचरोली-गोयल
कटेसरा-गर्ग, मित्तल
कथुरा - सिंघल, गर्ग, बंसल
कनवा-मित्तल
कबुलपुर- एरण

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

करमासपुर- जिन्दल
करहंस - मित्तल
कराला- गर्ग
करोडा (कोडापाई)- गर्ग
कलडाणा मण्डी. - बंसल
कलपुर-बंसल
कलाणा, कनाणा, कल्याणा - बंसल, गोयल,
मित्तल, सिंघल, एरण
कलानोर - सिंघल, गर्ग, मित्तल, गोयल,बंसल
कलावड- बंसल, गर्ग,
कलावाली - कुच्छल
कलोई- गोयल
कसुंबी - कंसल, सिंघल,
कसुण-मित्तल
काकडोली-गोयल
काणोदा-बंसल
कानोर - मित्तल, गर्ग, जिन्दल, गोयल
कायला बडाला - बंसल
कारदा - सिंघल

कारुड़- गोयल, मित्तल,
काला बडाला -. बंसल , मित्तल
कालावाली - सिंघल
कालेरो- गोयल
कासण-गोयल
किरोदी पापडा- मित्तल, गोयल
कीतलाणा-एरण
कीरताण - सिंघल
कुगंडमणी - तायल, बंसल
कुडल- गोयल
कुडलाणा-गोयल,
कुरडी – जिन्दल
कुराड धनसोली - गोयल
कुलड-गोयल
कुलेरी- जिन्दल,गोयल
केमरी- जिन्दल
केमला-गोयल
केरु - बंसल, सिंघल, गर्ग, गोयल
केलंगा- बंसल , गर्ग, सिंघल गोयल
कोट उमरावल-गोयल
कोतकापड़ा- गर्ग,मित्तल

कोथा- गर्ग
कोसली- गोयल, सिंघल, बंसल, गर्ग
कोहन्ड - गर्ग
खटकल- गर्ग
खरक - समस्त गाँव
खरक वेसी- बंसल
खरखड़ा- मित्तल, गर्ग
खरखडी- गोयल सिंघल
खरखोदा- बंसल,
खरड़ अलीपुर - बंसल - गोयल,गर्ग
खरबला- गोयल
खरल- मित्तल, कंसल
खरुपुर- गोयल,
खरेटी-बंसल
खरेडुवा- गोयल
खाण्डा - कंसल
खानपुर- गोयल बंसल, जिन्दल, गर्ग, मंगल
खान्डाखेडी- सिंघल
खारा खेड़ी -गर्ग
खारिया- गोयल

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

खावा- बंसल गोयल,
खिरोडी पापडा - मित्तल , गोयल
खीडिवाली- . तायल, सिंघल,
खुडाणा- सिंघल
खुडानावास - मित्तल
खुडाल- गर्ग
खेड़ा- बंसल
खेडीछछगाणा - गर्ग
खेडोली प्रहलादपुर- एरण मित्तल
खेतावास- गर्ग
खेदड़- गोयल
खेवड़ा- मंगल गोयल
खोरड़ा- एरण, . मित्तल, गर्ग
गंगवा - गर्ग
गंगानगर्ग - सिंघल (बेरलिया) जिन्दल,मंगल,
गंगाना - गर्ग,गोयल,
गंडाला - गोयल, मित्तल,
गगनखेडी- . तायल
गजसिंहपुर - गोयल
गडी ससाणा- मित्तल, गर्ग,सिंघल, गोयल, कुच्छल
गढवाली - गर्ग
गढी खुडाणा-सिंघल
गढी सोर – बंसल
गढीमासर- गोयल
गतोली- गर्ग
गनोर- बंसल, कंसल
गांगोली- . गर्ग, सिंघल,
गामडा- गोयल
गामडा-गोयल
गिरावल - गर्ग
गीकाडा- गर्ग
गीजाडोट- गर्ग,
गुंगुवा - एरण (सोनथलिया)
गुजरवास- एरण
गुडीयानी- जिन्दल, बंसल,एरण, गोयल,
गुमथल गढ़ - सिंघल,
गुहाणा- बंसल, गर्ग, मित्तल,
गोगडिया- गर्ग
गोयला कला- गर्ग,
गोरखपुर- गर्ग
गोरखी -गोयल,
गोरिया- सिंघल,
गोलपुरा- सिंघल
गोलागढ़- बंसल,
घसोला- जिन्दल
घसोली -जिन्दल
घिरावड- जिन्दल,
घीराय- बंसल
चंगोई - गोयल
चरखी- बंसल, गर्ग,
चाँद-गर्ग, गोयल
चांग - मित्तल, बंसल, सिंघल, गोयल,
चांदुवास -सिंघल(बेरलिया)
चानत- बंसल,
चीड़िया - गर्ग
चीडोद- गोयल
चीतलणवास - गर्ग

harshgoel2k@gmail.com

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

चीमनी -बंसल,

चुलकाणा- गोयल

चुलाणा- गर्ग

चेलास- मित्तल,

चौधरीवास - गोयल,

छछराणा- गर्ग

छपार खुडन -बंसल

छपार डोहका- बंसल,

छपार -बंसल

छपार सरोला - गर्ग

छातर- बंसल,

छापड़ा- . मित्तल,

छारा - गोयल, सिंघल,गर्ग

छुलाणा - गोयल

छोछी - गोयल,

जजर- सिंघल, गर्ग,गोयल

जडवा- सिंघल बेरलिया

जमालपुर- बंसल, गर्ग, गोयल, मित्तल

जरोट- गोयल

जसुवाला मांजरा -गोयल,

जाखनखेडी- तायल,

जाखोद खेड़ा - मित्तल

जागसी- गर्ग ,गोयल,

जाजराण- गोयल

जाडली -सिंघल, सोमानी

जाडोदा- गर्ग

जासवा छोटा-बड़ा - गोयल, मित्तल

जींजर -. गर्ग

जीतपुरा- . गर्ग, गोयल,

जीन्द- सिंघल , मित्तल, मंगल

जुई- सिंघल बेरलिया, .गोयल, कांसल

जुगलाण-गोयल,

जुड़ाला- गर्गं

जुलाना- सिंघल, तायल, बंसल, गर्ग

जुलानामंडी - तायल, जिंदल

जेवली- गोयल,

जैनपुर- गर्ग, गोयल,

जोजु- गर्ग, बंसल, मित्तल,

टपा- सिंघल बेरलिया

टला -एरण

टीटोली- मित्तल

ठवला - जिन्दल ,

डबावाली- सिंघल (बेरलिया), गर्ग

डाबोदा खुरद (कला) - एरण

डाया- गोयल,

डावला- गोयल,

डीगल- गोयल, गर्ग

डोब, मित्तल

डोबी - एरण

डोहका-बंसल,गर्ग

ढाकला- सिंघल, गर्ग

ढारादु - सिंघल,

ढीगावा- गोयल, गर्ग

ढीढेरी- गर्ग

तलवन्डी (तलमण्डी) -गोयल, सिंघल

ताजपुर- गोयल

तानापोता- गर्ग

तालु-तायल

तीगर्गाणा- तायल, गोयल, सिंघल,बंसल

तुरकियावास- गोयल

harshgoel2k@gmail.com

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

तुसामा - सिंहेल गर्ग,गोयल, मित्तल
तेवला - जिन्दल,
तोयदादरी-बिन्दल,
थाणा- बंसल, गोयल,
दड़ोली-सिंघल
दतोड- सिंघल
दतोली-जिन्दल
दसईया- जिन्दल,गर्ग, गोयल, बंसल
दीणोद- बंसल, सिंघल, तायल,गोयल
दुजाणा-सिंघल, गर्ग,गोयल
दुदवा (दादरी के पास) - एरण
दुबल घन मांजरा -सिंघल, गर्ग, गोयल, मंगल
दुर्जनपुरा- बंसल, गोयल, गर्ग, सिंघल
दुलेड़ा-गोयल, सिंघल, गर्ग
दुलेडी-मंगल गर्ग

देवसर- जिन्दल, बंसल,
दोदा- सिंघल,
दोरड़- सिंघल
दोहका छपार- बंसल, गर्ग
दोहका-बंसल, गर्ग
धताणा-तायल
धांधलाण - सिंघल
धारेद-सिंघल
धीराना-जिन्दल
धीराही- जिन्दल
नकीपुर - सिंघल (बेरलिया)
नगुरा- बंसल, गर्ग
नजबगढ़- सिंघल, मित्तल, गर्ग
ननेडा- गर्ग
नमोलीलला - गोयल
नरवाणा मण्डी - गर्ग (लुहारी वाले),तायल (फरमाना वाले) सिंघल
नरेडी - बंसल,
नलवा-जिन्दल

नलोई-गर्ग, मित्तल,
नाडोली- गोयल
नादा- सिंघल बेरलिया
नायल-गोयल
नारनोद - गर्ग,मित्तल, जिंदल
नाहड़- एरण
नाहरा (नारा) - मित्तल
नीगाणा- मित्तल, एरण, सिंघल, गोयल,
बंसल, गर्ग
नीबली (निमाड़ी)- गोयल, बंसल
नीसन -मित्तल, गर्ग
नोरंगवास - मित्तल
पचगाव- गर्ग
पनीयारी- सिंघल
पपोसा - सिंघल,
परडाला - जिंदल
पाकसमा- सिंघल, बंसल
पाडुवाणा- मित्तल, सिंघल
पालवा- गोयल

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

पालुवास (पालावास) - कंसल,
पावडा-गोयल, मित्तल
पिचोपा-गर्ग
पिटोदीकला - तायल
पीदुथाणा- मित्तल,
पीनाना (बिदल पीनाना) - गोयल,
मित्तल,
सिंघल, बंसल
पीपली- एरण
पीलखुवा - गर्ग
पीलाना (पीलाणा) - बंसल, गर्ग,
गोयल,
सिंघल,मित्तल,बंसल
पुढा बुर्द – मित्तल
पुन्दरी - गोयल
पुर- सिंघल,
पेतावास - गर्ग
पोतरी - बंसल
पोली - बंसल
प्रहलादपुर खेडोली- एरण

फंतेपुर- गर्ग
फतिमाबाद- बंसल, गर्ग
फरकनगर्ग - गोयल
फरतालबंगीला - सिंघल (बरेलिया),
गोयल
फरमाणा- तायल, गर्ग , जिंदल,
सिंघल, गोयल
बंसी- गोयल
बकरोई- गोयल, गर्ग
बगला- गर्ग
बजाणा- गोयल
बजीणा- जिन्दल
बड़वा- गर्ग डालमिया, गर्ग (चौधरी)
बंसल, सिंघल , गोयल
बडसिफरी - गोयल
बडसी - गोयल
बडाला बास (बास बडाला) - मित्तल,
बंसल, गोयल, सिंघल
बडोपल - गोयल, बंसल, गर्ग
बधवाणा - गर्ग

बबेल -सिंघल
बराला काला- बंसल, मित्तल
बराहोणा- कंसल
बलभगढ़ -गोयल, जिन्दल
बलावासा-बंसल
बलियाली- जिन्दल, गर्ग
बसई- सिंघल, मित्तल, गोयल, गर्ग
बसन्तपुर - मित्तल
बसाणा- मित्तल, गोयल
बागडा- गोयल
बागोत-मित्तल
बाडसा- .सिंघल, गर्ग
बाढडा- एरण
बादमा- सिंघल, गोयल, गर्ग,
बादरगढ़- मित्तल, जिंदल
बादली - गोयल, बंसल, मित्तल
बापोड्रा- गोयल, जिन्दल, गर्ग
बामड़ोली - बिंदल
बामन मांजरा - गर्ग, बंसल
बामला- जिन्दल, सिंघल

harshgoel2k@gmail.com

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

बायल- गोयल
बारी - बिंदल
बालक-बंसल
बालसमन्द-गोयल
बास - सिंघल, गर्ग, मित्तल, गोयल,
बिदल पीनाणा (पीनाहणा) -गोयल,
मित्तल, बंसल, सिंघल
बिलोटा- गर्ग, गोयल,बंसल
बिहडी- सिंघल
बीखेदा - गोयल
बीगोवा- बंसल
बीबीपुर- सिंघल
बीमाणाखेड़ा- बंसल
बीरधाणा- गर्ग, , गोयल, बंसल
बीराणा (बुराणा)- जिन्दल, गर्ग,
गोयल
बीराहेडा- बंसल, सिंघल,
बीरो (बीरी छपार) -गोयल
(गढ़याण),
बंसल, गर्ग,

बीरोदा-गोयल
बीलोचपुरा- सिंघल
बुढवाल - गर्ग
बुढारवेड़ा- मित्तल, गर्ग, तायल,
बुरा भाटया -गर्ग बिन्दल सिंघल
बुराक - मित्तल, गर्ग, गोयल
बुवाणी खेड़ा- मित्तल, सिंघल,गर्ग,
बंसल
बुवाना - गोयल
बूढाणा- गोयल, गर्ग
बेदड - गोयल
बेरला- सिंघल (बेरलिया)
बेलम्णा (बलम्णा) -गोयल
बेलम्बा (बलम्बा) - गोयल
बोहर -सिंघल, मित्तल, बंसल
बौंद - गर्ग, गोयल, एरण, सिंघल,
तायल, बंसल
भउ कबरपुर- मित्तल
भऊ जोलरी (भंऊ) - सिंघल,
एरण,गर्ग,

बिन्दल, गोयल
भटु-. गोयल, मित्तल
भणीकुगड़ -तायल
भदाणा- गर्ग
भदाणी- एरण
भाटया - गर्ग
भाटया- गर्ग (बेडिया)
भाटला- बंसल
भादरा - गर्ग,
भानगढ़ - बंसल
भापडोद (भाषडोदा) -गर्ग, जिन्दल,
भाभरा - गर्ग
भामड- जिन्दल
भाराण - जिंदल, मित्तल
भालेरी - मंगल
भालोट - सिंघल
भीवाणी -सिंघल (झाडली वाले)
भुरया भारया - बिन्दल,गर्ग, सिंघल
भेरिया – तायल
भेसवाल- गोयल, बंसल ,जिन्दल, गर्ग

harshgoel2k@gmail.com

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

भोडा - गर्ग
भोर - सिंघल, मित्तल,
मंगाली - सिंघल,
मकडाना- गोयल
मगारखाँ - सिंघल
मगालिया- गोयल
मताणी -सिंघल
मदनहेडी -गोयल
मदोला - गोयल
मदोली - गोयल, गर्ग
मनकावास - एरण
मनाणा- बंसल, गोयल
मन्दाण - मित्तल
मरोत- कंसल
मसुदपुर- बंसल, सिंघल,
महमदपुर रोहिवाला- गोयल, गर्ग
महरोली - तायल
महारा-गोयल
मांजरा - गोयल, बंसल,
मांडी-मित्तल ,जिन्दल
माई मांजरी - कंसल

माईना- गोयल
माचनहेडी -गोयल
माचरोली- बंसल
माणाडु मानेरु- गोयल, सिंघल, गर्ग,
एरण
माण्डी (माण्डी पीरानु) -. गर्ग,
मातणहेल- गोयल
मालीगाँव- तायल
मीराहेडा - बंसल
मीर्चपुर- बंसल, गर्ग, गोयल
मुंगाण- गोयल,
मुंढाल -गर्ग, मित्तल, बंसल,गोयल
मुढलाणा- गर्ग
मुरथल- गोयल, मित्तल, जिन्दल
मुवाणा-तायल,गोयल, गर्ग
मुवाणारोड - गर्ग
मुवानामंडी - बंसल
मूढ़ लोढा मंडी - गर्ग, गोयल
मेटाणा- गर्ग
मैहम - सिंघल, मित्तल, गोयल
मोई खुरद-बंसल,

मोईहटा - बंसल
मोखरा- बंसल,जिंदल, गर्ग, गोयल,
मोगामंडी -बंसल,
मोडी -गोयल
मोरकीमंडी. - सिंघल,
मोरमांजूरा-कुछल
रंधावा- बंसल
रणपुर पटी- गोयल ,
रतेरा- गोयल, गर्ग
राखी- गोयल
राजलु-मित्तल
राठघणा- मित्तल, सिंघल, गर्ग
राणेला- बंसल, गर्ग,
रामरा- मित्तल, बंसल
रावतरवेडा - सिंघल, गर्ग
रावलियावास- गर्ग, सिंघल
रासीवास- सिंघल (बरलिया),
मित्तल,गोयल
रिटोली - बिन्दल
रुड़की कलोई- गोयल
रोजावली - सिंघल (बरेलिया)

harshgoel2k@gmail.com

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

रोडा- गर्ग, जिन्दल
रोडी - जिन्दल
रोहतक- कंसल, जिंदल, गर्ग, मित्तल, गोयल, बंसल, सिंघल, मंगल
लकड़ीया - बंसल
लजवाणा- जिंदल
लडाण (लडायन) - गोयल, सिंघल
लाखन मांजरा - तायल
लाटवा - गर्ग (खरक के)
लाटीया- सिंघल
लाठ-सिंघल, गोयल,मित्तल,
लाडपुर- गर्ग,
लाडवी-गर्ग
लाहली (लाली) - मित्तल,
लुदाणा - जिन्दल
लुवाणी- मंगल, गर्ग
लुहारी - गर्ग, सिंघल (बरेलिया)
लुहारु - गोयल (बोहडूके),गर्ग
लेगा- बंसल
लोरवाडा- बंसल

लोहा मांजरा - गर्ग
वराला काला- बंसल, मित्तल,
वेदड - गोयल
संगर्गुर-सिंघल
संजरवास - समस्त गाँव
संडवा- बंसल गोयत
सतनाली - मित्तल
सदुरपुर- गोयल,
सनोली- गर्ग,
सन्फेडा- जिन्दल,गर्ग, गोयल
समचाणा - कंसल, मित्तल
समरगोपालपुर - बंसल
समसपुर मांजरा - बंसल
समसपुर लोर वाड़ा-बंसल
समाल - गोयल गर्ग
समालका - गोयल
समैन- गोयल
सरगथल - कुच्छल
सरल - जिन्दल
सरसाणी - बंसल, सिंघल
सरोला- गर्ग

ससाणा- मित्तल, गर्ग, कंसल, गोयल, सिंघल, कुछल, जिंदल
सह- गर्ग
सांगा- गोयल, कंसल, मित्तल, बंसल सिंघल
सांगी- तायल, गर्ग,मित्तल, गोयल
सागण- गर्ग
सातरोड (साकरोड) - तायल, सिंघल, मित्तल, एरण, गोयल, गर्ग
सापर -मित्तल
सापला -गोयल, सिंघल, बंसल गर्ग
सामड-बंसल
सामरा - गर्ग
सामरा 104 अग गर्ग
सामलोकला - गर्ग
सालवान- गर्ग
सालावाला - मित्तल
सालावास- गर्ग

श्री ब्रह्माजी मंदिर पुष्कर तीर्थ पुरोहित - भाग 3

सालु (साहडू) - गोयल,
सावन्ड- समस्त गाँव
सिघणवा - सिंघल
सिधाणा - गर्ग
सींगना-मोयल,
सीगाणा - गर्ग
सीगाणी - गोयल
सीरसा - गोयल, सिंघल बेरलिया, जिन्दल
सीलाना-गोयल, गर्ग
सीलानी - गर्ग
सीवन- बंसल, गोयल,
सीवानी -.बंसल, गोयल, गर्ग, मित्तल
सीसर - गोयल
सीसरोली - गर्ग
सीसवाल - गर्ग, सिंघल
सीसाय-गोयल, सिंघल
सुई- गर्ग, जिन्दल,गोयल
सुनारिया- जिन्दल, सिंघल,

सुनारी- सिंघल
सुन्डाणा-गर्ग
सुन्दरीजोर- गर्ग
सुन्दरेटी - गोयल, गर्ग,
सुबाणा/सीवाणा-बंसल, मित्तल
सुबाणी खेडा / सीवानी खेडा - बंसल
सुरपुर - गर्ग
सुरेती- बंसल, गर्ग,गोयल
सोटी -मित्तल, बंसल, गर्ग
सोनीपत- गर्ग,मित्तल, सिंघल, बंसल, गोयल
स्यानापोता - गोयल
स्यामपुरा- सिंघल बेरलिया
स्याहड़वा (सांडवा) - गोयल
हंसियावास जिल्आचुरू- 3मित्तल
हड़ताला- सिंघल,गर्ग
हतवाड़ा- गर्ग
हथवाला- गर्ग,
हमावुपुर- एरण, गर्ग,मित्तल

हरकावली- गोयल,
हसनगढ़- ·मंगल , गर्ग, सिंघल बंसल
हसनपुर- कंसल, गोयल
हांसी - जिन्दल, मित्तल,गर्ग, गोयल, सिंघल
हालुवास -गोयल, गर्ग,
हिसार- जिन्दल, गर्ग, बंसल, बिंदल, गोयल, एरण (सोनथलिया), जिन्दल (नलवा वालें), बिन्दल (कडिपा वाले)
हिसार सुवाणी खेडा - बंसल
हीलोरी - गर्ग
हुई-. सिंघल (बेरलिया)
हुलाणा मदीना-तायल, सिंघल, गोयल, गर्ग,
हुलाणाटेरका - गोयल
हेतमपुर- मित्तल, बंसल, सिंघल

harshgoel2k@gmail.com

वंशावली संरक्षण - उद्देश्य और सुरक्षा जानकारी

वंशावली संरक्षण भारतीय सनातन संस्कृति का एक अभिन्न अंग है हमारे पुराणों में प्राचीन काल से इस परम्परा का निर्वाह बहुत गंभीरता से किया गया है क्योंकि वंशावली न केवल हमारी जड़ों, पहचान और गौरवशाली विरासत से जोड़ती है, बल्कि पारिवारिक इतिहास, नैतिक मूल्यों और सामूहिक स्मृति को संरक्षित करती है जो सनातन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों और विश्व कल्याण के भाव के अनुरूप है।

भारतवर्ष के वंशावली संरक्षण के कार्य को भिन्न-भिन्न प्रांतो मे भिन्न-भिन्न से जाना जाता है जागा, भाट, बड़वा, राव, कुलपुरोहित, तीर्थ पुरोडित, ब्रह्मभट्ट, पण्डे, बारोठ, हेलवा, आदि यदि हमारे देश में यह प्राचीन व्यवस्था नहीं होती तो हमारे पुरखों के नाम और उनके द्वारा किये गये ऐतिहासिक कार्य हम कदापि जान नहीं पाते। किसी भी समाज के पुनर्जागरण मे उस समाज के पराक्रमी पूर्वजों का स्मरण सदैव एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन्हीं वंशावली पोथियों से ही हम जानते है कि गत काल खण्ड में हमारा उत्थान व पतन कैसे हुआ।

आज की इस भौतिक वादी संस्कृति की चकाचौंध में हम स्वयं अपनी वंश परंपरा से विमुख होते जा रहे हैं। इनके कई प्रमुख कारण है जिसमें से एक चर्चा योग्य कारण वंशावली संरक्षण में सुरक्षा के बारे पर्याप्त जानकारी का अभाव भी है सुरक्षा कि जानकारी के लिए हमें अग्र वंश शोध परिषद उद्देश्य पर एक व्यापक दृष्टि डालनी होगी हमारा उद्देश्य -

1. अग्रवाल समाज के व्यक्तित्व, कृतित्व व उनकी संस्कृति का संरक्षण करना।
2. अग्रवाल समाज को वंशावली परम्परा के सभी क्षेत्रों में एक मंच पर लाने का प्रयास करना, जिससे आपसी सौहार्द एवं भाईचारे की भावना का विकास हो।
3. वंशावली संरक्षणकर्ताओं, विद्वानों एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा लिखे गये ऐतिहासिक, साहित्यिक पोथियों, बडियों, पाण्डुलिपियों ग्रन्थों पुस्तकों पत्र-पत्रिकाओं आदि का संकलन, संग्रहण, संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए इस परम्परा से सम्बन्धित शोध केन्द्र की स्थापना करना।
4. अग्रवाल समाज की वंशावली से संबंधित अध्ययन अनुसंधान और शोध करना।

और समाज कि आने वाली पीढ़ी का अपनी प्राचीन संस्कृति से जोड़ रहे है।

5. अग्रवाल समाज के पूर्वजों, इतिहासिक पुरुषों, कुलदेवियों के प्रति श्रद्धा बनायें रखने तथा यशस्वी पूर्वजों का स्मरण कराकर,वर्तमान पीढ़ी को मुख्य धारा में लाने का प्रयास करना ।

12. वंशावली परम्परा के संरक्षणकर्ताओं, कुल पुरोहितों, तीर्थ पुरोहितों, गोत्र वीरों का सम्मान करना तथा नई पीढ़ी में इस परम्परा के प्रति लगाव उत्पन्न कराना।

हमारी कार्यशैली का मुख्य कार्य अग्रवाल समाज को एक शोध आधारित वंश परिचय देना, जिसमे सभी अग्रवालों परिवारों को वंशावली संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करना है हम उन परिवारों के सहायता करते है जिन्हे वंशावली संकलन में किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता चाहिए किन्तु मुख्य उद्देश्य सभी परिवारों को वंशावली बनाने के प्रेरित करना है उनकी सूचि बनाकर एक मंच प्रदान करना है इसी प्रकरण में हम उन पंडों, भाटों, तीर्थपुरोहितों का भी संकलन प्रस्तुत करते है वंशावली संकलन का कार्य उन परिवारों से सबंधित व्यक्तियों के साथ प्राचीन वंश परचिय, निकास, कुटुंब नाम आदि पर विस्तृत जानकारी संकलन करना है।

वंशावली में व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए कभी भी व्यक्तिगत जानकारी जैसे जन्मतिथि, आधार कार्ड, पैन नंबर आदि नहीं लिए जाते, केवल स्वर्गवास उपरांत ही जन्मवर्ष - स्वर्गवास वर्ष अंकित किये जाते हैं कितनी पीढ़ी नीचे तक जानकारी सँजोनी है यह उस परिवार पर निर्भर करता है किसी भी परिवार की वंशावली ऑनलाइन नहीं डाली जाती, न ही किसी प्रकार की कोई भी आर्थिक लेन-देन किया जाता है हम यह कार्य अपने कार्य-क्षेत्र से अलग अपनी रूचि से समाज हित के लिए करते है किसी प्रकार का कोई भी सदस्यता शुल्क नहीं है वर्तमान में कई व्ययापारिक अग्रवाल भाई इसे बिज़नेस ओपोर्चुनिटी की तरह देखते है और तरह-तरह की सस्ती वेबसाइट बनाकर डोनेशन आदि का लाभ उठना चाहते है उनकी कोई भी व्यक्तिगत रूचि शोध अथवा अनुसन्धान में नहीं है। अग्र वंशावली शोध से जुड़े सभी इतिहासकारों को हम नमन करते कि महान भारतीय संस्कृति की इस अद्भुत विधा के बारे में वह निःस्वार्थ जागरण का कार्य कर रहे है।

harshgoel2k@gmail.com

पिछले अंकों में ....

वर्ष - 2023

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

।। अग्रोहा, वैश्य कुल और धन के स्वामी कुबेर का संबंध - शोध पत्र ।।

।। वर्णवाल भी है अग्रवाल।।

।। बौद्ध चंपेय्य जातक कथा - महाराजा अग्रसेन का वर्णन ।।

।। योगदान आभार।।

।। ऐतिहासिक महापुरुष - महाराजा अग्रसेन ।।

।। वंशावली सूची ।।

।। अग्रवालों के कुटुंबनाम।।

।। गोत्र आधारित कुटुंबनाम ।।

वर्ष - 2024

।। कुलदेवी महालक्ष्मी का आशीर्वाद ।।

।। वंशावली पुस्तकों की सूची ।।

।। लाला राम सिंह और गुरु तेग बहादुर की खड़क ।।

।। आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान (DNA) विश्लेषण।।

।। सम्राट विक्रमादित्य हेमचन्द्र एक शोध ।।

।। महल नागर मल – बहावलनगर ।।

।। गंगल गोत्र परिचय ।। / ।। लाठ (सिंघल गोत्र) कुटुंबनाम परिचय ।।

।। योगदान आभार।।

।। वंशावली सूची ।। / ।। अग्रवालों के कुटुंबनाम।।

।। गोत्र आधारित कुटुंबनाम ।।

वर्ष - 2025

विगत वर्ष के किये कार्य पर एक विहंगम दृष्टिपात करें तो पिछला वर्ष अभूतपूर्व उपलब्धियों का वर्ष रहा, वर्ष का प्रारंभ अग्र वंश शोध परिषद् द्वारा वार्षिक कार्यक्रम अग्र वंशावली और इतिहास विषय पर पंचमी रविवार माघ कृष्णपक्ष सम्वत 2081 19 जनवरी 2025 को संगोष्ठी से हुआ, भगवान श्री राम के दिव्य मंदिर जीर्णोद्धार की पावन वर्षगाठ पर आयोजित यह संगोष्ठी सनातन अग्रवाल समाज की वर्तमान पीढ़ी को प्राचीन स्वर्मिण इतिहास से जोड़ती है संगोष्ठी में अग्र वंशावली शोध परिषद् के माननीय वरिष्ठ अग्रजनों द्वारा विस्तृत चर्चा की गयी,

राम मंदिर जीर्णोद्धार के प्रथम वर्षगांठ पर अग्र वंशावली और इतिहास गोष्ठी का आयोजन

■ धरती का चिराग

रायपुर। आयोध्या में भगवान श्री राम के दिव्य मंदिर जीर्णोद्धार की प्रथम पावन वर्षगाठ पर आज अग्रवाल समाज की अग्र वंश शोध परिषद् द्वारा वार्षिक कार्यक्रम अग्र वंशावली और इतिहास गोष्ठीर का आयोजन किया गया, उक्त जानकारी देते हुए गोपाल कृष्ण भीमसरिया ने बताया कि वंशावली शोध परिषद के अध्यक्ष हर्षवर्धन गोयल, अरुण लाठ (कलकत्ता), भारत भूषण अग्रवाल (बीकानेर), डॉ विजय मित्तल (भुसावल), टीकमचंद कंदोई (शार्दुलपुर), श्रीराम शंकर खेमका (कलकत्ता), डॉ लोकमणि बंसल (कोटा), रितेश भारूका (महाराष्ट्र) सहित सैकड़ों अग्र स्वयंसेवीयो ने अपने विचार रखे। श्रीमती लता लाठ द्वारा प्रस्तुत वंशावली पर रचित कविता सबको बहुत सुंदर लगी एवं सभी का मन मोह लिया। इस सभा में अरुण लाठ द्वारा सिंगल गोत्र लाठ परिवार पर लिखी पुस्तक का विमोचन हुआ, उक्त 450 पृष्ठों की विस्तृत पुस्तक में आकर्षक डिजाइन, गुणवत्ता, लाठ परिवार की पैतीस पीढ़ियों की क्रमवार वंशावली, वरिष्ठ लाठ सदस्यों की छायाचित्र, समाज में योगदान और उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। यह पुस्तक अग्रवाल समाज की धरोहर है और आने वाले अनेक वर्षों तक इतिहास की जिज्ञासुओं का ज्ञान वर्धन करती रहेगी, इसी अवसर पर अग्रवालों की वृहद् वंशावली सूची, श्वसुधैव कुटुंबकम् का विस्तृत कोष वार्षिक अंक 2024 विमोचित किया गया, यह प्राचीन वंशावली कोष पीढ़ियों को इतिहास की जानकारी देगा।

गोत्र वीर श्री अरुण लाठ (कलकत्ता) ने लाठ परिवार सिंघल गोत्र गोत्र का विवरण दिया और लाठ परिवार वंशावली पुस्तक का विमोचन किया, गोत्रवीर श्री रमा शंकर खेमका जी ने खेमका परिवार (जिंदल गोत्र) और मारवाड़ी अग्रवाल इतिहास पर प्रकाश डाला , गोत्र वीर श्री भारत भूषण गुप्ता जी (बीकानेर, राजस्थान) ने गंगल गोत्र के इतिहास और वंशावली के बारे बताया, श्री (डॉ) विजय मित्तल (भुसावर, राजस्थान) ने मित्तल गोत्री त्रिखा परिवार जो अग्रोहा से माठ (उत्तरप्रदेश) वहां से माचेड़ी से टोढाभीम से सूरोठ से भुसावर और मथुरा बसे, यह जानकारी उन्होंने जग्गा की पौथी, गंगा जी, सौरों, उत्तरप्रदेश के पण्डों के पास उपलब्ध अभिलेख से यह जानकारी के अनुसार बताई, गोष्ठी में अग्र स्वयंसेवीयो में अपने अपने विचार प्रकट किये और इतिहास और वंशावली के महत्वता पर बल दिया, श्रीमती लता लाठ द्वारा प्रस्तुत वंशावली पर रचित कविता सबको बहुत सुंदर लगी एवं सभी का मन मोह लिया। सभा के अंत में वर्तमान विषयों पर चिंतन और इस प्रकार की संगोष्ठी को व्यवाहरिक बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किये गए

गोत्र वीर श्री अरुण लाठ द्वारा सिंगल गोत्र लाठ परिवार पर लिखी पुस्तक का विमोचन हुआ, उक्त 450 पृष्ठों , की विस्तृत पुस्तक में आकर्षक डिजाइन, गुणवत्ता, लाठ परिवार की पैतीस पीढ़ियों की क्रमवार वंशावली, वरिष्ठ लाठ सदस्यों की छायाचित्र, समाज में योगदान और उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। यह पुस्तक अग्रवाल समाज की धरोहर है और आने वाले अनेक वर्षों तक इतिहास की जिज्ञासुओं का ज्ञान वर्धन करती रहेगी, इस पुस्तक में लाठ अग्रवाल परिवार की 36 पीढ़ियों का 875 साल का इतिहास संजोया गया, कई वर्षों के प्रयास से 450 पृष्ठ की भारत और दुनिया के विभिन्न देशों में बसे लाठ अग्रवाल परिवार की विस्तृत वंशावली का वर्चुअल मोड

पर विमोचन हुआ। विभिन्न स्थानों के चित्र, समाज में योगदान और उपलब्धियों को भी संजोया गया है। पुस्तक में श्री अरुण लाठ जी ने अग्रणी भूमिका निभाई, इसमें श्री तोलाराम लाठ जी देवरिया के

लाठ परिवार वंशावली का विमोचन 875 साल का इतिहास संजोया गया

भास्कर न्यूज | रिटिलागढ़

सिंगपुर के हर्ष वर्धन गोयल अध्यक्ष अग्र वंशावली शोध परिषद के कई वर्षों के प्रयास से 450 पृष्ठ की भारत और दुनिया के विभिन्न देशों में बसे लाठ अग्रवाल परिवार की विस्तृत वंशावली का वर्चुअल मोड पर विमोचन किया गया। विभिन्न स्थानों के लाठ परिवार सदस्यों के उपस्थिति में कोलकाता के अरुण लाठ ने पुस्तक का विमोचन किया। इसमें 36 पीढ़ियों का 875 साल का इतिहास संजोया गया है।

इस पुस्तक के आकर्षक डिजाइन, पुस्तक की गुणवत्ता, वरिष्ठ लाठ सदस्यों के चित्र, समाज में योगदान और उपलब्धियों को भी संजोया गया है। पुस्तिका का प्रकाशन में बीकानेर वाले तोलाराम लाठ, देवरिया के बद्रीनारायण लाठ, कोलकाता के



वंशावली का विमोचन करते।

अरुण लाठ के अथक प्रयास किया। वंशावली में 36 पीढ़ियों का इतिहास संजोया गया है। इसी समय लाठ परिवार का विस्थापन हुआ। लाठ सरनेम अंग्रेजों द्वारा अथवा लठ्ठ रखने से नहीं निकला बल्कि एक स्थान परक है। लाठ परिवार के सदस्यों व विभिन्न तीर्थ स्थान के पड़ों से मिली जानकारी के आधार पर पुस्तक का संकलन किया गया है। पुस्तक के संपादक हर्षवर्धन गोयल ने बताया पूर्वकाल में सभी जन अपनी वंशावली को संजो कर रखते थे, किन्तु कुछ कारणों से यह सनातनी परंपरा जो हम सबको एक सूत्र से जोड़कर रखती थी, इसकी कड़ी टूट गई थी। परिवार छोटे होते जा रहे है और हम संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। व्यस्तता के इस युग में हमने वसुधैव कुटुम्बकम नाम से वंशावली संकलन करने का जटिल कार्य का शुरुआत किया गया। बामडा के ज्योति कुमार लाठ द्वारा लूणी सती दादी के इतिहास पर शोध परक लेख समेत गीलो सती दादी के इतिहास पर भी ज्ञानवर्धक लेख प्रकाशित है। शोधकर्ता व संपादक हर्ष गोयल ने कहा यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए धरोहर साबित होगी।

सिंगल गोत्र की 35 पीढ़ियों की वंशावली का विमोचन

झुंझुनूं | इस्लामपुर मूल के अरुण लाठ द्वारा 35 पीढ़ियों पर लिखी सिंगल गौत्र की वंशावली का विमोचन किया गया। अग्रवाल समाज की अग्र वंश शोध परिषद के वार्षिक कार्यक्रम में ऑनलाइन अग्र वंशावली और इतिहास गोष्ठी हुई। वंशावली शोध परिषद के अध्यक्ष हर्षवर्धन गोयल, अरुण लाठ कोलकाता, भारत भूषण अग्रवाल, डॉ. विजय मित्तल भुसावर, टीकमचंद कंदोई शार्दुलपुर, श्रीराम शंकर खेमका कोलकाता, डॉ. लोकमणि बंसल कोटा, रितेश भारूका महाराष्ट्र आदि ने विचार व्यक्त किए। लता लाठ ने वंशावली पर रचित कविता का वाचन किया। मुंबई प्रवासी विनोद लाठ ने बताया कि सिंगल गौत्र लाठ परिवार पर लिखी पुस्तक 450 पन्नों की है। इसकी गुणवत्ता के साथ लाठ परिवार की 35 पीढ़ियों की क्रमवार वंशावली, वरिष्ठ लाठ सदस्यों की फोटो, समाज में योगदान और उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। यह पुस्तक अग्रवाल समाज की धरोहर है। इस अवसर पर अग्रवालों की वृहद वंशावली सूची, कुटुंबनाम का विस्तृत कोष वार्षिक अंक 2024 अंक भी लोकार्पित किया गया।

झुंझुनूं मंडी

बद्रीनारायण लाठ आदि ने प्रमुख योगदान दिया, श्री अरुण लाठ जी ने विभिन्न तीर्थ स्थान के पंडों से मिल करके 36 पीढ़ियों का इतिहास संकलन किया गया है। अनुमानित 875 वर्षों का इतिहास जो लाठ परिवार के विस्थापन से प्रारम्भ हुआ। लाठ सरनेम अंग्रेजों द्वारा अथवा लठ्ठ रखने से नहीं निकला बल्कि एक स्थान परक है। बामडा के ज्योति कुमार लाठ द्वारा लूणी सती दादी के इतिहास पर शोध परक लेख पुस्तक में सम्मिलित किया, यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए धरोहर सिद्ध होगी।

अग्र वंश शोध परिषद् द्वारा वार्षिक कार्यक्रम अग्र वंशावली में वार्षिक वंशावली पुस्तक का लोकार्पण किया गया इस पुस्तक में अभी तक प्राप्त सभी प्राचीन वंशावली का उल्लेख किया गया है कुलदेवी महालक्ष्मी का आशीर्वाद से प्रारम्भ यह वार्षिक पुस्तक में वंशावली पुस्तकों की सूची, लाला राम सिंह को भारत की अपनी पहचान बचाने के लिए एक बड़ी आशा गुरु तेगबहादुर साहब के रूप में दिखी थी। उस समय गुरु तेगबहादुर जी, 'हिन्द दी चादर' बनकर, एक चट्टान बनकर खड़े हो गए थे। अत्याचारियों ने भले ही अनेकों सिर को धड़ से अलग किया हो लेकिन वह हमारी आस्था को हमसे अलग नहीं कर सका। लाला राम सिंह को गुरु तेग बहादुर ने आतिथ्य से प्रसन्न होकर खड़क प्रद्दन की जो आज भी उनके वंशजों के पास दरोहर के रूप में रखी है


सचिन कृष्णराव पवार :- उपसंपादक तथा मराठवाडा आवृत्ती प्रमुख

दैनिक शूर मराठा

अग्रवाल समाजाची ऐतिहासिक गोष्ठीचे आयोजन

गोयल (Goyal) गोत्र वीर
श्री रितेश भारूका

कन्नड (प्रतिनिधि)भारत १९ जानेवारी अग्रवाल समाजाच्या अग्र वंश शोध परिषदेत भगवान श्री राम यांच्या दिव्य मंदिराच्या जीर्णोद्धाराच्या प्रथम पावन वर्षगाठेनिमित्त "अग्र वंशावली आणि इतिहास गोष्ठी"चे आयोजन करण्यात आले. या कार्यक्रमात अग्रवाल समाजाच्या सर्व स्तरातील लोकांनी मोठ्या उत्साहाने सहभाग घेतला.

विशिष्ट अतिथींची उपस्थिती

वंशावली शोध परिषदेसचे अध्यक्ष हर्ष वर्धन गोयल, अरुण लाठ कलकत्ता, भारत भूषण अग्रवाल बीकानेर, डॉ विजय मित्तल भुसावर, टीकम चंद कंदोई शार्दुलपूर, राम शंकर खेमका कलकत्ता, डॉ लोकमणि बंसल कोटा, रितेश भारूका कन्नड महाराष्ट्र आणि अनेक अग्र स्वयंसेवक यांनी आपले विचार व्यक्त केले.

साहित्यिक आणि सांस्कृतिक कार्यक्रम

श्रीमती लता यांनी वंशावलीवर रचलेली कविता सर्वांना अतिशय आवडली. यावेळी, अरुण लाठ यांनी लाठ कुटुंबाच्या गोत्रावर लिहिलेली पुस्तकाचा विमोचन केला. हे ४५० पृष्ठांचे विस्तृत पुस्तक अग्रवाल समाजाच्या धरोहर आहे आणि आगामी अनेक वर्षे इतिहासाच्या जिज्ञासूंना ज्ञानवर्धन करत राहील.

अग्रवाल समाजाच्या वृहद् वंशावली सूचीचे लोकार्पण

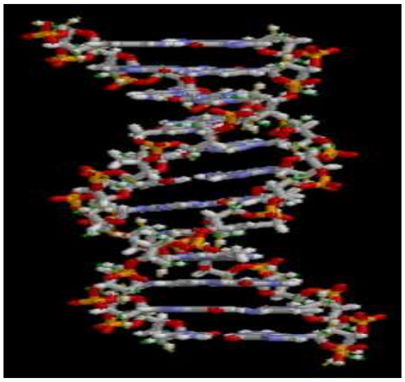
या कार्यक्रमात अग्रवालांच्या वृहद् वंशावली सूचीचा, कुटुंबनामाचा विस्तृत कोष वार्षिक अंक २०२४ म्हणून लोकार्पण करण्यात आले. हा प्राचीन वंशावली कोष आपल्या पीढ्यांना आपल्या इतिहासाची माहिती देईल.

लाठ वंशावली पुस्तकाचे महत्त्व

लाठ वंशावली पुस्तक हे एक अनोखे सनातनी प्रयत्न आहे. या पुस्तकाच्या प्रकाशनामुळे सनातन संस्कृतीच्या संरक्षणासाठी एक महत्त्वपूर्ण पाऊल उचलले जाईल आणि आपल्या समृद्ध संस्कृतीला, आपल्या मुळांना पुन्हा एकदा बल प्राप्त होईल.

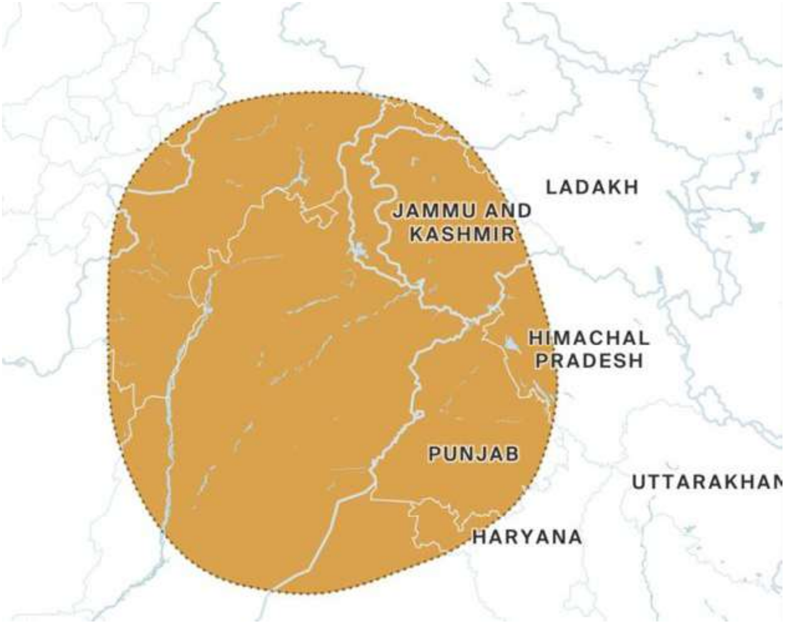
पुस्तक में सम्राट विक्रमादित्य हेमचन्द्र पर एक शोध सम्मिलित है विभिन्न कारणों से आधुनिक इतिहासकारों में दिल्ली सम्राट वीर विक्रमादित्य हेमचन्द्र के जन्म, जन्म स्थान, परिवार, पैतृक घर और कुल पर मतभेद है। इसका मुख्य कारण महान हेमचन्द्र विक्रमादित्य के प्रारंभिक जीवन के समसामयिक प्राप्य वृत्तांत बहुत ही संक्षिप्त है। प्रायः शोधकर्ता ने अपने-अपने मतानुसार इतिहास के बिंदुओं का सुविधानुसार प्रयोग करते हुए इतिहास लिखा है। सम्राट विक्रमादित्य हेमचन्द्र निर्विवाद रूप से मित्तल परिवार से सम्बन्ध रखते है यह शोध तत्कालीन इतिहासकारों द्वारा लिखे इतिहास द्वारा वर्णित उन समस्त निर्विवाद बिंदुओं को मध्य रख, प्राप्त नविन जानकारी पर आधारित है।

harshgoel2k@gmail.com



अग्रवाल शीर्ष पैतृक हैप्लोग्रुप H-M52

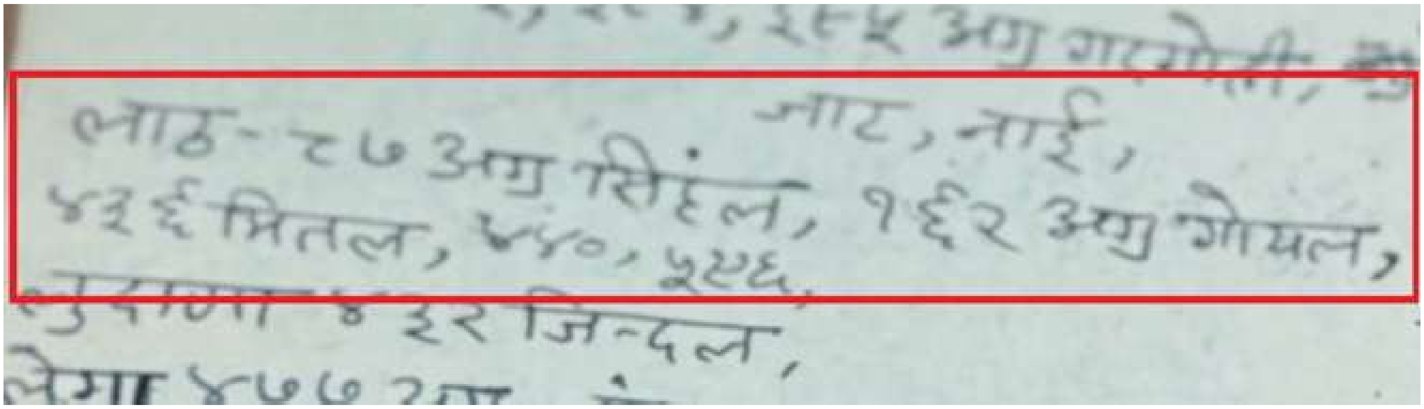
आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान द्वारा अग्रवाल समाज का विश्लेषण - समान से समान की उत्पति में सरल शब्दों में प्राप्त डेटा के आधार पर, अग्रवाल अनुवांशिकी संरचना के हैप्लो के अनुसार एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आनुवंशिक विज्ञान द्वारा अग्रवाल समाज का डीएनए में उत्तरी भारतीय पंजाब प्रान्त का पितृवंश समूह अत्यधिक प्रतिशत में पाया गया है जोकि इतिहासिक जानकारी के एकदम अनुकूल है उनके आलावा गुर्जरात दक्षिण भारत और बांग्ला पितृवंश समूह भी पाया गया है हैप्लोग्रुप एच का मूल भारतीयों आदिवासी का होना और मुख्यतः पंजाब प्रान्त से सम्बंधित होना अग्रवालों के इतिहास तो प्रमुखता से पुष्टि करता है अग्रवालों में अन्य भारतीय क्षेत्रों का हैप्लोग्रुप मिलान हमारे प्राचीन इतिहास को इंगित करता है और इसमें अभी और अन्वेषण की आवश्यकता है ।



पुस्तक में बहावलनगर हवेली पर एक लेख है जो वर्ष 1930 के दशक में निर्मित और महल नागर मल के रूप में जाने यह हवेली, धनी सेठ कन्हैया लाल अग्रवाल के दो पुत्रो सेठ नागर मल अग्रवाल और सेठ भजन लाल अग्रवाल के द्वारा बनवाई गयी थी यह अग्रवाल परिवार हीरे-जवाहरात का व्यापार करते थे। इस परिवार का व्यापारिक साम्राज्य मद्रास, दिल्ली, पंजाब, पुरे भारत वर्ष के साथ-साथ कई निकटवर्ती देशों के और दूर-दराज के विदेशो बाज़ारों में भी फैला हुआ था।

पुस्तक में एक शोध पात्र लाठ पारिवारिक नाम पर है लाठ नाम में कई प्रकार कि भ्रांति समाज में थी कि क्या लाठ शब्द लाट साहब से निकला है और यह अंग्रेजों द्वारा प्रदान उपाधि है ? शोध द्वारा यह स्थापित हुआ कि एक स्थान परक नाम है हरियाणा राज्य में अग्रोहा के निकट लाठ नामक एक प्राचीन गांव, गोहाना से 10 किमी और सोनीपत से 25 किमी दूर, सोनीपत गोहाना रोड पर स्थित है।

लाठ गांव के अन्य समाज अभी भी लाठ नाम का प्रयोग करते है भारउत्तोलन (पावरलिफ्टिंग) में सुधीर लाठ (जाट समाज लाठ गांव) ने भारत को इतिहास में पहला गोल्ड मैडल दिलवाया, हिमाचल के ऊना में कुछ लाठ ब्रह्मण परिवार रहते हैं। बाकुड़ा में सलामपुर से आये गोयल गोत्री परिवार रहते है जो अपना कुटुंबनाम लाठ लिखते है इन सभी बिंदुओं को मध्यदृष्टि रखते हुए हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते है कि लाठ एक स्थान परक कुटुंबनाम है



इस प्रकार गंगल भी एक गोयन गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह ग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

गंगल गोत्र के सम्बन्ध में कुछ भ्रामक तथ्य परिवार सदस्यों के वैवाहिक सम्बन्ध करते समय सामने आये। इन भ्रामक तथ्यों को दूर करने के लिए अग्रवाल महासभा से सम्पर्क किया गया। उनसे प्राप्त सूचना के अनुसार गोयन गोत्र एवं गंगल गोत्र एक ही माना जाता है। महासभा द्वारा प्रेषित पत्र की प्रतिलिपि पुस्तक में सम्मिलित कर दी गयी है।

इस प्रकार लगभग 70 अग्रवाल कुटुम्ब नामों और 400 वंशवालीओं पर शोध प्रगति पर है जिसमे गर्ग गोत्री चमरिया परिवार, बंसल गोत्री पोद्दार परिवार, ऐरेन गोत्री कुंजका परिवार, जिंदल गोत्री खेमका परिवार, गोयल गोत्री भारूका परिवार, कंदोई मित्तल परिवार, कंदोई सिंघल परिवार आदि इत्यादि इन परिवारों पर विस्तृत जानकारी आने वाले अंकों में दी जाएगी ।

।। लेखक परिचय ।।



हर्ष वर्धन गोयल

हर्ष वर्धन गोयल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक दशक से अधिक से सिंगापुर में कार्यरत हैं। हिन्दी और संस्कृत भाषा के प्रति इनकी विशेष रुचि है और सिंगापुर में हिन्दी परिवार सिंगापुर के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं। हिंदी परिवार सिंगापुर की त्रैमासिक पत्रिका के संपादन में भी इन्होंने विशेष भूमिका निभाई है। हिन्दी परिवार सिंगापुर में अंग्रेज़ी सामग्री का हिन्दी भाषा में अनुवाद करने का शुभारंभ, अनुवाद कार्य का नेतृत्व और संचालन में भी इनका विशेष योगदान रहा है।

हर्ष वर्धन गोयल की उनके अपने जीवन के सुहावने पलों पर आधारित संस्मरिका "स्मृति के पदचिन्ह" (ISBN: 978-81-91765-61-3) पुस्तिका प्रकशित हुई है। दो अन्य पुस्तकें "त्रेता की नारी" और "मन की निहारिका" छपने गयी हुई है इससे पूर्व उन्होंने पतंजलि योगशास्त्र और केनोपनिषद् उपनिषद का इंग्लिश भाषा में अनुवाद किया है, इनकी दर्जनों कविताएँ और कहानियाँ भिन्न-भिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रातः स्मरणीय आदरणीय तात श्री ब्रह्मानन्द अग्रवाल जी और माताश्री स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा देवी जी के पुत्र, पितामह स्वर्गीय सेठ लाला अंगूर शरण जी और पितामही स्वर्गीय श्रीमती किरणवती जी के पौत्र हैं जन्म स्थली दिल्ली और पैतृक स्थान सिवाल खास मेरठ उत्तर प्रदेश, कई पीढ़ी पहले यह परिवार महम के निकट चांदी (जिला - रोहतक) निवास करता था और उससे पूर्व अग्रोहा में, कदाचित 1194 ईस्वी में अग्रोहा विध्वंस होने पर यह महम के पास चिड़ी नामक स्थान में विस्थापित हुआ। उसके पश्चात महम के सेठों पर भी जब बार-बार आक्रमण हुआ तब यह गोयल परिवार महम से बागपत और वह से सराय होता हुआ सिवाल गांव (मेरठ) में बस गया। तत्पश्चात दादाजी और पिताजी ने दिल्ली में निवास बनाया। वर्तमान में श्री हर्ष वर्धन गोयल जी सिंगापुर में निवास करते हैं उनके अग्रवालों के इतिहास के विषय में शोध पूर्ण लेख प्रकाशित होते रहते हैं।

harshgoel2k@gmail.com

अग्रवालों से सम्बंधित मुख्य शोध पत्र और पुस्तकें :

- अहिंसा परमोधर्म - लघु नाटिका (पुस्तिका)
- अग्रवाल कुटुंबनाम प्रदीपिका (पुस्तक)
- अग्रोहा, वैश्य कुल और धन के स्वामी कुबेर का संबंध
- अग्रवाल सेठों का जैन समाज में योगदान
- वर्णवाल भी हैं अग्रवाल
- अग्र वर्ग - पहेली (18 गोत्रों पर आधारित वर्ग पहेली)
- चम्पेय जातक - बौद्ध पुस्तकों में महाराजा अग्रसेन का वर्णन
- जैन साहित्य में महाराजा अग्रसेन का वर्णन
- महल नागर मल - बहावलनगर
- अग्रोहा का इतिहास - इब्न बतूता की पुस्तक उल रेहला से उद्धत
- लाला राम सिंह और गुरु तेग बहादुर की खड़क
- आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान (DNA) विश्लेषण
- सम्राट विक्रमादित्य हेमचन्द्र एक शोध
- महल नागर मल – बहावलनगर
- लाठ (सिंघल गोत्र) कुटुंबनाम परिचय
- गंगल गोत्र परिचय
- राजा टोडरमल का महल
- तीन दिवस का आश्रय - छत्रपति शिवाजी और गनेड़ीवाला परिवार
- कामेश्वर मन्दिर (किरमारा) - अग्रोहा का इतिहास

harshgoel2k@gmail.com



वसुधैव कुटुम्बकम् - अग्रवाल समाज वंशावली - 2025

harshgoel2k@gmail.com